

जैन मन्दिरों के ज्ञान भण्डार



Jñāna Bhaṇḍāras of Jaina Temples

जोधपुर

JODHPUR

हस्तलिखित ग्रन्थों का



Handwritten Manuscripts'

सूची पत्र

CATALOGUE

प्रथम खण्ड



Vol. I

— कृतज्ञता ज्ञापन —

भारत सरकार के राष्ट्रीय अभिलेखागार ने इस सूची पत्र के मुद्रण व्यय की 75% राशि के अनुदान की स्वीकृति प्रदान की है जिस कारण इसका मूल्य लागत का चौथाई मात्र ही रखा है।

— समर्पण —

राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर के प्रथम निदेशक स्वर्गीय पुरातत्त्वाचार्य मुनि श्री जिनविजयजी को समर्पित जिन्होंने पूरे जीवन पर्यन्त पुरातत्त्व की अथक सेवा की।

संकलन कर्ता :

कार्यकर्त्तागण :

सेवा मंदिर रावटी, जोधपुर

342 024

राजस्थान (भारत)



Compiled by :-

Inmates of

Seva Mandir Raoti, JODHPUR

342 024

Rajasthan, India



— विषय सूची —

भाग	विभाग	विवरण	राजकीय विषय क्रम	प्रति मख्या	पृष्ठ
(1)	जैन आगम :—		7		
	(अ)	अंग सूत्र . आचाराङ्ग	..	15	2
		सूत्र कृताङ्ग	..	20	2
		स्थानाङ्ग	..	11	4
		समवायाङ्ग	..	11	6
		व्याख्या प्रज्ञप्ति (भगवती)	..	24	6
		ज्ञानाधर्मकथाङ्ग	..	29	10
		उपासकदशाङ्ग	..	20	12
		अन्तकृतदशाङ्ग	..	12	14
		अनुत्तरोपपातिकदशाङ्ग	..	18	16
		प्रश्न व्याकरण	..	14	18
		विपाक	..	14	18
	(आ)	अंग बाह्य सूत्र :—			
	(i)	उपाङ्ग : औपपातिक	..	13	20
		राजप्रश्नीय	..	21	22
		जीवा जीवाभिगम	..	11	24
		प्रज्ञापना	..	17	24
		जबू द्वीप प्रज्ञप्ति	..	14	26
		चन्द्र प्रज्ञप्ति	..	1	28
		सूर्य प्रज्ञप्ति	..	2	28
		निरियावलियादि पञ्चोपाङ्ग	..	10	28
	(ii)	छेद सूत्र . निशीथ	..	6	30
		वृहत्कल्प	..	1	30
		व्यवहार	..	1	30
		दशाश्रुत स्कन्ध (कल्प सूत्र सह)	..	140	30
		पचकल्प	..	2	44
		महानिशीथ	..	3	44
		जीतकल्प	..	4	44
	(iii)	चूलिका व मूल : नदी	..	15	44
		अनुयोगद्वार	..	6	46
		दशवैकालिक	..	55	46
		उत्तराव्ययन	..	54	52
		शोध निर्युक्ति	..	4	58
	(iv)	आवश्यक सूत्र व पाठ :	..	270	58
	(v)	प्रकीर्णक :	..	62	76
(2)	जैन सिद्धान्त व आचार :—				
	(अ)	तात्त्विक औपदेशिक दार्शनिक	..	1289	82
	(आ)	न्याय	..	42	176

प्रकाशक	सचालक सेवा मन्दिर रावटी, जोधपुर 342 024
वितरक	सत्माहित्य वितरण केन्द्र सेवा मन्दिर रावटी, जोधपुर 342 024 (राजस्थान) भारत
मुद्रक	राज गो प्रिन्टिंग प्रेस, नागौरी द्वार के अन्दर जोधपुर 342 002
संस्करण	प्रथम प्रवेश
वर्ष	विक्रम संवत् 2045, वीर संवत् 2514, शक संवत् 1910 ईस्वी सन् 1988
प्रति	500
पृष्ठ	552
आकार	रॉयल ऑक्टोव (20 × 30 ग्राठ पेजी)

		रु०
मूल्य	कागज (20 × 30 मेपलीयो 13.6 Kg) 37 रोम	8,000
	कपाजिंग छपाई व प्रूफरीडिंग 69 फर्मे	13 000
	जिल्द बंधाई व भाडा ताडा	5 000
		<hr/>
	कुल व्यय	26 000
		<hr/>
	1 प्रति की लागत	52 00
		<hr/>
	विक्रय मूल्य चौथाई	रु 13 50
		<hr/>

निवेदन

- 1 पुस्तक विक्रेता अपना नका/खर्चा अतिरिक्त लेगा ।
- 2 प्राक्कथन में दिये मन्त्रे अवश्य पढ़ें ।
- 3 पुस्तक के अन्त में शुद्धिया का शुद्धि पत्र छपा है ।
- 4 इस पुस्तक पर किसी भी प्रकार का अधिकार प्रकाशक ने स्वाधीन नहीं रखा है ।
- 5 पात्रता देखकर ही पुस्तक दी जावेगा ।

० प्राक्कथन ०

सेवामन्दिर जोधपुर के रावटी स्थित जिनदर्शन प्रतिष्ठान द्वारा देश के इस भू-भाग में आये जैन ज्ञान भण्डारों में और यत्र तत्र बिखरे पड़े हस्तलिखित ग्रन्थों के बारे में कुछ वर्षों से एक परियोजना क्रियान्वित की जा रही है जिसके कतिपय पहलू निम्न प्रकार हैं—

- (i) आधुनिक ढंग से इन ग्रन्थों का पूर्ण बीगतवार सूचीकरण और उन सूची पत्रों का मुद्रण;
- (ii) ग्रन्थों का संग्रहण और भण्डारों का विलीनीकरण;
- (iii) अतिप्राचीन, जीर्ण, प्रथम आदर्श, अद्यावधि अमुद्रित, दुर्लभ, सचित्र, अत्यन्त शुद्ध संशोधित या अन्यथा महत्वपूर्ण ग्रन्थों का फोटु प्रतिबिम्ब या फील्मीकरण;
- (iv) ग्रन्थों के वैज्ञानिक ढंग से भण्डारीकरण एवं संरक्षण हेतु आवश्यक सलाह, सहायता व साधन सामग्री का वितरण ।

इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक निम्न ज्ञान भण्डारों से लगभग एक हजार चार सौ हस्तलिखित ग्रन्थ रावटी भण्डार में आ गये हैं—

- | | | | | |
|-------|---|-----|----------|---|
| (i) | यशोसूरि व केशरगण ज्ञान भण्डार श्री महावीरजी जैन मन्दिर पुरानी मण्डी जोधपुर | 833 | प्रतियां | |
| (ii) | श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मन्दिर क्षेत्रपाल चवूतरा पुरानी मण्डी जोधपुर | 317 | प्रतियां | |
| (iii) | श्री तिवरी मन्दिरजी, श्री देवेन्द्र मुनि, श्री प्रकाशजी बाफणा व ग्रन्थों से सेंट/क्रय | 238 | प्रतियां | |
| | 19 | 129 | 86 | 4 |

योग 1388 प्रतियां

सूचीकरण व सूची पत्रों के मुद्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम ग्रन्थ के रूप में जैसलमेर के पांच ज्ञान भण्डारों का सूचीपत्र मुद्रित होकर प्रकाशित किया जा रहा है और द्वितीय ग्रन्थ के रूप में जोधपुर शहर के निम्न जैन मन्दिरों के ज्ञान भण्डारों का यह सूचीपत्र तैयार होकर प्रकाशित किया जा रहा है ।

सूचीपत्र में स्रोत सकेत

- | | | |
|-------|---|-------|
| (i) | श्री केशरियानाथजी मन्दिर दफ्तरियों का मोहल्ला मोती चौक जोधपुर | के०— |
| (ii) | श्री चिंतामणि पार्श्वनाथजी मन्दिर कोलड़ी, नवचौकिया जोधपुर | को०— |
| (iii) | श्री कुंथुनाथजी का मन्दिर सिधियो का मोहल्ला जोधपुर | कुं०— |
| (iv) | श्री वद्धमान जैन मन्दिर तीर्थ ओसिया जिला जोधपुर
तथा उपरोक्तानुसार रावटी में स्थानान्तरित | ओ०— |
| (v) | श्री महावीर स्वामी मन्दिर पुरानी मण्डी जोधपुर | म०— |
| (vi) | श्री मुनिसुव्रत स्वामी मन्दिर क्षेत्रपाल चवूतरा पुरानी मण्डी जोधपुर | मु०— |
| (vii) | श्री सेवामन्दिर रावटी भण्डार के अन्य ग्रन्थ | से०— |

इस सूची पत्र में 7,350 ग्रन्थों का सूचीकरण किया गया है और जैसा कि सूची पत्र के अवलोकन से स्पष्ट है अधिकतर ग्रन्थ पन्द्रहवीं शताब्दी के बाद के ही हैं । इसका कारण है कि जोधपुर शहर विक्रम संवत् 1516 में ही बसाया गया था और उसके बाद ही ये भण्डार स्थापित हुये हैं । ओसिया मन्दिर का भण्डार भी

नाम	विभाग	विवरण	राजकीय विषय क्रम	प्रति संख्या	पृष्ठ
(3)	जैन भक्ति व क्रिया —				
	(अ)	धार्मिक विधि विधान व पव-व्रत कथायें	7	482	180
	(आ)	स्तवन स्तुति स्तानादि भक्ति रचनायें	,	1215	210
	(इ)	सांप्रदायिक खण्डन मण्डन	..	121	276
(4)	जैन इतिहास व वृत्तान्त —				
	(अ)	जीवन चरित्र व कथानक	..	827	284
	(आ)	ऐतिहासिक भौगोलिक व अन्य वृत्तान्त	..	240	346
(5)	जनेतर धार्मिक —				
	(अ)	वेद	1	4	362
	(इ)	स्मृति	3	15	362
	(ई)	इतिहास व पुराण	4	58	364
	(उ)	दर्शन व आचार्य	5	72	368
	(ए)	भक्ति	8	96	374
	(ऐ)	तंत्र	9	14	380
(6)	मंत्र, तन्त्र, यन्त्र		11	297	382
(7)	साहित्य व भाषा —				
	(अ)	काव्यादि साहित्यिक ग्रंथ	12	354	400
	(आ)	व्याकरण	13	273	426
	(इ)	शब्दकोश	14	79	444
	(ई)	छन्द, काव्य व भाषा शास्त्र	15	66	450
	(उ)	ग्रन्थकार	16	16	454
(8)	आयुर्वेद (वैद्यक) —		23	150	456
(9)	ज्योतिष व निमित्त —				
	(अ)	ज्योतिष (I) कलित (II) सगणना (III) मूहृत (IV) प्रश्न	24	606	466
	(आ)	गुरुन, सामुद्रिक व अन्य निमित्त विद्या	24	89	508
	(इ)	गणित शास्त्र	24	17	516
(10)	अवर्गीकृत शेष —				
	बला, सामाजिक ज्ञान, जड विज्ञान, ज्ञान कोशादि		17 से 22 व 25	28	516
			कुलप्रतिमा	7,350	

परिशिष्ट - 1 ग्रन्थकारा की सूची (प्रकारादिब्रम स)
शुद्धिपत्रक

520

ग्रथिक पुराना नहीं है। इन भण्डारों की स्थापना का विशेष कोई इतिहास प्राप्य नहीं है। श्री महावीर स्वामी मन्दिर के भण्डार खरतर गच्छ के प्राचाय श्री यशमूरिजी व उनके शिष्य श्री केदारगणु द्वारा विग्रह की 20वीं शताब्दी में व्यवस्थित रूप से संकलित किये गये थे। केवल श्री बुधनाथजी के मन्दिर के भण्डार को छोड़कर (जो कि पापवद गच्छ के प्राचाय श्री पापवचदजी द्वारा स्थापित किया हुआ प्रतीत होता है) बाकी के मन्त्र भण्डार जन श्वेताम्बर खरतरगच्छ की प्राणायाम वाता द्वारा स्थापित व वनस्पित है और इसी कारण प्रायः करके सभी भण्डारा व ग्रथ एक सरीखे ही हैं।

यह सूची पत्र किस प्रकार बनाया गया है तत्सम्बन्धी जानकारी व स्पष्टीकरण निम्नलिखित 'संकेत' में दिये जा रहे हैं इस सूची पत्र का सही रूप में उपयोग हो मके उम वाम्ने उस लेख को ध्यान पूर्वक पूरा पढ़ लेना अनिवार्य है। उम पर भी यदि मुद्रित जानकारी व सूचना से किसी ग्रथ के बारे में पाठक वृद्ध को सतोष न हो सका हो या विशेष जिज्ञासा हो तो प्रायना है कि हमसे सम्पर्क करें। प्रति प्रादि उपलब्ध कराने में और उन्हें हर प्रकार से सहयोग देने में हम हमारा अग्रहीभाग समझेंगे।

० संकेत ०

साठ तौर पर यह सूचीपत्र प्रचलित कैटलोगस कैटलोगोरम (Catalogus Catalogorum) पद्धति व भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्रानुसार बनाया गया है। ग्रथा का विभागीकरण विषय सूची के अनुसार है। वह भी लगभग सरकारी विषय विभाजन से मेल खाता है। चूंकि यह सूची पत्र जन ज्ञान भण्डारा का है इसलिए इसमें जन ग्रथा की बहुतायत है। यद्यपि सरकारी प्रपत्र के अनुसार सभी प्रकार के जन ग्रथा का केवल एक ही भाग नम्बर सातवें में डाला जाता है परंतु हमने आवश्यक समझकर इन जन ग्रथों का चार भाग (1 से 4) में बांटा है जिनका पुन क्रमशः 2+2+3+2 कुल मिलाकर 9 विभाग किये हैं और पहिले भाग के दूसरे विभाग के पांच उप विभाग किये हैं। अष्ट भाग 1 से 4 तक सभी विभाग व उपविभाग मिनकर सरकार द्वारा निर्धारित सातवें भाग की अंतर्गत आते हैं। भाग 5 जनतर धार्मिक ग्रथों का है जिसमें सरकार द्वारा निर्धारित भाग 1 से 10 (किसी उल्लेख्य भाग 7 छोड़कर) इन 9 भागों के ग्रथों का समावेश है और उन्हें क्रमशः (अ) से (इ) तक विभाजित कर दिया है। इसी प्रकार इस सूची पत्र के भाग 6, 7 और 9 में क्रमशः सरकारी निर्धारित भाग 11, 12 से 16, 23 व 24 के ग्रथा की अलग अलग श्रेणियाँ दी गई हैं। और चूंकि भाग 17 से 22 व 25 तक के ग्रथ बिल्कुल थोड़े हैं अतः उन्हें इस सूचीपत्र के प्रतिम भाग 10 में अवर्गीकृत रूप में दिया गया है।

जन ग्रथों के भाग विभाग व उपविभाग के भीषणों को देने से सारा विभाजन लगभग स्पष्ट हो जावेगा। हम आगमों की मन्दा के विवाद में नहीं पड़ना चाहते हैं और जो कोई भी ग्रथ किसी भी सम्प्रदाय द्वारा आगम माना जाता है वह हमने आगम में ले लिया है। चूंकि सांप्रदायिक लक्षण मण्डन विशेषकर धार्मिक क्रिया काण्ड से सम्बन्ध रखते हैं अतः इसे उस भाग का ही एक विभाग बना दिया है।

तथा अनुक्त ग्रथ किस विभाग में डाला जाना चाहिये इस बारे में कोई बार एक से अधिक मत संभव होते हैं अथवा एक ही ग्रथ में विविध प्रकार की विषय वस्तु होती है अतः एक दम निर्विवाद शुद्ध विभाजन संभव है और जो विभाजन किया गया है उसके लिये एकान्त रूप से हमारा आग्रह भी नहीं है।

सूचीपत्र के स्तम्भों में दी गई सूचना को मुख्यतः दो भागों में बांट सकते हैं—कुछ स्तम्भों की वीगत तो उस ग्रन्थ से सम्बन्ध रखती है और कुछ स्तम्भों की वीगत उस प्रति विशेष से ही सम्बन्धित है। अब हम प्रत्येक स्तम्भ का थोड़ा विश्लेषण करना उपयुक्त समझते हैं—

स्तम्भ 1—क्रमांक :—

इसमें हमने विभागीय, या जहाँ है वहाँ उपविभागीय क्रमांक दिया है। सामान्य अनुक्रमांक सारे ग्रंथ तक एक ही चालू रखा जा सकता था परन्तु हमारी गय में विभागीय संख्या का महत्व अधिक है और मुद्रण आदि में सुविधाजनक भी है। वैसे विषय सूची में कुल प्रतियों की संख्या का योग आ ही गया है। साधारणतया हर प्रति की अलग प्रविष्टि करके विभागीय क्रमांक दे दिया गया है। परन्तु कई ग्रंथों की अर्वाचीन प्रतियाँ जो अति सामान्य हैं और पाठ भेद आदि दृष्टियों से महत्वहीन हैं उनकी प्रविष्टि एक साथ कर दी गई है लेकिन वहाँ भी जितनी प्रतियाँ हैं उतने क्रमांक दे दिये हैं। (देखिये पृष्ठ 170 सिंदूर प्रकर सात प्रतिये एक साथ में क्रमांक 1201 से 1208)। इस तरह सूची पत्र को अनावश्यक रूप से बड़ा नहीं होने दिया है। इसके विपरीत जिस संयुक्त प्रति में एक से अधिक उल्लेखनीय ग्रन्थ हैं उन सभी ग्रन्थों की अलग अलग प्रविष्टियाँ विभागानुसार अकारादिक्रम से वीगतवार यथा-स्थान कर दी हैं और क्रमांक दे दिये हैं। और चूँकि ऐसी प्रत्येक प्रविष्टि में पन्नों की संख्या पूरी प्रति की ही लिखी है, जो अमोत्पादक न हो जाए इसलिये पन्नों की संख्या पर * तारे का चिन्ह लगा दिया है। तथा जहाँ आवश्यक समझा गया है वहाँ संयुक्त प्रति के प्रथम ग्रन्थ की प्रविष्टि देखने की सूचना कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त कई प्रतियाँ विशेषतः स्तवन मन्त्रादि एक दो पन्नों के अति लघु ग्रन्थ होते हैं। तथा प्रत्येक भण्डार में कई सारे पन्ने स्फुट और त्रुटक भी होते हैं और कई गुटके भी होते हैं जिनमें बहुत सी छोटी-मोटी कृतियों का सकलन होता है। हमने इन सब लघु ग्रन्थों, स्फुट व त्रुटक पन्नों और गुटकों की पूरी छानबीन करके जो मुख्य या सकलनीय रचनायें प्रतीत हुईं उनकी तो अलग अलग प्रविष्टियाँ कर दी हैं; तथा बाकी बचे हुए इन अमहत्वपूर्ण व अनुल्लेखनीय लघु ग्रन्थों व पन्नों को मिलाकर एक ही क्रमांक पर विभागानुसार अंत में प्रविष्टि कर दी है। कदाचित् विषय की अधिक गहराई में जाने वाले के लिए इन लघुकृतियों व स्फुट त्रुटक व अपूर्ण पन्नों की उपयोगिता हो सकती है। इसी प्रकार गुटकों को भी क्रमांक देकर अलग से भी प्रविष्टि कर दी है। इस तरह हमने भण्डार की समस्त प्रतियों पूर्ण या अपूर्ण, गुटकों तथा स्फुट पन्नों व त्रुटक या लघु ग्रन्थों आदि सबको सूची पत्र में ले लिया है—बाहिर कुछ भी नहीं छोड़ा है।

स्तम्भ—2—स्रोत परिचयाङ्क :—

चूँकि यह सूचीपत्र केटेलोगस केटेलोगोरम पद्धति से बनाया गया है अतः इस स्तम्भ की आवश्यकता है ताकि ग्रंथ उपलब्धि आसानी से की जा सके। भंडारों के सूचक अक्षरों का स्पष्टीकरण सुगम्य है—यथा

ओ०—1 अ 16	=	ओसिया के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
कु०—47/3	=	श्री कुथुनाथजी के मन्दिर के भण्डार की पोथी सैतालीस प्रतिसंख्या तीन
के०—2/4	=	श्री केशरियानाथजी के भण्डार की 2 नम्बर की पेट्टी की चौथी प्रति
को०—1	=	कोलडी श्री पार्श्वनाथजी मन्दिर के भण्डार की एक नम्बर की प्रति
म०—1 अ 1	=	श्री महावीर स्वामी मंदिर के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
मु०—1 अ 46	=	श्री मुनिसुब्रत स्वामी मंदिर के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
से०—1 अ 58	=	सेवामन्दिर रावटी भण्डार की इस नम्बर की प्रति

स्तम्भ 3—ग्रन्थ का नाम :—

जैन आगम भाग को छोड़कर प्रत्येक विभाग के ग्रन्थों को अकारादिक्रम से लिखा गया है और उन्हीं सूचीपत्र में उल्लेखित ग्रन्थों को पुनः परिशिष्ट में अकारादिक्रम से सजाने की विनय आवश्यकता नहीं समझी गई है।

जन्म ग्रामों की जैन मा यतानुसार अगसूत्र और अगवाह्य सूत्र (पाच उप विभागो म विभाजित) का जो क्रम नियत है तदनुसार लिखा गया है और यह विषयसूची से स्पष्ट हो जाता है।

लेकिन विभागीकरण की तरह नामकरण में भी एकरूपता नहीं हो सकती क्योंकि भिन्न-2 अक्षर समोत्रना से प्रथमनाम का प्रथम अक्षर भी भिन्न हो जाता है। उदाहरण स्वरूप "गौरी पाप्य स्तात्र" और 'चित्तमणि पाप्य स्तात्र" का हमने क्रमशः पाप्य (गौरी) स्तात्र" और पाप्य (चित्तमणि) स्तोत्र एमा नाम देकर दोनों स्तात्रों को अक्षर 'पा' के नीचे सूचकित करना अभीष्ट समझा है। कई बार एक प्रथम विद्वत् जगत् म एक से अधिक नामों से प्रचलित होता है जैसे दर्शन सत्तरी का 'सम्यक्त्व सत्तरी' भी कहते हैं और विचार पत्रिका "चतुर्विंशतिदण्डक" "चौबीसदण्डक" या केवल 'दण्डक" के नाम से भी प्रसिद्ध है। उपरोक्त कठिनार्थों से उत्पन्न समस्याओं का निराकरण हेतु पाठकों से और विशेषतया शोधार्थी पाठकों से हमारा निवेदन है कि प्रसिद्धित ग्रंथों की प्रविष्टि के बारे में निराश्रय होने के पहले सम्भावनीय विविध विवरणों के अनुसार सूचीपत्र को अच्छी प्रकार से देखें तथा लेखक परिशिष्ट की भी मदद लें। इस वास्तविक प्रथम सूची को हृदयगम करने तथा प्रविष्टि के सभी स्तम्भों का देखना व इस प्रायः कथन संकेतों को भी ध्यानपूर्वक पढ़ना आवश्यक है। सूचीपत्र में विभागीकरण, विषय सूची प्रकारादिप्रमाणिका इत्यादि सुविधा के हेतु हैं परन्तु प्रमादवश उसे ही एक मात्र आधार या सहाना बना लेंगे तो विद्यमान होत हुए भी प्रथम हाथ नहीं लगेगा।

स्तम्भ 3 A —

इसमें प्रथम का नाम रोमन लिपि में दे दिया है ताकि देवनागरी लिपि में जानने वालों को कुछ सुविधा हो जाय। तथा उनका महूलियत के नियम ही सूचीपत्र में सर्वत्र भारतीय अक्षरों का अन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में किया गया है।

स्तम्भ 4—प्रथम अक्षरों का नाम —

इस स्तम्भ में प्रथम अक्षरों का नाम व उसका गुरु या पिता का नाम और उसकी आत्माय भी दे दी गई है ताकि पूरा नाम परिचय हो जाय। यदि प्रथम वृत्ति अक्षर सहित होने से दो अर्थवा दो से अधिक लेखकों की वृत्ति हो तो उन दोनों या सबका नाम व परिचय दिया गया है। उनमें ब्रह्मानुभार प्रथम नाम मूल लेखक का है और/अथवा अग्रे वृत्तिकार अक्षरों का नाम लिखा गया है। जहाँ लेखक का नाम प्रति में नहीं है वहाँ स्तम्भ को खाली ही रखा है। लेकिन जहाँ पक्का निश्चय हो गया है कि लेखक का नाम जानने वाला नहीं है वहाँ 'अज्ञात' शब्द लिख दिया है। कहीं कहीं साथ में प्रथम की रचना के रूप का उल्लेख भी दिया है यद्यपि अच्छा यह रहता कि रचना समय की जानकारी एक स्वतन्त्र स्तम्भ में दी जाती।

स्तम्भ 5—स्वरूप —

इस स्तम्भ में सूचना दो दृष्टिकोणों से दी गई है। प्रथमतः यह बताया गया है कि प्रथम गद्य या पद्य का चपू या नाटक या सारिणी या तालिका या यत्र आदि किस प्रकार का है तथा दूसरे में यह बताया गया है कि प्रथम का स्वरूप क्या है—मूल नियुक्ति पूर्ण भाष्य, वृत्ति दीपिका अथवा चरित्र, टब्बा (स्तवक), बालाविबोध, वाचन अतर्वाच्य व्याख्यान टीका विवरण, स्वीपन विवृति आदि किस किसमें या जाति का है। प्रथम करने प्रकार या स्वरूप की दर्शने वाले उपरोक्त शब्दों के प्रथम अक्षर का लिख दिया है जिसका तात्पर्य उस शब्द से लगा लेना चाहिये। बहुधा एक ही प्रति में दो किंवा दो से अधिक स्वरूप साथ में हैं तो वहाँ उल्लेख संकेत दे दिये हैं तथा प्रथम का नाम लिखत हुए भी कहीं-कहीं यह उल्लेख कर दिया है। उदाहरण — 'प्रवचन सारोद्धार सहृदित' मू (प) + व (य) = अर्थात् मूल पद्य में तथा वृत्ति सहित जा गद्य में है।

सामान्य पाठकों की सुविधा के लिये प्रथमों के स्वरूप का स्पष्टीकरण दे देना उचित होगा जो निम्न प्रकार है।

मू = मूल (Bare Text)

अर्थात् ग्रन्थ का मूल पाठ मात्र है।

नि० = निर्युक्ति (Explication)

जो निश्चित रूप से समग्रता व अधिकता को लिये हुवे, सूत्र में अभिहित, अन्तर्निहित संकेतित या स्थित है उन जीव अजीव आदि विषयों के अर्थों को भली प्रकार परस्पर वाच्य वाचक सम्बन्ध पूर्वक प्रकट करने के उपाय को (युक्ति योजना या घटना को) निर्युक्ति कहते हैं।

यद्यपि सूत्र में अर्थ बीज रूप में वर्तमान है तो भी शिष्यों के लिए उसका रहस्योद्घाटन या विश्लेषण करना द्विभाषण नहीं है, तथापि निर्युक्तिकार अधिकारक विद्वान है। सभी निर्युक्तियाँ प्राकृत भाषा की पद्य मय रचनायें हैं। निक्षेप उपोद्घात व सूत्रस्पर्शिक ये तीन इसके प्रकार हैं। निर्युक्ति निरुक्त से भिन्न होती है और कई आचार्य इसके दो भेद भी करते हैं—स्पर्श निर्युक्ति व निश्चयेन उक्ति।

भा० = भाष्य (Treatise)

मूल ग्रन्थ पर वह विशद रचना जिसमें प्रायः भाष्यकार का स्वयं का भी अर्थपूर्ण योगदान होता है भाष्य कहलाता है।

यह प्रायः पद्य शैली में लिखा जाता है और मूल ग्रन्थ की संपूर्ण विषय वस्तु की विभिन्न दृष्टियों से समीक्षा भी की जाती है।

चू० = चूर्णि (Exegesis)

मूल सूत्र की जो गद्य शैली व सरल भाषा में विस्तार सहित अध्येता को हृदयंगम कराने के लिये अभिव्यक्ति की जाती है उसे चूर्णि (या चूर्ण) कहते हैं।

चूर्ण घातु 'पेषण' के अर्थ में है अर्थात् सूत्रों का चूरा करके सुग्राह्य व गुपाच्य बना दिया जाता है।

वृ० = वृत्ति (Exposition)

वृत्ति एक वह उपयोगी व महत्त्वपूर्ण विवेचन है जिसके माध्यम से शब्दार्थ सह अनुगामिनी व्याख्या द्वारा मूल लेखक का संपूर्ण अभिप्राय निष्ठापूर्वक हेतु नय, शकासमाधान आदि सम्मेल स्पष्ट कर दिया जाता है।

यद्यपि वृत्ति व चूर्ण शब्द का प्रयोग एक दूसरे के लिये कर दिया जाता है तो भी सामान्य पाठक के लिये यह सूचना है कि समस्त चूर्ण साहित्य (अल्प संस्कृत मिश्रित) प्राकृत भाषा में ही उपलब्ध है जबकि सारी प्रचलित वृत्तियाँ संस्कृत में हैं।

दी० = दीपिका (Illuminant)

यथानाम दीपक की तरह मूल ग्रन्थ पर लघु प्रकाश डालने वाली रचना को दीपिका कहने हैं।

प्रायः करके वृत्ति की पश्चात्पूर्ती होती है और भावानुवाद द्वारा उसमें रही हुई जटिलता का यह निराकरण व सरलीकरण भी करती है।

प्र० = अर्थचर (Elucidatory Version)

मूल ग्रंथ व उस (प्रायः करके संस्कृत) रूपान्तर को अर्थचर कहते हैं जिसमें बिना विस्तार के भी भाषा-पत्र की तरह बिल जाता है। अर्थ शब्द अनुप्रासी के ग्रंथ में है माटा चूण हो किया जाता है।

वा० = वाचना (Discourse)

शास्त्र सिवान हनु स्वाध्यायी को पाठ रूप में जो वक्तुना गुह द्वारा दी जाती है उसे वाचना कहते हैं। एम देशी भाषा में बधाग कह सक्त हैं जिसमें व्याख्या व प्रसा दाना सा समावेश हो जाता है।

व्या० = व्याख्यान (Lecture)

तदथ बुलाई गई सघोष्ठी में उक्त विषय पर जानवृत्त ढग में दिये गये भाषण को व्याख्यान कहते हैं।

टि० = टिप्पणक (Annotation)

ग्रंथ का खुलामा करन के निय जो पद-टिप्पणिया की जाती है उक्त टिप्पणक कहते हैं।

चू० = चूलिका (या चूडा (Excursus))

मूल सम्बन्धित या भूवित अर्थ की विशेष प्ररूपणा के लिए विशिष्ट सग्रह जा बहुधा ग्रंथ के अंत में जाडा जाता है चूलिका या चूडा कहा जाता है। पहाड की चोटी के सदृश माना ग्रंथ पर कलश हो।

प० = पजिका (Expansion)

मूल ग्रंथ व कतिपय अर्थ का मारयुक्त विवेचन पजिका कहलाना है। पजिका = पदमजिका।

टी० = टीका (Commentary)

आलोचना समालाचना करते हुए निमी भी ग्रंथ के तात्पर्य को बीगतवार व विस्तृत रूप से प्रकट करने वाले ग्रंथ को टीका कहन है।

वा० = बालाविवाय (Vernacular)

साहित्यिक भाषा में लिखे गये मूल ग्रंथ का वह मस्करण जो देशी बोलेचाल की भाषा में व्यक्त किया जाता है बालाविबोध (बालाविबोध बालाविबोध बालबोध) कहनाया है चाकि सामान्य जन भी उसका लाभ उठा सक।

ट० = टब्बाय (Gloss)

पुरानी हस्तलिखित प्रतिया में अल्पपरिचित शब्द या पदा के निवेचन या भाषाथ की बहुधा उस प्रति में ही मूल श्वात के ऊपर सरन भाषा में (या देशी बोली में) की गई संक्षिप्त लिखावट को टब्बाय कहा जाता है। गमे स्पष्टीकरण को स्तरक भी कहन है।

स्वा० = स्वोपनवृत्ति (Own Dilation)

पचन ग्रंथ को और अधिक खुला बनाने के लिये जब मूल लेखक स्वयं उस पर वृत्ति (या भाष्य आदि) लिखकर विस्तार करता है ता उसे स्वोपन वृत्ति (या भाष्यादि) कहते हैं।

दु० = दुग पद पर्याय (या विषय पद बोध आदि) (Terminology Made-easy)

ग्रंथ में अर्थ हूव कठिन या दुगम्य शब्द या पदावली का सरल भाषा में निवेचन, परिभाषा अथवा पद पचन दुग पद पर्याय कहा जाता है।

अन्त० = अन्तर्वाच्य (Intervenient)

वाचना में पूरक रूप से वाह्य वस्तु का समावेश कर परिवर्द्धन करना अन्तर्वाच्य है। 'प्रक्षिप्त' तो मूल पाठ का भाग ही बना दिया जाता है—अन्तर्वाच्य उससे भिन्न है।

अनु० = अनुवाद (Translation)

ग्रन्थ की मूल भाषा को न जानने वालों के लिए भाषान्तर द्वारा ग्रन्थ के शुद्ध स्वरूप का उनकी भाषा में प्रस्तुतिकरण अनुवाद कहलाता है।

व्याख्या = (Explanation)

मूल कृति के मर्म को आसानी से समझा देने वाली ग्रन्थ पद्धति की सामान्य संज्ञा व्याख्या है। शास्त्रीय दृष्टि से इसके 6 अंग होते हैं—सहिता पदच्छेद, पदार्थ, पदविग्रह, चालना और प्रत्यावस्था।

वि० = विवरण (Narration)

विवरण शब्द सामान्य न कि विशेष पारिभाषिक, अर्थ में ही प्रचलित है। अलवचना वृत्ति के लिए इसका प्रयोग अधिक होता है।

यद्यपि उपरोक्त परिभाषाये दी गई है तो भी वे कोई कठोर निश्चयात्मक नहीं हैं एक ग्रन्थ एक से अधिक परिभाषाओं के अन्तर्गत आ सकता है। अतः हमने भी ग्रन्थकार ने जैसा अपने ग्रन्थ को कहा है वैसा ही मान लिया है।

स्तम्भ 6— विषय संकेत :—

यद्यपि मोटे रूप में विभागानुसार विषय संकेत हो जाता है तो भी इस स्तम्भ में ग्रन्थ की विषय वस्तु का अति संक्षिप्ततम सारांश परिचय रूप में दिया है जो पाठकों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

स्तम्भ 7— भाषा.—

ग्रन्थ प्राकृत, संस्कृत अपभ्रंश आदि जिस भाषा में लिखा गया है उस भाषा को या तो प्रथम अक्षर से दर्शाया गया है और नहीं तो भाषा का पूरा नाम लिख दिया है।

इस प्रकार—

प्रा० = प्राकृत

डि० = डिङ्गल

रा० = राजस्थानी

स० = संस्कृत

हि० = हिन्दी

मा० = मारुगुर्जर

अ० = अपभ्रंश

गु० = गुजराती

के बोधक हैं।

जहाँ ग्रन्थ (मूल—वृत्ति आदि) एक से अधिक भाषा में है वहाँ उन सभी भाषाओं को बता दिया है। मिश्रित होने से कई बार ग्रन्थ की भाषा क्या है इस बारे में मतभेद भी हो सकता है जैसे 'जयतिहुअण' स्तोत्र को कई लोग प्राकृत की रचना कहते हैं तो कई उसे अपभ्रंश की। जिन ग्रन्थों की भाषा को हमने 'मारुगुर्जर' की संज्ञा दी है उस बारे में स्पष्टीकरण करना चाहेंगे।

पश्चिमी राजस्थान व गुजरात इस भू-भाग की भाषा विक्रम की लगभग 18वीं शताब्दी तक प्रायः एक सी ही रही है और उसमें विपुल साहित्य रचा गया है। अपभ्रंश भाषा के काल के बाद, प्रदेश की उस भाषा को क्या नाम दिया जावे इस बारे में विद्वान एक मत नहीं हैं। चूँकि विगत दो ढाई शताब्दियों में राजस्थानी व

गुजराती भिन्न भिन्न भाषाओं के रूप में उभरी है अतः इस प्रभाव में आकर प्राणैतिक व्यामोह के कारण 13वीं से 18वीं दशक 5-6 शताब्दियों में रचे गये ग्रन्थों की भाषा को कई लोग तो गुजराती या प्राचीन गुजराती कहते हैं और कुछ लोग राजस्थानी कहते हैं। उदाहरण स्वरूप घटमदावाद (गुजराती वताई है, जबकि जोधपुर में उरली के ग्रन्थों की भाषा को स्वयं प्रथमप्रभाकर मुनि पुण्यविजयी ने गुजराती बताया है, जबकि जोधपुर (राजस्थान) से छपे सूची पत्र में उहीं ग्रन्थों की भाषा स्वयं पत्र श्री मुनि जिनविजयजी ने राजस्थानी बताया है। इस समय भू-भाग में विचरण करने वाले हान के कारण जन साधुना द्वारा रचित जैन साहित्य में तो यह भाषा प्रयुक्तता व साम्य बनाकर अधिक है कि भाषा भेद की कल्पना ही ह्याम्यास्पद लगती है। प्रायःकत्ता न स्वयं की बोली में रचना की उन बोली को पढ़ाई मना कर आया नहीं करना चाहिए अतः इस भाषा विवाद में न पड़कर हमने मध्यम भाग का अनुसरण करना ही प्रेम्बर सभभा है और कुत्रयमारा नामक प्रसिद्ध ग्रन्थ में सुभाषे गय मा- गुजर नाम से इस भाषा का बताया है जिसमें 19वीं शताब्दी से पूर्व की लगभग 5-6 शताब्दियों की इस भाषा की जानकारी किंवा साहित्यिक भाषा का समावेश हुआ गया है।

इस प्रकार उपरोक्त मातृसभभा में ग्रन्थ मन्थनी जानकारी के मन्थना का स्पष्टीकरण के बाद अब उन सभभा का विवरण किया जाता है जो मुख्यतः प्रस्तुत प्रति में ही सम्बन्धित है।

स्तम्भ 8- पत्रों की संख्या—

इस स्तम्भ में प्रति के कुल पत्रों की गूढ़ संख्या जो है वह निम्न दी गई है जिसको द्विगुणित करने से पत्रों की संख्या प्राप्त होती है। यथा यद्यपि पत्रों की गिनती मन्थनी संख्या लिखी गई है और जीव में जो पत्र कम हैं अथवा प्रतिरहित हैं उन संख्याओं की टिप्पणी दे दी गई है। छपूरी या अणुण तथा कहीं कहीं नुदक प्रति के भी पत्रों की संख्या को उपरोक्त है अथवा कम है योगनकार नियत दिया है। तथा एक से अधिक प्रतिपत्रों की प्रतिपत्र एक साथ की गई है वहां प्रत्येक प्रति पत्रों की संख्या अलग-अलग लिखी गई है जिनका क्रम विभागीय संख्यानुसार है अथवा समझ लेना चाहिए।

स्तम्भ 8A- नाप—

इस स्तम्भ में प्रति के वार में चार प्रकार से सूचना दी गई है। पहिली संख्या प्रति की लम्बाई और दूसरी संख्या प्रति की चौड़ाई बताती है जो दोनों से ही दाना में टी-मीटर में है। तीसरी संख्या प्रतिपृष्ठ (न कि प्रति पत्र में) लिखनी संख्या है यह बताती है और चौथी संख्या प्रति पत्र की घनत्व जिनमें अक्षर हैं यह दिखाती है। चारों संख्याओं को टी-मीटर में लिखा है और उन्हें अलग 2 करन हेतु मुखिया के नियत बीच में 'x' निशान लगा दिया है। जहां ग्रन्थ केवल एक पत्र लिखना स्वरूप ही है वहां लंबाई व अक्षरों को संख्या नहीं दी है। तथा जहां प्रति पत्रपृष्ठों (अर्थात् बीच में सूत्र ग्रन्थ व उनके चारों ओर वृत्ति आदि लिखी हुई) या टाबल सहित है वहां पत्रिका व अक्षरों की संख्या सूत्र को ही दी है। तथा एक से अधिक प्रतिपत्रों की प्रतिपत्र एक साथ में की गई है वहां केवल प्रतिपत्रों की संख्या चौड़ाई ही दी है और वे भी जय प्रति प्रति भिन्न है तो लम्बाई व चौड़ाई दोनों की लघुतम व दीर्घतम दाना संख्याएँ लिख दी गई हैं। उदाहरण—भाग 3 (आ) मत्तारम स्तोत्र 5 प्रतिपत्रों की प्रतिपत्र के सामने 24 से 27 x 12 से 13 लिखन का तात्पर्य यह है कि इन पांच प्रतिपत्रों की लम्बाई भिन्न भिन्न हैं जो बीच में 24 और ऊपर में 27 से-टीमीटर है और दूसरी प्रकार चौड़ाई भी भिन्न-2 है जो बीच में 12 और ऊपर में 13 से-टीमीटर है। चूंकि से-टीमीटर की कोई बहूत विस्तार वाली दूरी नहीं है अतः हमने मीलीमीटर में जाना अधिक नहीं समझा है—आप से अधिक को पूरा से-टीमीटर गिन लिया है और आगे से कम का जोड़ दिया है।

स्तम्भ 9- परिमाण—

इस स्तम्भ में भी सूचना दो संकेतों में दी गई है—

- (i) ग्रन्थ के स्कन्ध (खण्ड) पर्व, सर्ग, अध्याय, प्रकाण, परिच्छेद, अधिकार, प्रकरण, उद्देशक, ढाल, पद, छन्द, गाथा, श्लोक आदि की सख्या द्वारा उसका परिमाण बताया गया है। जहाँ उपलब्ध है वहाँ ग्रंथाग्र [ग्रन्थ के कुल अक्षरों की सख्या को 32 (प्राचीन अनुष्टम्ब छंद का अक्षर परिमाण) से भाग देने पर आने वाला भजनफल ग्रंथाग्र कहलाता है] सख्या भी लिख दी है। परन्तु कभी-कभी यह ग्रंथाग्र संख्या वास्तविकता से मेल नहीं भी खाती है क्योंकि लिपिक इस सख्या को अनुमान से अथवा बड़ा चढ़ाकर अथवा परंपरागत शास्त्र वर्णित परन्तु वर्तमान में अनुपलब्ध है, वह लिख देते हैं। सूचीपत्र में दी हुई पत्रों की सख्या को दुगुना करने से पृष्ठों की सख्या आ जाती है और उसे पंक्ति प्रतिपृष्ठ की सख्या से गुणा करने पर ग्रंथ के कुल पंक्तियों की सख्या आ जाती है और उसे औसतन अक्षरों की सख्या से गुणा करने पर ग्रन्थ के कुल अक्षरों की सख्या आ जाती है जिसमें 32 का भाग देने से ग्रंथाग्र की सख्या आ जावेगी—इस प्रकार पाठक स्वयं ग्रंथाग्र अनुमानित कर सकते हैं।
- (ii) साथ में यह भी बताया गया है कि प्रति संपूर्ण है या अपूर्ण या टुकट और यदि अपूर्ण है तो कितनी अपूर्णता है। यदि प्रति पूरे ग्रंथ के एक अंश हेतु ही लिखी गई है और वह अंश पूरा है तो उसे 'प्रतिपूर्ण' कहा गया है। प्रथम या अन्तिम पत्रा बहुधा नहीं होते हैं तो प्रति को अपूर्ण न कहकर वैसी टिप्पणी लिख दी गई है कि पहला या अन्तिम पत्रा कम है। उपरोक्त परिमाण सूचक शब्दों के प्रथम अक्षर ही बहुधा सूची पत्र में लिखे हैं अतः तदनुसार अर्थ लगा लेना चाहिये—जैसे स = संपूर्ण, अ = अपूर्ण, ग = ग्रंथाग्र।

स्तम्भ 10— प्रतिलेखन वर्ष, स्थल व लिपिक :—

इस स्तम्भ में प्रति के बारे में तीन प्रकार से सूचना दी गई है—

- (i) सर्व प्रथम प्रस्तुत प्रति जिस वर्ष में लिखी गई है वह विक्रम सवत् दिया गया है। कदाचित् कहीं पर शक या वीर सवत् या अन्य साल है तो वैसा विशिष्ट उल्लेख कर दिया गया है। विक्रम सवत् से शक सवत् व ईस्वी सन् क्रमशः 135 और 56 कम होता है जबकि वीर सम्बत् 470 अधिक होता है, परन्तु बहुत सी प्रतियों में उनका प्रतिलेखन सवत् लिखा हुआ नहीं मिलता है। ऐसी अवस्था में अनुमान से वह प्रति जिस शताब्दी में लिखी प्रतीत हुई वह विक्रम की शताब्दी लिख दी गई है। यद्यपि अनुमान लगाते हुए हमने पर्याप्त अनुदार दृष्टि से काम लिया है (अर्थात् सदेहास्पद मामलों में प्रति को प्राचीन की अपेक्षा अर्वाचीन ही बताने की श्रम भुकाव रहा है) तो भी अन्दाज तो अन्दाज ही है। अतः पाठकों को सलाह है कि हमारे इस अन्दाज को ठोस आधार न मान ले। भिन्न-भिन्न वर्षों में लिखित प्रतियों की प्रविष्टि जब एक साथ ही की गई है वहाँ कालावधि की सीमाये व यथा योग्य सूचना दे दी गई है।
- (ii) दूसरी सूचना प्रति किस स्थल में लिखी गई है उसकी है और
- (iii) तीसरी सूचना लिपिक के नाम की है

स्तम्भ 11— विशेषज्ञातव्य—

उपरोक्त सत्र के अलावा ग्रन्थ अथवा प्रति के बारे में जो भी सूचना देना उपादेय या आवश्यक समझा गया है उन वास्तविक स्तम्भ की शरणा ली गई है। यह तरह-तरह की जानकारी से भरा गया है और इसका अयत्नपूर्वक विवेक बिना प्रविष्टि पूरी देवती है ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस स्तम्भ में दी गई जानकारी के कतिपय उदाहरण हैं—चित्रित, तशोचित, अपठनीय, जीर्ण, प्रथम आदर्श, ताडपत्रीय या वस्त्र पर, देवनागरी से भिन्न लिपि, स्वर्णाक्षरी, ग्रन्थ का दूसरा प्रचलित नाम, प्रशस्ति है, वृत्ति आदि का नाम जो अक्सर वृत्तिकार अपनी कृति को देते हैं, नाथ में गीण वस्तु जो सत्तम हो आदि 2।

उपरोक्त स्तम्भों के अतिरिक्त सरकारी निर्धारित प्रपत्र द्वारा चार अन्य स्तम्भों की अपेक्षा की गई है जो निम्न प्रकार हैं —

- (1) प्रति किस पर लिखी गई है — कागज, ताड़पत्र, भोजपत्र, कपड़ा आदि।
- (2) प्रति किस लिपि में लिखी गई है — देवनागरी मोडी, धरती, गुजराती।
- (3) प्रति जोण है या ठीक है या अपठनीय है इत्यादि सूचना।
- (4) ग्रन्थ अद्यावधि मुद्रित हो चुका है अथवा आज तक प्रमुद्रित हो है।

परन्तु इस सूचीपत्र में इन चार स्तम्भों को नहीं रखा है और इसका स्पष्टीकरण निम्न प्रकार है —

लगभग सारी की सारी प्रतियाँ कागज पर हैं और देवनागरी लिपि (अक्षर अधिकतर जैन मोड दिये हुए) में लिखी हुई है अतः अलग स्तम्भ बनाकर मन्त्र ,, का गिज्ञान लगाने में कुछ सार नहीं प्रतीत होता। इसी प्रकार इस सूचीपत्र में उल्लेखित प्रायः सभी प्रतियों की अवस्था ठीक है, पठनीय है अतः उसका भी स्वतंत्र स्तम्भ बनाना उपयुक्त नहीं लगा। हाँ, कदाचित् यदि कोई प्रति कागज पर नहीं है अथवा देवनागरी लिपि में नहीं लिखी हुई है अथवा जोण व अपठनीय है तो वसा उल्लेख अवश्य 'विशेष पाठ्य' स्तम्भ में कर दिया गया है। विशेष उल्लेख के अभाव में पाठक निश्चय यह समझ लें कि प्रति देवनागरी लिपि में कागज पर लिखी हुई है और उसकी दशा ठीक है। तथा ग्रन्थों के अद्यावधि मुद्रित या प्रमुद्रित होने की जानकारी का सफल करने में हम असमर्थ रहे हैं। अतः प्रपत्र जिवा असत्य जानकारी देने की अपेक्षा मीन रहना ही श्रेयस्कर समझा है। इसका पता शोधार्थी या प्रकाशक हमारी अपेक्षा धामानी सेलगा सकते हैं।

तथा इस बार में एक और निवेदन है। अतिरिक्त परिशिष्ट तथा और कई स्तम्भ सूचीपत्र में जोड़े जा सकते हैं और उससे शोधार्थियों को अवश्य कुछ सुविधा हो जाती है। परन्तु साथ में हमें यह भी नहीं भूलना चाहिये कि सूचीपत्र की प्रपत्र मर्यादाएँ होती हैं और सूचीपत्र बनाने वाले की योग्यता भी असंमित नहीं होती। ग्रन्थ के बारे में आवश्यक सूचना सम्मेलित सूची बना देना पर्याप्त है, बाकी सब टर सारी सामग्री पचाकर शोधार्थी को देने से उसमें प्रमाद पनपता है अथवा प्रपत्र की जिज्ञासा कुण्ठित हो जाती है जो ज्ञान के विकास के लिये घातक सिद्ध होती है। सूचीपत्र कितना भी विस्तृत हो, शोधार्थी के लिये तो असल प्रति या फोटो फिल्म प्रतिबिम्ब देवने के अभाव में उत्पन्न नहीं है, यह हमारा निश्चय मत है अथवा शोधार्थी के प्रति 'नाय नहीं होगा। केवल सूची बनाने वाले पर ही अधिक भार लादने से यह धर्म साध्य कार्य और इतना पुष्ट हो जावेगा कि साधारण मनुष्य इस को हाथ में लेने से ही घबरा जावेगा - उसका उत्साह मारा जावेगा। सूचीपत्र सूचना है - जांच के लिये आधार है - निष्ण व आधार नहीं।

आभार प्रदर्शन

- (1) i. मुनि श्री जयानन्दजी महाराज साहिव को वन्दना करते है जिनकी आज्ञा से खरतरगच्छ समुदाय जोधपुर के अध्यक्ष महोदय ने श्री महावीर स्वामी मन्दिर के यशोसूरि व केशरगणि भण्डारो के ग्रन्थ यहाँ रावटी मे स्थानान्तरित कर दिये है ।
 - ii श्रीमान् मिलापचन्दजी साहिव ढढ्ढा धन्यवाद के पात्र है जिन्होने श्री ओसियां तीर्थ के रत्नप्रभ ज्ञान भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी ।
 - iii. श्रीमान् सम्पतराजजी साहिव भसाली धन्यवाद के पात्र है जिनकी प्रेरणा से मुनिसुव्रत स्वामी मन्दिर भण्डार के ग्रन्थ यहाँ रावटी मे स्थानान्तरित कर दिये गये हैं ।
 - iv. श्रीमान् स्व. भोपालचन्दजी साहिव दपतरी की आत्मा को शान्ति मिले जिन्होने श्री केशरीया-नाथजी के मन्दिर के भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी ।
 - v. श्रीमान् सायरमलजी साहिव पटवा धन्यवाद के पात्र है जिन्होने श्री 'चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर कोलडी भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी ।
 - vi. श्रीमान् कल्याणमलजी साहिव भंसाली धन्यवाद के पात्र है जिन्होने श्री कुथुनाथजी के मन्दिर के भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी ।
- (2) स्व. अग्रचन्दजी नाहटा वीकानेर, श्रीमान् भंवरलालजी नाहटा वीकानेर एवं महामहोपाध्याय श्री विनयसागरजी जयपुर वालों को धन्यवाद दिया जाता है कि उन्होने इस सूची-पत्र की भूलो का परि-मार्जन व संशोधन किया है ।

(3) सेवा मन्दिर के परिवार में से श्री वंशीधरजी पुरोहित वी.ए.एल.एल.वी., श्री सुशीलकुमार मुथा एम.ए. एवं श्री रामलालजी घाड़ीवाल के नाम विशेषरूप से उल्लेखनीय है जिन्होने इस सूची-पत्र को बनाने में पूरा सहयोग दिया है ।

तथा पुस्तक प्रकाशित करने का मुझे विल्कुल अनुभव नहीं था- यह प्रथम प्रयास है अतः कई भूलें हुई हैं । उदाहरण स्वरूप प्रूफरीडिंग का काम मैंने पूर्णतः कर्मचारियो पर छोड देने की भयकर भूल की अतः इस सूची-पत्र मे अनेक अशुद्धियां छप गई है । इन सब के लिये एक मात्र दायित्व व दोष मेरा है और तदर्थ क्षमा प्रार्थी हूँ ।

जोधपुर

2044, होलिका रजपर्व

दिनांक 3 मार्च 1988

जौहरीमल पारख का प्रणाम

राजस्थान के जैन ग्रंथ भंडारों के
हस्तलिखित ग्रंथों का

सूची-पत्र

प्रथम खण्ड
(जोधपुर नगर)

Rajasthan Jain Granth Bhandars

CATALOGUE OF

Hand-Written Manuscripts

Volume I

(JODHPUR CITY)

क्रमांक 1	यात्रे परिचयाङ्क 2	ग्रंथ का नाम 3	नाम रामन विधि मे 3A	ग्रंथकार का नाम व परिचय 4	स्वरूप 5
1	के नाथ 2/4	भाचारान्त सूत्र	Ācāranga Sutra	सुधर्मा +	सू (प प)
2	.. 1/20 1	.. +	..
3	.. 20/34	..	,	.. + पाश्वचद्र	सू + ट ..
4	, 1/22	.. + बा	.. + Bala	.. + पाश्वचद्र	सू + बा ..
5	धानि 1 प 16	सुधर्मा +	सू + ट ..
6	1 प 17
7	1 प 56	.. + बा	.. + Bala	सुधर्मा +	सू + बा ..
8	महा 1 प 2	,	,	सुधर्मा	सू + ट ..
9	के नाथ 29/38
10	, 29/39
11	, 13/22	सुधर्मा	..
12	कुशु 47/3	सू (प)
13	के नाथ 9/10	.. की वृत्ति सह	, (with Vṛtti)	सुधर्मा +	सू + ट
14	महा 1 प 1	.. की वृत्ति	.. ki Vṛtti	श्रीलानाचाय	वृ (ग)
15	के नाथ 18/58	की विषय सूची	.. ki Viṣaya sūci		गद्य
16	9/15	सूत्ररङ्गान्त सूत्र	Sutrakāṅga Sūtra	सुधर्मा	सू - ट (प प)
17	14/30	,	, "
18	, 1/11	सुधर्मा +	सू (प प)
19	29/34	..	,	.. +	.. "

विषय संकेत 6	भाषा 7	पन्ने 8	नाप पंक्त्याक्षर ल × चौ × पं × अ. 8A	परिमाण 9	प्रतिलेखन सं. प्रादि 10	विशेष ज्ञातव्य 11
प्रथम अंग (आचरण)	प्रा.	50	27 × 11 × 15 × 50	स. दोनो स्क. प्र. 2644	17वी	
"	"	83	26 × 11 × 13 × 40	" "	1749	
"	प्रा. मा.	80	25 × 11 × 18 × 44	सं. प्र. स्कध	18वी	
"	"	118	26 × 11 × 17 × 58	" द्वि. "	18 "	
"	"	87	24 × 11 × 7 × 33	" प्र. "	1833	
"	"	150	24 × 11 × 6 × 33	" द्वि. "	विक्रमपुर मनरग	
"	"	92	26 × 11 × 15 × 58	" प्र. "	" " "	
"	"	63	26 × 12 × 5 × 36	" " " प्रं. 1817	19वी 1936	
"	"	110	27 × 12 × 4 × 32	" " " " 4000	बजरगढ़ लक्ष्मी विजय	
"	"	189	27 × 12 × 5 × 32	" द्वि. " " 8500	20वी	
"	"	43	27 × 11 × 4 × 42	प्र. छठे अर्ध. तक	19वी	
"	प्रा.	12	27 × 12 × 13 × 35	अपूर्णा वृटक	19 "	
"	प्रा. सं.	58	25 × 12 × 20 × 64	" "	19 "	लकीरो की मर्या भिन्न भिन्न
अंग साहित्य	सं.	398	26 × 12 × 13 × 40	सं. दोनों स्कंधो की प्र. 12225	1847	
"	मा.	2	27 × 11 × 11 × 68	संपूर्ण	19वी	
द्वितीय अंग	प्रा. मा.	50	26 × 11 × 6 × 35	सं. प्र. अर्ध. 16	1574	
"	"	60	26 × 11 × 6 × 27	" " "	16वी	
"	प्रा.	42	26 × 11 × 15 × 54	" दोनो स्कंध 23 अर्ध	1653	
"	"	53	30 × 11 × 13 × 56	" " "	17 वी	

1	2	3	3A	4	5
20	कोलढी 23	सूत्रकृताङ्गसूत्र	Sūtrakṛtāṅga Sūtra	सुधर्मा	मू (प)
21	महा 1प्र4	"	"	"	" "
22	मु सुत्रत 1प्र46	"	"	"	" "
23	" 1प्र47	"	"	"	" (ग प)
24	" 1प्र45	"	"	सुधर्मा	मू + ट (प ग)
25	के नाथ 29/9	"	"	"	मू (प)
26	श्रोति 1प्र18	"	"	"	मू + वा (प ग)
27	के ना 13/11	, + दीपिका	" + Dīpikā	, + ह्यकुशल	मू + दी ,
28	कु यु 29/2	" + "	" + "	" + सापुरग	" "
29	महा 1प्र3	" + वृत्ति	, + Vṛtti	" + शोभा- कापाय	मू + वृ
30	के ना 18/40	" + "	" + ,	" "	" "
31	मुनि सु 3इ27/4	"	"	सुधर्मा स्वामी	मू (प)
32	के नाथ 10/77	"	,	"	" (ग)
33	" 15/132	"	,	सुधर्मा स्वामी	" (प)
34	कोलढी 872	"	"	"	" (प)
35	व नाथ 29/99	" की वृत्ति	" ki Vṛtti	श्रीषांकाचाय	गद्य
36	मुनि सु 1प्र44	स्थानाङ्गसूत्र	Sthānāṅga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
37	श्रोति 1 प्र 19	,	"	"	"
38	महा 1 प्र 6	" + वृत्ति	" + Vṛtti	सुधर्मा + प्रथमदेव	मू + वृ (ग)
39	के नाथ 4/3	"	"	सुधर्मा स्वामी	मू + (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
द्वितीय अंग	प्रा.	30	27 × 11 × 11 × 42	सं. प्र. स्क. 16 अध्या.	17वी	
"	"	22	26 × 11 × 13 × 44	" " "	"	
"	"	27	26 × 11 × 11 × 41	" " "	"	
"	"	54	26 × 11 × 11 × 41	" द्वि. स्क. 7 अध्या	"	
"	प्रा. मा.	63	26 × 11 × 6 × 32	" प्र. स्क प्र 5000	1696/ 1701	
"	प्रा.	30	26 × 10 × 11 × 33	प्र. स्कं. कुछ चुटक	धमदास 17वी	
"	प्रा. मा.	51	26 × 11 × 15 × 35	अ. 12 अध्या प्र. स्क	18वी	
"	प्रा. सं.	50	26 × 11 × 17 × 45	" " "	19वी	
"	"	89	26 × 11 × 18 × 72	अ 13वें से 23 अध्या	17वी	
"	"	346	26 × 12 × 15 × 48	सं. दोनो स्क. प्र. 16950	20वी	
"	"	12	26 × 11 × 19 × 59	द्वि. अध्या-मात्र	17वीं	
" महावीर स्तुति	प्रा.	2	25 × 10 × 14 × 44	छठा अध्या. मात्र	1783	
" का 1 अध्या.	"	10	26 × 12 × 19 × 55	क्रियानाम अध्या मात्र	18वी	
" वीर स्तुति	"	3	17 × 9 × 9 × 30	छठा अध्या. मात्र	1897	
" "	"	2	20 × 12 × 16 × 34	" " "	1901	
अंग-साहित्य	सं.	132	27 × 12 × 15 × 52	अ. 13वे से 23 अध्या.	1867	
तीसरा अंग (ठाण्णाग)	प्रा.	105	28 × 11 × 13 × 42	स. प्र. 3800	16वी	
" "	"	82	26 × 11 × 15 × 46	" 3750	16वी	
"	प्रा म.	241	32 × 13 × 15 × 63	" 18000	16वी	
"	प्रा.	137	27 × 11 × 12 × 39	" 3750	17वीं	

1	2	3	3A	4	5
60	कालदी 20	भगवतीसूत्र	Bhagavati Sutra	सुधर्मा स्वामी	सू (ग)
61	के नाथ 5/3	"	"	"	ट्ट
62	श्रीसिया 1स्र21	"	"	"	"
63	महावीर 1स्र8	" +वत्ति	" +Vṛtti	सुधर्मा/धम्मदेव	सू +व (ग)
64	मुनिसु 1स्र40	" ,	"	" "	"
65	महावीर 1स्र14	" "	" "	" "	"
66	कोलदी 1012	"	"	सुधर्मा स्वामी	सू (ग)
67	महावीर 1स्र9	"	"	"	"
68	के नाथ 17/50	" +वत्ति	" +Vṛtti	" +धम्म	सू +व (ग)
69	कु बुनाथ 2/6	"	"	"	सू +ट (ग)
70	कोलदी 1012	"	"	"	सू (ग)
71	कु बुनाथ 52/18	"	"	"	"
72	श्रीसि 2स्र408	"	"	"	सू +ट (ग)
73	के नाथ 10/41	"	"	"	"
74	मुनिसु 1/स्र57	"	"	"	"
75	कु बुनाथ 52/22	"	"	"	"
76	के नाथ 6/108	"	"	"	सू (ग)
77	" 6/61	" की वत्ति	" ki Vṛtti	धम्मदेव	गद्य
78	" 9/11	" "	" "	"	"
79	कोलदी 21	" का बाजक	" kâ Bājaka	"	"

6	7	8	8A	9	10	11
पाचवा अम (व्याख्याप्रज्ञप्ति)	प्रा.	401	27 × 11 × 13 × 52	सपूर्णा	1670	
"	"	205	26 × 11 × 17 × 54	सं. प्रं. 15875	1698	
"	"	904	26 × 12 × 13 × 41	"	1887रतल म,मनोरदास	
"	प्रा.सं.	971	27 × 13 × 15 × 47	" 41 शतक	1894	
"	"	715	33 × 19 × 17 × 45	"	1900 तखतराम	
"	"	681	31 × 15 × 14 × 64	" प्रं 18616	1965 जोधपुर	
"	प्रा.	423	27 × 11 × 11 × 40	बुटक	19वी	बीच मे कई पत्ते कम
"	"	168	26 × 12 × 13 × 38	अपूर्णा शतक 8/8तक	"	
"	प्रा.सं.	94	25 × 12 × 15 × 44	केवल शतक 1/7 तक	"	
"	प्रा.मा.	5	25 × 12 × 5 × 30	" प्र. ,, का 7वां उद्दे.	1859	
"	प्रा.	15	26 × 13 × 6 × 40	अपूर्णा मात्र	19वी	
"	"	53	26 × 11 × 15 × 45	" 13 आलापक मात्र	17वी	
"	प्रा.मा.	11	26 × 11 × 6 × 35	केवल जयंती प्रश्नोत्तरी	1763	देवलीये, शतक 2/1 + 3/1,2 + 7/9, 10.9/ 33.60 + 11/ 11.12 + 12/ 1,2,9,
"	"	20	26 × 11 × 11 × 38	" ऋषभ जयपाली अधिकार	18वी	
"	"	27	26 × 11 × 11 × 41	" 9/36 व 16/5,6	"	जमालि अघि- कारादि
"	"	13	25 × 11 × 12 × 40	" 9/33 जवाली अधिकार	19वीं	
"	प्रा.	6	26 × 11 × 12 × 44	कुछ उद्धरण मात्र	,	
प्रागम साहित्य	स.	424	26 × 11 × 15 × 45	सं. प्र. 18616	1663	
"	"	468	26 × 11 × 15 × 45	" "	1667	
विषय सूची	"	12	27 × 11 × 18 × 54	सं. 138अ 1925उद्दे	1658	

1	2	3	3A	4	5
80	मुनि सु 2/ 320	भगवतामृत की सज्जायें	Bhagavati Sūtra ki Sajjhāyen	मानविजय	१८
81	कोलही 22	" यन्त्राणि	" Yantrani		शास्त्रियायें
82	के नाथ 1/95	पाता धम कथाङ्ग मूल	Jñatādharma kathāṅga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
83	मुनि सु 1८53	"	"	"	"
84	के नाथ 1/31	"	"	"	"
85	मुनि सु 1८54	"	"	"	"
86	श्रीसिया 1८35	"	"	"	"
87	के नाथ 4/1	"	"	"	"
88	श्रीसिया 1८37	"	"	"	"
89	के नाथ 14/ 25	"	"	"	"
90	" 5/2	"	"	"	"
91	से म 1८58	"	"	"	"
92	के नाथ 4/14	"	"	"	मू + ट(ग)
93	" 5/102	"	"	"	मू (ग)
94	से म 1८59	"	"	"	मू + ट(ग)
95	कोलही 24	"	"	"	"
96	के नाथ 1/26	"	"	"	मू (ग)
97	सु नाथ 43/9	"	"	"	मू (ग)
98	" 23/6	"	"	" / वनव सु द	मू + ट(ग)
99	के ना 13/36	"	"	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
आगम साहित्य	मा.	9	27 × 12 × 12 × 31	अ. 12वी सञ्जाय तक	17वी	शांति विजय शिष्य
"	प्रा.	3	28 × 11 × 5 × 65	त्रुटक	19वीं	
अग सूत्र/धर्म कथाये	प्रा. मा.	77	29 × 11 × 18 × 63	सं. दोनो स्कंध	1522	पहिला पन्ना कम
"	प्रा.	110	30 × 12 × 14 × 52	॥	1570	
॥	॥	170	25 × 11 × 11 × 48	॥ प्र. 5834	16वीं	
॥	॥	159	26 × 11 × 11 × 47	॥	1597	
"	,	248	28 × 12 × 10 × 32	॥	16वी	पहिला पन्ना कम
"	॥	223	27 × 11 × 11 × 32	॥ प्र. 5464	1601	
॥	॥	109	33 × 13 × 13 × 64	॥ ॥	17वीं	
"	॥	146	25 × 11 × 13 × 41	अ द्वि.स्कं.के 7वगं तक	॥	
॥	॥	55	26 × 11 × 13 × 44	॥ आठवी कथा से द्वि. की 1	॥	
"	॥	154	26 × 11 + 11 × 42	सं दोनो स्कंध	18वी	
छठा अग सूत्र	प्रा.मा.	263	25 × 11 × 7 × 40	सं. दो. स्कंध प्र. 14000	18वी	5
॥	प्रा.	131	26 × 10 × 11 × 44	अपूर्ण दूसरी कथा से अन तक	18वीं	
"	प्रा.मा.	169	26 × 12 × 7 × 43	त्रुटक द्वि.स्कं. 8वे वगं तक	18वी	जीर्ण
"	॥	333	25 × 12 × 15 × 37	संपूर्ण दोनो स्कंध	1839	
"	प्रा.	209	25 × 11 × 5 × 35	अपूर्ण	19वी	
॥	॥	117	27 × 11 × 16 × 44	॥, 16वी कथा तक	19वीं	
॥	प्रा.मा.	106	26 × 12 × 5 × 46	त्रुटक	19वी	
"	प्रा.	149	26 × 12 × 12 × 38	॥	20वी	

1	2	3	3A	4	5
100	के नाथ 11/24	जाताधम कथासूत्र	Jñātādharma Kathāṅga sūtra	मुघर्मा स्वामी	सू + ट (घ)
101	कासटी 1014	"	"	"	सू (घ)
102	" 1013	"	"	"	सू + ट (घ)
103	के ना 5/114	"	"	"	"
104	महा 1प्र15	"	" + Vṛtti	" / प्रमयदेव	सू + वृ (घ)
105	धामि 2/312	जातोपनया	Jñātopanayā		सू + प्र (घ)
106	कासटी 972	जाताधम कथाग की वृत्ति	Jñātādharma kathāṅga ki Vṛtti 1	प्रमयदेव	गद्य
107	धामि 1प्र36	"	"	"	गद्य
108	से म ति गु 3	जाताभास	Jñātābhāsa	पयच्छपि (पासचद गच्छ)	पद्य
109	क ना 14/59	जाताधम कथा पर्याय	Jñātādharma kathā Paryāya		गद्य
110	-, गु 27	" बाल	" Bola		गद्य
111	धोति 1प्र26	उपासक दशांग सूत्र	Upāsakadaśaṅga Sūtra	मुघर्मा स्वामी	सू (घ)
112	सुसु 1 प्र 13	"	"	"	"
113	" 1 प्र 42	"	"	"	सू + ट (घ)
114	क नाथ 4/6	"	"	"	सू य
115	" 11/20	"	"	"	"
116	" 14/34	"	"	"	"
117	धोति 1प्र 38	"	"	"	"
118	क नाथ 6/21	"	"	"	"
119	" 5'49	"	"	"	"

6	7	8	8A	9	10	11
छठा अंग सूत्र	प्रा.मा.	22	25 × 11 × 6 × 36	अपूर्ण पहली कथा भी अधूरी	18वी	बीच में कई पन्ने कम
"	प्रा.	157	26 × 10 × 11 × 45	,, पाँचवी से अंत तक	19वी	
"	प्रा.मा.	147	25 × 11 × 5 × 48	चुटक	19वी	
"	"	20	25 × 11 × 7 × 34	केवल 17वी 18वी कथा	19वी	
"	प्रा सं.	61	25 × 12 × 14 × 44	अपूर्ण पहली कथा भी अधूरी	19वी	
अंग-साहित्य कथा शिक्षा व रूपक वि	"	4	26 × 11 × 22 × 34	सं. 19 कथाओं के	15वी	
आगम-साहित्य	सं.	58	34 × 14 × 17 × 72	सं. अ 7300	1629	
"	सं.	88	33 × 13 × 13 × 63	"	17वी	
"	मा.	39	16 × 13 × 13 × 17	,, 19 कथासार	1721	
कठिन शब्दार्थ	प्रा मा.	20	25 × 11 × 19 × 50	,, प्र.स. के शब्दार्थ	19वी	
आगम-साहित्य सार तालिका	मा.	19	15 × 10 × 14 × 10	,, 113 अनुच्छेद	1929	
सातवाँ अंग सूत्र आदाचार	प्रा.	17	28 × 11 × 15 × 58	,, 10 अध्ययन	1598	
"	"	30	27 × 11 × 11 × 50	,, 10 ,, प्रं. 886	16वी पौभाग्यसुन्दर	
"	प्रा.मा.	49	26 × 11 × 7 × 42	,, 10,, प्र. 1986	16वी	
"	प्रा.	39	26 × 11 × 13 × 47	,, 10 ,, प्रं 976	1613	
"	"	24	25 × 11 × 13 × 39	,, 10 ,, प्रं 812	1679	
"	"	35	26 × 11 × 11 × 40	" "	17वी	
"	"	23	26 × 11 × 13 × 44	,, 921	17वी	
"	"	17	26 × 11 × 15 × 54	अपूर्ण 8वे अध्याय तक	18वी	
"	"	13	27 × 11 × 16 × 56	,, 2 से 10 ,,	18वी	

1	2	3	3A	4	5
120	के नाथ 3/21	उपासकदशागसूत्र	Upāsakadaśāṅga Sūtra	सुप्रर्मा स्वामी	सू + ट (ग)
121	श्रीश्रिया 1प्र2	"	"	"	"
122	के नाथ 15/21	"	"	"	सू ण
123	" 4/4	"	"	"	"
124	" 2/6	"	"	"	"
125	श्रीशि 1प्र39	"	"	"	"
126	क नाथ 9/9	"	"	"	सू + ट (ग)
127	" 1/36	"	"	"	सू ण
128	5/22	"	"	"	सू + ट (ग)
129	17/52	" की वृत्ति	" ki Vṛtti	धर्मपदेव	गद्य
130	, 15/216	" "	" "	"	"
131	से म 1प्र60	अन्तर्यामिनीसूत्र	Antakṛlāṅga Sūtra	सुप्रर्मा स्वामी	सू ण
132	शु सु 1प्र49	"	"	"	"
133	से म 1प्र61	"	"	"	"
134	श्रीशि 1प्र27	"	"	"	"
135	1प्र34	"	"	"	"
136	के नाथ 15 17	"	"	"	"
137	बालदी 25	"	"	"	"
138	बालदी 26	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" / धर्मपदेव	सू + ट (ग)
139	महावीर 1प्र10	" "	" "	" "	"

6	7	8	8A	9	10	11
सातवां अंग सूत्र श्राद्धाचार	प्रा. मा.	61	26 × 11 × 6 × 38	संपूर्ण 12 अध्याय	1863	
"	"	116	27 × 12 × 4 × 30	"	19वीं	
"	प्रा.	27	25 × 10 × 15 × 43	"	19वीं	
"	"	22	26 × 11 × 14 × 50	"	19वीं	
"	"	23	26 × 11 × 13 × 43	सं. 10 अध्याय ग्रं. 912	19वीं	
"	"	23	28 × 12 × 13 × 54	अ 8वें अध्याय तक	19वीं	
"	प्रा. मा.	60	26 × 11 × 5 × 42	अ. 9 वें ;	20वीं	
"	प्रा.	11	26 × 11 × 16 × 50	अ, 3 वे ;	20वीं	पहिला पन्ना कम
"	प्रा. मा.	11	26 × 11 × 6 × 32	अ. पहिला अध्या भी अध्याय	20वीं	
प्रागम-साहित्य	स.	24	26 × 10 × 14 × 44	सं. ग्र. 944 अध्या. 10	19वीं	
"	"	30	25 × 11 × 13 × 40	स. 10 अध्या. की	20वीं	
आठवां अंग सूत्र धर्म कथायें	प्रा.	19	26 × 11 × 15 × 53	सं. 10 " 890	16वीं श्रीभाजीत	
"	"	21	26 × 12 × 13 × 48	" "	16वीं	
"	"	30	27 × 11 × 11 × 40	" "	16वीं	
"	"	16	28 × 11 × 15 × 58	" सं. 790	1589	
"	"	25	26 × 11 × 13 × 43	" सं. 795	1654	श्रीभाग्यमुन्दर
"	"	24	25 × 10 × 13 × 33	" 92 कथाये ग्रं. 800	1746	गली, जयत
"	"	19	25 × 11 × 15 × 50	" 10 अध्या. ग्रं. 800	18वीं	
"	प्रा स.	24	27 × 11 × 15 × 47	" 10 अध्या.	18वीं	अंतिम पृष्ठ नहीं
"	"	23	25 × 13 × 15 × 38	" 10 अध्या	19वीं	

1	2	3	3A	4	5
140	के. म. 15/96	अनन्तरात्रसूत्र	Antakṛāṅga Sūtra	सुप्रमो स्वामी	श्रु. ग.
141	कु. सु. 144	"	"	"	सू. + ट(ग)
142	के. म. 10/60	"	"	"	सू. (ग)
143	अ. म. 1 अ 28	अनन्तरात्रसूत्र	Anuttaropapatiska daśaṅga Sūtra	"	"
144	कु. म. 52/15	"	"	"	"
145	37/11	"	"	"	"
146	के. म. 17/44	"	"	"	"
147	" 15/7	"	"	"	"
148	" 15/98	"	"	"	"
149	कु. सु. 1452	"	"	"	"
150	के. म. 11/60	"	"	"	सू. + ट(ग)
151	अ. म. 1432	"	"	"	"
152	के. म. 1462	"	"	"	सू. ग.
153	अ. म. 27	"	"	"	सू. + ट(ग)
154	कु. सु. 1451	"	"	"	"
155	के. म. 3/45	"	"	"	"
156	अ. म. 10/5	"	"	"	सू. ग.
157	अ. म. 1433	"	"	"	"
158	1430	"	"	"	"
159	के. म. 11/46	" - अ. म.	" 1431	"	सू. + ट(ग)

6	7	8	8A	9	10	11
आठवा अंग सूत्र धर्मकथाय	प्रा.	31	24 × 11 × 13 × 32	सं.10अध्याय अं.892	19वी	
"	प्रा. मा.	67	25 × 12 × 6 × 31	" अं.880	1897	फलोदी भीमराज
"	प्रा.	23	27 × 11 × 14 × 34	अपूर्ण	19वी	
नवमां अंग सूत्र धर्मकथाय	"	4	28 × 11 × 15 × 58	स.10अध्या. अं.190	1598	भीमराजसुन्दर
"	"	8	26 × 11 × 11 × 48	" "	16वी	
"	"	8	26 × 11 × 11 × 48	" "	16वी	
"	"	8	26 × 11 × 11 × 46	" अं. 191	16वी	
"	"	8	26 × 10 × 13 × 38	" अं. 196	1638	
"	"	8	26 × 11 × 11 × 35	" अं. 192	1646	
"	"	9	26 × 11 × 11 × 34	" "	17वी	
"	प्रा. मा.	14	26 × 11 × 6 × 34	" "	1700	पहिला पद्मा कस
"	"	13	25 × 12 × 8 × 30	" "	18वी	जीर्ण
"	प्रा.	9	25 × 11 × 10 × 37	" "	18वी	
"	प्रा.मा.	12	25 × 12 × 14 × 40	" "	1839	
"	"	14	25 × 11 × 7 × 33	संपूर्ण 10 अध्याय	1898	गोपालसागर
"	"	30	26 × 12 × 3 × 38	" "	19वी	
"	प्रा.	9	26 × 11 × 13 × 44	" "	19वी	
"	"	5	25 × 12 × 16 × 47	" "	19वी	
"	"	9	24 × 14 × 11 × 30	" "	19वी	
"	प्रा. सं.	40	26 × 13 × 14 × 33	सू.सं. वृत्ति अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3A	4	5
160	आनिका 1प्र31	अनुत्तरोपापतिदशांगमूत्र	Anuttaropapātika daśaṅga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
161	„ 1प्र39	प्रश्नव्याखरणमूत्र	Praśnavyākaraṇa Sūtra	„	„
162	के नाथ 6/64	„	„	„	„
163	से म 1प्र63	„	„	„	„
164	कु नाथ 54/4	„	„	„	„
165	के नाथ 29/33	„ + बाला	„ + Bāla	„ / पाशवचद	मू + वा (ग)
166	„ 10/13	„	„	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
167	„ 14/29	„	„	„	„
168	„ 1/24	„	„	„	„
169	महा 1प्र11	„ + वृत्ति	„ + Vṛtti	„ / अश्वमेध	मू वृ (ग)
170	घाति 1प्र24/25	„	„	सुधर्मा स्वामी	मू + ट (ग)
171	क नाथ 15/176	„	„	„	„
172	क नाथ 29/37	„ की वृत्ति	„ ki Vṛtti	अश्वमेध	गद्य
173	के नाथ 10/26	„ „	„ „	„	„
174	के नाथ 5/50	„ दापिका	„ Dipikā	अज्ञीतदेवमूर्ति	„
175	कु सु 1प्र50	विनाकसूत्र	Vipāka Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू ग
176	कायना 813	„	„	„	„
177	स म 1प्र64	„	„	„	„
178	क नाथ 4,9	„	„	„	„
179	कायली 28	„	„	„	„

6	7	8	8A	9	10	11
नवमा अंग घम कथाय	प्रा.	12	25 × 12 × 7 × 42	संपूर्ण 10 अध्याय	1927 महा-	
दसवा अंग/ आश्रव सवर	"	24	28 × 11 × 15 × 58	" 10 अध्याय क्र. 1250	न्मा गुजलाल 1598	
"	"	57	27 × 11 × 11 × 37	" "	सीभार्यसुन्दर 1616	
"	"	88	27 × 12 × 9 × 26	" " क्र. 1500	17वी	
"	"	35	26 × 12 × 13 × 52	" " क्र. 1250	17वी	
"	प्रा. मा.	195	26 × 11 × 11 × 54	" " क्र. 7450	17वी	
"	प्रा.	53	28 × 13 × 13 × 50	अपूर्णा 3रे से 7वे अध्या.	17वीं	
"	"	48	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 10 अध्याय	19वी	
"	"	38	26 × 11 × 13 × 42	" " क्र. 1200	19वी	
"	प्रा.स.	125	26 × 12 × 15 × 44	" " क्र. 5880	19वी	
"	प्रा.मा.	91	25 × 13 × 7 × 32	" " क्र. 5400	1944	
"	"	6	26 × 11 × 5 × 30	अपूर्णा	20वी	
आगम साहित्य व्याख्या	सं.	105	26 × 11 × 15 × 41	संपूर्ण 10 अ. क्र. 4630	17वी	
"	स.	23	26 × 11 × 17 × 45	अपूर्णा दूसरे अध्या. तक	19वी	
"	सं.	12	26 × 11 × 19 × 47	" आश्रव 2 से 5	19वी	
अथारवा अंतिम अंग घर्मकथायें	प्रा.	50	26 × 11 × 11 × 38	स. दोनो रुकध	1596	
"	"	33	31 × 11 × 13 × 35	" "	1597	
"	"	53	27 × 11 × 11 × 38	" "	16वी	
"	"	58	26 × 11 × 11 × 34	" " क्र. 1316	1605	
"	"	24	27 × 11 × 15 × 54	" "	1677	पहिला अंग कम

1	2	3	3A	4	5
180	के नाथ 2/3	विपाकसूत्र	Vipāka Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
181	" 17/43	"	"	"	"
182	महा 1प्रा12	" +वृत्ति	" +Vṛtti	" /प्रमथदेव	मू +वृ (ग)
183	के नाथ/14/33	विपाकसूत्र	Vipāka sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
184	सोति 1प्रा23	"	"	"	"
185	के नाथ 3/5	"	"	"	मू +ट (ग)
186	" 9/94	" की वृत्ति	" Kī Vṛtti	प्रमथदेव	गद्य
187	के नाथ 1/23	" "	" "	"	"
188	कोलहो 29	" "	" "	"	"
भाग	विभाग	1 प्रा (1) जैन	आगम अङ्ग बाह्य-उपाङ्ग	सूत्र	
1	महा 1प्रा 1	अपपातिकसूत्र	Aupapātika Sūtra	+ /प्रमथदेव	मू +वृ (ग)
2	कोलहो 30	"	"		मू (ग)
3	के नाथ 2/2	"	"		,
4	बु नाथ52/9	"	"		"
5	के नाथ 24/1	"	"		"
6	म म 1प्रा 128	"	,		"
7	के नाथ 17/25	"	"		मू +ट (ग)
8	ग्रामि 1प्रा92	"			मू (ग)
9	क नाथ 15/19	"			,

6	7	8	8A	9	10	11
ग्यारवां अन्तिम अंग/धर्मकथायें	प्रा.	28	25 × 12 × 15 × 50	संपूर्ण दोनो स्कंध प्र. 1250	17वी	
"	"	29	26 × 11 × 13 × 53	" " प्र. 1316	1719	
"	प्रा.सं.	47	25 × 13 × 17 × 36	" "	19वी	
"	प्रा.	29	26 × 11 × 16 × 41	" " प्र. 1334	19वी	
"	"	3	26 × 12 × 15 × 56	द्वितीय स्कंध	19वी	
"	प्रा.मा.	11	24 × 10 × 5 × 29	केवल सुबाहु अर्ध.	19वी	
आगम साहित्य व्याख्या	स.	17	26 × 10 × 16 × 50	संपूर्ण दोनो स्कंध	1617	
ग्यारवे अंग की व्याख्या/धर्म क	"	23	26 × 11 × 15 × 46	" " प्र. 6800	1649	
"	"	10	26 × 11 × 15 × 52	अपूर्ण	1677	
प्रथम उपांग विविधवृत्त	प्रा स.	83	27 × 11 × 17 × 38	संपूर्ण प्र. 7125	16वी	
"	प्रा.	28	22 × 11 × 15 × 48	संपूर्ण	1665	
"	"	34	26 × 11 × 13 × 48	" प्र. 1167	1669	
"	"	32	26 × 10 × 13 × 41	" प्र. 1175	17वीं	
"	"	42	27 × 11 × 11 × 44	" प्र. 1250	17वी	
"	"	36	26 × 11 × 13 × 41	" प्र. 1300	17वी	प्रथम 3 पन्ने कम
"	प्रा.मा.	82	25 × 11 × 5 × 40	अपूर्ण	17वी	
"	प्रा.	95	27 × 11 × 5 × 41	संपूर्ण	18वी	
"	"	31	25 × 10 × 15 × 47	" प्र 1167	19वी	

1	2	3	3A	4	5
10	क नाथ 15/97	श्रीपदातिकमुद्र	•	Aupapatika Sūtra	सू (ग)
11	11/78	"	"	"	सू + ट (ग)
12	कोरटो 1017	"	"	"	सू (ग)
13	" 1016	"	"	"	"
14	के नाथ 15/12	राजप्रश्नीयमुद्र		Rājapraśniya Sūtra	"
15	" 5/64	"	"	"	"
16	" 1/28	"	"	"	"
17	मुमु 1भा 116	"	"	"	"
18	पे म 1भा 127	"	"	"	"
19	प्रासिका 1भा 90	"	"	"	"
20	, 1भा 91	"	"	"	/वा देवराज सू + ट (ग)
21	क नाथ 10,16	"	"	"	"
22	9/3	"	"	"	सू (ग)
23	, 11/109	" + वलि		+ Vṛtti	/मलयगिरि सू + वृ (ग)
24	काको 31	राजप्रश्नीयमुद्र		Rajapra niya sūtra	सू (ग)
25	क नाथ 14/31	"	"	"	"
26	कोरटो 32	"	"	"	सू + ट (ग)
27	, 1012	"	"	"	सू (ग)
28	1020	"	"	"	सू + ट (ग)
29	क ना 16/16	" + वृत्ति		+ Vṛtti	, सू + वृ (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
प्रथम उपाग विविधवृत्त	प्रा.	39	25 × 11 × 13 × 48	सपूर्णं प्र. 1167	19वीं	
"	प्रा.मा.	11	26 × 11 × 6 × 42	अपूर्णं अतिम पन्ने	1786	
"	प्रा.	29	26 × 11 × 5 × 30	अपूर्णं	19वीं	
"	"	25	25 × 11 × 15 × 55	"	19वीं	
द्वितीय उपाग / 2 कथायै	"	50	25 × 11 × 15 × 42	सपूर्णं	1598	(सुयदिव + प्रदेशी केशी)
"	"	55	26 × 11 × 13 × 47	" प्र. 2100	1668	"
"	"	68	27 × 11 × 13 × 36	"	1681	"
"	"	67	28 × 12 × 14 × 40	" प्र. 2579	17वीं	"
"	"	61	26 × 11 × 13 × 46	"	17वीं	" अतिम पन्ना क्रम
"	"	62	27 × 11 × 13 × 41	" प्र. 2179	17वीं	"
"	प्रा.मा.	193	24 × 11 × 5 × 40	" प्र. 6500	18वीं	"
"	"	52	26 × 11 × 13 × 47	अपूर्णं	17वीं	
"	प्रद.	54	26 × 11 × 13 × 48	सपूर्णं प्र. 2121	18वीं	
"	प्रा.सं.	77	31 × 13 × 13 × 58	रुगभग पूर्णं	18वीं	प्रथम व अतिम पन्ना क्रम
"	प्रा.	49	27 × 11 × 13 × 52	संपूर्णं प्र. 2079	18वीं	
"	"	50	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्णं बीच के पन्ने	19वीं	
"	प्रा.मा.	158	27 × 11 × 16 × 48	न.प्र. 2117 + 5000	1921	
"	प्रा.	38	26 × 11 × 11 × 42	वृद्धक	18वीं	
"	प्रा.मा.	84	27 × 12 × 7 × 37	अपूर्णं	18वीं	
"	प्रा.म.	30	26 × 11 × 15 × 53	वृद्धक	19वीं	

1	2	3	3A	4	5
30	बु ना 53/1	राजप्रश्नीयसूत्र	Rajaprasniya Sūtra		मू ट (ग)
31	कोलडी 1021	"	"		मू ग
32	महा 1 पा 2	" की वसि	" ki Vrtti	मलयगिरि	गद्य
33	" 1 पा 3	" "	" "	"	"
34	के नाथ 10/47	" "	" "	"	"
35	से म 1 पा 129	जीवाजीवाभिगमसूत्र	Jivājivābhigama Sūtra		मू ष (ग)
36	के नाथ 4/11	"	"		मू ग
37	" 9/2	"	"		"
38	कोलडी 33	"	"		"
39	पोमिया 1 पा 86	"	"		मू ट (ग)
40	के नाथ 6/14	"	"		मू ग
41	कोलडी 1027	"	"		मू ट (ग)
42	के नाथ 16/7	"	"		मू ग
43	कोलडी 34	" की वसि	" ki Vrtti	मलयगिरि	गद्य
44	" 35	" "	" "	"	"
45	कु नाथ 25/8	" "	" "	"	"
46	मु मु 1 पा 111	प्रज्ञापनासूत्र	Prajñāpanā Sūtra	श्यामाशाय	मू ग
47	क नाथ 1/6	"	"	"	"
48	के नाथ 24/4	"	"	"	"
49	" 15/13	"	"	"	"

6	7	8	8A	9	10	11
द्वितीय उपांग/ 2 कथायें	प्रा.मा.	66	27 × 12 × 6 × 33	अपूर्ण सूर्यदेव भी अपूर्ण	19वीं	किञ्चित् टट्कार्यं भी
"	प्रा.	11	24 × 13 × 6 × 42	अपूर्ण	20वीं	
अगम साहित्य व्याख्या	सं.	75	27 × 11 × 17 × 50	पूर्ण ग्र. 4300	17वीं	
"	"	44	26 × 11 × 15 × 60	अपूर्ण बीचके पत्रे	18वीं	
"	"	54	27 × 12 × 16 × 43	अपूर्ण	19वीं	
तृतीय उपांग- विभक्तियां	प्रा.स	186	27 × 11 × 11 × 42	"	17वीं	
"	प्रा.	213	26 × 11 × 11 × 37	"	17वीं	
"	"	96	26 × 11 × 15 × 50	सपूर्ण ग्र. 4700	1720	
"	"	90	25 × 10 × 17 × 52	" ग्र. 4750	1721 जोधपुर	
"	प्रा मा.	291	26 × 12 × 7 × 43	चुटक	18वीं	
"	प्रा.	171	24 × 12 × 7 × 49	अपूर्ण	19वीं	
"	प्रा.मा.	50	28 × 15 × 6 × 40	"	19वीं	
"	प्रा.	4	28 × 11 × 14 × 48	केवल विजयदेव पूजा प्रकरण	19वीं	
आगम साहित्य व्याख्या	सं.	201	28 × 11 × 17 × 54	सं. ग्र. 14000	1561	
"	"	161	30 × 11 × 19 × 80	" "	1599	
"	"	72	25 × 10 × 14 × 50	चुटक	16वीं	
चतुर्थ उपांग जीव अजीव विभ.	प्रा.	160	29 × 12 × 15 × 49	स. ग्र. 8980	16वीं	
"	"	299	26 × 11 × 11 × 43	" ग्र. 7788	17वीं	
"	"	223	28 × 12 × 13 × 41	" 36 पद ग्र 8300	18वीं	
"	"	182	26 × 11 × 13 × 52	" ग्र. 7787	18वीं	

1	2	3	3A	4	5
70	के नाप 15/2	जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति	Jambudvīpa Prajñapti		मू (ग)
71	" 14/32	"	"		"
72	" 10/9	"	"		"
73	कोलडो 37	"	"		मू ट (ग)
74	के ना 5/65	"	"		मू (ग)
75	कोलडो 971	" की वृत्ति	" k1 Vṛtti	/होरविजय" (दान- मूरिका सिध्य)	गद्य
76	के ना 9/13	" "	" "		"
77	मु सु 1भा114	चंद्रप्रज्ञप्ति	Candra Prajñapti		मू (ग)
78	श्रोति 1भा102	सूर्यप्रज्ञप्ति	Sūrya "		,
79	के नाप 9/14	"	" "		"
80	" 11/36	निरयावलिका-पञ्चकोषाङ्ग मूत्र	Niryāvalikā pañcopāṅga Sūtra	मुघर्मा/श्रीषग्द्रमूरि	मू व (ग)
81	कु ना 29/7	"	"	मुघर्मा	मू (ग)
82	के ना 15/4	"	"	"	"
83	मु सु 1भा112	"	"	"	"
84	के नाप 14/28	"	"	"	"
85	श्रोति 1भा89	"	"	"	"
86	के ना 17/64	"	"	"	मू ट (ग)
87	" 10/27	"	"	"	मू ष (ग)
88	महा 1भा7	"	"	"	मू (ग)
89	" 1भा8	निरयावलिका की वृत्ति	Niryāvalikā k1 Vṛtti	श्री चंद्रमूरि	गद्य

6	7	8	8A	9	10	11
पात्रवां उपांग भूगोल	प्रा.	148	26 × 11 × 11 × 42	लगभग पूर्ण	18वी	प्रथम दो पत्र कम
"	"	81	23 × 11 × 19 × 49	सपूर्ण	19वी	
"	"	83	29 × 11 × 15 × 60	"	19वी	
"	प्रा. मा.	224	25 × 12 × 14 × 56	"	1908	
"	प्रा.	35	30 × 12 × 15 × 58	अपूर्ण (44से78अत)	17वी	
प्रागम व्याख्या साहित्य	सं.	198	32 × 14 × 22 × 54	सपूर्ण प्र. 14252	1639	
"	"	77	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण	17वी	प्रचलित लेखक से भिन्न
छठा उपांग- अतरीक्ष	प्रा.	37	30 × 14 × 19 × 50	सपूर्ण	18वी	किंचित अत्रचूरि संस्कृत मे
सातवां उपांग अतरीक्ष	"	43	27 × 11 × 16 × 57	" प्र. 2200	15वी	
"	"	76	27 × 11 × 11 × 45	;	17वी	
8से12 उपांग/ कथाये	प्रा.स	32	26 × 11 × 12 × 45	" प्र. 1209 + 637	16वीं	
"	प्रा.	16	27 × 12 × 19 × 78	लगभग पूर्ण	17वी	प्रथम व अतिम पत्रा कम
"	"	29	26 × 11 × 13 × 43	सपूर्ण प्र. 1319	17वी	
"	"	27	26 × 11 × 13 × 52	" प्र. 1109	17वीं	
"	"	21	26 × 11 × 18 × 45	" प्र. 1319	1691	
"	"	12	27 × 12 × 21 × 64	" 52 उद्देशक	1845 नाग- पर टीकमदाफ	
"	प्रा.मा	105	25 × 12 × 7 × 28	" प्र. 3600	19वी	
"	प्रा.सं.	8	26 × 11 × 35 × 70	" प्र. 1050	19वीं	
"	प्रा.	27	25 × 13 × 17 × 37	" प्र. 1161	1928	
प्रागम व्याख्या साहित्य	सं.	11	25 × 13 × 19 × 40	" प्र. 801	1928 बानू- वर, प जीवन	

1	2	3	3A	4	5
भाग	विभाग 1 आ	(11) जनघ्रागम-अंग	वाह्य छेद सूत्र		
1	म म 1 प्रा 131	निशीथसूत्र	Niśitha Sūtra	भद्रबाहु स्वामी	मू (ग)
2	प्राणि 1 प्रा 82	"	"	"	मू ट (ग)
3	महा 1 प्रा 9	"	"	"	"
4	बोसि 1 प्रा 85	"	"	"	"
5	, 1 प्रा 83	"	"	"	"
6	कु ना 42/1	निशीथ की कृति	Niśitha ki Kṛti		गद्य
7	महा 1 प्रा 10	वहवृत्त्यसूत्र + वृत्ति	Vrhatkalpa Sūtra + Vṛtti	भद्रबाहु/धमकीति	मू वू (ग)
8	' 1 प्रा 11	व्यवहारसूत्र	Vyavahara Sūtra	भद्रबाहु	मू प (ग)
9	बोसि 1 प्रा 81	दशाश्रुतस्कंधसूत्र	Daśaśrutaskandha Sūtra	"	मू (ग)
10	वालडो 968	रत्नसूत्र	Kalpa Sūtra	"	मू ट (ग)
11	के ना 24/79			"	मू (ग)
12	मप 1 प्रा 36	"	"	"	मू प (ग)
13	के ना 8/24	" + किरणावली	+ Kiranāvālī	" / धमसागरगणि	मू वू (ग)
14	, 1/4	"	"	/ भक्तिवाच	भारतवाच्य
15	फ ना 20/1	"	"	भद्रबाहु	मू ट (ग)
16	महा 1 प्रा 64	" + किरणावली	+ Kiranāvālī	" / धमसागर	मू प (ग)
17	के ना 20/6	"	"	, / गुरुविजय	भारतवाच्य

6	7	8	8A	9	10	11
छेदसूत्र साधु समाचारी	प्रा. -	28	27 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण 20 उद्देश्ये प्र. 815	16वी	
"	प्रा.मा.	62	25 × 12 × 6 × 55	" " प्र. 825	19वी	
"	"	101	25 × 11 × 5 × 38	" "	19वी	
"	"	49	25 × 12 × 8 × 37	" "	1933 विक्रमपुर	
"	"	53	25 × 13 × 8 × 35	" "	944 विक्रमपुर	
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा.	20	30 × 12 × 15 × 56	चुटक	19वी	
छेदसूत्र साधु- चार नियम	प्रा.सं.	164	33 × 12 × 17 × 76	तृतीय खंड संपूर्ण	16वी	
"	"	23	27 × 11 × 16 × 57	संपूर्ण 10 उद्देश्यक	17वी	
"	प्रा.	14	26 × 11 × 15 × 52	" "	16वी टीकम दास ऋषि	
दशाश्रित घाठवा अष्टमाय तीर्थंकर फलयाणक, साधु समाचारी व म्पिरावली	प्रा.मा.	96	35 × 14 × 7 × 36	" प्र. 1216	1485 नागपुर हेमनागर	38 चित्र है
"	प्रा.	82	28 × 11 × 8 × 38	" "	1536	
"	प्रा.सं.	131	27 × 11 × 7 × 25	" "	1548	12 चित्र है
"	"	201	26 × 11 × 13 × 41	" प्र. 5200	1628	संभवतः रचना वर्षे प्रामाणिक है विस्तृत
"	"	56	26 × 11 × 13 × 50	"	1645	
"	प्रा.मा.	134	26 × 11 × 5 × 40	" प्र. 5000	1658	
"	प्रा.सं.	127	26 × 11 × 18 × 52	" प्र. 4814	1664	प्रामाणिक है विस्तृत
"	प्रा.सं. ना.	138	26 × 11 × 15 × 44	"	1687	

1	2	3	3A	4	5
18	के नाथ 15/57	कल्पसूत्र	Kalpa Sutra	भद्रबाहु	मू ट (ग)
19	घोसि 1भा70	"	"	"	मू (ग)
20	कोलडो 1030	"	"	"	मू ट (ग)
21	" 1230	"	"	"	"
22	महा 1भा63	"	"	"	मू (ग)
23	घोसि 1भा8	"	"	"	मू ट (ग)
24	के नाथ 8/10	"	"	"	मू (ग)
25	" 8/4	"	"	"	मू ट (ग)
26	" 6/62	"	"	"	"
27	कोलडो 12	"	"	भद्रबाहु/गुणविजय	घन्तबन्धि
28	महा 1भा33	" +कल्पलता	+Kalpalātā	" /समयमुन्दर	मू व (ग)
29	" 1भा37	" +मुबोधिका	+Subodhikā	" /विनयविजय	"
30	" 1भा35	" +किरणवल	+Kiranāvali	" /पमसागर	"
31	घोसि 1भा65	" +बालावबोध	+Balavabodha	" "	मू ट वा ट (ग)
32	कोलडो 1237	कल्पसूत्र -संज्ञेहविषयौषधि	Kalpa Sutra+Sandeha Viśvasadhī	भद्रबाहु/जिनप्रभ	मू व (प्र)
33	13	"	"	"	मू ट व्या कथा
34	के नाथ 4/8	"	"	"	मू (ट)
35	से म 1भा133	"	"	"	"
36	के नाथ 8/13	" +कल्पलता	" +Kalplātā	" /समयमुन्दर	मू व (ग)
37	कोलडो 15	"	"	भद्रबाहु	मू ट व्या

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत घाठवा	प्रा. मा.	116	26 × 11 × 6 × 32	लगभग पूर्ण	1689	4 पन्ने कम हैं
अध्याय तीर्थकर	प्रा.	43	26 × 11 × 13 × 39	सपूर्ण ग्र.1250	17वी	3 चित्र मामूली
कल्याणक, साधु	प्रा.मा.	141	25 × 10 × 14 × 46	अपूर्ण	17वीं	31 चित्र है
समाचारी	"	59	26 × 11 × 5 × 40	सपूर्ण	17वीं	व्याख्यान भी है
व स्थविरावली	प्रा.	76	28 × 12 × 9 × 33	" ग्र.1216	1719	
"	प्रा. मा	124	25 × 11 × 6 × 25	" "	1722	
"	प्रा.	71	26 × 11 × 11 × 25	" "	1747	
"	प्रा. मा.	95	25 × 11 × 7 × 34	" "	1757	
"	"	137	25 × 11 × 6 × 38	" " कथासह	1758	
"	प्रा सं. मा.	133	27 × 12 × 12 × 60	"	1766	
"	प्रा. सं.	184	26 × 11 × 15 × 50	" 9वाचनाये	18वी	
"	"	210	28 × 13 × 10 × 46	"	18वी	
"	"	299	26 × 11 × 10 × 31	" ग्र. 4814	18वी	
"	प्रा. मा.	153	25 × 12 × 17 × 48	अपूर्ण ग्र 1000 तक	18वी	
"	प्रा. सं.	72	24 × 11 × 7 × 36	सपूर्ण 1216 ग. की	18वी	कठिनपदभङ्गि
"	प्रा. मा.	95	24 × 10 × 11 × 58	" ग्र. 1216	18वी	विद्वृत्ति
"	"	135	25 × 11 × 6 × 32	"	18वी	
"	"	145	26 × 11 × 8 × 40	लगभग पूर्ण ग्र.1216	1793	रथम2पन्ने कम
"	प्रा. सं.	154	26 × 11 × 14 × 43	अपूर्ण (कुल 13 पन्ने कम है)	गुटा. नेयमूर्ति 1793	
"	प्रा. मा.	243	25 × 11 × 13 × 35	नं. ग 1216 का	1807	

1	2	3	3A	4	5
38	के ना 20/32	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रवाहु	सू व्याख्यान
39	कोलडो 17	"	"	"	सू ट व्या
40	" 1035	"	"	"	"
41	के ना 8/22	"	"	"	सू ग
42	" 8/8	"	"	"	"
43	श्रीसि 1 प्रा 67	"	"	"	सू ट व्या कथा
44	कालडो 6	"	"	"	सू ग
45	" 14	"	"	"	सू ट व्या कथा
46	कु ना 22/2	"	"	"	सू ट व्या
47	कोलडो 4	"	"	"	सू ग
48	महा 1 प्रा 62	"	"	"	सू ट कथा
49	" 1 प्रा 65	कल्पसूत्र + कल्पद्रुमकलिका	Kalpa Sūtra + Kalpadruma kalikā	" / सप्तमीवल्लभ	सू घृ (ग)
50	" 1 प्रा 32	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	"	सू ग
51	कोलडो 5	"	"	"	"
52	श्रीसि 1 प्रा 96	" + कल्पद्रुमकलिका	" - kalpadrumakalikā	" / सप्तमीवल्लभ	सू घृ (ग)
53	महा 1 प्रा 34	"	"	"	सू ग
54	के ना 18/1	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" /	सू व (ग)
55	" 17/45	"	"	"	घटतर्वाचन
56	" 15/109	" + किरणावली	" + Kiranāvālī	" / घममाशर	सू व (ग)
57	15/103	" + कल्पचन्द्रिका	" + Kalpacandrikā	" / मुनिहस्त	"

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत का षाठवा अध्याय	प्रा. मा.	118	25 × 11 × 15 × 45	स. प्र. 1216 का	1810	
"	"	106	25 × 11 × 5 × 38	स.प्र.1216+2500 +825	1816	
"	"	183	24 × 11 × 6 × 32	सं.	1825	
"	प्रा.	34	26 × 12 × 11 × 38	," प्र. 1216	1831	
"	"	61	25 × 12 × 11 × 34	" "	1843	
"	प्रा. मा.	166	26 × 12 × 17 × 40	" "	1845 सत्यसुन्दर	
"	प्रा.	72	27 × 13 × 11 × 30	" "	1857	
"	प्रा. मा.	129	27 × 14 × 17 × 38	"	1865	
"	"	157	25 × 10 × 5 × 46	"	1869	
"	प्रा.	61	25 × 14 × 12 × 34	" प्र 1216	1873	
"	प्रा. मा.	160	27 × 13 × 13 × 31	" 9वाचनावे	1875 विजयचंद्र	
"	प्रा. सं.	206	26 × 11 × 13 × 43	" 9व्याख्यान	1876 गुलाबविजय	विगतवार प्रशस्ति
"	प्रा.	92	26 × 12 × 8 × 35	" प्र. 1216	1880 सुमटपर	प्रारंभ मे कुछ अवचूरि भी
"	"	50	26 × 31 × 12 × 32	" "	1883	
"	प्रा. सं.	161	26 × 13 × 15 × 44	" "	1885	20.50 हपयो मे गरीदी
"	प्रा.	78	26 × 12 × 10 × 26	" "	19वी सिद्धचंद्र	गुणचंद्र ने
"	प्रा. सं.	100	26 × 13 × 16 × 51	" 8वाचना तक	19वी	रत्नसार अन्त- र्वाच्य का उत्तरेण
"	प्रा.सं.मा.	72	25 × 11 × 13 × 36	" प्र. 2500	19वी	
"	प्रा. सं.	126	25 × 10 × 17 × 60	"	19वी	
"	"	103	25 × 11 × 15 × 47	"	19वी	

1	2	3	3A	4	5
58	कोलही 16	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रवाहु/	मू ट ध्या
59	" 3	"	"	"	मू ग
60	" 1	"	"	"	"
61	कु ना 30/1	"	"	"	"
62	" 53/3	"	"	"	मू ट ष्य क
63	कोलही 2	"	"	"	मू ग
64	के ना 29/35	"	"	भद्रवाहु	"
65	" 29/30	"	"	"	"
66	कु ना 30/2	"	"	"	अतर्वाच्य
67	" 4/80	"	"	"	मू ग
68	महा 1 अ 61	" +सुनाधिवा	" +Subodhikā	" /विनयविजय	मू वृ (ग)
69 70	" 1 अ 59/60	" 2 प्रतिमा	" 2 Copies	"	मू ग
71	के ना 8/20	"	"	" /भक्तिविलास	अतर्वाच्य
72	" 8/26	" +कल्पद्रुमकलिका	" +Kalpadrumkalikā	" /लटमीवल्लभ	मू वृ (ग)
73	" 20/43	"	"	"	मू ग
74	" 5/7	"	"	"	मू ट कथा
75	महा 1 अ 140	" +कल्पार्थबोधनि	" +Kalpārthabodhini	" /वेशरमुनि	मू व (ग)
76	के ना 29/102	" "	" "	" "	"
77	" 10/82	"	"	"	मू ट

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत 8वा अर्ध जिनकल्या- णक स्थविरावली + समाचारी	प्रा.मा.	175	25 × 10 × 12 × 30	संपूर्ण	19वी	
"	प्रा.	78	26 × 11 × 7 × 35	„ प्र. 1216	19वी	
"	„	114	26 × 11 × 9 × 22	„	19वी	
"	„	126	25 × 17 × 7 × 24	„	19वी	
"	प्रा.मा.	137	26 × 11 × 6 × 37	„	19वीं	
"	प्रा.	58	27 × 12 × 9 × 37	स्थविरावली तक	19वी	समाचारी नहीं है
"	„	144	27 × 13 × 7 × 22	संपूर्ण प्र. 1216	1919	
"	„	51	27 × 12 × 13 × 32	„ „	1927	
"	प्रा.स मा.	131	26 × 12 × 4 × 54	„ „	1939	
"	प्रा.	108	26 × 13 × 6 × 34	„ „	1955	
"	प्रा.स.	212	27 × 12 × 10 × 43	„ „	1955	
"	प्रा.	133, 139	26 × 13 × 7 × 35	„ „	अहमदाबाद, श्रीकृष्ण 20वी	चित्रों की खाली [जगह है
"	प्रा सं.मा.	152	25 × 11 × 11 × 42	„ „	20वी	जिनकीति सूत्र शिल्प
"	प्रा.स.	149	26 × 11 × 7 × 32	„ „	20वी	पत्रे अस्यव्यस्य लिखावट
"	प्रा.	63	25 × 11 × 13 × 27	„ „	20वी	
"	प्रा.मा	123	27 × 12 × 13 × 36	„ प्र. 4000	20वी	
"	प्रा.सं.	110	30 × 13 × 18 × 72	„ प्र. 1216 + 7443	2010 जोध पुर शिवदत्त	1993की कृति
"	„	189	25 × 11 × 16 × 48	„ „	2008नागौर शिवदत्त	„
"	प्रा.मा.	7	26 × 12 × 6 × 44	केवल अन्देरा अधिकार	16वी	10प्राप्तव्यवृत्तान

1	2	3	3A	4	5
103	के ना ४/9	कल्पसूत्र व्याख्यान	Kalpa Sūtra Vyākhyāna		अतर्वाच्य
104	" 4/19	" "	" "		"
105	" 8 2	कल्पलतानाम्नीवृत्ति	Kalpalata Namni Vṛtti	समयमुदर	गद्य
106	प्राप्ति 1प्रा97	"	"	"	"
107	के ना 8/11	"	"	"	"
108	" 8/1	"	"	"	"
109	" 18/42	"	"	"	"
110	मुस 1प्रा124	"	"	"	"
111	के ना 11/71	"	"	"	"
112	" 8/17	सदृह विप्रीययिनाम्नी पात्रका	Sandeha Visauṣadhi Nāmani Pañjikā	द्विनप्रश्नमूरि	"
113	वालहो 7	कल्पात वाच्यानि	Kalpāntah Vācyāni	जिनदृशमूरि	"
114	" 9	कल्पद्रुमकलिवानाम्नी- वृत्ति	Kalpadrumakalikā Namni Vṛtti	नदमीवल्लभ	"
115	के ना 5/18	कल्पसूत्र की वृत्ति	Kalpa Sūtra ki Vṛtti		"
116	कोलहो 8	"	"		"
117	हु ना 24/1	कल्पसूत्र भाषांतर	Kalpa Sūtra Bhāsantara		"
118	" 3/77	" वाचना	" Vacanā		"
119	के ना 6/97	कल्पव्याख्यान	Kalpa Vyakhyāna	जयानन्दमूरि	"
120	" 9/37	कल्पान्त वाच्यानि	Kalpāntah Vācyāni		"
121	श्रीमि 4प्रा6	(स्थविरावली) कल्पसूत्र	(Sthavirāvali) Kalpa Sūtra	(कल्पसूत्रे)	"
122	2/2 6	(समाचारी) "	(Samācārī) "	"	"

6	7	8	8A	9	10	11
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा.स.	88	26 × 11 × 13 × 36	संपूर्ण	19वी	
"	प्रा.सं.ग्र. मा.	55	26 × 11 × 5 × 30	"	19वी	
कल्पसूत्र की व्याख्या	स.	169	25 × 11 × 15 × 50	" प्र.1216की	16वी	
कल्पसूत्र के व्याख्यान	"	85	26 × 11 × 15 × 48	" 8व्याख्यान	18वी	
"	"	113	25 × 11 × 15 × 47	अपूर्ण 5 "	1732	महावीर निर्वाण तक
"	"	66	25 × 11 × 15 × 36	" महावीर जन्मोत्सव तक	18वीं	
"	"	127	27 × 11 × 15 × 45	" 6ठी वाचना तक	19वी	
"	"	24	25 × 11 × 16 × 50	" केवल 1 ¹ / ₂ व्याख्यान मात्र	19वी	
"	"	7	25 × 11 × 19 × 44	" " 7वा व्याख्यान	20वी	ऋषभचरित्र मात्र
कल्पसूत्र की दुर्गपद विवृत्ति	"	54	26 × 11 × 16 × 56	संपूर्ण प्र.3041	1638	1364 की रचना
कल्पसूत्र की व्याख्या	"	55	28 × 11 × 15 × 44	"	1662	प्रथम पन्ना क्रम
"	"	196	25 × 10 × 13 × 45	" प्र. 1216 की	1899	
"	"	60	26 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण (कुछ समाचारी की)	17वी	प्रारंभ अश्रुत्रा पंचमति-श्रुता वधि....
"	"	77	24 × 11 × 14 × 36	" 7वी वाचना तक	1850	
"	"	17	26 × 14 × 11 × 36	" स्वप्नाधिकार तक	19वी	
"	"	10	26 × 13 × 11 × 44	" केवल चौथी वाचना	19वी	
"	"	18	26 × 11 × 17 × 50	" स्वप्नो से अत तक	19वी	प्रथम 4पन्ने कम है
"	"	8	26 × 11 × 19 × 48	" स्पविरावली का अंश	20वी	
"	प्रा.मा.	24	25 × 13 × 13 × 33	केवल स्पविरावली	20वी वीका-नेर कांवलगत	
"	"	18	26 × 12 × 16 × 32	" समाचारी	1914	"

1	2	3	3A	4	5
123	मु मु 1भा119	कल्पसूत्र व्याख्यान	Kalpa Sutra Vyākhyāna		मद्य
124	वे ना 8/3	„ वातावबोध	„ Bālavabodha		„
125	म म 1भा138	„ व्याख्यान	„ Vyākhyana		„
126	घोषि 1भा71	„ वाचना	„ Vacanā		„
127	बु ना 55/1	„ भाषा टीका	„ Bhāṣā Tika	भाषानुसार	„
128	वातावो 1031	„ व्याख्यान	„ Vyākhyana		„
129	„ 1029	„ „	„ „		„
130	वे ना 20/20	„ वातावबोध	„ Balavabodha		„
131	शामि 1भा95	„ „	„		„
132	दु नाथ 55/8	„ भाषा	„ Bhaṣa		„
133	क नाथ 15 146	„ वातावबोध	„ Bālavabodha		„
134	घोषि 1भा125	„ व्याख्यान	Vyākhyana		„
135	वे नाथ 5/63	„ „	„ „		„
136	„ 10/57	„ अन्तर व्याख्यान	„ Antara Vyākhyana		„
137	म म 1भा132	„ वाचना	„ Vacanā		„
138	शामि 1भा98	„ „	„ „		„
139	क ना 8/25	„ वातावबोध	„ Bālavabodha		„
140	„ 17 67	„ वाचना	„ Vacanā	विषयनिर्घान मणि	„
141	बु ना 44/3	„ „	„ „		„
142	„ 24/10	„ „	„ „		„

6	7	8	8A	9	10	11
कल्पसूत्र की व्याख्या	मा.	113	29 × 13 × 12 × 40	सपूर्ण लगभग कालक कथा	16वीं	प्रथमव कृतिम पत्रा रूम
"	"	174	25 × 12 × 13 × 41	" अ 1216	1608	
"	"	68	26 × 12 × 11 × 28	लगभग पूर्ण (स्थ. प्र)	1616	
"	"	102	25 × 12 × 20 × 37	म. 9वाचनार्थे कथासह	19वीं	
"	राजस्थानी	212	27 × 13 × 13 × 27	सपूर्ण	19वीं	
"	मा.	194	26 × 11 × 15 × 48	" 9वाचना	19वीं	
"	"	146	25 × 11 × 16 × 32	लगभग पूर्ण कालक-कथा अपूर्ण	19वीं	
"	"	139	26 × 13 × 14 × 39	सपूर्ण	19वीं	
"	"	176	26 × 12 × 14 × 37	" 9वाचनार्थे	1913 दिक्रमपुर	
"	"	134	26 × 14 × 15 × 38	"	1934	
"	"	185	25 × 11 × 14 × 36	" अ.1216 का	1935	
"	"	99	25 × 13 × 20 × 39	" 9वाचनार्थे	1942	
"	अ.	35	26 × 11 × 13 × 46	"	20वीं	स्यविरावलोविधि व प्रचलनरुद्र का
"	मा.	13	28 × 12 × 16 × 51	"	20वीं	
"	"	116	26 × 11 × 12 × 43	5वीं वाचना अष्टमी	17वीं	जीर्ण प्रारंभ मे प्रसंगित
"	"	63	25 × 11 × 13 × 40	1,2,4, प्रौर 6 जी वाचना	18वीं	
"	"	66	26 × 11 × 15 × 42	प्र. प्रादिनायचन्द्रि तम	1, 4वीं	
"	"	105	25 × 10 × 14 × 46	5मे8वीं वाचनार्थे	19वीं	
"	"	82	21 × 14 × 11 × 24	अपूर्ण	19वीं	
"	"	7	26 × 11 × 12 × 40	केवल 5वीं वाचना अष्टमी	19वीं	

1	2	3	3A	4	5
143	कोलहो 446	कल्पसूत्र-वाचना	Kalpa Sutra Vācanā		पद्य
144	" 158	" "	" "		"
145	" 1034	" व्याख्या	" Vyākhyāna		"
146	शोसि 3&185	" "	" "		"
147	कोलहो 1040	" वाचना	" Vācanā		"
148	के नाथ 19/57	" व्याख्यान भाषणोल	, Vyākhyāna Bhāṣaṅghoḷa	प्राग्भिसस	पद्य
149	" 11/1	पंचकल्पभाष्य (महत)	Pañcakalpa Bhāṣya (Mahat)	सप्तदास दामाश्रमण	भाष्य
150	" 11/2	" कूर्ण	" Cūrṇa		कूर्ण
151	महा 1भा13	महानिषोद्यसूत्र	Mahāniṣṭha Sūtrā		सूत्र
152	" 1भा12	"	"		"
153	क नाथ 29/3	"	"		"
154	महा 1भा40	यतिजीतकल्प	Yati Jitakalpa	जिनप्रदशम(श्रमण) /सोमप्रभ	सूट
155	" 1भा38	" +वृत्ति	" +Vṛtti	, / , /देवमुत्तर मिध्म	सूट
156	" 1भा39	" "	" "	" ,	"
157	कोलहो 38	जीतकल्प +वृत्ति	Jitakalpa+	" /तिलकावाय	"
भाग	विभाग 1 भा	(111) जैन आगम-अंग	बाह्य चूलिका य मूल सूत्र		
1	कोलहो 39	नदीसूत्र	Nandi Sūtra	शेवकाटक	सूत्र
2	क नाथ 14/26	"	"	"	"
3	महा 1भा28	"	"	"	सूट (र

6	7	8	8A	9	10	11
कल्पसूत्र- व्याख्यान	मा.	14	26 × 10 × 13 × 50	केवल 3री वाचना	19वी	
"	"	5	27 × 11 × 17 × 44	केवल 9वी वाचना भी अघूरी	19वी	
"	"	59	26 × 12 × 10 × 32	अपूर्ण	19वी	
"	"	17	25 × 11 × 13 × 33	„ महावीर पूर्व भव तक	19वी	
"	"	3	26 × 11 × 10 × 33	3री वाचना भी अघूरी	20वी	
कल्पसूत्र का सारांश	"	22	28 × 13 × 12 × 36	सपूर्ण 10 व्याख्यान	1935	
छेद सूत्रागम साहित्य	प्रा.	84	30 × 16 × 15 × 40	„ प्र. 3218	1940	
"	प्रा.स.	61	29 × 16 × 18 × 41	„ प्र. 3125	1940	
छेद सूत्र	प्रा.	160	27 × 11 × 13 × 38	„ प्र. 4504	1784	
"	"	99	26 × 12 × 13 × 55	„ „	चतुरहर्ष 19वीं	
"	"	40	26 × 11 × 7 × 46	अपूर्ण 6,7वा प्रथम. मात्र	19वी	
"	प्रा.मा	37	26 × 11 × 7 × 27	सपूर्ण 306 गाथायें	17वी	मूल सक्षित जिनचंद्र का
"	प्रा.स.	139	26 × 13 × 15 × 44	„ „ की प्र. 6602	19वी	„
"	"	129	27 × 13 × 10 × 51	„ „ „	20वी	
" साहित्य	"	55	24 × 14 × 13 × 38	„ 105 गाथा की	गहरदान 19वी	
जैन आगम-ज्ञान पर	प्रा.	29	27 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण	17वी	
"	"	41	27 × 11 × 6 × 45	„	1724	
"	प्रा.मा.	38	26 × 11 × 7 × 51	„	18वीं	

1	2	3	3A	4	5
4	कोतडी 40	नीसूत्र + बालावबाध	Nandi Sūtra + Bala- vabodha	द्व वाचक	मू वा (ग)
5	मुमु 1प्रा17	"	"	"	मू ट (ग)
6	प्राप्ति 1प्रा73	"	"	"	मू ट कथा
7	महा 1प्रा56	" + वृत्ति	+ Vrtti	" /मनयगिरि	मू वृ (ग)
8	प्राप्ति 1प्रा75	"	"	"	मू ग
9	1प्रा74	"	"	"	मू ट (ग)
10	के ना 13/37	" + वृत्ति	" + Vrtti	" /मलयगिरि	मू व (ग)
11 12	कु ना 3/70 40/1	" आलापक 2 प्रतिया	, Ālapaka 2 Copies	"	मू ग
13	महा 1प्रा 29	" की वृत्ति	, ki Vrtti	मनयगिरि	गद्य
14	के नाथ 1/18	" ,	" "	"	"
15	कोतडी 1166	" "	" "	"	"
16	मुमु 1प्रा113	अनुयमद्वारमून	Anuyogadvara Sūtra	"	मू प
17	क नाथ 3/4	"	"	"	"
18	" 11/103	" + वृत्ति	" + Vrtti	"	मू वृ (प ग)
19	" 14/35	"	"	"	मू प
20	" 2/1	"	"	"	"
21	प्राप्ति 1प्रा72	" + बालावबाध	" + Balavabodha	"	मू था
22	मुमु 1प्रा118	दशवकालिकसूत्र	Daśavākalika Sūtra	मयभवसुरि	मू
23	क नाथ 1/30	"	" "	"	"
24	प्राप्ति 1प्रा105	"	"	"	मू ट

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-ज्ञान पर	प्रा.मा.	104	26 × 13 × 15 × 28	संपूर्ण	1888	
"	"	44	25 × 12 × 8 × 44	"	19वी	
"	"	96	25 × 12 × 6 × 35	"	1943, × , कमुदेव	
"	प्रा.सं.	193	27 × 13 × 12 × 61	"	1963	
"	प्रा.	11	24 × 12 × 16 × 59	"	1967	
"	प्रा.मा.	72	24 × 11 × 19 × 50	"	1985 नागौर	
"	प्रा.सं.	70	29 × 12 × 16 × 63	अपूर्ण (आधाभाग पिछला)	1607	पृ. 78से147 (अत)
"	प्रा.	1+1	26 × 11 × 11 × 9	मूल के उद्धरण	18/19वी	
जैनागम व्याख्या साहित्य	सं.	169	26 × 11 × 15 × 50	सपूर्ण क्र. 8105	18वी	
"	"	28	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण	19वी	
"	"	11	26 × 12 × 15 × 37	"	19वी	
जैनागम/व्या- ख्यान पद्धति	प्रा	81	26 × 11 × 9 × 30	न गा 1604/व 2005	17वी	
"	"	36	26 × 11 × 13 × 47	सपूर्ण क्र. 1399	1519	जोगी
"	प्रा.सं.	176	27 × 10 × 13 × 54	लगभग पूर्ण	16वी	
"	प्रा.	51	28 × 12 × 13 × 41	सपूर्ण क्र 1604	17वी	
"	"	30	27 × 11 × 15 × 50	"	1704	किंचि अक्षरि भी है
"	प्रा.मा.	83	26 × 12 × 5 × 64	" प 1417 का	1836 पाली टीकमदाग	जोगी
जैनागम-आचा- र्यादि	प्रा.	34	27 × 9 × 8 × 54	पं. 10 अक्षर ; 2 श्रविका	15वी	शेष के कुछ पक्षे कम है
"	"	16	26 × 11 × 16 × 50	"	1620	
"	प्रा.मा.	49	26 × 11 × 6 × 44	" प 700 "	17वी	

1	2	3	3A	4	5
25	के ना 15/107	दशवैकालिकसूत्र	Daśavaikālika Sūtra	सयभवमूरि	मू
26	„ 20/5	„	„	„	मू ट
27	कोलडी 1024	„	„	„	मू अ
28	„ 50	„	„	„	मू ट
29	„ 1025	„	„	„	„
30	„ 46	„	„	„	मू
31	के ना 3/23	„	„	„	मू ट
32	„ 24/2	„	„	„	मू
33	„ 15/5	„	„	„	मू ट
34	कु ना 17/9	„	„	„	मू
35	क ना 1/3	„	„	„	„
36	कालडी 51	„	„	„	मू ट
37	„ 49	„	„	„	„
38	पोसि 1अ 107	„	„	„	„
39	„ 1अ 106	„	„	„	„
40	महा 1अ 22	„ + पूणि, वलि, दीपिका	„ + Cūrṇi Vṛtti Dīpika	सयभव/हरिभद्र/ भाणिक शेखर	मू कु वू दी
41	कोलडी 45	„	„	सयभव	मू
42	„ 47	„	„	„	„
43	„ 48	„ + बालावबोध	„ + Bālāvabodha	„	मू वा
44	कु ना 24/8	„	„	„	मू ट

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-आचार- रादि	प्रा.	16	$26 \times 10 \times 14 \times 60$	स.10अध्या. + 2चूलिका ग्र. 700	17वीं	अत मे 10श्लो प्रतिरिक्त
॥	प्रा. मा.	52	$26 \times 11 \times 16 \times 41$	॥ ॥	17वीं	
॥	प्रा. सं.	26	$25 \times 11 \times 13 \times 34$	लगभग संपूर्ण	17वीं	प्रथम व अंतिम पन्ना नहीं
॥	प्रा. मा	66	$24 \times 10 \times 5 \times 44$	संपूर्ण	1754	
॥	॥	41	$24 \times 11 \times 6 \times 42$	लगभग संपूर्ण	18वीं	10वें अध्या. की 20गा. क
॥	प्रा.	20	$26 \times 11 \times 10 \times 38$	संपूर्ण चूलिकासह	18वीं	
॥	प्रा. मा.	31	$25 \times 11 \times 7 \times 53$	॥ ग्र. 1924	18वीं	
॥	प्रा.	31	$25 \times 12 \times 11 \times 33$	॥ चूलिकासह	18वीं	
॥	प्रा. मा	64	$24 \times 10 \times 5 \times 37$	॥ 10अध्या.	1807	
॥	प्रा.	39	$25 \times 12 \times 10 \times 26$	॥ ॥ ग्र. 700	1810	प्रथम पन्ना कम
॥	॥	34	$24 \times 11 \times 11 \times 32$	॥ ॥ चूलिकासह	1812	
॥	प्रा. मा	45	$26 \times 10 \times 5 \times 42$	॥ ॥ ॥	1820जोध- पुर गुणविजय	
॥	॥	67	$25 \times 11 \times 5 \times 33$	॥ ॥	1827	
॥	॥	68	$25 \times 13 \times 5 \times 32$	॥ ॥	1876 वीकानेर	
॥	॥	54	$26 \times 12 \times 5 \times 35$	॥ ॥	1889विक्रम- नगर ग्रंथि- शाल	
॥	प्रा. सं.	112	$27 \times 13 \times 16 \times 54$	॥ वृ. 7470	19वीं	
॥	प्रा.	35	$28 \times 13 \times 7 \times 46$	॥	1846	
॥	॥	20	$25 \times 11 \times 13 \times 45$	संपूर्ण 10अध्या.	19वीं	
॥	प्रा. मा.	83	$25 \times 12 \times 13 \times 45$	॥ ॥	19वीं	
॥	॥	38	$27 \times 13 \times 5 \times 56$	संपूर्ण विनयममाधि 2 चहे. तक	19वीं	

1	2	3	3A	4	5
45	के ना 1/21	दशवैकालिक सूत्र	Daśavaikālika Sūtra	शयभव	मू ट
46	„ 4/18	„	„	„	„
47	श्लो 1प्रा104	„	„	„	„
48	„ 1प्रा108	„	„	„	मू
49	महा 1प्रा21	„ +वृत्ति	„ +Vrtti	„ /हरिमद्र	मू वृ
50	श्लो 1प्रा103	„ +बाला	„ +Bala	„ /-	मू बा
51	महा 1प्रा24	„ +वृत्ति	„ +Vrtti	„ /हरिमद्र	मू व
52	कु ना 43/5	दशवैकालिक सूत्र	„	शयभा	मू ट
53	कोलडो 52A	„	„	„	„
54	महा 1प्रा23	„	„	„	मू
55	कु ना 25/10	„	„	„	मू ट
56	के ना 15/200	„	„	„	मू
57	11/102	„	„	„	„
58	„ 6/83	„ +वृत्ति	„ +Vrtti	„ /-	मू वृ
59	„ 24/3	दशवैकालिक सूत्र	„	„	मू
60	„ 13/23	„	„	„	मू ट
61-2	कोलडो 1023, 1026	„ 2 प्रतियां	„ 2 Copies	„	मू
63	श्लो 3प्रा31	„	„	„	मू ट
64	महा 1प्रा54	„	„	„	„
65	श्लो 1प्रा134	„ का अवधुरि	„ Avadhuri	„	मू ट

6	7	8	8A	9	10	11
जैनानाम- प्राचारादि	प्रा.मा.	40	25 × 10 × 6 × 40	संपूर्ण चूलिकासह	19वा	
"	"	46	25 × 11 × 7 × 37	" 10अध्या.प्र.1500	19वी	
"	"	69	25 × 13 × 19 × 38	" "	1943	
"	प्रा.	7	27 × 12 × 28 × 65	" "	1952मालेर कोटला, लछ- मनदास	
"	प्रा. सं.	250	26 × 11 × 11 × 47	" " चूलिकासह	1961, × , अमरदत्त	
"	प्रा.मा.	54	25 × 11 × 6 × 47	" "	1965नागौर	
"	प्रा. सं.	171	26 × 13 × 15 × 44	" " चूलिकासह	20वी, × , यशसूरि	
"	प्रा.मा.	69	26 × 12 × 5 × 32	" "	20वी	
"	"	17	27 × 11 × 5 × 34	संपूर्ण 4 अध्या. तक	1763	
"	प्रा.	2	25 × 12 × 12 × 34	केवल 2रा अध्या.	18वीं	
"	प्रा.मा	22	26 × 11 × 7 × 60	चुटक	18वीं	
"	प्रा.	41	26 × 11 × 13 × 46	संपूर्ण विण्डेवगा से अत तक	18वी	
"	,	18	26 × 11 × 13 × 40	" 5वें से 10वें अध्या तक	18-वी	
"	प्रा.सं.	46	24 × 10 × 13 × 48	, 3रे से अत तक	18वी	
"	प्रा.	21	25 × 11 × 9 × 27	" 5वें अध्या. तक	19वी	
"	प्रा.मा	57	27 × 12 × 6 × 35	, 5वें से विनय समाधि तक	19वी	
"	प्रा.	16,10	27 × 13 × 25 × 12	चुटक	19वी	
"	प्रा.मा.	5	27 × 13 × 8 × 50	संपूर्ण 4थे अध्या तक	19वी	
"	"	3	28 × 13 × 4 × 33	" केवल 2 अध्यायन	20वी	
जैनानाम स्यादय साहित्य	म.	17	27 × 11 × 25 × 62	संपूर्ण	16वी	साथ से एकवी सूत्रावसूरि

1	2	3	3A	4	5
66	कु ना 55/5	दशवकालिकसूत्र का बालावबोध	Daśavaikālika Sūtra kā Balavabodha	राजसूत्र (खरतर)	पद
67	के ना 13/32	" का वृत्ति	" ki Vṛtti	मुमतिमूर्ति	"
68	" 18/37	" "	" "	"	"
69	मु मु 2/328	" की सज्जहाय	" ki Sajjhaya	जयतती	पद
70	" 2/329	" "	" "	"	"
71	महा 3इ164	" "	" "	"	"
72-3	के ना 20/26 19/43	" " 2 प्रनिया	" " 2 Copies	"	"
74	" 15/133	" "	" "	बममह्य	"
75	" 21/89	" "	" "	वृद्धिविजय	"
76	कोलडो 1156	" "	" "	"	"
77	से म 1पा109	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyaṇa Sūtra		मू
78	के ना 1/5	" +वति	" + Vṛtti		मू व
79	कु ना 38/1	" +बाला	" + Balā		मू बा
80	कोलडो 52B	" + "	" + "		"
81	के ना 14/27	उत्तराध्ययनसूत्र	"		मू
82	कोलडो 54	" +बाला	" + Bālā		मू बा
83	के ना 4/2	" +वति	" + Vṛtti		मू व
84	घोषि 1पा76	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyaṇa Sūtra	-/नेमिबद्रमूर्ति	मू व
85	" 1पा93	"	"		मू
86	" 1पा79	"	"		"
		"	"		मू ट

	6	7	8	8A	9	10	11
kā odha	राजपुत्रि- गम-व्या- यान साहित्य	मा.	79	27 × 11 × 13 × 45	किंचित् प्रारंभ मे अपूर्ण 5 पत्रे कम	17वी	गाथा सहित
	सुषुक्तिं "	स.	61	26 × 12 × 15 × 48	सं. 10 मध्य प्र. 2600	1785	
a	"	"	15	27 × 11 × 15 × 38	अपूर्ण 4थे मध्य. तक	19वी	
	वपतमो रथ मय सरराश	मा.	3	25 × 11 × 15 × 49	संपूर्ण सञ्भाय	1763	
	"	"	5	25 × 11 × 10 × 36	लगभग पूर्ण	18वीं	अतिम पत्रा व
pies	"	"	5	25 × 12 × 13 × 34	संपूर्ण 11 सञ्भाय	19वी	
	"	"	8,6	23 × 11 व 25 × 13	" 11 "	20वी	
कमवर्द्धं	"	"	14	26 × 11 × 15 × 40	" 12 "	1850	
	वृद्धिरा	"	7	28 × 12 × 12 × 39	" 11 "	1904	
"	"	"	8	26 × 12 × 13 × 32	लगभग पूर्ण	1828	प्रथम पत्रा क
	जीनागम-प्रतिप उपदेश	प्रा.	54	27 × 11 × 15 × 35	सं. प्र. 2194 प्र. 36	1484 मूली ग्राम, भट्ट मिवाणी	
	"	प्रा. सं.	362	26 × 11 × 11 × 35	" 8260	18वी	
	"	प्रा मा.	159	28 × 12 × 6 × 36	लगभग पूर्ण (36वा कुछ कम)	16वी	
	"	"	101	26 × 11 × 6 × 40	संपूर्ण 36 मध्ययन	1619	
	"	प्रा.	58	27 × 11 × 14 × 43	" "	1623	
	"	प्रा. मा.	167	26 × 11 × 13 × 50	" व 6250	1657	
	"	प्रा. स	317	25 × 11 × 15 × 45	" प्र. 14000	1666	प्रथम नाम देवेन्द्र गण सुगवो गो- नाम्नी वृत्ति
	"	प्रा.	51	26 × 11 × 15 × 50	सं. प्र. 2000 मध्य 36	17वीं	
	"	"	46	33 × 13 × 13 × 61	"	17वीं	बीणं
"	प्रा. मा.	231	26 × 11 × 4 × 33	स 36 मध्य	1767 × जेठाधीमनी		

1	2	3	3A	4	5
87	के ना 5/115	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttaradhyayana Sūtra		सू ट
88	„ 20/2	„	„		„
89	„ 13/1	„	„		सू
90	कोलही 53	„	„		सू ट
91	„ 1018	„ +बाला	„ +Balā	-/-	सू बा
92	„ 58	उत्तराध्ययनसूत्र	„		सू ट
93	„ 57	„	„		सू ट कथा
94	„ 56	„	„		„
95	श्रीसि 1पा 78	„	„		सू
96	कानही 55	„	„		सू ट
97	श्रीसि 1पा 136	„	„		सू ट कथा
98	के ना 11/4	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	-/शात्वासाय	सू वृ
99	महा 1पा53	„ +	„ +	-/भावविजय	„
100	के ना 5/48	„ +दीपिका	„ +Dīpikā	/लक्ष्मीवस्तु	सू दी
101	„ 5/1	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	-/-	सू वृ
102	„ 13/17	„ +बाला	„ +Balā	-/-	सू बा
103	„ 10/8	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	-/-	सू वृ
104	श्रीसि 1पा77	उत्तराध्ययनसूत्र	„		सू ट
105	के ना 9/8	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	-/भावविजय	सू वृ
106	कोलही 61	„ +दीपिका	„ +Dīpikā	-/लक्ष्मीवस्तु	सू दी

6	7	8	8A	9	10	11
जैन प्रागम-अंतिम उपदेश	प्रा मा	191	$26 \times 11 \times 7 \times 38$	संपूर्ण 36 अक्षय.	1787	
"	"	133	$27 \times 11 \times 13 \times 45$	"	17वीं	
"	प्रा.	121	$27 \times 12 \times 9 \times 32$	"	17वीं	
"	प्रा.मा	178	$25 \times 11 \times 5 \times 35$	"	1753/62	
"	"	273	$26 \times 11 \times 13 \times 45$	लगभग पूर्ण 36वें का 265 प्रलोक	18वीं	
"	"	177	$26 \times 11 \times 5 \times 38$	पूर्व 36 अक्षय. अ. 2205	18वीं	
"	"	267	$25 \times 12 \times 16 \times 50$	संपूर्ण 36 अक्षय.	1839	
"	"	302	$26 \times 11 \times 5 \times 34$	"	1892	टक्का 18वें अक्षय. तक ही
"	प्रा.	41	$26 \times 11 \times 16 \times 54$	" अ. 2000	19वीं	
"	प्रा.मा.	177	$25 \times 11 \times 5 \times 36$	" अ. 2205	19वीं	
"	"	203	$26 \times 13 \times 17 \times 53$	सं अ. 2000 + 8000 + 4000	1900 वीका-नेर, छोडुलाल	जीर्ण, प्रथम पत्रा कम है (टोका पाई नाम्नी)
"	प्रा स	399	$29 \times 16 \times 17 \times 38$	सं 36 अक्षय.	1941,	
"	"	521	$27 \times 13 \times 13 \times 41$	स. अ. 16255	1958 जामन-पर खूब कुशल	प्रशस्ति है। सशोधित
"	"	33	$26 \times 11 \times 18 \times 48$	संपूर्ण 32/70 से अत तक	16वीं.	
"	"	126	$26 \times 11 \times 15 \times 49$	" 4थे से 11वें अक्षय. तक	16वीं	
"	प्रा.सं.मा	144	$26 \times 12 \times 13 \times 35$	" 25वें अक्षय तक	17वीं	प्रथम पृष्ठ पर चित्र
"	पा.स.	218	$27 \times 11 \times 15 \times 58$	" 23वें "	17वीं	
"	पा.मा	101	$25 \times 11 \times 5 \times 47$	संपूर्ण 26वें अक्षय. तक	18वीं	
"	प्रा सं	162	$26 \times 11 \times 12 \times 43$	संपूर्ण	19वीं	
"	"	29	$25 \times 13 \times 17 \times 50$	" 2 अक्षय. तक	19वीं	

1	2	3	3A	4	5
107	के ना 1,25	उत्तराध्ययनमूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू ट
108	कु ना 17/11	"	"		मू
109	के ना 26/96	"	"		"
100	महा 1भा26	" +वृत्ति	" +Vrtti	-/माशविजय	मू वृ-
111	कोसरो 814	उत्तराध्ययनमूत्र	"		मू ट
112	, 1019	" +बाला	" +Balā		मू बा
113	क ना 16/22	उत्तराध्ययनमूत्र+अव	" +Avcūri		मू अ-
114 5	" 14/24,26 /72	" 2 प्रतियाँ	" 2 Copies		मू
116	महा 1भा25	" की वृत्ति	" k1 Cūrti		म ट
117	" 1भा55	" की वृत्ति	" k1 Vrtti	शां:याचार्य	"
118	कोसरो 60	" की कथायें	" k1 Kathāyen	शीलमणि	"
119	मु मु 1भा123	" की वृहद्वृत्ति,की कथायें	" k1 Vrhad Vrtti Kathayen	पद्मसागर	"
120	कु ना 47/7	" "	" "		"
121	कोसरो 54	" "	" "	पद्मसागर	"
122	कु ना 25/9	" की कथायें	" k1 Kathayen		"
123	के ना 23/80	" की सज्जकार्यें	" k1 Sajjhayen	वाचक रामविजय	प ट
124	कोमि 1भा135	" "	" "	"	"
125	क ना 21/84	" "	" "	प्रासकरणकी	"
126	कोसरो4/7गु	" "	" "	उदयविजय	"
127	" कु 10/5	" "	" "	"	"

6	7	8	8A	9	10	11
अनागम-अतिम रूपदेश	प्रा.मा	17	25 × 11 × 17 × 41	अ केवल 32 अध्या.	19वी	
"	प्रा.	6	27 × 12 × 17 × 42	" " 36वा "	19वी	पन्ना स.4 नहीं है
"	"	2	26 × 11 × 13 × 40	" नमिप्रव्रज्या "	19वी	
"	प्रा.स.	139	28 × 12 × 15 × 42	" 6टे अध्या. तक	20वी	
"	प्रा.मा.	9	30 × 10 × 5 × 36	" मृगापुत्र अ.99गा.	19वी	
"	"	22	25 × 10 × 12 × 30	" अध्या. 3/14 तक	20वी	
"	प्रा सं	3	26 × 11 × 9 × 40	" अनायी मुनि अध्या.	20वी	
"	मा.	4,7	27 × 12 × 9 × 30	श्रुटक 9और 36अध्या	20वी	
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा सं.	130	27 × 13 × 15 × 44	सं.मूल व नियुक्ति पर अ 5990	19वी	
"	सं.	417	28 × 13 × 14 × 52	" 36अध्या. की	1964नागौर जीवराज	
"	"	40	27 × 10 × 16 × 48	संपूर्ण	1581	
"	"	105	27 × 18 × 17 × 48	, 25वें अध्या.तक की	1713	प्राकृत की संस्कृत की गई 1137की रचना
"	"	92	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण	मिणोरापाठक विश्वेकरुचि 18वी	
"	"	124	25 × 11 × 14 × 42	सं.25वें अध्याय तक	1826	
"	"	86	26 × 11 × 15 × 80	श्रुटक उदयन कथा तक	19वी	
"	मा.	46	19 × 11 × 11 × 31	संपूर्ण 36अध्या. की	1811	
"	"	23	26 × 12 × 11 × 36	अपूर्ण 5 से 36 तक	1847	प्रातर- मृगागुलावचर
"	"	4	24 × 11 × 17 × 36	केवल नमिगजति की 7 टांके	1847	
"	"	41	15 × 9 × 9 × 48	सं. 36 अध्या. की	1878	
"	"	श्रुटका	19 × 13 × 13 × 23	;;	1884	

1	2	3	3A	4	5
128	बोलडी गु 4	उत्तराध्ययन की सञ्ज्ञायें	Uttaradhyayana ki Sajjhāyen	सुमतिविजय (सद्यमो विजयविषय)	पद्य
129	„ 1324	„	„	„	„
130	के नाथ 29/29	उत्तराध्ययन वात्तिङ्ग	Uttaradhyayan Vrittika	प्राश्वत्त	गद्य
131	„ 1/9	घोषनिपुक्ति + वक्ति	Oghaniryukti + Vritti	भद्रबाहु/	सू. पु.
132	महा 1 पा 27	घोषनिपुक्ति	Oghaniryukti	„	सू. प.
133	के नाथ 14/36	„	„	„	„
134	„ 9/26	„ का बालावबोध	„ kā Bālavabodha	„	गद्य
भाग	विभाग 1 भा	(iv) जन आगम-अंग	वाह्य-प्रावश्यक सूत्र		
1	धोसि 2/152	प्रावश्यकसूत्र - गाथायें	Āvaśyaka Sūtra + Gāthāyen		सू.
2	के नाथ 26/69	„ „	„ „		सू. ट.
3	कु ना 15/14	„ „	„ „		सू.
4	के ना 13/41	„ „	„ „		सू. ट.
5	कु ना 4/98	„ „	„ „		सू.
6	के ना 24/23	„ „	„ „		„
7	„ 15/196	„ „	„ „		„
8	„ 21/60	„ „	„ „		सू. ट.
9	10/157	„ „	„ „		सू.
10	„ 16/34	„ „	„ „		„
11	„ 1/27	„ „	„ „		„

6	7	8	8A	9	10	11
प्रागम व्याख्या साहित्य	मा.	48	$12 \times 10 \times 17 \times 10$	लगभग पूर्ण	19वी	साथ में इत्येक बुद्ध गीत भी
"	"	5	$25 \times 10 \times 13 \times 31$	संपूर्ण नमि अर्ध. तक	19वी	
"	"	215	$25 \times 11 \times 11 \times 33$	„ 9वे अर्ध तक	19वी	
जैनामम विकल्पसे स धु आचार पर	प्रा. सं	129	$25 \times 11 \times 15 \times 45$	अपूर्ण	16वी	तीने पूर्व से नियुं ट प्राभृत 20 ममा-चारी तीसरी
"	प्रा.	33	$26 \times 11 \times 15 \times 48$	सपूर्ण 1164 गाथा	17वी	
"	"	30	$27 \times 13 \times 15 \times 45$	974 गाथा तक	19वी	
"	मा.	6	$27 \times 13 \times 14 \times 39$	अपूर्ण	20वी	
पडावश्यक प्रागम-सूत्र	प्रा	123	$26 \times 12 \times 11 \times 40$	प्रति पूर्ण	16वी	
"	प्रा.मा.	13	$26 \times 11 \times 5 \times 36$	अपूर्ण	16वी	
"	प्रा.	7	$27 \times 11 \times 10 \times 33$	प्रति पूर्ण	1623	
"	प्रा.मा.	18	$26 \times 11 \times 7 \times 37$	„	1664	
"	प्रा.	11	$26 \times 12 \times 11 \times 38$	„	1656	
"	"	6	$26 \times 11 \times 14 \times 45$	„	1664	
"	"	5	$25 \times 11 \times 15 \times 40$	अपूर्ण	1672	
"	प्रा.मा.	54	$26 \times 11 \times 5 \times 37$	प्रति पूर्ण	1689	साथ में सम स्मरणदि भी
"	प्रा.	10	$29 \times 11 \times 17 \times 50$	„	17वी	
"	"	8	$26 \times 11 \times 12 \times 43$	अपूर्ण	17वी	
"	"	7	$26 \times 11 \times 38 \times 11$	प्रति पूर्ण	17वी	

1	2	3	3A	4	5
12	काली 1074	प्रावश्यक सूत्र + गाथाएँ	Āvaśyaka Sūtra + Gāthāyen		मू ट
13	„ 441	„	„		मू
14	के ना 20/3	„ „	„		मू ट
15	कु ना 5/107A	„ „	„ „		मू
16	कु ना 5/108	„ + स्तोत्र मञ्जायादि	„ + Stotra Sajjhayādi		मू (ग प)
17	के ना 23/9	„ „	„ „		„
18	„ 5/24	„ + वदनक	„ + Vandanaka		मू ट
19	वासि 1वा84	प्रावश्यक गाथाएँ	Āvaśyaka Gāthāyen		„
20	से म 3व56	„ + स्मरणदि	„ + Smaranādi		मू (ग प)
21	महा 1वा15	„ + „	„ + „		„
22	श्लो 3व63	„ + „	„ + „		मू प्रप
23-4	, 2/167वा24	„ गाथाएँ 2 प्रतिया	Gāthāyen 2 Copies		मू (ग प)
25	कु ना 10/ 129A	„ गाथाएँ	„ Gāthāyen		मू ट
26 30	कोलडी 384 7 430 40, 1075	„ „ 5 प्रतिया	„ 5 Copies		मू (ग प)
31	कोलडी 43	„ „	Gāthāyen		मू ट
32	महा 1वा14	„ आदि	„ „ Ādi		„
33	श्लो 3व22	„ गाथाएँ	„		मू (ग प)
34	कोलडी वस्ता 70	प्रावश्यक + स्तवनादि	Āvaśyaka + Stavanādi		मू (ग प)
35 51	के ना ९/80 117 6/20 40 1९/40 52 185 16/१३ 17/९1 18/ 0 1 1/100 21/33 71 98 23/2 24/61 85	„ 17 प्रतिया	17 Copies		„ (ग प)

6	7	8	8A	9	10	11
पडावश्यक आगमसूत्र	प्रा मा	11	26 × 11 × 4 × 20	अपूर्ण	17वी	
"	"	14	26 × 9 × 11 × 40	प्रतिपूर्ण	17वी	साद मे स्तवनादि
"	"	10	26 × 11 × 18 × 40	"	1735	
"	"	13	15 × 22 × 8 × 16	"	1781	
" + भक्ति	प्रा.स.मा	177	16 × 23 × 11 × 20	"	1797	
" "	"	7	25 × 11 × 11 × 36	"	1799	साथ मे चद्रसुरि के रूप हणी
"	प्रा.मा	16	26 × 11 × 7 × 38	"	18वी	
"	"	18	25 × 11 × 5 × 35	"	1823	
" + भक्ति	प्रा स मा.	74	26 × 11 × 13 × 52	"	1855	
" "	"	50	25 × 11 × 13 × 40	"	1863 वीका- नेर, लध मीरंग	
" "	"	69	27 × 13 × 4 × 22	"	1888 ग्रजमेर जवानकुशल	
पडावश्यक आगमसूत्र	प्रा.मा.	16,16	25 × 12 व 27 × 12	"	19वी	
"	"	10	26 × 11 × 6 × 42	अपूर्ण	19वी	
"	"	9,13,21 10 12	24 व 26 × 10 व 13	प्रतिपूर्ण	19वी	
"	"	12	25 × 12 × 15 × 30	"	19वी	
"	"	56	27 × 12 × 4 × 29	"	19वी राजन- गर, वेरुमल	
"	"	10	25 × 12 × 15 × 31	"	20वी	
पडावश्यक भक्ति आदि	प्रा.सं.	123	25 व 30 × 10 व 14	स्फुट वघे भिन्न 2	19/20वी	सामान्य प्रतिष्ठा
"	"	10 10.75 10.12.15 4.4.11. 3 7 40 52.41.58 4 7	24 व 28 × 10 व 13	पूर्ण, अपूर्ण	19/20वी	" "

1	2	3	3A	4	5
52	के ना 13/46	आवश्यक-गाथायें	Āvaśyaka Gathāyen		मू ट
53	„ 19/61	„ + चैत्यवदन	„ + Caityavandana		मू घप
54	„ 11/40	,	,		मू ट
55	„ 3/14	बहावश्यक + बालावबोध	Śadavāśyaka + Balava bodha	-/हिमहस गणि	मू वा
56	कोलडी 42	„ „	„ „	-/ „	„
57	के ना 4/7	„ „	„ „	-/जिनकीति	„
58	„ 20/1	„ „	„ „	-/जिनविजय	मू ट वा
59	„ 27/61	„ „	„ „	-/ „	„ „
60	कोलडी 1071 73	„ „	„ „		„ „
61	के ना 21/48	„ „	„ „		मू बा
62	„ 5/21	„ „	„ „		„
63	„ 11/32	„ „	„ „		„
64	„ 11/41	„ „	„ „		„
65	„ 21/105	„ „	„ „		„
66	5/20	„ „	„ „		„
67	कोलडी 439	„ „	„ „		„
68	कु ना 37/10	माघ-प्रतिक्रमणमंत्र	Śādhu Pratikramana Śātra		मू
69	कोलडी 438	„	„		„
70	महा 3व16	„	„		मू ट
71	के ना 19/31	„	„		„

6	7	8	8A	9	10	11
षडावश्यक आगम-सूत्र	प्रा. मा.	18	$26 \times 11 \times 6 \times 38$	प्रतिपूर्ण	20वी	
+ भक्ति	"	5	$26 \times 12 \times 11 \times 40$	अपूर्ण	20वी	
षडावश्यक	"	9	$25 \times 12 \times 6 \times 45$	प्रतिपूर्ण	20वी	
"	"	62	$26 \times 11 \times 14 \times 52$	सपूर्ण प्र. 3100	1526	
"	"	137	$25 \times 12 \times 11 \times 38$	"	18वी	
"	"	86	$27 \times 11 \times 13 \times 50$	" प्र. 2200	1603	
"	प्रा.सं.मा.	115	$25 \times 11 \times 18 \times 46$	"	1751	
"	"	80	$26 \times 12 \times 15 \times 41$	अपूर्ण (67 से 146 पक्षे अतः)	19वी	
"	प्रा. मा.	107	$25 \times 12 \times 5 \times 36$	सपूर्ण	1836	
"	"	26	$25 \times 11 \times 11 \times 42$	"	16वीं	
"	"	77	$26 \times 11 \times 13 \times 42$	अपूर्ण बीच के पक्षे	15वी	
"	"	20	$26 \times 11 \times 11 \times 49$	सपूर्ण लगभग	18वी	प्रथम पत्रा कम
"	"	7	$26 \times 11 \times 8 \times 40$	अपूर्ण	18वी.	
"	"	22	$24 \times 12 \times 15 \times 47$	" (मसारदादा. तक)	19वी	
"	"	16	$25 \times 11 \times 17 \times 54$	संपूर्ण	19वी	
"	"	79	$25 \times 13 \times 17 \times 48$	"	19वीं	
षासु आवश्यक	प्रा.	4	$27 \times 12 \times 13 \times 36$	सपूर्ण (पगामनाभाय)	16वी	
"	"	5	$20 \times 11 \times 6 \times 40$	शुद्धक	16वी	
"	प्रा. मा.	7	$19 \times 11 \times 7 \times 39$	संपूर्ण	1762	
"	"	6	$25 \times 11 \times 25 \times 55$	"	1764	

1	2	3	3A	4	5
72	मु सु 3म35	साधुप्रतिक्रमण सूत्र	Sadhu Pratikramana Sutra		सू
73	कोलडो 436	"	"		"
74	क ना 18/36	"	"		मु ट
75	" 18/39	"	"		"
76 81	5/54,10/75, 76 11/63 15/ 128,16/32	" 6 प्रतियां	" 6 Copies		सू
82 85	कोलडो 435 37,1187A B	" 4 "	" 4 "		"
86	मु सु 3म36	"	"		"
87	से म 3म345	"	"		मु ट
88	महा 1म17	"	"		सू
89	कु ना 2/9	"	"		"
90 92	" 2/24 10/ 167 13/43	रात्रि संधारा सज्जया 3 प्रतियां	Rātri Santhāra Sajjhaya 3 Copies		"
93	के ना 6/17	" "	" "		"
94	से म 3म57	" + बाला	" + Bālā		सू य
95	घोसि 3म 6]	" अक्कुरि	" + Avaccari		य
96	कु ना मु.36/1	लघुवृत्ति प्रतिनमणसूत्र	Laghu Vṛtti Pratikramana Sūtra		य व
97	क ना 15/95	श्राद्धप्रतिनमणसूत्र	Śradha Pratikramana Sūtra		पट
98	" 13/19	"	" "		मु ट
99	घोसि 3म47	"	" "		सू (ग प)
100 1	" 3म30 46	" 2 प्रतियां	" 2 Copies		"
102-4	कु ना 17/17, 37 37,34/4	" 3 "	" 3 "		"

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 16 × 46	प्रतिपूर्ण	18वी	
"	प्रा.	4	26 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण	1843	
"	प्रा.मा.	10	27 × 12 × 4 × 36	"	20वी	
"	"	5	25 × 12 × 24 × 48	"	20वी	
"	प्रा.	22,2,8, 2,4	23से29 × 10से12	"	19/20वी	सामान्य प्रतिधां
"	"	5 4,3,3	25से26 × 11से13	"	19/20वी	"
"	"	6	24 × 12 × 13 × 40	"	1854	
"	प्रा.मा	1	25 × 11 × 4 × 34	"	19वी	अप्रचलित पाठ
"	"	4	26 × 13 × 15 × 51	"	19वी	पाक्षिक अतिचार महित
"	प्रा.	7	23 × 12 × 11 × 19	"	19वी	
"	"	1,1,2	26से27 × 11से12	" 18 गाथा	19वी	
"	"	2	22 × 10 × 10 × 30	"	20वी	
"	प्रा.मा.	12	23 × 11 × 18 × 60	संपूर्ण	16वी	
"	मं.	2	26 × 11 × 16 × 57	"	19वी	मूल प्राकृत सूत्रो की सम्कुल
आवश्यक	प्रा रा.	क्रम गुटका 6		"	1544	दिगम्बर ग्राम्नाय
"	प्रा.	5 ^२	26 × 11 × 11 × 40	" वदित्त सूत्र 50 गाथा	17वी	
"	प्रा.मा.	14	27 × 11 × 5 × 56	"	1726	
"	"	5	26 × 12 × 12 × 36	"	1870, विक्रमपुर मिनसदन	अतिचार महिन
"	"	5,10	24 × 11 व 27 × 12	"	19वी	
"	"	14,5,18	19से26 × 11से13	"	19/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
105	के नाथ 11/54	श्राद्ध प्रतिब्रमण-सूत्र	Śrādh Pratikraman Sūtra		मू ट
106	बाली 443	"	"		मू
107	385	"	"		मू ट
108	" 1108	"	"		मू + अथ
109	386	"	"		मू + ट
110	ग्रामिया 3 अ 29	"	"		ग प
111 7	क नाथ 6/124 15/39 64 67 75 16/26 26 /81	, 7 प्रति	, 7 Copies		मू (प)
118	क नाथ 13/51	+ बाला	+ Bālā		मू बा
119	1/29	श्रावश्यक सूत्र नियुक्ति	Āvasyak Sūtra Niryukti	भट्ट दाहू	मू (प)
120	महा 1 अ 16	"	"	"	"
121	क नाथ 15/111	"	"	"	"
122	महा 1 अ 17	"	"	"	"
123	के नाथ 5/16	"	"	"	"
124	, 3/18	श्रावश्यक नियुक्ति मह घाना	with Bālā	,/मनेगी दवगणि	मू बा
125	ग्रामिया 3 अ 37	"	with Bālā	,/रत शायर शिष्य	"
126	क नाथ 11/75	श्रावश्यक प्रतिब्रमण मण्डली	Āvasyak Pratikraman Sangraha	—	मू (प)
127	महा 1 अ 20	विशेषावश्यक भाष्य वति मह	Viśeśāvasyak B'āṣya with Vṛti	जिन भट्ट/म हेमचन्द्र	मू + व
128	क नाथ 15/112	श्रावश्यक वृत्ति	Āvasyak Vṛti	हरिभद्र	ग
129	महा 1 अ 18	श्रावश्यक बहूत वृत्ति	Bṛhat Vṛti	—/हरिभद्र	ग
130	1 अ 19	" , लघु टीका	Laghu Tikā	—/तिनकाचाय	,
131	के नाथ 21/96	श्रावश्यक वति मह	with Vṛti	—?	मू ट
132	10/53	"	"	—?	"
133	बाली 1072	श्रावश्यक वति	, Vṛti	—?	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
आवक आवश्यक	प्रा.मा.	10	25 × 12 × 5 × 38	संपूर्ण	1842	
"	प्रा.	2	26 × 11 × 12 × 38	"	19वी	
"	प्रा मा	6	25 × 11 × 5 × 32	"	19वी	
"	"	5	26 × 12 × 10 × 30	अपूर्ण 6 गाथा तक	19वी	
"	"	24	25 × 11 × 5 × 33	संपूर्ण ग्रथाग्र 995	19वी	पौव सूत्र सह
" + भक्ति	प्रा सं.मा	8	26 × 12 × 14 × 34	प्रतिपूर्ण	1895 विक्रमपुर दौलतमिह	स्मरण सह
"	प्रा.	2 3,3, 4,33,4	25,26 × 10,11	पूर्ण/अपूर्ण	19/20वी	
"	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण गा.24 से 50 (अत) तक	1619	पन्ने 15 से 19 (अत) तक
आवश्यक + व्याख्या साहित्य	प्रा	65	28 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण गाथा 2525 अ 3130	1524	
"	"	113	26 × 11 × 11 × 40	" अ. 3375	16वी	
"	"	47	26 × 11 × 17 × 60	"	1628	
"	"	83	26 × 11 × 13 × 49	लगभग पूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	17वी	
"	"	47	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण (पन्ने 32 से अत 78 तक)	17वी	
"	प्रा मा	40	26 × 11 × 11 × 42	केवल पीठिका व्याख्यान का	1514	गाथा 81 तक का संपूर्ण
"	"	29	22 × 11 × 15 × 36	" "	19वी	गाथा 78 तक का संपूर्ण
आवश्यक क्रिया संबंधी	प्रा	6	25 × 10 × 13 × 50	संपूर्ण 169 गाथाये	16वी	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	प्रा नं	569	26 × 12 × 17 × 43	संपूर्ण 3622 गाथा + 714	19वी विक्रमपुर नारायण	पहिले 16 पन्ने कम
"	स.	100	26 × 11 × 16 × 64	मुद्रक	15वी	शीर्ष (पन्नों की संख्या लगभग वृत्ति विषय द्विता नामों
"	स	659	26 × 12 × 12 × 40	संपूर्ण अ 22000	1951	पन्ने 210 से 359 धन
"	"	140	25 × 11 × 15 × 43	संपूर्ण (जोगस से अत तक)	1672 अज्ञात नाम	
"	प्रा.स	20	25 × 11 × 11 × 35	" (करेमिहने तक)	1870	
"	"	71	26 × 11 × 13 × 32	"	19वी	
"	स.	15	28 × 13 × 15 × 26	"	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
134	कृष्णाय 42/14	श्रावण्यक वति	Āvasyak Vṛti	—	ग
135	के नाथ 21/34	श्रावण्यक बालावब्राथ	, Bālāvabodha	तस्मिन् प्रथम मूरि	,
136	, 18/19	,	,	महत्त्वतीति	"
137	महावीर 3 अ 12	साधु प्रतिग्रमण वति मह	Sādhu Pratikraman with Vṛti	/निश्वासाय	मू वृ
138	3 अ 4	,	,	/	"
139	3 अ 11	" "	,	/हिम मोममूरि	,
140	वाननी 859	" "	,	/	—
141	कृष्णाय 3/76	साधु प्रतिग्रमण क वान	ke Bol	—	ग
142	शामिया 3 अ 23	श्राद्ध प्रतिग्रमण + श्रवचूरि	Śrādh Pratikraman + Avacūri	/कुल मडन मूरि	मू + अ
143	क नाथ 23/85	+ "	Śrādh Pratikraman + Avacūri	/द्वन्द्वमूरि (वृ दाहवृत्ति)	,
144	महावीर 3 अ 1	+ वृत्ति	Śrādh Pratikraman + Vṛti	वृत्तान्मूर्ति	मू व
145	क नाथ 3/31	,	+	/	मू व ट
146	वाननी 41	की वति	ki Vṛti	,	ग
147	क नाथ 14/140	की वृत्ति	,	,	"
148	महावीर 3 अ 5	श्राद्ध प्रतिग्रमण + वृत्ति	+ Vṛti	- /रत्नमेखर	मू वृ (ग प)
149	क नाथ 13/24	,	+	"	,
150	कृष्णाय 54/8	श्राद्ध प्रतिग्रमण की वति	ki Vṛti	—?	ग
151	क नाथ 15/121	श्राद्ध प्रतिग्रमण + श्रवचूरि	Śrādh Pratikraman + Avacūri	—?	मू + अ
152	शामिया 3 अ 49	+	+	—?	(प ग)
153	क नाथ 23/6	श्राद्ध प्रतिग्रमण + वृत्ति	+ Vṛti	—?	मू वृ (ग)
154	18/2	,	+	—?	मू वृ + कथा
155	महावीर 3 अ 6	पाणिक (पक्की) मूत्र + वति	Pāksik (Pakhi) Sūtra + Vṛti	—/यमोशेवमूरि	मू वृ (ग)
156	3 अ 13	+ श्रवचूरि	+ Avacūri	/यथाभद्र	मू अ (ग)
157	शामिया 3 अ 52	पाणिक मूत्र	Pāksik Sūtra	—	मू (ग)
8	क नाथ 5/73			—	,

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रावश्यक व्याख्या सहित	सं.	4	26 × 11 × 7 × 64	चुटक	19वी	
" "	मा.	196	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण कथा सह ग्रं. 7110	1499	
" "	"	31	27 × 14 × 33 × 46	संपूर्ण ग्र. 2700	1928	
" "	प्रा.स.	6	24 × 10 × 21 × 43	संपूर्ण ग्रथाग्र 396	1645	
" "	"	14	27 × 12 × 13 × 28	"	20वी	पगाम सज्जाय पर
" "	"	6	26 × 11 × 26 × 57	संपूर्ण	1645	
" "	"	7	25 × 10 × 7 × 50	"	17वी	
" "	मा	7	26 × 12 × 11 × 37	"	19वी	पगाम सज्जाय व राड सकारे पर
" "	प्रा.स.	4	26 × 11 × 16 × 49	"	1480	पगाम सज्जाय के थोकटे
" "	"	3	26 × 11 × 9 × 41	" वदित् की 50 गाथा	16वी	
" "	"	89	26 × 13 × 14 × 37	प्रतिपूर्णा ग्र 2720	19वी	
" "	प्रा.स.मा.	167	28 × 12 × 7 × 39	संपूर्ण ग्र. 6000	19वी	
" "	स.	66	27 × 11 × 15 × 48	" ग्रं. 2728	19वी	
" "	"	35	25 × 11 × 17 × 44	अपूर्णा	19वी	
" "	प्रा.न.	191	26 × 12 × 16 × 42	संपूर्ण 5 अधिकार ग्र 6744	19वी	प्रमन्ति वीगनवार
" "	"	158	27 × 11 × 15 × 48	" "	19वी	
" "	न.	50	26 × 11 × 15 × 60	अपूर्णा (संपूर्ण के गवाग्र 2700)	16वी	प्रति चुटक द्वे
" "	प्रा.न.	4	26 × 11 × 17 × 60	संपूर्ण	16वी	
" "	"	8	25 × 11 × 19 × 56	" 43 गाथा	1665 मंडना अपिबीका	
" "	"	34	26 × 11 × 17 × 51	चुटक अपूर्णा	17वी	
" "	"	47	27 × 12 × 12 × 35	अपूर्णा	19वी	
मातृ पालिक आर- व्यक	"	37	28 × 12 × 18 × 55	संपूर्ण ग्र. 2700	15वी अ प्रमन्- ति वृत्ति	भीम 'प्रमन्ति द्वे' 1180 की रचना
"	"	10	26 × 11 × 22 × 55	"	15वी	
"	प्रा.	5	25 × 11 × 15 × 53	"	16वी अ निव- निधान गति.	
"	"	9	25 × 11 × 13 × 45	" ग्र. 360	1605	

1	2	3	3 A	4	5
159	के नाथ 5/38	पाक्षिक सूत्र	Pāksik Sūtra	—	मू (ग)
160	कोलडी 433	"	'	—	"
161	मुनि मुद्रत 3 अ 39	,	,	—	"
162	3 अ 40	"	'	—	,
163	महावीर 3 अ 20	" + वृत्ति	+ Vṛtti	/यशादेव	मू व (ग)
164	बुधनाथ 42/13	पाक्षिक सूत्र		—	मू ग
165	10/188	"	'	—	"
166	मवामदिर 3 अ 60	" + बालाबोध	+ Bālavabodha	—/विमान कीर्ति	मू वा (ग)
167	महावीर 3 9	पाक्षिक सूत्र	"	—	मू ग
168	शामिया 3 अ 54	,	,	—	मू ट
169	मुनि मुद्रत 3 अ 41	,	,	—	मू (ग)
170	3 अ 38	,	,	—	,
171	के नाथ 21/73	,	,	—	"
172	शामिया 3 अ 53	,	,	—	"
173	के नाथ 6/4	"		—	मू ट
174	महावीर 3 अ 2	+ वृत्ति	+ Vṛtti	—/यशोदेव	मू व (ग)
175	कोलडी 430 A-31	पाक्षिक सूत्र 7 प्रतिमें	7 Copies	—	मू (ग)
81	32 34 1103 68 1200				
182 6	के नाथ 5/23 21/74 24/46 48-50	,	5 प्रतिमें	,	5
187	मव मदिर 3 अ 6	,	—	"	—
188 9	बुधनाथ 10/180 16/	,	2 प्रतिमें	2 Copies	—
190 1	शामिया 3 अ 25 50	,	2 प्रतिमें	2	—
197	महावीर 3 अ 19 11	,	2 प्रतिमें	2	—
194	3 अ 14	पाक्षिक क्षमापण	Ksamāpana	—	मू अ (ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
माधुपाक्षिक आव- श्यक	प्रा.	10	25 × 11 × 13 × 40	सपूर्णा	1643	ब्रह्ममण्डल महित
"	"	14	27 × 11 × 11 × 38	"	1690	
"	"	9	26 × 11 × 12 × 41	"	17वी	अत मे पार्श्व लघु स्तोत्र प्रा मे 7 गाथा
"	"	11	26 × 11 × 13 × 33	"	17वी	
"	प्रा स.	57	26 × 11 × 15 × 56	" ग्रं. 2700	17वी	
"	प्रा.	6	27 × 11 × 13 × 44	अपूर्णा	17वी	
"	"	8	26 × 11 × 13 × 37	सपूर्णा	1715	
"	प्रा.मा	18	26 × 12 × 6 × 53	"	1727 ×	जीर्णा
"	प्रा.	9	25 × 11 × 13 × 50	"	1776. मत्स्यपुर पुण्योदय	
"	प्रा मा	21	26 × 11 × 6 × 39	"	1787 ×	
"	प्रा.	8	26 × 11 × 15 × 45	"	1793 रामकृष्ण अहीपुर	
"	"	13	26 × 11 × 9 × 46	"	1798 उकाणपुर दयालसागर	
"	"	11	25 × 12 × 13 × 39	"	1806	
"	"	10	25 × 11 × 13 × 33	"	1840 ×	
"	प्रा मा	20	27 × 11 × 5 × 40	"	19वी मत्स्यमुद्र	
"	प्रा.नं.	68	25 × 11 × 15 × 46	" ग्रथाग्र 2700	19वी	
"	प्रा.	8,14,12 24,4,6, 9	24से27 × 11से13	" अपूर्णा	19वी	
"	"	20,9,14 9,7	20से26 × 9से12	अपूर्णा	19/20वी	
"	"	38	26 × 13 × 7 × 19	"	1807 देवनांद दीर्घदीर्घ	
"	"	3,16	26 × 13 × भिन्न 2	"	19वी	
"	"	9,13	26 × 12 व 25 × 11	"	19वी (विश्वामपुर प्रान्तमण्ड)	
"	"	12,82	26 × 12 व 21 × 11	"	20वी (1 रत्नमण्डल मोनागम 1953)	दुमरी प्रति महत नरे अपर
"	प्रा.म.	2	28 × 12 × 15 × 40	" प्र. 75	1931 न. मण्डल पुनमण्ड	

1	2	3	3 A	4	5
195	बुधनाथ 10,143	पाणिन क्लामण	Fāṣik Ksamāpanā	—	सू (ग)
196	महावीर 3 अ 8	पाणिन सूत्र की अक्षरचूरी	Y ₁ Avacūri	/यना भद्र	प
197	3 अ 7	पाणिन प्रतिक्रमण मलरी	Paksik Pratikraman Sattari	चन्द्र मूरि ?	सू (घ)
198	शामिया 1 आ 134	पाणिन सूत्र की अक्षरचूरी	„ Sūtra k ₁ Avacūri	/—?	ग
199	मुनि मुद्रत 3 अ 34	पाणिन (माधु) अतिचार	(Sādhu) Aticār	—	„
200 4	बोनही 389-94-96 922-24	, „ 5 प्रतिवे	„ , 5 copies	—	„
205 6	के नाथ 18/75 21/104	, 2 प्रतिवे	, , 2 ,	—	„
207	मुनि मुद्रत 3 अ 32	, —	—	—	„
208 9	महावीर 3 अ 3 33	, , 2 प्रतिवे	2 copies	—	„
210	क नाथ 15 142	, , —	—	—	,
211	मवामन्त्रि मुद्रका 3 ति	पा क्षत्र (श्राद्ध) अतिचार	(Ś āJh) Aticār	पाण चन्द्र मूरि	प
212	क नाथ 11/81	, , „	,	—	ग
213	मुनि मुद्रत 3 अ 42	, ,		—	पद्य
214	बानही 199	, ,		(चानुमानिक व्याख्यान)	सू ट
215	बुधनाथ 15/16	, ,	„	—	ग
216	29/9	, ,	,	—	प
217	बानही 390	, ,	„ ,	—	ग
218-2	बानही 388-81 82-83 1161	, , 5 प्रतिवे	, 5 copies	—	„
223 8	क नाथ 6/6 11/8 18/9 19/62 19/75 24/52	, , 6 प्रतिवे	, 6 „	—	„
229	शामिया 3 अ 48	„ , अतिचार	, —	—	„
230-1	महावीर 2/278 9	ललित विस्तरा (चैयननादि सूत्र) का प्रति	Lalit Vistarā 2 copies	हरिमद्र/मुनिचन्द्र	सू + वृ + प

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु पाक्षिक आव- श्यक	प्रा.	1	24 × 11 × 9 × 31	संपूर्ण	20वी	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	सं.	7	26 × 11 × 25 × 65	,, क्षामणा सहित	16वी	
,, ,,	प्रा.	3	29 × 12 × 17 × 59	संपूर्ण 72	1594 गुण- लाभगणि	
,, ,,	सं.	17*	27 × 11 × 25 × 62	,,	16वी	
साधु पाक्षिक आव- श्यक	प्रा मा.	4	26 × 12 × 11 × 36	,,	1818 नागपुर	
,, ,,	,,	3,3,5, 3,3	23से25 × 10से13	,,	19वीं	वीच की प्रति मे पक्खी विधि
,, ,,	,,	2,2	25 × 12 × 15 × 48	,,	19वी	
,, ,,	,,	4	24 × 11 × 11 × 31	,,	19वी	
,, ,,	,,	3,9	28 × 13 व 22 × 11	,,	20वी	
,, ,,	,,	8	26 × 12 × 10 × 42	,,	20वी	सामान्य से भिन्न पाठ
आह पाक्षिक आव- श्यक	मा.	13	16 × 13 × 13 × 18	संपूर्ण 156 गाथा	1651	प्रचलित से भिन्न पाठ
,, ,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 46	संपूर्ण ग्रंथाग्र 235	1724	
,, ,,	,,	5	26 × 11 × 13 × 35	,, 94 गाथायें	1764	प्रचलित से भिन्न पद्य में
,, ,,	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 4 × 42	,, 25 गाथायें	1856	कुल 124 अतिचार
,, ,,	मा.	5	24 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण	1875	प्रचलित से भिन्न पाठ
,, ,,	,,	5	26 × 11 × 12 × 48	अपूर्णा गाथा 12 से 144	19वी	,, ,, पद्य मे
,, ,,	,,	9	25 × 11 × 13 × 37	संपूर्ण	19वी	,, ,, पाठ
,, ,,	,,	5,10,7, 8,6	25से28 × 11से13	,,	19/20वी	
,, ,,	,,	7,11,7, 9,6,7	23से26 × 11से16	,, लगभग सभी	19वी	
,, ,,	,,	10	28 × 12 × 12 × 28	संपूर्ण	19वी	
वैश्वदेवादि मुनि	प्रा.म.	141, 141	27 × 13 × 11 × 37	संपूर्ण व. 3400-3600	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
232	महावीर 2/280	ललित विस्तर की पत्रिका	Lalitvistarā k; Panjikā	मुनिचंद्र	ग
233	" 3/281	चत्यवदनादि भाष्यत्रय + वा	Caityavandanādi Bhāṣya Traya + Bālā	देवेन्द्र सूरि/ज्ञान विमल	सू वा
234	मुनि मुद्रत 2/257	चत्यवदनादि भाष्यत्रय	Caityavandanādi Bhāṣya Traya	"	सू (प)
235	वे नाथ 15/2	चत्य गुरु वदन व प्रत्याख्यान भाष्य + वा	Caitya Gurūvandan & Pratyākhyān Bhāṣya + Bālā	"	सू + वा
236	वेनामदि 2/364	" ,	Caitya, Gurūvandan & Pratyākhyān Bhāṣya + Bālā	"	सू + ट
237	वे नाथ 15/48	प्रत्याख्यान भाष्य	Pratyākhyān Bhāṣya	"	सू (प)
238	" 3/12	चत्यवदनादि भाष्यत्रय + अवचूरि	Caityavandanādi Bhāṣyatraya + Avacūri	"/सोमसुंदर	सू अ
239	कोलडी 829	" ,	" "	दवेन्द्र सूरि	सू ट
240	के नाथ 23/17	" ,	" "	"	"
241	" 11/90	" ,	" ,	"	सू (प)
242	" 11/29	" ,	" "	"	सू ट
243	" 19/29	" " + वा	" , + Bālā	"	सू वा
244	वालडी 108	चत्यवदनादि भाष्यत्रय	" "	"	सू ट
245	वे नाथ 6/8	चत्य + गुरु वदन भाष्य	Caitya Guru Vandan Bhāṣya	"	सू ध्या
246	" 20/16	चत्यवदनादि भाष्यत्रय	Caitya Vandanādi Bhāṣya Traya	"	सू ट
247	" 22/42	" ,	" "	"	"
248	" 21/100	प्रत्याख्यान भाष्य	Pratyākhyān Bhāṣya	देवेन्द्र सूरि/सोमसुंदर	सू अ
249	" 24/5	चत्यवदनादि भाष्यत्रय	Caitya Vandanādi Bhāṣya Traya	दवेन्द्र सूरि	सू (प)
250	कावडी 1340	" "	" "	"	" "
251	" 109	" " + वा	" " + Bālā	देवेन्द्र सूरि/ज्ञान विमल	सू वा
252	वे नाथ 15/136	" , + वा	" " + Bālā	दवेन्द्र सूरि/—	"
253	महावीर 2/282	चत्यवदन भाष्य सावचुरी	Caitya Vandan Bhāṣya with Avacūri	"/ज्ञान सूरि ?	सू अ
254	" 2/283-4	गुरु व प्रत्याख्यान भाष्य ,	Guru & Pratyākhyān Bhāṣya with Avacūri	"/सोमसुंदर	"
255	मुनि मुद्रत 3 अ 64	चत्यवदन भाष्य अचचूरि	Caityavandan Bhāṣya Avacūri	"/—	ग
256	वे नाथ 10/78	"	" "	"/—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
चैत्यवंदनादि वृत्ति	स.	31	$27 \times 11 \times 17 \times 65$	संपूर्ण ३. 2130	1505 × कमल समय	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा मा.	6	$26 \times 11 \times 18 \times 55$	लगभग संपूर्ण (अंतिम पत्रा कम)	15वी	
"	प्रा.	6	$26 \times 10 \times 14 \times 42$	संपूर्ण (63 + 42 + 48 गा.)	16वी	
"	प्रा मा	10	$26 \times 11 \times 9 \times 33$	"	16वी	
"	"	9	$28 \times 11 \times 7 \times 54$	" 152 गा.	1697	
"	प्रा.	4	$23 \times 10 \times 12 \times 30$	" 60 गा.	1698	
"	प्रा.स	20	$26 \times 11 \times 18 \times 54$, 153 गा.	1711	
"	प्रा.मा	15	$31 \times 11 \times 5 \times 35$	"	1756	
"	"	17	$26 \times 11 \times 5 \times 37$	अपूर्णा (पहिले के 38 गा कम)	1788	
"	प्रा	6	$25 \times 11 \times 12 \times 40$	संपूर्ण 155 गा	18वी	
"	प्रा.मा	9	$28 \times 12 \times 0 \times 40$	अपूर्णा अत की 20 गा कम)	18वी	
"	"	42	$26 \times 13 \times 17 \times 52$	संपूर्ण	1849	
"	"	16	$26 \times 11 \times 6 \times 45$, (152 गा.)	1844	
"	"	25	$26 \times 13 \times 15 \times 39$	" (63 + 41 गा.का)	1897	
"	"	16	$25 \times 12 \times 20 \times 52$	"	19वी	
"	"	12	$25 \times 11 \times 9 \times 35$	"	19वी	
"	प्रा.मं	8	$25 \times 12 \times 16 \times 50$	" 48 गाया	19वी	
"	प्रा	10	$24 \times 13 \times 11 \times 39$	" 152 गाया	19वी	
"	,	6	$25 \times 11 \times 14 \times 40$	लगभग पूर्ण (अंतिम पत्रा कम)	19वी	
"	प्रा मा.	32	$26 \times 12 \times 16 \times 65$	संपूर्ण 152 गाया का	1906	
"	"	53	$27 \times 13 \times 13 \times 44$, "	1929	
"	प्रा.मं.	14	$30 \times 15 \times 15 \times 50$	संपूर्ण 63 गाया की	20वी	
"	"	19	$30 \times 15 \times 15 \times 36$	संपूर्ण 42 + 48 "	20वी	
आ आर्य. अथवा साहित्य	स.	2	$27 \times 12 \times 23 \times 80$	संपूर्ण 62 गाया की	16वी	गाय म अथवा विभिन्न विभिन्न
"	"	6	$26 \times 11 \times 15 \times 48$	संपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
257	क नाय 24/42	गुह प्रत्या भाष्य वा वा	Gurū Pratyā Bhāṣya kā Bāḷā	—	ग
258	, 20/38	चयादि भाष्यत्रय वा वा	Caityādi Bhāṣya Traya kā Bāḷa	—	,
259	श्रामिमा 2/152	वन्दनक भाष्य	Vandanak Bhāṣya	—	सू प
260	के नाय 26/103	" "	"	—	"
261	" 11/47	भाष्यत्रय + वदितू + वृति	Bhāṣya Traya + Vanditū + Vṛti	—/नितकाचाय	सू वृ (प ग)
262	, 5/35	" " "	" " "	—/ " "	"
263	महावीर 3 भा 15	" " "	" " "	—/ " "	"
264	मवामदिर 2 376	भाष्यत्रय + वदितू की वृति मात्र	" , ki Vṛti only	नितकाचाय	ग
265	बुधुनाय 42/9	" " "	" " "	" "	"
266	बोनही 318	वैश्य वन्दन भाष्य गायामें	Caitya Vand in Bhāṣya Gāhāyen	—	सू (प)
267	बुधुनाय 4/90	प्रत्याख्यान सूत्र	Pratyakhyan Sūtra	—	सू (ग)
268	क नाय 5/55	" "	" "	—	,
269	वाननी 917	" "	" "	—	"
270	श्रामिमा 3 भा 146	" "	" "	—	"

1	क नाय 10/7	आतुर प्रत्याख्यान	Ātur Pratyākhyan	—	सू (प)
2	6/39			—	"
3	बालही 44			—	"
4	श्रामिमा 1 भा 42			—	,
5	महावीर 1 भा 41	गच्छाचार प्रकीर्णन -- वृति	Gachhācār Prakīrṇan + Vṛti	—/नितय विमर	सू वृ
6	" 1 भा 30	चउारण (प्रबचूरी मट)	Caūśaraṇ (with Avacūri)	वीरभद्र	सू घ
7	क नाय 15/106	" "	" "	" "	,
8	6/25	" "	" "	" "	सू (प)
9	मुनि मुद्रत 1 भा 21	" "	" "	" "	"

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक व्याख्या साहित्य	मा.	10	27 × 11 × 13 × 49	संपूर्ण	18वी	
" "	"	19	24 × 11 × 16 × 42	"	19वी	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	" 27 गाथा	16वी	देवेन्द्र सूरि का नहीं है
"	"	276*	25 × 12 × 20 × 56	" 28 "	18वी	" "
"	प्रा.सं.	16	25 × 11 × 18 × 60	" ग्रंथाग्र 800 वृत्तिये	1829	" "
"	"	22	26 × 12 × 17 × 40	" " 750 "	1900	" "
"	"	24	30 × 16 × 16 × 43	" " 750 "	19वी	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	सं.	17	26 × 11 × 14 × 46	संपूर्ण ग्रंथाग्र 800	16वी	
" "	"	16	26 × 11 × 21 × 86	" " 750	19वी	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा.	3	20 × 12 × 9 × 22	अपूर्ण	20वी	
" पाठ	"	1	25 × 11 × 13 × 40	प्रतिपूर्ण	19वी	
" "	"	1	25 × 11 × 11 × 42	"	19वी	
" "	"	3	25 × 11 × 10 × 38	"	19वी	
" "	"	4	26 × 11 × 11 × 38	"	19वी	14 नियम के भी पाठ साथ में

जैन आगम-ग्रंथ बाह्य-प्रकीर्णक .—

प्रकीर्णक आगम सूत्र	प्रा.	4	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण 83 गाथायें	17वी	
"	"	4	25 × 11 × 11 × 36	"	18वी	
"	"	7*	27 × 11 × 13 × 50	"	19वी	गा. में भक्त परिजा गा. 1-15
"	"	6	27 × 12 × 10 × 30	" 79 गाथा.	20वी	
संक्षेप व्याख्या	प्रा.सं.	140	26 × 11 × 15 × 37	" 137 गाथा की सं. 5850	18वी	3 पत्रा में प्रकाशित है
भक्ति	"	6	26 × 11 × 18 × 52	" 63 गाथा की	1524, श्री पट्टन पत्रा	
	"	6	26 × 11 × 7 × 32	" 62 " की	17वी	
	प्रा.	15	26 × 11 × 11 × 50	" 66 गाथा	17वी	
	"	4	26 × 11 × 10 × 33	" 63 गा.	17वी महिमावली उभय भाग	

1	2	3	3 A	4	5
10	वे नाथ 5/45	चउशरण (प्रवचूरी मह)	Caśaran (with Avacūri)	वीर भद्र	मू ट
11	श्रीसिया 1 भा 137	"	"	,	मू (प)
12	कुथुनाथ 52/7	"	"	"	"
13	महावीर 1 भा 57	"	"	"	मू ट (प)
14	मुनि सुव्रत 1 भा 120	, + बालावबाध	, + Bālāvabodha	"	मू + बा
15	, 1 भा 130	उउशरण	,	"	मू (प)
16	महावीर 1 भा 31	,	,	,	"
17	बालडी 815	,	"	"	"
18	" 1184 F	"	,	"	मू ट
19	वे नाथ 10/90	,	,	"	मू भा
20	" 5/26	,	"	,	मू ट
21	" 15/44	,	,	,	,
22	, 2/5	,	,	"	"
23 5	, 14/96 15/ 37 17/5	, 3 प्रतिये	, 3 Copies	,	मू (प)
26	" 5/86	,	"	,	मू ट
27	मुनि सुव्रत 1 भा 122	,	,	,	"
28	वे नाथ 26/50	चउशरण वा वातावबोध	, kāvāvabodha	"	मू
29	महावीर 1 भा 44	ज्वातिर करणव नी वृति	Jyotish Karandak ki Vṛti	मलयगिरी	"
30	" 1 भा 45	,	" "	—	"
31	वे नाथ 3/17	तदुल वयातीय	Tandul Vaiyatiya	—	मू ट
32	, 5/84	तित्थोगालि पन्ना	Titthoggāli Pannā	—	मू (प)
33	महावीर 1 भा 43	दीव्र मागण प्रपत्ति	Div Sāgar Prajñāpti	चद्र सूरि	"
34	श्रीसिया 2/223	पयन्त आराधना	Paryant Ārādhana	सोम सूरि	मू ट
35	, 3 भा 26	,	,	"	मू (प)
36	कुथुनाथ 10/184	"	"	,	"

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति	प्रा.मा.	5	25 × 11 × 6 × 40	संपूर्ण 60 गा.	17वी	
"	प्रा.	4	27 × 11 × 9 × 38	पहिले पत्रे के 8 गाया कम	17वी	
"	"	3	26 × 11 × 12 × 46	संपूर्ण 63 गाया	17वी	
"	प्रा.मा.	5	26 × 11 × 6 × 44	" " " का	1700	
"	"	7	25 × 11 × 15 × 57	" "	18वी	
"	प्रा.	5	25 × 11 × 9 × 34	" 63 गा.	18वी	
"	"	3	26 × 11 × 18 × 60	" "	18वी जयपुर	साथ मे पर्यंत आरा-
"	"	9	30 × 11 × 6 × 28	" "	सूर रत्न	धना 70 गा.
"	प्रा.मा.	6	25 × 11 × 6 × 31	" 63 गाया का	1844 ×	
"	प्रा.स.	12	26 × 12 × 18 × 55	" " की	भागचंद्र	
"	प्रा.मा.	8	25 × 11 × 5 × 35	" " का	19वी	
"	"	7	25 × 11 × 4 × 38	" 62 गाया का	19वी	
"	"	11	21 × 12 × 5 × 26	" 63 गाया का	1893	
"	प्रा.	2,3,2	25मे30 × 11से16	" 62 मे 64 गाथाये	19वी	
"	प्रा.मा.	6	25 × 11 × 7 × 33	" 63 गाथाये	20वी	
"	"	10	26 × 12 × 4 × 33	" "	20वी जोधपुर	
"	मा.	2	26 × 12 × 17 × 47	संपूर्ण का	उदयनागर	
आगम व्याख्या	नं.	188	25 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण ग्र. 5000	1957	
नाहित्य	"	2	26 × 11 × 18 × 65	प्रतिपूर्ण	19वी	चन्द्र सूर्य मठ
"	प्रा.मा	33	26 × 11 × 6 × 33	संपूर्ण व्याय 1188	1691	विन्ड
"	प्रा.	37	26 × 11 × 15 × 44	" 1260 गाथा	19वी	
"	"	8	26 × 12 × 14 × 43	" 223 "	20वी	
धर्म समर्थ आराधना	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 6 × 37	" 70 "	1596, मुम्बैन-	
"	प्रा.	3	26 × 11 × 13 × 34	" " "	पुर, जोगीवन	
"	"	1	26 × 10 × 21 × 68	" 68 "	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
37	बोलही 382	पयन आराधना	Paryant Ārādhana	सोम मृरि	मू षट
38	के नाय 15/125	"	"	"	मू ट
39 40	बोलही 379, 1112	, दो प्रतियां	, 2 copies	"	मू (प)
41-3	के नाय 6/78, 10/38, 15/105	" तीन प्रतिया	" 3 "	"	"
44	" 15/223	"	"	"	मू ट
45	महावीर 1 भा 49	"	"	"	मू ष
46	के नाय 10/98	पिंडविशुद्धि + वृत्ति	Pindvīśuddhi + Vṛtti	त्रिन वन्नम/उदयसिद्धि	मू वृ
47	असिया 1 भा 94	पिंडविशुद्धि	,	" / —	मू ष
48	के नाय 3/25	" - बाता	+ Bālavabodha	" / साममुद्धर	मू बा
49	असिया 2/152	" —	" —	" —	मू
50	के नाय 5/10	पिंडविशुद्धि		त्रिन वल्लभ	मू ट
51	" 15/238	"	,	"	मू ष
52	महावीर 1 भा 46	"		,	मू प
53	" 1 भा 47	" + वृत्ति	+ Vṛtti	" / यगोव	मू वृ
54	, 1 भा 48	पिंडविशुद्धि	"	त्रिन वन्नम	मू ष
55	के नाय 6/22	,	,	"	मू ट
56	मुनिमुद्रत 1 भा 115	,	"	"	मू ष
57	के नाय 20/11	"		"	मू ट
58	महावीर 1 भा 50	वगचूलिया मूत्र	Baṅgūliya Sūtra	यगामद्र	मू (प)
59	बुधुनाय 4/82	मस्तारक	Sanstārak	—	,
60	के नाय 2/7	"	,	—	,
61	महावीर 3 भा 42	सिद्ध प्रामृत	Siddh Prabhṛt	—	मू वृ
62	मुनिमुद्रत 1 भा 110	प्रकीर्णक सग्रह प्रति	Prakīrṇak Sangrah Prati	चित्र 2	मू

6	7	8	8 A	9	10	11
अत नमय आराधना	प्रा.स.मा.	5	26 × 10 × 6 × 36	संपूर्ण 70 गाथा	1713	
,	प्रा.मा.	9	25 × 11 × 5 × 32	„ 70 „ ग्रं. 300	1716	
„	प्रा.	6,5	26 × 12 व 25 × 12	प्रथम पूर्ण द्वितीय में 38 गा	1861/19वी	
„	„	7,5,2	24 से 25 × 11 से 13	संपूर्ण 70 गाथा	19/20वी	
„	प्रा.मा.	8	19 × 11 × 7 × 24	„	19वी	
„	प्रा.स.	5	27 × 12 × 17 × 50	संपूर्ण 69 गाथा की ग्रं. 325	20वी	
आहार नियम माधुश्री के	„	22	26 × 11 × 13 × 45	संपूर्ण 103 गा की	1775	
„	,	4	27 × 11 × 9 × 37	अपूर्ण 97 गा की अतिम पन्ना कम	15वी	
„	प्रा.मा.	53	27 × 11 × 9 × 36	संपूर्ण	1580	
„	प्रा.	123 ^३	26 × 12 × 11 × 40	„ 103 गाथा	16वी	
„	प्रा मा.	16	26 × 11 × 5 × 28	„ 104 गाथा/ग्र 925	1684	
„	प्रा.स.	6	26 × 11 × 11 × 36	„ 104 गाथा/अवचूरी 40 तक	17वी	
„	प्रा.	5	26 × 11 × 12 × 39	„ 103 गाथा/ग्रं. 131	17वी	
„	प्रा.म.	50	26 × 11 × 17 × 56	„ „ की/ग्र 2800	18वी	
„	„	16	26 × 11 × 14 × 50	„ „ „	19वी	
„	प्रा.मा.	17	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण 28 गाथा का	19वी	
„	प्रा.म.	7	30 × 14 × 26 × 52	संपूर्ण 103 गा की	19वी	
„	प्रा.मा.	8	27 × 11 × 14 × 43	संपूर्ण 103 गाथा का	19वी	
„	प्रा.	8	29 × 13 × 10 × 30	„ 109 गाथा	19वी अजमेर	अपर नाम सुशहीन गुप्ताति
„	„	6	26 × 11 × 11 × 34	„ 122 „	17वी	
„	„	4	26 × 11 × 14 × 42	„ 119 „	19वी	
जन्म विषयक, देवेन्द्र भवन, मधुसूयगा, धौली, मन्सूर, मन्सूरवाड़ा, मन्सूर के आसपास स्थित विद्या महाशाला का नाम है, पारभ के ५ छात्रों की	प्रा.म	23	28 × 14 × 16 × 44	„ 120 गाथा की	20वी	
	प्रा.	66	23 × 12 × 15 × 29	कुल 13 प्रकीर्णक	20वी × भीम-नाम	

1	2	3	3 A	4	5
1	कोलही 852	प्रशर वृत्तिसिद्धे व प्रशर वावनी	Aksar Battisiya & Aksar Bāvanī	रूप कवि	प
2	के नाथ 6/121	प्रशर वृत्तीनी	„ Battisi	—	„
3	सवामदिर 2/420	प्रठारह पापस्थान	Athārah Pāpsthān	ऋषि सातचद	„
4	कुचुनाथ 23/8	प्रठारह पापस्थान निवारण	„ „ Nivaraṇ	प्रष्ट	„
5	के नाथ 26/89 गु	प्रठारह पापस्थान मज्जाय	„ „ Sājjhāya	धामवरण	„
6	वालही 1335	प्रठारह तस्थि व जलविचार	Athāis Labdhī & Jalvicār	—	प
7	कुचुनाथ 52/25	प्रध्यात्म कल्पद्रुम	Adhyātm Kalpdrum	मुनि गुप्तर	सू (प)
8	वालही 896	„ „	„ „	„	„
9	के नाथ 11/56	„ „	„ „	„	„
10	वालही 893	„ „ + वृत्ति	„ + Vṛtti	मुनि गुप्तर/रत्नचद गणि	सू सू (प)
11	„ 851	प्रध्यात्म कल्पद्रुम भाषा	„ Bhāsā	—	प
12	महावीर 2/29	„ „ + वृत्ति	„ Vṛtti	मुनि गुप्तर/रत्नचद गणि	सू सू (प)
13	के नाथ 26/56	प्रध्यात्म वृत्तीनी	Battisi	मुनि	प
14	वालही 954	प्रध्यात्म शरी	Śāli	—	प
15	के नाथ 15/137	प्रध्यात्म सार माना	„ „ Sārmālā	रमोचद (रामजीका पुत्र)	प
16	„ 24/44	अनुकम्पा चौपई	Anukampā Čaupāi	ऋषि जयमलजी	„
17	आसिया 2/243	अनुकम्पा शान	„ Dhāi	प्रणात	„
18	महावीर 2/18	प्रनाथ उछगहण कुलक + वृत्ति	Annāy Uchghaṅkulak + Vṛtti	— /प्रानदविजय गणि	सू सू (प ग)
19	कोलही 894	प्रयमत समन्वय	Anyamat Samanvaya	—	प
20	आसिया 2/416	अभव्य कुलक	Abhavya Kulak	—	सू (प)
21	„ 2/151	अथ सत्तरी + बाला	Arth Sattari + Bala	चद महतरा महासती/	सू वा
22	„ 2/293	अवधि नाम ना विमर	Avadhī Jhān kā Vistār	प्रणात	प
23	मुनि मुशत 2/332	अवधि नाम गुणस्थान चचा	„ Gaṅsthān Čačā	—	„
24	कोलही 1334	अष्टक सूत्र	Astak Sūtrā	हरि भद्र	सू प
25	के नाथ 14/43	„ „	„ „	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
ऐतिक औपदेशिक पद	मा.	18	30 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण (40 + 50 + 82 छद)	1802, सप्तछद्दी मतिविज्ञ	2 वस्तीमियां + 1 वावनी
प्रक्षरानुमारी	"	2	25 × 11 × 11 × 35	" 32 गा.	1781	
औपदेशिक	"	3	21 × 11 × 10 × 35	त्रुटक	19वी	
"	"	12	27 × 12 × 11 × 42	पहिले की अपूर्ण 17 की पूर्ण सज्भाये	1704	पन्ने 13 से 14
"	"	16*	22 × 16 × 17 × 25	17 सज्भाये है 18वी कम	20वी	
संद्धान्तिक	म.	2	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण	16वी	माथ मे पुङ्गल परि-वर्तन चर्चा
प्राध्यात्मिक विवेचन	"	8	27 × 12 × 16 × 80	" श्लोक 278 (स. 422)	16वी	
"	"	7	26 × 11 × 17 × 82	" "	17वी	
"	"	9	26 × 11 × 17 × 45	" "	17वी	
"	"	58	24 × 10 × 15 × 45	" 16 अधिकार	18वी	प्रशंसित है
"	मा.	54	22 × 12 × 14 × 36	"	1882 × प्रेम विमल	
"	म	80	29 × 13 × 14 × 39	" 16 अधिकार (ग्र 2459)	1947 जोधपुर गोपीनाथ	वृत्ति अध्यात्म कल्प-लता नाम्नी
"	मा	3 ^१	25 × 12 × 14 × 44	" 32 गाथा	20वी	
"	"	2	26 × 12 × 16 × 48	सपूर्ण	1896	
"	"	5	26 × 12 × 13 × 60	सपूर्ण 111 पद (ग्र 235)	19वी	1765 की कृति
औपदेशिक दया पर	"	12*	26 × 11 × 21 × 63	सपूर्ण 303 गाथा	19वी	
"	"	46 [†]	25 × 12 × 11 × 34	अपूर्ण	19वी	
आहार बुद्धि पर	प्रा सं	6	26 × 11 × 57 × 58	सपूर्ण 31 गाथा की (ग्र. 296)	16वी	
धार्मिक मणधान	मा	2	26 × 13 × 17 × 45	सपूर्ण	1880	
औपदेशिक सिद्धान्त	प्रा	13*	26 × 13 × 16 × 30	"	1953	
सं संधान्तिक	प्रा मा.	61	27 × 11 × 13 × 52	सपूर्ण 93 गाथाका संयम नट	16वी	सूत्र 70 + 10 निर्ध-लक्षण - 4 धारण = 93 गाथा)
ज्ञान तात्त्विक चर्चामें	मा	5	25 × 12 × 9 × 39	अतिपूर्ण	19वी	
ज्ञान सिद्धान्त प्रयोगारी	"	2	26 × 11 × 17 × 63	सपूर्ण परमोत्तर	19वी	
कवि. सिद्धान्त	नं.	4	26 × 10 × 19 × 63	सपूर्ण 32 छन्दक - 2 श्लोक छ. 260	16वी	
"	"	21	17 × 9 × 9 × 24	" 33 छन्दक	1813	

1	2	3	3 A	4	5
26	महावीर 2/37	अष्टक सूत्र + वृत्ति	Astak Sutrā + Vṛtti	हरिभद्र/जिनभद्र	सू च (प ग)
27	„ 2/43	अष्टक सूत्र	„	हरिभद्र	सू प
28	ग्रामिया 2/229	अष्ट गुण मज्जाप	Astagun Sajjhāya	ज्ञान विमल	सू ट
29	बोलडी 835	अष्ट प्रामत	Asta Prābhṛt	या कुम्बुद	सू + पन
30	„ 892	अष्टाय श्लोक	Astarth Śloka	—	सू + ट
31	के नाथ 6/90	अस्थिर भावना	Asthir Bhāvanā	—	ग
32	सेवामंदिर 3इ 345	अहिंसा धम	Ahimsa Dharm	—	पद्य
33	महावीर 2/22	अहिंसा प्रवरण	Prakaran	धनराज	,
34	„ 2/28	„ „	„ „	„	„
35	के नाथ 15/127	अहिंसा + रात्रि भोजन विरमल	+ Ratri Bhojan Viramala	(महाभारत भातिपत्रस)	„
36	„ 15/198	अग मज्जाप	Ang Sajjhāva	उ यथाविजय	„
37	„ 15'208-9	„ „	„ „	„	„
38	बालडी 283	„ „	„ „	„	„
39	कुमुनाथ 52/1	आगम आलापक	Āgam Ālāpak	मकरन	सू (प ग)
40	44/6	„ „	„ „	„	„
41	महावीर 2/277	„ „	„ „	„	„
42	क नाथ 15/117	„ „	„ „	„	„
43	ग्रामिया 2/152	आगम उद्धार गाथा	Āgam Udhār Gāthā	—	प
44	सेवा मंदिर 3 इ 350	आगम चर्चा	„ Carcā	—	प
45	मुनि सुव्रत 3 इ 302	आगम छत्तीसी	„ Chattisi	श्री सार मुनि	,
46	कुमुनाथ 9/127	आगम सार	Sār	देवचंद्रजी	ग
47 51	क नाथ 4/28, 10/66 21/31 21/90 23/23	„ 5 प्रतिपा	„ 5 Copies	„	„
52	ग्रामिया 2/162	„ „	„ „	„	„
53	बालडी 1159	„ „	„ „	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति सिद्धान्त	सं.	76	28 × 13 × 17 × 41	संपूर्ण 32 अष्टक क्र.3700	19वी × छवीनजी	प्रशस्ति है
"	"	12	27 × 13 × 10 × 36	" 32 अष्टक	1950 शत्रुंजय नगरे	
धार्मिकगुरुस्वाध्याय	मा.	3	24 × 12 × 4 × 33	संपूर्ण 15 गाथा	17वी	
तात्विक औपदेशिक	प्रा.सं.	57	30 × 11 × 10 × 37	6 प्राभृत पूर्ण	18वी	(दर्शन बोध, श्रुत भाव चरित मोक्ष)
तात्विक	मा.	3	24 × 13 × 3 × 23	संपूर्ण	19वी	1 दोहे के आठ अर्थ है
वैराग्योपदेश	"	2	23 × 11 × 13 × 32	"	19वी	
औपदेशिक	"	3	26 × 12 × 17 × 54	" 75 गाथा	20वी अजमेर	
अहिंसा का विवेचन	स.	6	26 × 11 × 6 × 28	" 59 श्लोक	16-ी	
"	"	3	28 × 13 × 10 × 38	" 59 "	1961	
औपदेशिक उद्धरण	"	3	24 × 12 × 9 × 25	" 26 "	19वी	
असूत्रोपरन्वाध्याय	मा.	2	26 × 12 × 17 × 40	" पाच ढाले	1859	पान सूत्रो पर
"	"	2	25 × 11 × 17 × 47	" "	19वी	"
"	"	3	26 × 13 × 19 × 60	" 11 ढाले	19वी	संपूर्ण 11 अंशों पर
अहिंसा संबन्धी	प्रा	8	28 × 12 × 11 × 40	प्रतिपूर्ण	17वी	आगम उद्धरण
भक्ति तन्त्र "	"	167*	15 × 12 × 17 × 24	अपूर्ण	17वी	"
छेद सूत्र "	"	3	26 × 11 × 13 × 27	प्रतिपूर्ण	17वी	"
अनेक वस्तु तात्विक	"	6	26 × 11 × 15 × 42	"	19वी	"
नाटिक	"	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण 71 गाथा	16वी	
" विचार निरांय	स	7	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 25 श्लोक	18वी	
आगम भक्ति :- तात्विक	मा.	2	24 × 11 × 13 × 33	संपूर्ण 26 पद	19वी	
आम्र नारायण	"	35	28 × 13 × 15 × 64	संपूर्ण प्रभाव 2100	19 वी	
"	"	58,28, 58,38 40	25×31 × 12से16	,	19 वी	
"	"	22	23 × 12 × 18 × 46	"	20वी	
"	"	10	24 × 12 × 10 × 37	संपूर्ण	20 वी	

6	7	8	8 A	9	10	11
जैनाचार	स	98	26 × 11 × 13 × 45	चार आचार पूर्ण वीर्याचार अपूर्ण	17वीं	
औपदेशिक सामान्य	मा.	11,10	25 × 11 व 26 × 12	सपूर्ण प्रथम; द्वितीय अपूर्ण	19वीं	(मर्त्यजन्म फलाष्टक)
,	"	16	27 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण	19वीं	"
जैन आध्यात्मिक	"	50	28 × 13 × 13 × 33	सपूर्ण गाथा 49 का	1882 पानी	(अध्यात्म गीता अपरनाम)
,	"	4	26 × 11 × 10 × 35	" 49 गाथा	19वीं	" "
आध्यात्मिक धार्मिक	सं.	गुटका		" 60 + 10 श्लोक	1544	
औपदेशिक प्रायश्चित्त	मा.	3	24 × 11 × 13 × 42	" ग्रन्थ 80	19वीं	
" "	"	4	25 × 12 × 12 × 36	" "	19वीं ×	
" "	"	4	26 × 12 × 14 × 28	" "	मुक्तचंद 1930 अजीमगज	
" "	"	6	22 × 11 × 11 × 22	" "	आ सुंदरजी 1967, फलोदी गणेश	
जैन दार्शनिक आध्यात्मिक	स.	198	26 × 12 × 14 × 38	सपूर्ण 4 प्रकाश कथा सह	19वीं	प्रशस्ति व वीजक है
ज्ञान क्रियाभ्याम् मोक्ष	मा.	5 ¹	27 × 11 × 12 × 36	" 36 पद	19वीं	
"	"	3	25 × 11 × 11 × 33	" "	20वीं, जयपुर	
तात्विक	"	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	" 23 गाथा	17वीं	
औपदेशिक	"	8	27 × 14 × 13 × 42	" 185 दोहे/ग्र 215	19वीं	रत्न हर्ष मानिध मे 1662 की कृति
"	"	1	25 × 11 × 24 × 60	" 27 गाथा	19वीं	
दार्शनिक	स.	2	25 × 10 × 14 × 48	" 1 श्लोक मात्र	19वीं	1 श्लोक की अनेक व्याख्या
आध्यात्मिक	"	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	" 8 8 श्लोक	1794	
संभाव्य ग्रन्थ	मा.	7	27 × 10 × 15 × 55	अपूर्ण	19वीं	
तात्विक	"	1	जन्मपत्री रोम लम्बा	सपूर्ण	19वीं	
औपदेशिक आचारदि	स.	2	26 × 11 × 19 × 62	" 77 गाथा	16वीं	अन मे संप्रदाय संपन्न 10 श्लो थी
" "	"	3	26 × 11 × 13 × 48	"	19वीं	
औपदेशिक	प्रा.मा	24	26 × 11 × 6 × 33	सपूर्ण 287 गा.का.स. 1812	16वीं	
"	"	23	27 × 11 × 6 × 36	" 288 गा.	17वीं	रत्निका पद्या 7 गा. या 7 म
धार्मिक	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	" 23 श्लोक	1544	

1	2	3	3 A	4	5
80	के नाथ 10/95	आनन्द तिलक राय	Anand Tilak Rāy	आनन्द तिलक राय	प
91	, 3/9	आत्म मीमांसा	Ātm Mīmāṃsā	आत्म मीमांसा	पू (र)
82	महावीर 2/404	.. + प्रति	, + प्रति	, (वर्णन)	पू प
83	के नाथ 15/114	आत्म मीमांसा की प्रति	Ātmīmāṃsā ki Vṛtti	वर्णन	प
84	महावीर 2/134	आभाग्य कथन	Abhān Śatak	आभाग्य कथन	पू (घ)
85	बुधनाथ 20/15	आराधना	Ārādhanā	आराधना	प
86	निवासिन् मुद्रका 3/1				..
87	बुधनाथ 18/35			आराधना	..
88	56/8	आराधना ५५ वाक्य	ke 54 Bā	—	प र
89	५ नाथ 26 23	आराधना प्रकरण आराधना	Prakaran Hā 5 val. (c) 2	—	प
90	कोचरी 1 339	आराधना गार	Sār	आराधना गार	प
91	५ नाथ 15/60	आराधना चर्चा	Ālocanā Chāṭṭī	आराधना	..
92	26/55	आराधना विषय व सामाजिक राय	Arād & Sāmājīk L. 11	—	प
93	आगिया 3 द 240	आराधना विनय	Arāditi	आराधना	प
94	बुधनाथ 44.6 गु	अष्टम त्रय मंत्रनाथ	Indriya Jay Sājjā, 7	—	
95	५ नाथ 15/49	अष्टम त्रय मंत्रनाथ	Parājay Śatak	—	पू (घ)
96	5/76	,	,	—	पू ट (घ ण)
97	6/66	,	,	—	,
98	, 15/139	,	,	—	,
99	आगिया 2/416	,	,	—	पू (घ)
100	महावीर 2/16	अष्टम त्रय मंत्रनाथ	Indriyāpathik Kulaḥ	अष्टम त्रय मंत्रनाथ	पू ट (घ ण)
101	के नाथ 26/103 गु	अष्टम त्रय मंत्रनाथ	Indriyāpathik Kulaḥ	—	पू प
102		अष्टम त्रय मंत्रनाथ	Indriyāval Kulaḥ	—	,
103	बुधनाथ 36/1 गु	उत्पति	Utpatī	उत्पति	पू (घ)
104	आगिया 3 द 240	उत्पति उद्गाहरी	Utpatī Bahottarī	उत्पति उद्गाहरी	प

6	7	8	8 A	9	10	11
आध्यात्मिक	मा.	10 ^०	26 × 12 × 15 × 42	संपूर्ण 42 गा	19वी	
जैन निह्दांत मंडन व मीमांसा	स.	22	25 × 12 × 3 × 27	„ 113 श्लोक	19वी	अपर नाम देवागम स्त्रोत्र
„ „	„	19	26 × 13 × 11 × 50	„ 115 „ की	1946 जयपुर देवकृष्ण	
„ „	„	32	25 × 12 × 11 × 30	„ „ „ „	1904	
जैन मीदान्तिक उपदेश	„	4	25 × 10 × 13 × 35	„ 108 श्लोक	18वी	1699 की कृति
धर्म साधना आचार	मा.	19	24 × 10 × 15 × 40	„ 383 गाथा	16वी	
„	„	38	16 × 13 × 13 × 20	„ 360 „	1651	
धर्माचार साधु श्रावक	श्र मा.	2	26 × 11 × 13 × 52	„ 40 गाथा	17वी	
पाप आलोचना (क्षमापना)	प्रा.मा.	2	25 × 11 × तानिकाये	प्रतिपूर्णा	17वी	
श्रौपदेशिक	मा.	2	26 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	19वी	
„	प्रा.	2	26 × 10 × 13 × 50	अपूर्णा	17वी	तपस्याश्री केयत्र भी है
प्रायश्चित्त उपदेश	मा.	2	24 × 10 × 15 × 40	संपूर्ण 36 पद	1744	
श्रौपदेशिक	„	2	25 × 13 × 13 × 24	„	19वी	
गर्हा स्तवन	„	6 ^०	25 × 12 × 14 × 38	„ 32 पद	19वी	नाथ मे आत्मनिदा
श्रौपदेशिक	„	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	„ 54 गाथा	17वी	
„	प्रा	8	20 × 11 × 11 × 25	„ 101 „	17वी	
„	प्रा मा.	8	26 × 11 × 7 × 40	„ 100 „	17वी	
„	„	13	25 × 11 × 5 × 30	„ 100 „	18वी	
„	„	14	24 × 11 × 5 × 30	„ 100 „	19वी	
„	प्रा.	13 ^०	26 × 13 × 16 × 30	„	1953 नागौर रमंचंद	
धार्मिक जिया उपदेश	प्रा मा.	5 ^०	26 × 13 × 5 × 34	„ 10 गाथा	18वी	
श्रौपदेशिक जिया	प्रा.	1	25 × 12 × 20 × 56	„ 10 गाथा	18वी	
„	„	1	25 × 15 × 20 × 56	„ 10 + 8 = 18 गा	18वी	
उपदेश	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	„ 51 श्लोक	1544	
धार्मिक उपदेश	मा.	6 ^०	25 × 12 × 14 × 38	„	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
105	बोलडी 290	उत्पत्ति बहोत्तरी	Utpati Bahottari	मुनि श्रीसार	प
106	कुयुनाय 15/13	उत्पत्ति (उपदेश) सत्तरी	Utpatti (Updes) Sattari	"	"
107	के नाथ 18/87	" व दम बोल सज्जमय	+ Dasbol Sajjhāva	"	"
108	कालडी 276	उत्पत्ति बहोत्तरी	Bahottari	"	"
109	के नाथ 13/45	उपदेश वदनी	Updes Kandali	भ्रासड	मू प
110	महावीर 2/2	" " + वृत्ति	+ Vrtti	भ्रामड, वापेन्द्र ववि	मू व (प ग)
111	कुयुनाय 35/5	उपदेश कुनक	Kulak	ग्रह श्रद्धि	प
112	के नाथ 13/45	उपदेश चितानेणी	Cintāmani	—	मू प
113	, 1/16	, + वृत्ति	, + Vrtti	जयशेखर/मस्तुङ्ग	मू वृ
114	बोलडी 830	+ अक्षचूरी	+ Ava cūri	जयशेखर/—	मू अ वधा
115	महावीर 2/113	+ वृत्ति	+ Vrtti	— शोधन	मू वृ
116	बोलडी 955	उपदेश छत्तीमी	Chattisi	जिन हृप	प
117	महावीर 2/25	उपदेश तरङ्गिणी	Tarangini	रत्न मंदिर द्वारा मुक्ति	प ग
118	, 2/23	उपदेश पत्र	Patra	—	प
119	, 2/3	उपदेश पद	Pad	हर्मिन्द्र/मुनि चन्द्र	मू व (प ग)
120	मुनि सुव्रत 2/254	उपदेश माला	Mālā	धमपाम गणित	मू प
121	, 2/256				मू ट
122	श्रीसिया 2/152				मू प
123	के नाथ 15/14	"	,		"
124	" 9/1	,	,	"	मू ट
25	कुयुनाय 52/24	,	,		मू (प)
26	के नाथ 17/47	,	,		"
27	" 14/2	,	,	"	,
	कुयुनाय 3/52	"	"		"
9	के नाथ 5/40	"	, "	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
विरक्त उपदेश	मा	2	25 × 11 × 16 × 34	संपूर्ण 69 गाथा	19वी	
"	"	3	27 × 11 × 11 × 36	" 70 "	19वी	पूर्वोक्त यथ ही नं
श्रीपदेशिक + चार्चिक	"	3	24 × 10 × 15 × 45	" 70 + 20 गाथाये	19वी	
श्रीपदेशिक विरक्ति	"	4	25 × 13 × 13 × 34	" 72 छंद	1905	
श्रीपदेशिक/गाम्त्र सार	प्रा	24 ^३	30 × 12 × 19 × 86	" 125 गाथा	16वी	
प्रवचन मार उपदेश	प्रा म	211	27 × 13 × 15 × 45	" 125 गाथा की 13 विश्राम	19वी	श्रीमत्प्रवचन प्र...
श्रीपदेशिक	मा	2	26 × 10 × 13 × 40	" 29 गाथा	1686	
"	प्रा	24 ^३	30 × 12 × 19 × 86	" चार अधिकार 384 गा	16वी	
"	प्रा.सं.	139	26 × 11 × 19 × 50	अपूर्ण ग्रंथाय 12064	1526	पत्रे 75 नं 213 (ग्रन)
"	"	66	31 × 11 × 19 × 54	संपूर्ण कथा मह प्र 4105	17वी जीर्ण दुर्गे	
"	"	303	28 × 13 × 15 × 44	संपूर्ण चार अधिकार गा 458 की	19वी	
"	मा	3	25 × 11 × 17 × 42	" 36 मंत्रये	1828	
धर्म दान पूजा यात्रा उपदेश	प्रा.म.	82	25 × 12 × 14 × 45	" 5 तरङ्ग प्र 3539	1960, विक्रमपुर कृष्णकरगु	
ज्योतिषान परिपाटी	मा.	4	23 × 11 × 10 × 19	प्रतिपूर्णा	1917 × अमृत विजय	
श्रीपदेशिक	प्रा.सं.	312	27 × 12 × 14 × 56	संपूर्ण, मून गा. 1040 व 14000	19वी	
"	प्रा.	22	26 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण 543 गा.	16वी	
"	प्रा मा.	41	26 × 11 × 8 × 32	" 544 "	16वी	
"	प्रा.	123 ^३	26 × 12 × 11 × 40	" " "	16वी	
"	"	25	25 × 10 × 11 × 38	" 543 "	16वी	
"	प्रा मा	52	26 × 11 × 6 × 30	" 540 - प्रद्विप्य गाथा	16वी	अनिम ... म
"	प्रा	36	25 × 12 × 13 × 37	" 544 गाथा	1600	
"	"	19	26 × 10 × 12 × 42	" 543 "	16वी	
"	"	21	26 × 11 × 13 × 45	" 544 "	1688	
"	"	31	28 × 12 × 11 × 40	" " "	16वी	
"	"	10	25 × 11 × 15 × 36	अपूर्ण (य 2 पत्रे 50 गा. 9 म)	1698	

1	2	3	3 A	4	5
130	मुनि सुव्रत 2/255	उपदेश माला	Updesmālā	धमदाम गणि	मू ट (प ग)
131	के नाथ 15/15	"	"	"	मू (प)
132	" 23/26	"	"	"	"
133	" 3/26	" + विवरण	" + Vivaran	धमदास/सिद्ध साधु	मू + वृ
134	कोलढी 1076	उपदेश माला		धमदास गणि	मू ट
135	" 1144	"	"	"	"
136	के नाथ 14/121	"	"	"	मू प
137	" 3/15	"	"	"	मू ट
138	श्रीसिया 2/286	"	"	"	मू ट कथा
139	महावीर 2/111	उपदेश माला + वृत्ति	+ Vṛtti	,/—	मू उ (प ग)
140	" 2/1	"	"	,/—	"
141	श्रीसिया 2/409	उपदेश माला कथा सह	with kathā	,/—	मू ट कथा
142	बुधुनाथ 17/6	उपदेश माला		धमदास गणि	मू ट
143 7	के नाथ 4/12 6/7 15/101 23/45 15/159	" 5 प्रतिभा	5 Copies	"	मू (प)
148	" 13/3	"	"	"	मू प
149	बुधुनाथ 15/57	(सज्जभाय भाग)	(Sajjhāyabhaḡ)	"	मू प
150	के नाथ 21/26	" (")	"	"	"
151	" 10/24	"	"	"	मू ट
152	महावीर 2/112	उपदेश माला की वृत्ति	ki Vṛtti	—?	ग
153	के नाथ 6/54	उपदेश माना की कथायें	ki Kathāyen	—	"
154	" 26/79	उपदेश माना यन्त्र	Yantra	—	गद्य तालिका
155	" 11/51	उपदेश रत्न वाश	Updes Ratnakos	पद्य त्रिनश्वर सूरि	मू प
156	श्रीसिया 2/235	" - वाला	" - Bālā	"	मू वा
157	" 2/309	उपदेश रत्न कोष	"	"	मू ट

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा.मा.	45	26 × 11 × 5 × 42	सपूर्णा 544 गा अथाग्र मूल 700 टट्वा 1400	1716, विन्हा- वाम	
,	प्रा.	23	26 × 11 × 13 × 36	संपूर्णा 543 गा.	1724	
..	..	7	25 × 11 × 11 × 35	103 गा प्रतिपूर्णा	1773	तो भी लिपिक ने "पूर्णा" लिखा है
..	प्रा सं.	115	26 × 11 × 13 × 40	सपूर्णा 538 गा. अं 3852	18वी	
..	प्रा.मा.	39	24 × 11 × 7 × 35	लगभग पूर्णा	18वी	प्रथम व अंतिम पन्ना कम
..	..	29	25 × 10 × 8 × 52	"	18वी	अंतिम पन्ना कम
..	प्रा.	20	25 × 11 × 11 × 38	अपूर्णा गा. 404 तक ही है	18वी	
..	प्रा टि.	57	25 × 11 × 18 × 60	सपूर्णा 544 गा	1819	
..	..	53	25 × 11 × 7 × 44	.. 544 गा.	1840, वाहडमेर कीत्तिगणी	
..	प्रा सं	179	27 × 13 × 14 × 43	.. 544 गा कथा सह	19वी	
..	..	116	27 × 13 × 16 × 43	अपूर्णा 439 तक ही	19वी	पूर्वोक्त की नग्न
..	प्रा.मा.	160	26 × 11 × 3 × 36	सपूर्णा 544 की अ 6375	19वी	
..	..	49	26 × 11 × 6 × 38	लगभग पूर्णा 532 गा तक	19वी	
..	प्रा	31,25 21,23 11	21 से 26 × 9 से 12	सपूर्णा-अंतिम प्रति अपूर्णा 200 गा	19वी	
..	प्रा.म.	39	26 × 11 × 17 × 50	अपूर्णा 38 से 544 अ 1716	18वी	
..	प्रा.	2	26 × 12 × 12 × 42	मज्जाय की 33 गा	18वी	
..	..	2	26 × 12 × 13 × 42	"	19वी	
..	प्रा.मा.	18	25 × 11 × 7 × 48	अपूर्णा 253 से 544 तक	19वी	
..	म	6	26 × 13 × 12 ×	विलकुल अपूर्णा, प्रारंभिक गा	20वी	
..	..	40	25 × 11 × 12 × 34	लगभग पूर्णा-वहिलापन्ना कम	1674	
..	प्रा.	3	29 × 14 × 17 × 50	प्रारंभिक अंतिम से प्रारंभिक तक	19वी	
..	प्रा.म.	10	26 × 11 × 4 × 40	अपूर्णा 36 गावा (12 प्रतिपूर्णा)	1698	11 गावाये परिष्कृत ?
..	प्रा.मा.	5	26 × 11 × 11 × 43	.. 25 गावा ता	17वी	
..	..	2	26 × 11 × 7 × 44	.. 26 गावा	18वी अ अंतिम परिष्कृत	

1	2	3	3 A	4	5
158	वाचडी 828	उपस्थ रत्न बाप	Updes Ratnakos	पद्मनिश्वर मूर्ति	मू (प)
159	व नाथ 15/74	„ + बाला	+ Bālā	„	मू ना
160	श्रीमिया 2/304	उपस्थ रत्न बाप		,	मू ट
161	„ 2/416	,		,	मू (प)
162	मनामदिर 2/430			„	,
163	महावीर 2/5	उपस्थ रत्नाकर + वृत्ति	Updes Ratnakar + Vṛti	मुनि मुदर (मोम मुदर का शिल्प)	मू वृ
164	मवामदिर 3 इ 349	उपस्थ रत्नाकर रत्नीनी	Ra al Battisi	पाठक रत्नपति	पद्य
165	बुधनाथ 44/6	उपस्थ रत्न	Rahatsva	पाठकचद	,
166	मनामदिर मुटका 3 नि	उपस्थ रत्नाकर रत्न बाप	Sār Ratnakosā	मम रत्न (पाठकचद का शिल्प)	„
167	रत्नाथ 10/133	उपस्थ रत्नाकर	Upsarū Vīkār	—	प
168	वाचडी 428	उपस्थ रत्नाकर	Usthāupdes	—	ग
169	429			—	„
170	बुधनाथ 15/54	उपस्थ रत्नाकर श्राव	Stok	—	प
171	व नाथ 15, 10	श्री. मंडा	Rsimandal	धम धोव	मू प
172	10 4	,			,
173	21/38			,	मू श
174	, 2, 166			,	मू प
175	, 23, 25			,	,
176	वाचडी 858			,	,
177	बुधनाथ 3/54			,	„
178	महावीर 2, 119 20 21	, + वृत्ति 3 प्रतिमें	+ Vṛti 3 copies	धम धोव/हम नरन	मू ड (प ग)
181	के नाथ 24/47	श्री. मन्त		धम धोव	मू प
182	महावीर 2/122	श्री. मन्त की धमधोव	ki Avacūri	—	ग
183	, 4/म 35	श्री. मन्त की वृत्ति	ki Vṛti	—	„
184	व नाथ 7/49	„	„	पद्य मन्त गण	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रौपदेशिक	प्रा.	2	31 × 11 × 8 × 40	संपूर्ण 26 गाथा	19वी	
"	प्रा मा.	4	25 × 11 × 11 × 42	" 44 गाथा	19वी	
"	"	2	26 × 11 × 7 × 44	" 26 गाथा	19वी	
"	प्रा.	13 ^०	26 × 13 × 16 × 30	संपूर्ण	1953	
"	"	2	25 × 11 × 6 × 33	अपूर्णा 11 से 26 अंत तक	17वी	
"	प्रा.सं.	186	27 × 12 × 15 × 47	संपूर्ण ग्रंथाग्र 7657	20वी बालुकड-पुर	स्वोपज्ञ वृत्ति
"	म	2	27 × 14 × 9 × 30	"	19वी	
"	मा.	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	" 39 गा.	17वी	
"	"	12 पत्रे	16 × 13 × 8 × 13	" 61 गा.	1716	
" + मंडा- नितक	प्रा.	27 ^०	27 × 11 × 13 × 38	" 70 गा	16वी	
मृत्यु उदाहरण उपदेश	मा.	2	26 × 10 × 13 × 48	संपूर्ण	19वी	
"	,	6	23 × 13 × 13 × 26	"	19वी	
"	प्रा.सं.	1	25 × 11 × 11 × 38	" 10 श्लोक	19वी	
भक्ति श्रौपदेशिक तन्त्र प्रसंग	प्रा.	12	26 × 11 × 11 × 38	" 220 गाथा	1595	
"	"	8	27 × 12 × 15 × 62	" 208 गाथा/अं.450	16वी	
"	प्रा म	12	26 × 11 × 11 × 35	संपूर्ण	1608	तीर्ण-प्राय अष्टमीय
"	प्रा.	12	26 × 11 × 11 × 45	" 229 गा.	17वी	
"	"	8	26 × 11 × 13 × 41	" 208 गा	18वी	
"	"	16	21 × 11 × 7 × 42	" 220 गा.	18वी	
"	"	8	27 × 12 × 12 × 54	" 221 गा.	19वी	
"	प्रा सं.	108,118 110	25से 29 × 12से 14	" व वा सहस्र 4750	19वी	
"	प्रा.	8	26 × 11 × 11 × 37	अपूर्णा परिचा पत्रा 10 गाथा का प्रस	19वी	अं. 163 गाथा का ती अर मयभा है
"	म.	7	27 × 11 × 17 × 60	अपूर्णा 32 से 163 (अत्र) म	16वी	
"	"	233	27 × 11 × 15 × 55	" धादि पत्र परिच	17वी	
"	"	224	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 224 गा. की पत्रा म	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
185	श्रीसिया 2/228	श्रीपदेशिक गायत्र्यै	Aupdeśik Gāthāyen	मन्त्र	मू ट
186	के नाथ 13/16	कर्पूर प्रकरण (क्या सह)	KarpūrPrakaranwithKatha	हरि/सोमचद	प ग
187	महावीर 2/20	„ („)	,	, —	„
188	बोलही 131	कर्पूर प्रकरण	—	„ —	प
189	के नाथ 21/45	कर्म विपाक (प्राचीन) + वृत्ति	Karmvipāk (Pracin)+ Vṛti	यग, परमानन्द	मू न (प ग)
190	बुधुनाथ 14/7	कर्म ग्रन्थ 1-4 (प्राचीन) + सूक्ष्म विचार सार	Karmgranth 1-4 (Pracin)+ Śukṣm Vicār Sār	गम × जिनवल्लभ 2	मू प
191	के नाथ 3/20	कर्म ग्रन्थ चौथा/(विचार सार आगमिक बन्तु) + वृत्ति	Karmgranth 4th (Vicār sār Āgamik Vastū + Vṛti	जिनवल्लभ 1	म नू
192	52/8	कर्म ग्रन्थ 1 स 6 नवीन	Karmgranth 1-6 (Navin)	देवद (1 स 5) + चन्द्रपि (6)	मू प
193	के नाथ 1/8	, , + वृत्ति	ki Vṛti	देवद (1 स) चन्द्रपि/6 मलयगिरी	म नू
194	महावीर 2/65	+		, , /	„
195	के नाथ 5/100	कर्म ग्रन्थ 1 स 6 नवीन	(Navin)	देवद (1-5) चन्द्रपि (6)	मू प
196	बालही 117	„		,	मू ट (प ग)
197	श्रीसिया 2/173 76	, „		„	मू + अ
198	के नाथ 23/37	, „	,	„	मू (प)
199	3/1	कर्म ग्रन्थ 1 स 6 + वा	+ Bālā	देवद + चन्द्रपि/मल्लिचद	मू वा
200	बोलही 116	कर्म ग्रन्थ 1 स 6 नवीन	(Navin)	देवद (1-5) + चन्द्रपि (6)	मू प
201-2	के नाथ 5/99 21/25	„ „ 2 प्रति	2 copies	,	*
203	„ 3/13	कर्म ग्रन्थ 1 स 6 नवीन	Karmgranth 1 6 (Navin)	देवद (5) चन्द्रपि (छठा)	मू ट
204	, 23/36	कर्म ग्रन्थ 1 स 5 ,	1 5 ,	देवद/—	मू ट वा
205	„ 3/11	„ „ „	,	, /—	मू अ
206	बोलही 1189	„ „ „	„	देवद	मू प
207	के नाथ 21/9	, „ „	, „ ,	„	मू ट
208	„ 21/18	„ „	, ,	„	,

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन धार्मिक श्लोक	प्रा म मा	12	26 × 11 × 6 × 34	भिन्न 2 पत्रे	18/19वी	
औपदेशिक दृष्टांत	सं.	39	27 × 12 × 15 × 55	संपूर्ण 157 कथानक	1569	
"	"	16	26 × 11 × 15 × 55	अपूर्ण 69 काव्य-कथाये	18वी	
औपदेशिक	"	3	26 × 11 × 17 × 54	संपूर्ण 52 श्लोक	18वी	
कर्म सद्धान्तिक साहित्य	प्रा.स	20	27 × 11 × 15 × 43	, 168 गाथा की ग्र 922	1580	प्राचीन कर्म ग्रन्थ 1
"	प्रा.	9	27 × 11 × 22 × 66	" (168 + 56 + 24 + 86 + 15 गा	19वी	" " 1-4 +
"	प्रा.म	18	26 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण 86 गाथा ग्र 850	17वी	अंतिम पत्रा कम
"	प्रा	18	26 × 12 × 13 × 38	" (61 + 34 + 24 + 86 + 100 + 93 गाथा)	1592	1 2 3 (विपाक, स्तत्र, वध 4 स्वामित्व पद्धतीति, 5 6 गतक, सप्तति)
"	प्रा म.	172	26 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण (अंतिम पत्रा कम)	16वी	
"	"	199	26 × 11 × 16 × 66	" ग्रथा. 10137 (1 मे 5 के) " 3880 छठे व	1621	
"	प्रा	12	26 × 11 × 13 × 44	संपूर्ण 396 गा.	1756	
"	प्रा मा.	64	25 × 12 × 4 × 42	" "	1818	
"	प्रा मं.	46	25 × 11 × 11 × 37	" यंत्रतानिका सह	1820 त्रिक्रम- पुर त्रयतमुदर	अवचरि देवगुप्त शिष्य की है ?
"	प्रा	29	26 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	1825	
"	प्रा मा	318	25 × 13 × 15 × 37	" 396 गाथा का	1858	
"	प्रा.	22	26 × 13 × 12 × 40	" "	1896	
"	"	45,17	28 × 11 व 26 × 11	" "	19वी	
"	प्रा मा	79	29 × 12 × 4 × 36	संपूर्ण	19वी	
"	"	50	11 × 26 × 5 × 41	"	19वी	
"	प्रा म	20	26 × 11 × 10 × 53	"	1481	प्रथम पत्रा कम है 20 पत्रा
"	प्रा	27	29 × 15 × 11 × 27	चार पुरे पाचयी 73 पत्र	19वी	
"	प्रा मा	31	24 × 12 × 9 × 31	संपूर्ण	19वी	
"	"	47	28 × 14 × 7 × 21	"	19वी	अन्तर्गत 2 पत्र है

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन धार्मिक श्लोक	प्रा सं मा	12	26 × 11 × 6 × 34	भिन्न 2 पत्रे	18/19वी	
औपदेशिक दृष्टांत	स.	39	27 × 12 × 15 × 55	संपूर्ण 157 कथानक	1569	
"	"	16	26 × 11 × 15 × 55	अपूर्ण 69 काव्य-कथायें	18वी	
औपदेशिक	"	3	26 × 11 × 17 × 54	संपूर्ण 52 श्लोक	18वी	
कर्म मंडान्तिक साहित्य	प्रा म.	20	27 × 11 × 15 × 43	.. 168 गाथा की ग्र 922	1580	प्राचीन कर्म ग्रन्थ 1
"	प्रा	9	27 × 11 × 22 × 66	.. (168 + 56 + 24 + 86 + 15 गा	19वी 1-4 +
"	प्रा स	18	26 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण 86 गाथा ग्रं 850	17वी	अतिम पत्रा कम
"	प्रा	18	26 × 12 × 13 × 38	.. (61 + 34 + 24 + 86 + 100 + 93 गाथा)	1592	1 2 3 (विपाक, स्तत्र, वध 4 स्वामित्व पङ्गीति, 5 6 गतक, सप्तति)
"	प्रा न.	172	26 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण (अतिम पत्रा कम)	16वी	
"	"	199	26 × 11 × 16 × 66	.. ग्रथा. 10137 (1 से 5 के) .. 3880 छठे व	1621	
"	प्रा	12	26 × 11 × 13 × 44	संपूर्ण 396 गा	1756	
"	प्रा मा.	64	25 × 12 × 4 × 42	" "	1818	
"	प्रा म.	46	25 × 11 × 11 × 37	.. यत्रतानिका सह	1820 त्रिक्रम- पुर वल्लतमुद्र	प्रवचुरि देवगुप्त शिष्य की हे ?
"	प्रा	29	26 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	1825	
"	प्रा.मा	318	25 × 13 × 15 × 37	.. 396 गाथा का	1858	
"	प्रा	22	26 × 13 × 12 × 40	" "	1896	
"	"	45,17	28 × 11 व 26 × 11	" "	19वी	
"	प्रा मा.	79	29 × 12 × 4 × 36	संपूर्ण	19वी	
"	"	50	11 × 26 × 5 × 41	"	19वी	
"	प्रा न	20	26 × 11 × 10 × 53	"	1481	प्रथम पत्रा कम हे 20 गाथा
"	प्रा	27	29 × 15 × 11 × 27	चार पूरे पात्रा 73 नक	19वी	
"	प्रा मा.	31	24 × 12 × 9 × 31	संपूर्ण	19वी	
"	"	47	25 × 14 × 7 × 21	"	19वी	प्राथम्य प 1 व 2 ही

1	2	3	3 A	4	5
209	के नाथ 3/2	कमग्रन्थ 1 से 4 + बा	Karmgrantha 1-4+Bālā	देवेन्द्र/—	मू वा
210	आसिया 2/139-244	„ „ + बा	„ „ + „	देवेन्द्र/मतिचंद्र	,
211-2	के नाथ 29/98	कमग्रन्थ 1 से 4 नवीन दो प्रति	„ , (Navina)	देवेन्द्र	मू प
	5/14		2 Copies		
213	„ 15/16	कमग्रन्थ 1 से 3 नवीन	„ 1-3 (Navina)	,	„
214	„ 3/10	„ „ + वृत्ति	, 1-3 Vrtti	देवेन्द्र/चन्द्रपुरि	मू + वृ
215	कोलडी 114	कमग्रन्थ 1 से 3 नवीन	„ 1 3 (Navina)	देवेन्द्र	मू ट
216	क नाथ 18/20	„ „	„ „		मू ध
217	„ 21/10	कमग्रन्थ 1 से 2 नवीन	„ 1-2	,	मू ट
218	आसिया 2'242	, „	„ 1-2 „		मू प
219	क नाथ 23/30	कमग्रन्थ 1 नवीन	, 1 „	„	मू ध
220	, 11/88	„ 1 „	„ 1 „	,	मू प
221	21/14	, 1 „	„ 1 ,	,	मू ट
222	कोलडी 115	„ 1 + वाला	, 1+Bālā	देवेन्द्र/श्रीभार मुनि	मू वा
223	क नाथ 21/99	, 1 नवीन	, 1 (Navina)	देवेन्द्र	मू प
224	„ 21/63	, 1 „	, 1 ,	„	मू ट
225	20 33	कमग्रन्थ 2 से 6 नवीन	„ 2 6	देवेन्द्र (5 तक) चर्दापि (छठा)	,
226	, 17/49	, 2 से 5 „	„ 2 5	देवेन्द्र	मू प
227	घोसिया 2/149	„ 2 व 3 „	2 3 ,	,	„
228	2/174	कमग्रन्थ 2 नवीन + बा	, 2 , +Bālā	, /—	मू वा
229	के नाथ 23/12	कमग्रन्थ 2 नवीन	, 2 ,		मू ट
230	आसिया 2/246	कमग्रन्थ 3 व 4 नवीन	„ 3 4 ,	देवेन्द्र	,
231	के नाथ 3/6	कमग्रन्थ 3 नवीन	3 ,	„	मू ध
232	„ 15/184	„ 3 ,	3 ,	„	मू प
233	23/20	कमग्रन्थ 4 से 6 नवीन	, 4 6 ,	देवेन्द्र (4 5) चर्दापि (6)	मू ट
234	3/8	कमग्रन्थ 4 नवीन + था	, 4 „ +Bālā	देवेन्द्र/मतिचंद्र	मू वा

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म-बैदातिक साहित्य	प्रा.मा.	13	25 × 11 × 17 × 58	अपूर्ण पहिला व चौथा दोनो	17वी	7 से 19 वी व के पत्रे
,	"	106	25 × 12 × 15 × 38	सपूर्ण	18वी	
"	प्रा	28, 11	33 × 17 व 26 × 11	"	19वी	
"	,	9*	25 × 10 × 13 × 35	"	1736	साथ मे सन्धनत्तरी 91 पा.
"	प्रा स.	89	26 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण प्रथम के 48 से अत तक	18वी	प्रवाच 1882
"	प्रा.मा.	28	25 × 12 × 3 × 36	सपूर्ण 119 गाथा का	1873	
"	प्रा स.	15	26 × 11 × 20 × 66	सपूर्ण	19वी	
"	प्रा.मा.	20	26 × 13 × 3 × 33	सपूर्ण 94 गाथा	1853	
"	प्रा.	11	25 × 12 × 9 × 34	" 87 "	19वी	
"	प्रा.म.	19	26 × 11 × 15 × 44	सपूर्ण 60 गाथा की	1421	
"	प्रा.	3	26 × 11 × 11 × 37	" 60 गाथा	17वी	
"	प्रा.मा.	11	25 × 12 × 5 × 32	" 62 "	1825	
"	"	36	25 × 11 × 18 × 48	" 60 "	1834	
"	प्र.	5	25 × 13 × 11 × 35	" 62 "	19वी	
"	प्रा.मा.	16	25 × 11 × 3 × 35	अपूर्ण 52 गाथा तक	19वी	
"	"	42	25 × 11 × 18 × 47	अपूर्ण	17वी	
"	प्रा.	11	26 × 11 × 13 × 42	" 259 गाथा	19वी	
"	"	5	28 × 13 × 11 × 34	" 60 "	19वी	
"	प्रा मा.	18	26 × 12 × 17 × 58	" 35 "	19वी	
"	"	5	26 × 11 × 5 × 51	" 35 "	19वी	
"	प्रा म	11	26 × 13 × 9 × 31	" 108 "	17वी	
"	.	8	26 × 11 × 4 × 27	" 24 "	18वी	
"	प्रा	2	25 × 11 × 11 × 31	" 24 "	19वी	
"	प्रा.मा.	60	26 × 12 × 5 × 35	" 119 गाथा की "	19वी	
"	.	31	25 × 11 × 16 × 37	" 86 गाथा	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
235	मुनिमुद्रत 2/263	रमय व 4 तवीन	Karmgrantha 4 (Navina)	र २	मू व
236	र नाव 23/34	4 „	, 4	,	,
237	1/33	रमय व रोधा (तवीन) 1 वा	, VI (N)	र २ मू रि/—	मू २ वा
238	धामिया 2/175	रमय व दातवां () 1 वा	, V (N)	/—	
239	र नाव 17/54	, , नवीन	, V (N)	र २	म , ट
240	महावीर 2/135	रमय व इष्टा सप्तति + तृति	, VI Saptati	1 रि/म व रि रि	मू ३
241	चुधुताव 55/17	रमय व इष्टा + वावा	, VI Bāṭā	चुधुताव (1/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24/25/26/27/28/29/30/31/32/33/34/35/36/37/38/39/40/41/42/43/44/45/46/47/48/49/50/51/52/53/54/55/56/57/58/59/60/61/62/63/64/65/66/67/68/69/70/71/72/73/74/75/76/77/78/79/80/81/82/83/84/85/86/87/88/89/90/91/92/93/94/95/96/97/98/99/100)	म वा
242	21 5	,	VI	/ „	
243	मुनिमुद्रत 2,335	रमय व 176 वा वर मूरि	I, II, VI Avacuri	माननापर (रमय व र वा रि/म व रि रि)	म
244	वानदी 1226	रमय व 4 वा स्वास्थान	, IV Vyāhyanā	—	„
245	महावीर 2/82	रमय व प्रथम (नवीन) वा मूवा यव	I (N) Sūca yantra	मूवा यव व न (विनीन मू व र वा रि रि)	म व मानिका
246	धामिया 2/147		„		,
247	महावीर 2/81		„		,
248	2/83	रमय व द्वितीय (नवीन) मूवा	„ II (N)		,
249	2/84		„		,
250	धामिया 2/145				„
251	2,146	तृतीय (नवीन) मूवा	III (N)	,	,
252	2/144	चतुर्थ	, IV (N)	„	,
253	महावीर 2/85	4 व 5 (नवीन) मूवा	, IV & V (N)	„	,
254	धामिया 2/148	5 (नवीन) ,	V (N)		,
255	महावीर 2/86				,
256	धामिया 2/412	रम उद्य प्रकृति	Karma Udaya Prakṛti	—	म
257	महावीर 2/103	रमामी यव	„ Svāmi Yantra	मुवा यव व न	म ताविका
258	2/87	रम पापवध प्रकृति पादियव	Karma Oghādi Yantra	—	,

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म शैदान्तिक साहित्य	प्रा.	7	25 × 11 × 12 × 33	सपूर्ण 86 गाथा	18वीं	
"	"	5	26 × 11 × 13 × 41	" "	18वीं	
"	प्रा मा	25	25 × 11 × 17 × 48	अपूर्ण गाथा 70 तक ही	19वीं	
"	"	29	26 × 11 × 18 × 56	सपूर्ण 100 गाथा का	1727	
"	"	18	25 × 12 × 4 × 34	सपूर्ण 100 गाथा का प्रथाग्र 350	19वीं	
"	प्रा म	47	27 × 11 × 15 × 60	अपूर्ण, पूरी 89 गाथा की ग्र 3880	1624	चुटक
"	प्रा मा	21	26 × 11 × 19 × 64	सपूर्ण 93 गा ग्र. 1500	17वीं × ऋषि शाखा	
"	.	39	30 × 14 × 13 × 36	सगभग पूर्ण अतिम पत्रा कम	19वीं	गत प्रति की ही नरुन
"	न.	3	26 × 11 × 23 × 76	चुटक सिर्फ 3 पत्रे हैं 24, 29 व अ'तम	18वीं	
"	"	16	26 × 11 × 18 × 56	सपूर्ण 86 गाथा का	18वीं	
, बोनचुमा	मा	23	25 × 12 × — — —	सपूर्ण	1890, डच्छावर, सेवारा म	(1875 की कृति- या है)
" "	"	21	25 × 13 × — — —	"	1907, अजमेर, रिपलाल	
" "	"	21	26 × 12 × — — —	"	20वीं	
" "	"	6	26 × 13 × — — —	"	19वीं × बोधर- दत्त	
" "	"	9	22 × 13 × — — —	"	1932	
" "	"	8	27 × 12 × — — —	अपूर्ण आदि अत रहित	20वीं	
" "	"	9	26 × 12 × — — —	सपूर्ण	20वीं	
" "	.	13	25 × 12 × — — —	अपूर्ण प्रारंभ के 2 पत्रे कम	20वीं	
" "	"	73	2 × 13 × — — —	सपूर्ण	1890, अजमेर, रिपलाल	
" "	.	45	28 × 14 × — — —	"	1902	
" "	.	39	27 × 13 × 10 × 28	" प्रथाग्र 1005	1932	
" "	.	14	26 × 15 × 18 × 43	चुटक	19वीं	
" "	.	11	25 × 12 × — — —	अपूर्ण	20वीं	
" "	.	9	26 × 11 × — — —	"	20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
259	सवा मन्दिर 2/353	कर्मा कर्मादि प्रकरण + वा	Karmā karmādi Prakaraṇa	गजसार	सू + वा
260	कोलडी 1238	कर्मबंध हुतु रचना	Karma bandha Hetu racanā	—	सू (प)
261	के नाथ 3/22	कर्म प्रकृति	Karma Prakṛti	—	सू ट
262	29/31	„ + वृत्ति	„ + Vṛtti	—	सू व (प ग)
263	29/32	„ की टीका	Tikā	मयलपिरी	ग
264	सवा मन्दिर 2/353	कर्म का बंध व जीव नेद विचार + वा	Karma bandha & Jiva bheda vicāra	प्रपात	सू वा (प ग)
265	के नाथ 16/12	कर्मों की आठ मूल प्रकृति	Karman ki Aṣṭha Mūla Prakṛti	—	ग
266	मुनिमुद्रत 2/204	„ 158 उत्तर प्रकृति	„ 158 Uttara Prakṛti	—	„
267	कालडी 113	„ „ „	„ „ „	—	„
268	ग्रोमिया 2/177 78	„ „ „ 2 प्रति	„ „ „	—	„
270	क नाथ 19/92	„ „ प्रकृति विचार	„ „ Prakṛti Vicāra	—	„
271	14/111	कर्मछत्तीमी	Karma Chattisi	समयगु दर	प
272	14/107	„	„	„	„
273	26/103 गु	कर्मवनीमी	Karma Battisi	—	„
274	29/45	कवित्तवावनी	Kavitta Bāvanī	सप्तमीवन्दनभ गणि	„
275	महावीर 2/130	कस्तूरीप्रकरण	Kastūri Prakaraṇa	हृमजिय	सू (प)
276	कृष्णनाथ 36/1 इ.न. 47	कामाधापचाशिका	Kāmāksā Pancaśikā	—	प
277	ग्रोमिया 2/189	कायस्थिति विचार + वा	Kāyasthiti Vicāra + Bālā	—	सू रा
278	महावीर 2/52	„ स्तोत्र	Stotra	कुम्भजन	सू म (प ग)
279	ग्रोमिया 2/214	कालसत्तरी	Kāla Sattarī	पगवार/सर्वत्र मूरि का गिद्य	सू पथ
280	महावीर 2/60	„	„	„	„
281	क नाथ 18/30	„	„	„	सू + ट (प ग)
282	महावीर 2/405	कवलसत्तावनी	Kevala Sa tāvanī	वक्ररूप सवगी	प
283	सवा मन्दिर गुटका 3 ति	केसीद्विपचाशिका	Kesi Dvi Pancaśikā	पारमवचद	„

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म नैदान्तिक साहित्य	प्रा मा.	7*	26 × 11 × 17 × 60	सपूर्ण 29 गाथा	17वी	
„	प्रा.	13*	26 × 11 × 15 × 42	„ 34 „	19वी	
„	प्रा मा.	71	25 × 11 × 4 × 30	„ 476 „	1838	
„	प्रा स.	3	26 × 13 × 16 × 62	अपूर्ण केवल छठी गाथा तक	19वी	
„	स.	122	27 × 11 × 17 × 66	सपूर्ण ग्र. 14000	16वी	
„	प्रा मा.	7*	26 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 29 गाथा	17वी	
„	मा	1	35 × 11 × 18 × 65	सपूर्ण	19वी	
„	„	11	25 × 11 × 11 × 33	„	17वी × साठवी	लाला
„	„	8	23 × 11 × 12 × 24	„	19वी	
„	„	6,5	25 × 12 व 22 × 11	„	19वी	
„	„	11*	26 × 11 × 13 × 44	„	19वी	
श्रौपदेशिक	„	3*	26 × 11 × 23 × 66	सपूर्ण 36 गाथा	19वी सदी	
„	„	3	26 × 12 × 14 × 29	„ „	19वी	
नैदान्तिक	„	1	25 × 11 × 20 × 56	„ 32 गाथा	18वी	
श्रौपदेशिक साहित्य	„	5	25 × 11 × 14 × 50	„ 61 कवित्त + 1 देवीगीत	19वी	
„	म	23	26 × 14 × 12 × 24	„ 182 श्लोक	20वी	
„	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	„ 86 गाथा	1544	
श्रीक स्वरूप व प्रवृत्ति	प्रा मा.	7	27 × 11 × 9 × 35	„ 24 „	16वी सदी	
शान्ति स्वरूप	प्रा म.	5	26 × 11 × 18 × 54	„ 24 „	17वी पाटण	रविचंद्रन
साध स्वरूप	प्रा	7	26 × 11 × 9 × 31	„ 73 „	16वी	
सम स्वरूप	„	3	26 × 11 × 13 × 48	„ 74 „	17वी	
„	श मा	4	26 × 11 × 8 × 47	„ 74 „	19वी	
श्रौपदेशिक जपमाला	मा.	21*	25 × 13 × 13 × 35	„ 58 श्लोक	1876	
शान्ति श्रौपदेशिक	„	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	„ 75 गाथा	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
284	क नाथ 23/35	केशी प्रदेशी प्रश्नोत्तर सार	Kesi Pradesī Praśnottara-sara	—	ग
285	सेवामदिर 3इ 345	क्षमाछत्तीसी	Ksamā Chattīsī	समयसुन्दर	प
286	बोधदी 898	"	" "	"	"
287 8	क नाथ 15/83, 23/95	" 2 प्रति	" 2 copies	"	"
289	महावीर 2/53	क्षुल्लक भव विचार स्तवन	Ksullaka Bhava Vicāra Stavana	—	मू प्र (प ग)
290	कुशुनाथ 52/27	गणधरावद	Gaṇadhara Vāda	गुणरत्न मूर्ति	ग
291	, 10/133	गणहरावली	Ganaharāvālī	—	प
292	के नाथ 29/25	गायत्रीमन्त्र (जन परक) भ्याख्या	Gāyantrī Mantra Vyākhyā (Jain)	प्रज्ञात	ग
293	कालदी 1173	गुणपरिवादी + वा	Guṇa Parivāḍī + Bālā	—	मू वा
294	महावीर 2/128	गुणमाला	Guna Mālā	रामविजय (जिनवल्लभ का शिष्य)	ग
295	2/97	गुणस्थान अल्पबहुत्व बोल	Guṇasthāna Alpabahuttva Bola	—	"
296	क नाथ 18/3	, कर्मारोह + वृत्ति	, Karmāroha + Vṛtti	रत्नशेखर (हुमनालिक का शिष्य)	मू वृ (प ग)
297	महावीर 2/78	" " "	" "	" स्वोपन	" "
298	, 2/40	" " "	" "	" "	" "
299	के नाथ 6/98	" "	" Karmāroha	"	मू (प)
300	26/103 गु	, चौपई	, Caupai	साधु वीरि	प
301	19 44	" जीवभेदवर्णन	, Jivabheda Va rnana	—	प
302	कालदी 1333	" मग	" Bhāga	—	"
303	महावीर 2/66	" + लेश्याद्वार	, + Lesyādvāra	—	"
304	बोलदी 112	, वर्णन	, Varṇana	—	"
305	कुशुनाथ 29/5	" विचार	Vicāra	—	"
306	महावीर 2/79	" "	" "	—	"
307	बोलदी 1343	" "	" "	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
दार्शनिक तात्विक	मा.	27*	30 × 14 × 13 × 39	सपूर्ण	19वी	
श्रौपदेशिक	मा.	3	20 × 11 × 12 × 30	संपूर्ण 36 गाथा	1847	वालजी
"	"	2	26 × 11 × 15 × 42	" "	19वी	
"	"	2,2	25 × 11 व 26 × 10	" "	19वी	
श्रायुकर्म मन्वन्धी	प्रा.स.	3	26 × 11 × 13 × 46	सपूर्ण 25 गाथा	16वी	
कल्पसूत्रेग्रन्तर्वाच्य	सं.	3	26 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण	19वी	
तात्विक/जीवन	प्रा	27*	27 × 11 × 13 × 38	" 25 गाथा	16वी	
मातृकापद समन्वय	सं	8	27 × 15 × 15 × 34	"	20वी	साथ में सामायिक व्याख्यान भी है
सधारा सवन्धी	प्रा मा.	4	25 × 11 × 13 × 52	अपूर्ण 42 गाथा	17वी	(गुण की जगह गुण भी पढा जा सकता है)
पंचपरमेष्ठी गुणादि	सं.	54	26 × 12 × 17 × 44	सपूर्ण	1851	व्यारानगर + सुवर्णगढ प्रगति है। 1817 जैनमेर की रच ।
संज्ञान्तिक-मह्या विचार	मा	6	26 × 11 × 16 × 45	"	19वी	
प्रात्मस्तर विचार	सं.	16	26 × 12 × 12 × 66	" 136 श्लोक की	1703	वृत्तिस्वोपज्ञ
"	"	32	26 × 12 × 15 × 40	" 137 " "	1799	
"	"	37	27 × 13 × 14 × 41	" 136 " "	19वी	
"	"	3	27 × 11 × 19 × 43	" 126 " "	19वी	
"	मा.	1	25 × 12 × 20 × 56	" 46 गाथा	18वी	
"	"	25*	24 × 12 × 17 × 32	सपूर्ण	19वी	
"	"	4	25 × 11 × 28 × 60	"	19वी	
"	"	25	25 × 11 × 9 × 37	"	20वी	
"	"	6	27 × 11 × 18 × 60	सपूर्ण 14 गुणध्यानों का	20वी	
"	स	7	27 × 12 × 23 × 78	अपूर्ण	17वी	
"	मा.	2	26 × 12 × 12 × 29	सपूर्ण	18वी	
"	"	5	25 × 11 × 14 × 45	"	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
308	क नाथ 6/5	गुणस्थान विचार	Guṇasthāna Vicāra	मकुटप्रणयि	ग
309	सवामदिर 2/433	" "	" "	—	"
310	, गुटका 3 ति	गुणस्थान स्तवन	Guṇasthāna Stavāna	समरचद (पारवचद का गिप्य)	प
311	बुधुनाथ 54/7	" "	" "	" "	"
312	सवामदिर 2/362	" "	" "	वाचक पदमराज	मू ट
313	ब नाथ 15/193	" "	" "	धरममो	प
314	महावीर 3 ई 10	" "	" "	" "	"
315	, 2/46	गुरुगुणपटत्रिमिका + वृत्ति	Guru Guṇasat Trimsikā	रत्नगेनर	मू व (प ग)
316	2/47	गुरुतत्त्वनिश्चय + वृत्ति	Gurutatva Niścaya	उ यगात्रिजय	मू व
317	2/126	गौतमकुलक + वृत्ति	Gautama Kulaka	गौतमश्रुति/गानत्रिक	मू व (प ग)
318	ब नाथ 26/103	गौतमकुलक	Gautama Kulaka	गौतमश्रुति	मू (प)
319	5/25	,	,	,	मू ट (प ग)
320	मुनिमूत्रत 2/325			,	" "
321	कावही 824		"	"	" "
322	बुधुनाथ 20/22		"	"	" "
323	कावही 825	"	"	"	" "
324	ब नाथ 10/67	"	"	"	" "
325	मुनिमूत्रत 2/326	"	"	"	" "
326	कावही 1086	"	"	"	" "
327	ग्रामिया 2 416	,	"	"	मू (प)
328	क नाथ 10/87	गौतमपृच्छा	Gautama Pṛcchā	—	मू (प)
329	कावही 1329		"	—	मू ट (प ग)
330	क नाथ 21/61	+वा		—/ (नदिरल-का गिप्य)	मू वा
331	3/27	" +वृत्ति	"	—/मतिवद न	मू व
332	3/29	" +वा	"	—/—	मू वा

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्मन्तर विचार	मा.	21	26 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण ग्रथाग्र 800	19वीं	
"	"	3	24 × 11 × 12 × 50	"	19वीं	
14 गुणस्वाय गभित	मा.	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	संस्कृत 53 गाथा	1650	
"	"	18	26 × 11 × 5 × 40	"	19वीं	
"	"	3	26 × 11 × 6 × 48	संपूर्ण 21 पद	19वीं	
"	"	2	25 × 11 × 14 × 44	" 34 गाथा	19वीं	1729 की कृति
"	"	3	25 × 12 × 13 × 31	" "	20वीं	
गुरु की योग्यतादि	प्रा.सं.	35	27 × 12 × 14 × 39	" 40 श्लोक की	20वीं	
"	"	146	26 × 11 × 17 × 50	" 903 श्लोक (चार उल्लास)	1949	वृत्ति स्वोपज्ञ
औपदेशिक	प्रा.स.	30	26 × 11 × 16 × 47	संपूर्ण 69 गाथायें	18वीं × रामचन्द्र	
"	प्रा.	2	25 × 11 × 15 × 38	" 20 गाथा	18वीं	दो न हर्ते
"	प्रा मा.	4	26 × 12 × 4 × 40	" "	1831	
"	"	3	25 × 12 × 5 × 34	" "	1842 मेरुता ईश्वरनागर	
"	"	2	30 × 11 × 7 × 42	" "	1846 × भक्तिसानगर	
"	"	2	26 × 11 × 10 × 42	" "	19वीं	
"	"	2	30 × 10 × 5 × 45	" "	19वीं	
"	"	2	26 × 11 × 7 × 40	" "	19वीं	
"	"	3	23 × 11 × 5 × 29	" "	19वीं	
"	"	7	25 × 11 × 1 × 36	संपूर्ण 11 गाथा तक	19वीं	
"	प्रा	13*	26 × 13 × 16 × 30	"	1953	
वार्तिक 48 प्रयोगरही	प्रा.	9	26 × 12 × 11 × 32	संपूर्ण 64 गाथायें	16 वीं	नगवान महाशेर के उपर
"	प्रा मा	7	25 × 10 × 5 × 35	" "	17 वीं	
"	प्रा मा.	3	25 × 11 × 9 × 30	" "	17 वीं	
"	प्रा मा.	62	24 × 10 × 13 × 28	" 64 गाथा की प 1682	1524	
"	प्रा मा	28	26 × 11 × 16 × 52	" 64 गाथा की	15 वीं	

1	2	3	3 A	4	5
333	वालडी 146	गौतमपृच्छा + वृत्ति	Gautma Prccha + Vṛtti	/मतिवद न	सू वृ
334	महावीर 2/127	„ + „	„ + „	/मतिवद न	„
335	कोलडी 831	„ कथासह	„ with kathā	—	सू + कथा
336	महावीर 2/14	„ वृत्तिसह	„ with Vṛtti	/मतिवद न	सू वृ
337	के नाथ 14/139	„ + वा	„ + Bālā	—	सू वा
338	, 13/12	„	„	—	सू ट
339	„ 5/68	„	„	—	सू
340	कुलुनार 25/2	„ + वा	„ + Bālā	—	सू वा
341	श्रोतिसया 2/165	„ + वृत्ति	„ + Vṛtti	—	सू वृ
342	कोलडी 823	„ + कथा	„ + Kathā	—	सू + व्या + कथा
343	क नाथ 15'172	„	„	—	सू ट
344	कोलडी 1085	„ + कथा	„ + Ka'hā	—	सू × कथा
345	1087	„ की वृत्ति	ki Vṛtti	—	ग
346	के नाथ 15/168	„ का पद्यानुवाद	, Padyānuvada	—	प
347	कानडी 239	„ चौपई	, Caupaī	लावण्यसमय	„
348	क नाथ 19/73	„ पद्यानुवाद	„ Padyānuvāda	—	„
349	मुनिमुद्रत 2/201	„ का बालावबोध	, Bālāvabodha	—	ग
350	श्रोतिसया 2/164	, „	, „	जिनमूर तपागच्छ	„
351	महावीर 2/406	गौतमीय महाकाव्य + वृत्ति	Gautamiya Mahā kāvya + Vṛtti	रूपचद/क्षमाकल्याण	सू व
352	कोलडी 953	नानक्रियावाद	Jñānakriyāvāda	—	गद्य
353	क नाथ 21/58	नानदेव धम्मसुद्ध श्रुतयोध	Jñāna Deva Dharma Guru Śruta Bodha	सिंहात्मज	पद्य
354	मुनिमुद्रत 2/321	नानद्वार से जीवप्ररूपणा	Jñānadvāra Jivaprarupaṇā	—	ग तालिका
355	क नाथ 26/56	नानपच्चीसी	Jñāna Paccisi	वनारसीदास	प
356	महावीर 2/407	नानमार अष्टक + वृत्ति	Jñānasāra Astaka + Vṛtti	यमाविजय/देवचद	सू वृ (प ग)
357	, 2/12	„ अष्टक	„	„ /जीतविजय	सू ट

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्विक 48 प्रश्नोत्तरी	प्रा.स.	33	26 × 13 × 17 × 46	सपूर्णा 64 गाथा की	1834	
"	"	51	26 × 11 × 13 × 40	" "	1868 नागपुर	
"	प्रा.मा.	110	31 × 12 × 15 × 42	" 72 कथायें	1876 कालिना वृद्धिसागर	कथायें उपदेशमाला परकी
"	प्रा.सं.	24	26 × 13 × 19 × 57	" 65 कथायें	1880 भागनर चैन जीत	
"	प्रा.मा.	38	26 × 12 × 14 × 50	" 62 पद	1880	
"	"	5	26 × 11 × 6 × 42	" 64 पद	19वीं	
"	प्रा.	2	26 × 11 × 17 × 40	" "	19वीं	
"	प्रा.मा.	12	26 × 11 × 17 × 70	शुद्धक	19वीं	
"	प्रा.स.	34	26 × 12 × 19 × 49	सपूर्णा 64 गाथा की	1902	
"	"	39	32 × 12 × 13 × 50	" " "	1902 प्रासोप प्रतापविर्ज	
"	प्रा.मा.	9	26 × 11 × 18 × 56	अपूर्णा 29 से 57 प्रश्न तक	18वीं	
"	"	25	25 × 12 × 11 × 32	" 37 गाथा तक	19वीं	
"	स.	3	25 × 11 × 12 × 38	केवल 48वा प्रश्न	19वीं	
"	मा.	2	26 × 11 × 20 × 54	सपूर्णा 104 गाथा चौपई छन्द	19वीं	
"	"	8	26 × 11 × 9 × 40	" 115 गाथा	1763	
"	"	11*	25 × 11 × 13 × 40	" 46 गाथा	19वीं	
"	"	72	25 × 11 × 11 × 37	" प्रथाय 2500	1676 श्रीमाडा सैरकुमल	कथासङ्घ
"	"	49	27 × 13 × 13 × 35	" 64 गाथा का प्र 1500	1784 रात्रनगर	
भट्टा जीर मण्डप- वाट	संस्कृत	92	27 × 13 × 14 × 52	" 11 सर्ग	19वीं	
भानु र क्रिया का समन्वय	"	2	26 × 12 × 16 × 48	"	19वीं	
मरी धर्म समन्वय	"	8	26 × 12 × 16 × 48	" 6 प्रध्याय = 2:1 श्लोक	19वीं	
वेदान्तिक शोध	भा.	2	26 × 12 × —	प्रतिपूर्णा	19वीं	
श्रीमद्वेदान्त	"	3*	25 × 12 × 14 × 41	अपूर्णा 25 गाथा	19वीं	सर्वम संस्कृत-नीति
सर्वज्ञान-प्रकाशिका	स.	12	26 × 12 × 18 × 51	पदक प्रथाय 2-9 (6- वेदोत्तर 12 पद 7)	19वीं	द्वितीय संस्कृत- नीति
"	स.मा.	60	26 × 13 × 3 × 23	अपूर्णा 32 पदक प्रं 1500	1927	

1	2	3	3 A	4	5
358	श्रीसिवा	गानसार बहुक्षरी	Jñānasāra Bohottari	गानसार	प
359	क नाथ 4/24	ज्ञानाणव	Jñānārṇava	शुभचंद्र	मू प
360	बुधनाथ 36/1 सुब क्रम 40	ज्ञानाबुद्ध	Jñānābhūṣa	—	पद्य
361	क नाथ 18/34	चरित्र-दक्षीणी	Caritra chattisi	—	"
362	कालढी मुटका 4/12	चरित्र मनोरथमाला	Caritra Manorathamālā	—	मू पद्य
363	महावीर 2/388	" "	" "	धनशंकरमुनि	"
364	कान्ही 853	चेतनकर्म-चरित्र	Cetanakarma Caritra	रघुवीरदास	पद्य
365	मेवामदिर 2/353	चौबीस दण्डक (विचारपट्ट- निसिका)	Cauvisa Daṇḍaka	गजसार/—	मू वा
366	श्रीसिवा 2/192	,	"	"	मू ट
367	महावीर 2/110	,	"	"	"
368	क नाथ 5/82	, † वा	" + Bālā	" /—	मू वा
369	श्रीसिवा 2/179	"	"	गजसार	मू ट
370	मेवामदिर 2/419	चौबीस दण्डक + वृत्ति	+ Vṛtti	" /—	मू ट (प ग)
371-3	, 2/345 47-48	, 3 प्रतिया	, 3 Copies	"	मू ट "
374	कान्ही 822	"	"	"	"
375	मेवामदिर 2/349	"	"	"	"
376	क नाथ 21/7	"	"	"	"
377 8	कालढी 83 82	2 प्रतिया	" 2 Copies	"	मू पद्य
379- 80	क नाथ 19/63, 20/48	" 2 प्रतिया	, 2 Copies	"	"
381-3	बुधनाथ 15/8 13/58, 15/17	" 3 प्रतिया	, 3 Copies	"	"
384	मुनिमुद्रत 2/333	" —	" —	"	"
385	मेवामदिर 2/351	" 2 प्रतिया	, 2 Copies	"	मू ट (प ग)
386	महावीर 2/73	"	"	"	"
387	श्रीसिवा 2/193	"	"	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
आध्यात्मिक काव्य	मा.	3	24 × 12 × 24 × 42	(28 पद मात्र) अपूर्ण	19वीं	
जैनयोग विषयक	स.	108	27 × 11 × 9 × 37	अपूर्ण योगीप्रशंसा सूत्र 5 से मोक्ष तक	17वीं	प्रथम 23पत्रे जम है
ग्रीषदेशिक	„	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 41 श्लोक	1544	
„	मा.	5 [#]	27 × 11 × 16 × 36	„ 36 गाथा	20वीं	
तात्त्विक-ग्रीषदेशिक	प्रा.	गुटका	15 × 7 × 10 × 23	„ 30 गाथा	1499	
„	„	5	23 × 10 × 8 × 26	„ 30 गाथा	19वीं	
तात्त्विक रूपक	हिन्दी	12	33 × 14 × 15 × 36	„ 298 छन्द	19वीं	1736 की कृति
जैन तात्त्विक	प्रा.मा.	7 [#]	26 × 11 × 17 × 60	38 गाथाये	17वीं	
„	„	6	26 × 10 × 5 × 34	सपूर्ण 39 गाथा	1780 × रजित सागर	जीर्ण
„	„	7	24 × 11 × 5 × 29	„ 46 गाथा का	1887 मूरत	
„	„	20	25 × 11 × 16 × 33	„ „	1791	
„	प्रा.मा.	11	24 × 11 × 3 × 36	सपूर्ण 43 गाथा	1800 जालोर	
„	प्रा.म.	6	25 × 11 × 15 × 50	„ 38 गाथा	18वीं	
„	प्रा.मा.	9, 5, 7	26 × 11 × भिन्न 2	„ 44, 38, 41 गाथा	18वीं	
„	„	9	30 × 11 × 3 × 36	„ 40 गाथा	1821 × पद्म विजय	
„	„	7	26 × 12 × 4 × 38	„ 46 गाथा	1823 × प्रानन्द विजय	
„	„	5	27 × 12 × 5 × 42	„ 39 गाथा	1832 -	
„	प्रा.	4, 5	25 × 11 × 7/9 30	„ 38, 41 गाथा	1862, 19 ती	
„	„	9, 3	26 × 12 व 24 × 13	„ 38, 40 गाथा	19/20वीं	
„	„	2, 2, 4	23 व 26 × 10 व 13	„ 38, 39, 39 गा	19/20वीं	
„	„	2	25 × 11 × 11 × 32	„ 43 गा.	19 वीं पद गा- रूपर, दुर्गादि	
„	प्रा.मा.	13	25 × 14 × 4 × 24	„ 46 गा	1898	
„	„	13	26 × 11 × 5 × 37	„ 43 गा.	19 वीं	
„	„	9	25 × 11 × 3 × 34	„ 40 गा.	19 वीं विजयपुर 1898	

1	2	3	3 A	4	5
388-91	के नाथ 19/99, 20/15,15/123 6/95	चौबीस दण्डक 4 प्रति	Cauvisa Dandaka 4 copies	गजसार	मू ट (प ग)
392	कोलडी 86	"	"	"	"
393	महावीर 2/74	"	"	"	मू घ (प ग)
394	कोलडी 87	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" /स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
395	के नाथ 14/119	" + श्याख्या	" + Vyākhyā	" /—	" "
396	" 5/39	" + बा	" + Bāḷā	" /—	मू बा
397	सेवामदिर 2/352	" + बा	" + Bāḷā	" /—	"
398	कोलडी 84	" + बा	" + Bāḷā	"	"
399	के नाथ 11/85	" + बा	" + Bāḷā	"	"
400	कोलडी 85	चौबीस दण्डक का वानावबोध	" Bāḷāvabodha	—	ग
401	कुयुनाथ 3/51	"	"	—	"
402	के नाथ 21/6	"	"	—	"
403	सेवामदिर 2/350	"	"	—	"
404	घोसिया 2/191	"	"	—	"
405	कोलडी 89	चौबीस दण्डक टब्बा	" Tabbā	—	ग तालिका
406 8	महावीर 2/70- 95-96	" बोल 3 प्रति	" Bola 3 copies	—	"
409-10	घोसिया 2/190, 415 17	" " 3 प्रति	" " 3 copies	—	गद्य
411 3	के नाथ 18/27 5/11 15/179	" " 3 प्रति	" " 3 copies	—	"
414	घोसिया 2/195	" यन्त्र	" Yantra	(हेम)	ग तालिका
415	कोलडी 88	" विचार	" Vicara	—	ग
416	कुयुनाथ 57/7	" वीर स्तवन	Vira Stavana	पाश्र्वचन्द/राजमूर्ति	मू ट (प ग)
417	कोलडी 309	" स्तवन	" Stavana	पाश्र्वचन्द	पद्य

जैन तात्त्विक ग्रीपदेशिक व दार्शनिक :—

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्त्विक	मं.मा.	6,11, 5,4	25से26 × 10से13	पहिली 3 पूर्ण, चौथी अपूर्ण 24 गाथा	19/20वी	
"	"	11	25 × 11 × 4 × 32	सपूर्ण 40 गाथा	19वी	
"	प्रा स.	5	25 × 11 × 18 × 42	" 38 गाथा	1874 बीकानेर	अत मे 9 श्लोक छाया: पुरुष-लक्षण
"	"	7	25 × 10 × 15 × 58	" 39 "	1879	
"	"	10	26 × 11 × 11 × 37	" 38 "	19वी	सगहणी-व्याख्यान जैसा
"	प्रा मा	15	25 × 12 × 14 × 50	" 46 "	1880	
"	"	13	27 × 13 × 17 × 39	संपूर्ण	1895 × पुण्य- दिनास	अत मे सम्भवत् 67 बोन + अल्पवहुत्व स्त्वन
"	"	13	24 × 11 × 11 × 40	, 41 गाथा का	1890	
"	"	13	26 × 10 × 20 × 54	अपूर्ण (किंचित्)	20वी	
"	मा	13	24 × 10 × 17 × 52	नपूर्ण	1792	
"	"	16	27 × 12 × 12 × 32	"	1796	
"	"	79	26 × 11 × 11 × 36	"	18वी	
"	"	17	26 × 11 × 13 × 46	अपूर्ण	19वी	
"	"	8	25 × 12 × 12 × 31	सपूर्ण	20वी	
"	"	13	26 × 11 × —	"	17वी	
"	"	30,6,6	25से27 × 12 + —	"	19वी × (1 का नन्मीभिर्ज)	भिन्न भिन्न द्वारो मे
"	"	15,20, 20	21से26 × 11से12	"	19/20वी भिन्न भिन्न जगह	"
"	"	16,84, 12,	24से29 × 10से15	"	19वी	"
"	"	7	27 × 12 × —	"	19वी	
20 जग मे लिखित	"	13	26 × 11 × 17 × 35	"	1882	
20 जग मे लिखित	"	17	25 × 11 × 4 × 41	सपूर्ण 91 गा. प्रमाण 595 (मं 165 ट 430)	1692, मुम्ब- जिनगर दोसवी	
20 जग मे लिखित	"	2	27 × 11 × 15 × 42	सपूर्ण 23 गाथा	1705	

1	2	3	3 A	4	5
419	क नाय 11/114	चौबीस दण्डक स्वयं	Cauvisa Daṇḍaka Stavāna	धर्मो वाचक विजय- हृय गिष्य	पद्य
420	महावीर 2/72	" "	"	धर्मविहृ	"
421	क नाय 15/125	" "	"	"	"
422-3	कान्ही गुटका 2/7,7/7	" " 2 प्रतियां	" 2 copies	"	"
424	धामिया 2/194	" "	"	पानधार (रत्नराज का गिष्य	"
425	कान्ही गुटका 2/6	" "	"	" "	"
426	मुनिमुद्रत 3८311	" "	"	मुनिधेय	"
427	महावीर 3८30	" "	"	नयदनमूरि का गिष्य तामगच्छ	"
428	रुनुनाय 19/10	" "	"	—	मू ट (प ग)
429	क नाय 18/74	छ महाजन मग्गाय व धनिचार विचार	Chah Mahāvratā Sajjhāya Aticāra & Vicāra	कातिविजय	प ग
430	रुनुनाय 5,108	नबुम्बामी पृच्छारास	Jambūsvāmī Pṛchā Rāsa	वीरमुनि	प
431	क नाय 26/47	जिनवारय (गादिनगीन)	Jinabārāsa (Gāḍiṅgīna)	जिनयच	"
432	रुनुनाय 36/1 क्रम 12	जिनवरदान स्तव	Jinavara-darsana Stava	पद्यनाद	पद्य
433	क नाय 1/15	जीवादीव विचार—वृत्ति	Jivājiva Vicāra	जानिमूरि/जिनदन	मू वू (प ग)
434	6/105	"	"	जानिमूरि	मू प
435	14/10	"	"	"	"
436	मुनिमुद्रत 2/330	"	"	"	"
437	धामिया 2/209	"	"	"	मू ट
438	क नाय 6/38	"	"	"	मू प
439	नवमदि 2/357	"	"	"	मू ट
440	मुनिमुद्रत 2/336	"	"	"	मू प
441	कान्ही 66	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" /दिवरायाय	मू वू (प ग)
442 3	68 69	" 2 प्रतियां	" 2 copies	"	मू प
444	धामिया 2/207	" —	" —	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक भक्ति रूप में	मा.	1	26 × 11 × 17 × 58	संपूर्ण 34 गाथा	1792	
"	"	4	24 × 11 × 9 × 32	" 34 "	1880, मुंबई, अमरसिंदूर	
"	"	3	23 × 13 × 11 × 37	" 34 "	1897	
"	"	गुटका	15 × 12 व 22 × 16	" 34 "	1903	
"	"	7	24 × 10 × 11 × 32	" 2 गीत (26 + 33 गाथा	19वीं	
"	"	गुटका	15 × 12 × 11 × 20	" 27 गाथा	1903	
"	"	3	22 × 7 × 9 × 38	"	19वीं	
"	स.	3	27 × 13 × 12 × 50	" 91 श्लोक	1961	
"	अ मा.	7	26 × 12 × 4 × 42	अपूर्ण 37 गाथा तक	19वीं	
ग्राचार व दण्ड- विधान	मा.	4	26 × 13 × 15 × 32	संपूर्ण 6 सज्जायें + गद्य	1909	
तात्त्विक	"	गुटका	16 × 23 × 11 × 20	" 13 ढालें	1797	1728 की कृति
औपदेशिक	"	2	25 × 12 × 17 × 48	" 43 गाथा	19वीं	
दार्शनिक	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	" 33 स्तव	1544	
जैन तात्त्विक	प्रा.न.	12	27 × 12 × 21 × 64	" 51 गाथा की	1613	
"	प्रा.	3	25 × 11 × 11 × 38	" 51 गाथा	1666	
"	"	2	26 × 11 × 11 × 42	" "	17वीं	
"	"	2	25 × 11 × 17 × 41	" "	1752 × नरेन्द्र	
"	प्रा मा	8	26 × 11 × 4 × 32	" "	1758	
"	प्रा.	5	25 × 11 × 9 × 28	" "	1764	
"	प्रा.मा	5	25 × 11 × 6 × 36	" 52 गाथा	18वीं	
"	प्रा.	2	26 × 11 × 13 × 45	" 51 गाथा	18वीं प्रहय- गयाद	
"	प्रा.म.	4	25 × 11 × 6 × 50	" 52 गाथा ही	1800	
"	प्रा.	4, 53	27 × 11 × 10 × 30	" 51 गाथा	19वीं	
"	"	3	26 × 12 × 12 × 42	" 55 "	1870 सिद्ध- पुर, आनन्दर	

1	2	3	3 A	4	5
479 80	के नाथ 13/8 21/94	तत्वाचनसू 2 प्रतिमा	Tattvārtha Sūtra 2 copies	उपाम्वाति	मूल
481	„ 9/18	, + वृत्ति	„ , + Vṛtti	, /—	मू वृ
4९2	आसिया 2/241	, +	„ + Vṛtti	„ /सिद्धसेन	„
483	, 2/416	तपकुलक	Tapa kulaka	—	मू प
484	, 2/161	तरहकाठिया	Teraha kāthiya	रामचद	प
485	महावीर 2/383	तवीमपदवी-यत्र	Tevisapadavi Yantra	—	प तालिका
486	, 2/384	, -वगुन	, Varnana	—	गद्य
487	क नाथ 5/8	-विचार	Vicāra	—	„
488	बुधुनाथ 10/149	-सज्जनाय	Sajjhāya	केशव	पद्य
499	10/192	दया-स्वाध्याय	Dayā Svādhyāya	सावण्यसमय	„
490	क नाथ 5/11	दण्डन	Darppadalana	मदासायर क्षेमा द्र कृति	प
491	बुधुनाथ 29/4	दशनमार्ग + वृत्ति	Darsana Marga + Vṛtti	कु दकु दचाय/—	मू वृ
492	क नाथ 11/68	दश (मम्यक्त्व) गुद्धि	Darśana Suddhi	च द्रप्रम	मू प
493	महावीर 2/26	, „ + वृत्ति	„ + Vṛtti	„ /विमलगणिसि दवभद्र	मू वृ (प ग)
494	क नाथ 13/14	, , + „	, + Vṛtti	„ / „	„ „
495	महावीर 2,390	, + ,	, + Vṛtti	„ / „	„ „
496	क नाथ 22/46	दशन(मम्यक्त्व) सत्तरी	Darśana Sattari	हरिभद्र	मू प
497	, 15/76	, ,		„	„
498	बुधुनाथ 9/15	दशनसत्तरी + वृत्ति	+ Vṛtti	„ /सधतिलक	मू वृ (प ग)
499	क नाथ 8/7	„ + चा	, + Bā ā	— /रत्नचद्र(शं- तिच) सपागच्छका शिष्य	मू बा („)
500	बुधुनाथ 2/34	दश-श्रावक व दश वरुण	Daśa Śrāvaka + Bandha Varnana	—	प
501	आसिया 2/413	दश-पात्रिस	Dasa Pāntrisa	—	„
502	महावीर 2/13	दानप्रदीप	Dānapradīpa	चरित्ररत्न(मोममुन्दर का शिष्य	प

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक	सं.	21,6	$26 \times 12 \times 4/13 \times 41$	संपूर्ण 10 अध्यायन	19वीं	दूनरी प्रति में उमा- स्वाति पट्टावली
"	"	396	$24 \times 12 \times 15 \times 30$	अपूर्ण	19वीं	
"	"	471	$27 \times 13 \times 14 \times 50$	त्रुटक	1969	बीच में कई पत्रों कम हैं
शोधपत्रिका	प्रा.	13 ^k	$26 \times 13 \times 16 \times 30$	संपूर्ण	1953	
अध्यात्म शोधवर्णन	मा.	2	$25 \times 12 \times 11 \times 35$	"	1910	
चक्रवर्ती रत्न व महापदवी	"	2	$27 \times 13 \times —$	" दो नकलें	20वीं	
"	"	3	$27 \times 12 \times 14 \times 43$	"	20वीं	
"	"	16	$25 \times 12 \times 12 \times 33$	"	1872	
"	"	1	$25 \times 11 \times 14 \times 42$	" 21 गाथा	19वीं	
शोधपत्रिका	"	1	$26 \times 11 \times 10 \times 40$	" 14 "	19वीं	
"	म.	8	$16 \times 11 \times 22 \times 63$	" 7 विचार ग्र. 65	18वीं	
दार्शनिक	प्रा.म.	34	$27 \times 11 \times 17 \times 38$	5 समय पूरे छठा अधूरा 74 तक	16वीं	
"	प्रा.	6	$27 \times 11 \times 15 \times 65$	संपूर्ण 4 तत्व (265 गाथा)	16वीं	
"	प्रा म.	70	$26 \times 12 \times 16 \times 61$	1 2 3 4 संपूर्ण (देव, मार्ग, माधु जीव) ग्र. 4250	18वीं	
"	"	63	$27 \times 13 \times 19 \times 54$	" (") व 4000	1907	
"	"	103	$27 \times 12 \times 14 \times 41$	" (") व 3800	1958	विगतवार प्रशस्ति में
"	प्रा.	4	$26 \times 12 \times 11 \times 37$	संपूर्ण 70 गाथाएं	16वीं	
"	"	4	$26 \times 11 \times 11 \times 47$	" "	19वीं	
"	प्रा.म.	56	$27 \times 5 \times 13 \times 48$	"	19वीं	
"	प्रा.म.	66	$26 \times 12 \times 14 \times 37$	अपूर्ण 29 गाथा तक	19वीं	6 समय प्रशस्ति में मूल्य 2 के 10 अर्थ ग्र. नाम पटक 10 7 अर्थवा ग्र. अर्थ भी
नेपाली एकेडमी- मि 8	मा.	2	$25 \times 11 \times 35 \times 24$	संपूर्ण	18वीं	
10-10 के 35 वीं अर्थवा	"	6	$22 \times 12 \times 14 \times 24$	प्रतिपूर्ण	1970 के अर्थ अर्थवा	
शोधपत्रिका	सं.	268	$27 \times 12 \times 12 \times 37$	संपूर्ण 12 प्रकरण 2.6675	1958 के अर्थ अर्थवा	विगतवार प्रशस्ति में

1	2	3	3 A	4	5
503	महावीर 2/4	दानप्रदीप	Dānapradīpa	परिचय (मानसमुन्दर रा दिव्य)	प
504	क नाप 26/103 मुद्रण	दानमाहात्म्य	Dāna Māhātmya	—	"
505	धामिया 2/152	दानविधि	Dānavidhi	—	"
506	क नाप 15/130	दानगीत गीत	Dānāśīla Gīta	मुद्रण	"
507	धामिया 2/234	दानशील तप नाप कुलक	Dānāśīla Tapa Bhāva Kulaka	धामियमुद्र	मुद्र (पप)
508	, 2/226	" "	" "	" "	" "
509	न-मुद्रण 37/1	" "	" "	" "	" "
510	महावीर 2/124	दानशील तप नाप कुलक + प्रति	Dānāśīla Tapa Bhāva Kulaka + Prati	दण्ड/दण्डविषय	मुद्र (पप)
511	2 121-24	" "	" "	" "	" "
512	धामिया 2/211	दानशील तप नाप कुलक	Dānāśīla Tapa Bhāva Kulaka	दण्ड	मुद्र (पप)
513	राजेश 826	" "	" "	" "	मुद्र
514	धामिया 2/137	" "	" "	" "	मुद्र (पप)
515	मुद्रण 3 ई 244	दानशील तप नाप कुलक	Dānāśīla Tapa Bhāvanā Kulaka	दानद्वार (मुद्रण रा दिव्य)	प.
516	, 3 ई 304	" मया	Dānāśīla Tapa Bhāvanā Samvāda	मया मुद्र	"
517	क नाप 14/61	" "	" "	" "	"
518	19/60	" "	" "	" "	"
519	5/94	" "	" "	" "	"
520	मुद्रण 2/270	" "	" "	" "	"
521 3	क नाप 15/42 18/18 24/72	" " 3 प्रति	" " 3 copies	" "	"
524	नवामदिन 3 ई 344	" "	" "	" "	"
525	मुद्रण 4/104	" "	" "	" "	"
526	धामिया 3 ई 211	" "	" "	" "	"
527	मुद्रण 3 ई 308	" "	" "	" "	"
528	क नाप 18/78	दियाणवर्द्धना बोध	Dīkṣāvārdhānā Bōdha	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11 :
ग्रीपदेशिक	स.	206	27 × 12 × 14 × 41	संपूर्ण 12 प्रकाश	1962 नागौर	
„ उद्धरण	प्रा स.	1	25 × 12 × 20 × 56	„ 18 गाथा/श्लोक	18वीं	
ग्रीपदेशिक	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	„ 25 गाथा	16वीं	
„	मा.	3	26 × 10 × 12 × 42	„ 50 गाथा लगभग	19वीं	
„	प्रा.मा	4	26 × 11 × 7 × 47	„ 49 गाथा	17वीं	
„	„	4	26 × 12 × 7 × 47	„ „	18वीं	
„	„	5	25 × 12 × 4 × 30	„ 50 गाथा	1813	
„	प्रा.स.	241	26 × 11 × 13 × 31	„ 40 गा.(20/20)	17वीं	
„	„	90 + 47	26 × 11 × 15 × 39	„ 40 गाथा की „	19वीं × हर्षचंद्र	(अपर नाम पंचाशिका भी) द्वितीय व तृतीय वक्षकार की प्रथम व चतुर्थ वक्षकारकी/प्रशस्ति हे
„	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 7 × 52	„ 81 „ (20 × 4 + 1)	18वीं	
„	प्रा.	2	31 × 11 × 15 × 52	„ „ „	19वीं	
„	प्रा.मा.	3	43 × 11 × 9 × 76	„ „ „	1927 वीक नेर देवगुप्त	
„	मा.	6	26 × 11 × 15 × 50	„ 4 कुलक(22 + 4)	19वीं × रत्नहर्यं	
„	„	6	24 × 11 × 15 × 50	„ 135 प्रथाय	1668	
„	„	7	24 × 11 × 11 × 32	„	1671	
„	„	4	25 × 11 × 15 × 42	„ 107 गाथा	1712	
„	„	4	24 × 11 × 15 × 38	„ 135 प्रथाय	1834	
„	„	4	23 × 11 × 13 × 40	„	1843	
„	„	9,3,4	20 से 25 × 10 से 12	„ 4 टाँ	19वीं	
„	„	7	14 × 11 × 13 × 26	„ „	1854 × गणेश कीर्ति	
„	„	4	25 × 12 × 14 × 45	„	19वीं	
„	„	4	25 × 11 × 15 × 39	„ 104 गाथा	19वीं	
„	„	3	24 × 11 × 11 × 45	„ 135 प्रथाय	20वीं	
विनाभुवार जीर रहस्य-व ५५-६	„	2	26 × 12 × 17 × 35	„	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
529	कान्धी 885	दश गुण पत्र	Deva Guru Dharma	—	प
530	क नाथ गुट्टा 6	दाहा चहासरी	Dohā Bahottari	त्रिनयन	प
531	महावीर 2/39	द्रव्य सप्ततिका (नवरा) — वृत्ति	Dravya Saptatikā (Sattari) + Vṛtti	सावयवविषय स्थापन	मू वृ
532	क नाथ 16/8	द्रव्य संग्रह वृत्तिवह	Dravya Saṅgraha With Vṛtti	नविषयसूत्रि/—	, (प व)
533	कान्धी 1229	, + वा	+ Bāṭā	.. /—	मू वा (प व)
534	महावीर 2/49	,			मू ट (प व)
535	घासिया 2/222		"	,	,
536	क नाथ 3/30	, वाता	+ Bāṭā	नविषय/सावयव	मू वा
537	कान्धी 833			—	
538	, 832	— भाषांतर	+ Bhāṣāntara	नविषयसूत्रि	मू प
539	1095	(नय) द्रव्य-संग्रह	(Laghu) Dravya saṅgraha	,	मू ट (प व)
540	कृष्णाथ 36/1	दासिगभाषना	Dāsitihā Bhāvanā	—	पट
541	घासिया 2/227	धर्म ध्यान वाच - वा	Dharma-dhyāna vācā + Bāṭā	(घासिया)	मू वा
542	क नाथ 23/58	धर्म ध्यान वाच		—	प
543	कान्धी 977	धर्म-परा ॥	Dharma Parikṣā	धर्मनिवृत्ति	प
544	महावीर 2/15			त्रिनयन (सामसूत्र का सिद्ध)	
545	कान्धी 967	धर्म-फल + भाषा	Dharma-phala + Bāṭā	—	मू वा
546	घासिया 4 प 88	धर्म-भाषनी	Dharma Bāvanī	धर्मो मुनि	प
547	क नाथ 29/51	,			
548	, 3/7	धर्मरत्न करणक	Dharma Ratna Karaṇ Jaka	वृद्धमानसूत्रि	मू वृ (प व)
549	महावीर 2/114	,		"	,
550	2 115	धर्मरत्न प्रकरण	, Prakaraṇa	गातिसूत्रि	,
551	2/6			गातिसूत्रि, दश सूत्रि	"
552	कमुनाथ 23/4	धर्मरत्न प्रकरण की वृत्ति	, Ki Vṛtti	—	प
253	क नाथ 15/237	धर्मामृत उक्त. साधारण धर्म टीका	Dharmāmṛte Uktāḥ Sādhāra Dharma Tika	प साधारण	,

6	7	8	8 A	9	10	11
3 तत्वों का विवेचन	मा.	3	23 × 12 × 15 × 48	अपूर्ण	20वीं	
तात्त्विक श्लोकप्रदेशिक	"	4	22 × 15 × 14 × 26	सपूर्ण 67 दोहे	1738	
जैन तात्त्विक	प्रा.सं.	23	27 × 13 × 16 × 49	" 71 गाथाएं	1954	विद्याविजय द्वारा संगोषित
"	"	61	25 × 13 × 13 × 54	" ग्रं. 2700	1672	
"	प्रा.मा.	16	26 × 11 × 10 × 42	" 62 गाथा का	1726	
"	"	7	26 × 11 × 5 × 35	" 61 गाथा का तीन अधिकार	18वीं	
"	"	9	26 × 11 × 4 × 41	" 59 " "	18वीं × क्षेममूर्ति	
"	"	34	23 × 10 × 13 × 43	" 3 अधिकार	1877	
"	"	15	28 × 10 × 13 × 32	" "	19वीं जैसलमेर उम्मेदविर्जे	
"	प्रा.सं.	7	31 × 11 × 5 × 36	" 59 गाथा	19वीं	
"	प्रा.मा.	12*	26 × 11 × 6 × 44	" 25 "	19वीं	
श्लोकप्रदेशिक	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 33 श्लोक	1544	
जैन ध्यान योग	प्रा.मा.	5	26 × 12 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण	18वीं	
"	मा.	6	27 × 12 × 13 × 38	संपूर्ण	19वीं	
जैन गैदातिक	सं.	40	30 × 13 × 15 × 56	" 20 परिच्छेद	16वीं	
श्लोकप्रदेशिक रुयामह	प्रा.सं.	63	25 × 12 × 12 × 36	" 8 "	1899 उदयपुर उदयचंद	
सामान्य श्लोक	सं.मा.	3	26 × 11 × 13 × 44	प्रतिपूर्ण	20वीं	
श्लोकप्रदेशिक पद	मा.	30*	15 × 10 × 12 × 20	अपूर्ण	18वीं	
"	"	3	25 × 10 × 20 × 50	अपूर्ण 11 नं 57 (अतः) तत्क	19वीं	
श्लोकप्रदेशिक	सं.	158	26 × 11 × 17 × 52	" 8700	18वीं	
"	"	237	27 × 13 × 15 × 44	अपूर्ण प्रयाग 10000 संगम	19वीं	सूत्र प्रयाग 335 की रूपायन ? नय प्रति है।
" रुयामह	प्रा.सं.	34	26 × 12 × 15 × 51	अपूर्ण (17वें प्र.तक) 78 गाथा 68 काव्य रुपा तत्क	1643 ×	
"	प्रा.मा.	183	28 × 13 × 15 × 60	अपूर्ण 145 गाथा की. ग्रं. 9682	1954, नागौर देवदत्त	इ.स. 1911 ई. (अनन्त- दत्त) जैन धर्म- शास्त्र-संग्रह द्वारा संगोषित
"	सं.	8	27 × 11 × 17 × 75	अपूर्ण गुरुद पत्नी (12 प्र.तक)	17वीं	
श्लोकप्रदेशिक	"	189	27 × 12 × 11 × 31	अपूर्ण शोध प्रयाग नं	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
579	के नाथ 14/105	नवतत्व	Navatattva	—	मू (प)
580	कुचुनाथ 15/9	"	"	—	"
581	के नाथ 11/16	"	"	/जयशेखर	मू ट (प ग)
582	" 11/58	"	"	—	"
583	मुनिमुद्रत 2/259	"	"	—	मू (प)
584	सवामदिर 2/339	" +वृत्ति	" +Vṛtti	—	मू वृ (प ग)
585	श्रीसिया 2/199	" + "	" + "	/रत्नमूर्ति	"
586	सवामदिर 2/373	नवतत्व	"	—	मू ट (प ग)
587	कोलढी 67	" +वृत्ति	" +Vṛtti	—	मू वृ (प ग)
588	सवामदिर 2/423	नवतत्व	"	—	मू ट (प ग)
589	कोलढी 77	" +बाला	" +Bālā	—	मू बा (प ग)
590	क नाथ 20/18	नवतत्व	"	—	मू ट (प ग)
591	श्रीसिया 2/202	"	"	—	"
592	कोलढी 79	"	"	—	"
593 7	के नाथ 6/87 14/ 40 15/34, 15/ 235, 14/54	नवतत्व 5 प्रतिया	" 5 copies	—	मू (प)
598 600	श्रीसिया 2/200 196 97	" 3 प्रतिया	" 3 copies	—	"
601 3	कोलढी 75, 76, 915	3 ,	" 3 copies	—	"
604	महावीर 2/107	"	"	—	"
605	कुचुनाथ 15/19	"	"	—	"
606	द्वन्द्व 2/344	नवतत्व	Navatattva	—	"
607	2/341	"	"	—	मू ट (प ग)
608 10	कालढी 821, 1118, 11849	" 3 प्रतिया	" 3 copies	—	"
611 12	क नाथ 21/35, 10/89	" 2 प्रतिया	" 2 copies	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	प्रा	3	23 × 12 × 11 × 37	अपूर्णा 44 गाथा	1748	
"	"	2	26 × 10 × 14 × 40	" 52 "	1753	
"	प्रा.मा.	13	25 × 11 × 3 × 37	" 49 "	1756	
"	"	6	25 × 11 × 5 × 34	" 47 "	1760	
"	प्रा.	5	24 × 11 × 12 × 33	" 48 "	1785	
"	प्रा स.	11	25 × 12 × 17 × 50	" 32 "	18वीं	
"	"	8	26 × 12 × 17 × 43	" 28 "	18वीं	
"	प्रा.मा.	11	26 × 12 × 5 × 26	" 55 "	18वीं	
"	प्रा सं	5	29 × 11 × 5 × 50	" 27 "	1800	
"	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 6 × 36	" लगभग	1811	
"	"	10	25 × 12 × 4 × 40	" 50 गाथा	1817	
"	"	10	24 × 12 × 13 × 36	" 55 "	1819	
"	"	12	25 × 10 × 3 × 30	" 48 "	1823, रावला	
"	"	11	25 × 11 × 3 × 34	" 48 "	नगर विनयमुदर 1832	
"	प्रा	2, 3, 2 3, 4	21 से 27 × 10 से 13	प्रथम चार पूर्ण, अंतिम अपूर्णा	19/20 से	
"	"	2, 10, 9	22 से 26 × 11 से 12	संपूर्ण 48, 48, 50 गाथा	19वीं	
"	"	3, 7, 3	25 × 10 से 11 × मित्र 2	" 53, 52, 48, "	19/20वीं	
"	"	6	23 × 12 × 9 × 19	" 50 गाथा	1901	
"	"	5	24 × 10 × 8 × 34	" "	1955	
जैन तात्त्विक	"	3	25 × 12 × 12 × 40	" 51 "	19वीं	
"	प्रा मा.	3	25 × 11 × 3 × 32	" 57 "	1856 × इम- कुलभगवति	प्रथम पत्रा रुम
"	"	10, 5, 6	21 से 25 × 11 × मित्र 2	" 49, 49, 41 गाथा	19 से	
"	"	7, 19	26 × 11 × 27 × 12	" 49, 78 गाथा	19 से	इममे प्रति न प्रथम पत्रा रुम

1	2	3	3 A	4	5
613-14	घासिया 2/201, 198	नवतत्त्व 2 प्रतिपे	Navatattva 2 copise	—	मू ट (प ग)
615	महावीर 2/108	"	,	मणिरत्नसूरि ?	"
616	क नाथ 23/10	" +वत्ति	" +Vṛttu	—	मू बु (प ग)
617	" 11/25	" +"	" +		"
618	" 11/21	" +"	" + ,		"
619	" 5/43	" +"	" +		"
620	कुचुनाथ 32/3	" +"	" + ,		"
621	के नाथ 20/17	" +वाला	+Bālā		मू व (प ग)
622	बोलही 78	" +"	" +		"
623	कुचुनाथ 2/18	" +"	" + ,		"
624	घोमिया 2/204	नवतत्त्व की वृत्ति	+Vṛttu	प्रज्ञात	T
625	के नाथ 18/92	" "	"	—	"
626	कालही 73	नवतत्त्व का बालावबोध	Navatattva Bālāvabodha	पदमचद	"
627	महावीर 2/71	" "	" "	सोभाचद	"
628	सवामदिर 2/343	" "	" "	—	"
629	कालही 1110	" "	" "	—	"
630	क नाथ 13/13	" "	" "	—	"
631 32	कालही 80 81	नवतत्त्व का टब्बा 2 प्रतिप्या	Navatattva kā Tabbā 2 copies	—	"
633	क नाथ 5/133	नवतत्त्व के बोल	Navatattva ke Bola	—	"
634	कालही 1131	" "	" "	—	"
635	महावीर 2/98	" "	" "	—	ग ठालिया
636- 37	बोलही गु 10/4 2/6	नवतत्त्व स्तवन 2 प्रतिप्या	Navatattva Stavana 2 copies	जानसार (रत्नराज का शिष्य)	प
638	घासिया 2/300	"	"	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्त्विक	प्रा.मा.	9,4	25 × 11/12 × भिन्न2	पहिली पूर्ण 48 द्वितीय अपूर्ण 42	19वी(विक्रमपुर आनदमुदर)	
"	"	10	27 × 12 × 4 × 32	सपूर्ण 53 गाथा	1902खेरनगर	अंतिम गाथा भी मणिरत्न ने बनाई है
"	प्रा.स.	20	27 × 12 × 14 × 39	"	1877	
"	"	7	25 × 12 × 4 × 35	" 44गा. ग्रंथाग्र 959	1855	
"	"	6	25 × 11 × 17 × 52	" 22 गा " 386	19वी	प्रथम पद्या कम
"	"	25	26 × 12 × 11 × 33	" 40 गाथा	19वी	
"	"	15	26 × 12 × 13 × 50	" 31 ,	19वी	
"	प्रा मा.	33	26 × 12 × 16 × 44	" 95 "	1862	
"	"	10	25 × 10 × 4 × 25	" 50 "	19वी	
"	"	4	27 × 12 × 17 × 48	" 44 "	19वी	
"	म.	13	26 × 12 × 14 × 54	" 45 "	19वी	
"	"	4	23 × 20 × 21 × 38	अपूर्ण	19वी	
"	मा	65	26 × 13 × 17 × 55	सपूर्ण	1881	
"	"	62	29 × 12 × 12 × 58	" 2900 + 250ग्रवाग्र	1961जयनेर, देवदूषण	
"	"	26	21 × 12 × 12 × 29	"	1937नागपुर	
"	"	2	25 × 10 × 21 × 80	शुद्धक	19वी	
"	"	8	26 × 11 × 15 × 47	सपूर्ण 44, गाथा	20 वी	
"	"	6,8	20 × 13 व 18 × 10	सपूर्ण	19 वी	
"	"	14	26 × 11 × 15 × 40	"	1850	भिन्न2 नेरह शर ने
"	"	6	25 × 11 × 16 × 36	अपूर्ण	19वी	उत्तर प्रवृत्ति 276 नेर ने
"	"	13	21 × 11 × —	सपूर्ण	20 वी	
"	"	शुद्धता	15 × 12 × 9/11 × 14/20	" 33 गाथा	19 वी, 1907	
"	"	3	24 × 10 × 11 × 29	" 29 "	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
639	कोलडी 90	नवतत्त्व + चौबीस दंडक + बाला	Navatattva—Cauvisadanḍa ka+Bālā	×/गजसार	मू बा
640	„ 65	नवतत्त्व + चौबीस दंडक	„	×/ „	मू ट (प ग)
641	के नाथ 6/51	„ „	„	×/ „	मू प
642	बुधुनाथ 20/16	„ „	„	×/ „	„
643	के नाथ 18/22	„ + , स्तवन	„ +Stavana	/ज्ञानसार	प
644	मुनिमुप्रत 2/262	नवतत्त्व चौबीसदंडक जीवविचार	Na tattva+Cauvisa Daṇḍaka—Jivavicāra	गजसार × शातिसूरि	मू (प)
645	„ 2/322	„	„	„	„
646	कोलडी 63	„	„	„	„
647	सवामदिर 2/342	„	„	„	मू ट (प ग)
648	कोलडी 70	„	„	„	„
649	सवामदिर 2/346	„	„	„	„
650	बालडी 64	„	„	„	मू (प)
651	के नाथ 21/43	„	„	„	„
652	बालडी 62	„ का बाला	„ Bālāvabodha	—	ग
653	क नाथ 11/33	नवतत्त्व + जीवविचार	Navatattva+Jivavicāra	×/शातिसूरि	मू ट (प ग)
654	शासिया 2/205	„ + बा	„ +Bālā	× / मत्तिसद	मू बा (प ग)
655	„ 2/248	नवतत्त्व + जीव विचार	„	× शातिसूरि	मू ट (प ग)
656	मुनिमुप्रत 2/327	„	„	„	„
657	सवामदिर 2/355	„	„	„	„
658	बुधुनाथ 20/14 60 13/15 29/8	3 प्रतिया	„ 3 copies	„	मू (प)
661	कोलडी 1119	„	„	„	„
662	सवामदिर 2/422	„	„	„	मू ट (प ग)
663	क नाथ 10/20 + 16/15	नवपदप्रकरण : वृत्ति	Navapada Prakaraṇa	देवमुप्रतसूरि	मू ट (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन साहित्यक	प्रा.मा.	46	23 × 11 × 11 × 45	सपूर्ण 52,39 गावा	1883	
"	"	7	27 × 12 × 7 × 52	" 48,46 "	19वी	
"	प्रा.	17	26 × 12 × 4 × 35	सपूर्ण	19वी	
"	"	3	26 × 11 × 16 × 54	" 49,38	19वी	
"	मा.	3	26 × 12 × 17 × 51	" दो (29 + 25 गा.)	1880	
"	प्रा.	14*	23 × 11 × 11 × 32	सपूर्ण 277 गावा	18वी	नाम में प्रत्य नून भी है
"	"	11	26 × 11 × 13 × 37	"	1845 मोजन	
"	"	7	26 × 12 × 12 × 37	" (49,40,51 गा)	1867	
"	प्रा मा	14	25 × 11 × 8 × 26	" 141 गावा	1876 जैन-मेर भीमा	
"	"	16	26 × 11 × 6 × 40	"	1884	
"	"	16	26 × 12 × 5 × 39	" 140 गावा	1994, राजिया पुष्पचिन्मन	
"	प्रा.	7	23 × 11 × 13 × 35	"	19वी	
"	"	42	21 × 11 × 7 × 15	"	19वी	
"	मा	7	27 × 11 × 13 × 40	"	1880	
"	प्रा.मा.	11	25 × 10 × 5 × 34	" 102 गावा	17वी	
"	"	21	25 × 10 × 17 × 52	" 100 "	1763 जैन-मेर माण-वसुधि	
"	"	17	15 × 22 × 6 × 16	" 96 "	1766	
"	"	6	26 × 11 × 8 × 47	" 97 "	18वी	
"	"	9	26 × 12 × 4 × 32	" 98 "	1-25, गुवा, च-मा-1-10	
"	प्रा.	1,11,4	25×26 × 10×11	मे पूर्ण 100 गा. मीनरी पुस्त	19वा	वीन मा-वी के मा- वीन पु-वा है
"	"	6	25 × 11 × 14 × 40	सपूर्ण 96 गावा	19वी	
"	प्रा मा.	11	25 × 11 × 8 × 35	समभव पुस्त	19वी	
"	प्रा-मा	24	26 × 11 × 15 × 54	पुस्तक वर्ष 1-69, 1-7 न 106	17वी	यदि प्र-वा-वा- वी-क-वा

1	2	3	3 A	4	5
664	कुथुनाय 36/1 क्रम 35	निर्वाण काण्ड	Nirvāna Kāṇḍa	—	मू (प)
665	महावीर 2/93	पञ्चीस क्रिया	Paccisa Kriyā	—	ग तालिका
666	के नाथ 18/73	पद्मावती आराधना	Padmāvati Āradhanā	समयमुदर	प
667	„ 15/43	(पद्मावती) आलोचना सज्जमाय	() Ālocanā Sajjhāya	„	„
668	कोलडी 289	पद्मावती आलोचना	„	„	„
669	कुथुनाय 13/38	, आलोचना जीव राशि सज्जमाय	, , Jivarāsi „	„	,
670	के नाथ 23/51	परमात्माप्रकाश + वृत्ति	Parmātmā prakāśa	योगी इन्द्रदर / ?	मू वृ
671	, 29/28	परमात्माप्रकाश ऋत भाषा बंध	„ Dhāra Bhāṣā	धम्मदिर	प
672	आसिया 3ई 263	परमानन्द स्तोत्र	Parmānanda Stotra	—	मू ट (प ग)
673	कोलडी गुटका 9/9	पञ्चन्द्रिय संधि	Panca Indriya Sandhi	धम्मरत्न(कल्याण- धीर वा शिष्य	प
674	कुथुनाय 36/2	पञ्चभावना	pañca Bhāvanā	दवचदजी	„
675	के नाथ 6/119	पञ्चमहाव्रत सज्जमाय	Panca Maāvata Sajjhaya	मुमुक्षुस्त	„
576	आसिया 2/152	पञ्चविंशो प्रकरण	Panāvāṅgi Prakarana	जिनेश्वरमूर्ति	मू (प)
677	महावीर 2/104	पञ्चवस्तुका + वृत्ति	Pañca vastuka + Vṛtti	हरिभद्र (स्वोपन)	मू वृ (प ग)
678	कुथुनाय 8/112	पञ्चविंशति	Panca Vmśati	पद्मद्वि	मू (प)
679	महावीर 2/64	पञ्चसंग्रह + वृत्ति	Panca Sangraha + Vṛtti	चन्द्रि/मलयगिरी	मू वृ (प ग)
680	के नाथ 22/45	पञ्चसूत्र	Panca Sūtra	हरिभद्र ? (स्वापन्न)	मू (प)
681- 82	महावीर 2/41 48	, + वृत्ति 2 प्रतिया	, + Vṛtti 2 copies	, ?	मू वृ
683	, 3 आ 32	पञ्चाचार विचार ढाल	Pancācāra vicāra Dhāla	पानविमल	प
684	क नाथ 9/6	पञ्चासक + वृत्ति	Panāvāsaka—Vṛtti	हरिभद्र/अभयदेव	मू ट (प ग)
685	15/6	पञ्चासक		हरिभद्र	मू (प)
686	महावीर 2/38- 105	पञ्चासक + वृत्ति	—Vṛtti	हरिभद्र/अभयदेव	मू वृ (प ग)
687	क नाथ 13/35	पञ्चास्तिकाय-भाषा	Pancāstikāya Bhāṣā	टी प हीरानन्द	पद्य
688	सनामदिर 2/424	पञ्चकार पाठनवत्तव्य	Pincadakāra Śāvaka K. rttavya	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्रिक	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्णा 27 गाथा	1544	
तात्त्रिक स्तान्तिका	मा.	2	25 × 12 × —	प्रतिपूर्णा 25 क्रिया	20वी	
मारुतातिक	..	4	27 × 13 × 8 × 24	सपूर्णा 41 गाथा	18वी	
प्रतिवार द्वालोचना	..	2	25 × 13 × 13 × 35	.. 32 ..	19वी	
..	..	2	17 × 21 × 15 × 44	.. 42 ..	19वी	
..	..	6	26 × 12 × 5 × 32	.. 33 ..	1949	
तात्त्रिक	प्रा न.	291	27 × 12 × 9 × 27	सपूर्णा 2 अधिकार, 345 श्लोक	1767	
मून का पत्र	मा	32	25 × 11 × 13 × 46	सपूर्णा 2 पत्र-32 दान च 1125	1819	
प्राप्त्यधिकार	मं.मा	3	25 × 11 × 5 × 37	सपूर्णा 25 श्लोक	19वी	
प्रीपरीषद	मा	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	.. 108 गाथा	17वी	
..	25 × 20 × 15 × 28	.. 67 दाने	1794	
प्राचार विषयक	..	2	26 × 11 × 15 × 36	.. 5 सज्जाये	1788	
वेद साधु प्रचार	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	.. 102 गाथा	16वी	
वेद शर्गनिक	प्रा न.	191	28 × 13 × 15 × 40	सपूर्णा 1714 गा श्लोक 7775	19वी	सूक्ति विषय- 1/1 शर्गनिकी
भर्तृ, वरु, उपदेश	म	17	29 × 14 × 13 × 48	.. 25+1 प्रसंग 1743	17वी	
.. ..	प्रा न	323	31 × 12 × 14 × 54	.. प्रसंग-18 850	16वी, 1956 पाठ्य, प्रस्ता- रीय	232 श्लोक 1956 म 1-वे गद्य 20
प्राचार ..	प्रा	6	27 × 14 × 12 × 51	.. गा सुत्र	19वी	
.. ..	प्रा नः	39,39	27 × 11 × 10 × 12	.. प्रसंग 880	20वी	
साधु प्राचार	मा.	5	27 × 21 × 12 × 38	सपूर्णा 46 पत्र	17वी	
वेद वेदाधिकार	प्रा न	136	26 × 11 × 19 × 43	सपूर्णा नौवटने 19 पत्र 17	17वी	
.. विषय	प्रा	24	26 × 11 × 18 × 50	वेदाधिकार प्रसंग 1100	19वी	
..	प्रा न	243	27 × 13 × 14 × 48	सपूर्णा 19 प्रसंग 870	17वी	
वेदाधिकार प्रसंग	प्रा न	243	26 × 12 × 16 × 42	सपूर्णा 19 प्रसंग 870	17वी	
श्लोकसङ्घ	मा	9	29 × 19 × 15 × 34	सपूर्णा	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
689	क नाय 14/126	पाच मो त्रेपल्ल जीवभद	500 Tresastha Jiva Bheda	—	ग
690	कालढी 827	पुण्यकुलक	Punya kulaka	—	मू ट (पग)
691	घामिया 2/416	"	'	—	मू (प)
692-3	क नाय 14/111 26/103गु	पुण्यछत्तीसी 2 प्रतिमा	Punya Chattisi 2 copies	समयमुद्रर	प
694	, 26/103गु	पुण्य-पाप कुलक	Punya Pāpa Kulaka	—	मू (प)
695	घामिया 2/416	"	"	—	"
696	" 2/159	पुण्यप्रकरण	Panya Prakarana	प्रजात	ग
697	क नाय 10/40	पुण्यप्रकाश-स्तवन	Punya Prakāsa Stavana	विनयाविजय	प
698	" 29/13	पुण्यफल-कुलक	Punyaphala Kulaka	विनयोक्ति	मू (प)
699	कुनुनाय 44/७	पुण्यन परावर्ती विचार	Pudgalaparavartti vicāra	हमगीत	पद्य
700	क नाय 19/49	पुण्यन परावर्ती विचार निगाद विचार + वृत्ति	, Śaṭṭimsika + Nigoda Vicāra + Vṛtti	प्रभवशब्द/रत्नमूर्ति	मू व
701	कुनुनाय 52/23	पुण्यमात्रा	Puspamā ā	म हृमचद्र (प्रभवशब्द निष्प)	मू (प)
702	क नाय 13/40		'	'	"
703	" 14/4	+ वृत्ति	+ Vṛtti	म हृमचद्र/—	मू वृ (पग)
704	" 6/72	पुण्यमात्रा	"	"	मू (प)
705	" 4/25	'	'	"	"
706	, 3/19	+ वृत्ति	+ Vṛtti	, माधु सोमगणि	मू वृ (पग)
707	, 11/48	पुण्यमात्रा	"	(विनयभद्र का निष्प) म हृमचद्र	मू (प)
708	" 9/7	" + बाला	" + Bālā	, /—	मू वा (पग)
709	, 15/9	पुण्यमात्रा	'	म हृमचद्र	मू (प)
710	मुनिमुद्रन 2/294	पुण्यमात्रा को प्रवचन	Puspamāla K1 Avacurī	प्रजात	ग
711	, 2/295	पुण्यमाला की वृत्ति	+ Vṛtti	माधु सोमगणि	"
712	कुनुनाय 10/133	पद्या	Pedhiyā	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
भौतिक तान्त्रिक	मा.	3	26 × 11 × 17 × 51	नपूर्ण	1836	
औपदेशिक	प्रा.मा.	2	31 × 12 × 6 × 45	„ 19 गाथा	1927	
„	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	„	1953	
„	मा.	3,1	26 × 11 व 25 × 12	„ 36 गाथा	18वी	
„	प्रा.	1	25 × 12 × 20 × 56	„ 16 गाथा	18वी	
„	„	13*	26 × 13 × 16 × 30	„	1953	
दार्शनिक, उपदेश	मा.	2	25 × 11 × 14 × 42	„	20वी	
„ „	„	6	26 × 13 × 13 × 30	„ 95 गाथा	19वी	
उपदेश	प्रा.	1	25 × 11 × 11 × 36	„ 16 „	17वी	
तान्त्रिक	प्र	गुटरा	15 × 12 × 17 × 24	„ 62 „	17वी	
रिलिजिअस „	प्रा.न.	7	26 × 11 × 25 × 55	संपूर्ण 36 + 36 गाथा त्रयाग्र 600	18वी 1993	भगवती-सूत्रे 11/ 10
चक्र (औपदेशिक)	प्रा.	18	26 × 11 × 12 × 40	„ 496 गाथा	16वी	
„	„	23	26 × 12 × 19 × 64	„ 505 „	17वी	
हेमचन्द्र	प्रा.म.	34	26 × 11 × 18 × 64	„ 500 गा (वीन प्रथितार)	17वी	
„	प्रा.	9	26 × 11 × 19 × 60	„ 505 गाथा	17वी	
„	„	15	25 × 11 × 11 × 39	संपूर्ण 314 गाथा	17वी	
„	प्रा.म.	147	26 × 11 × 13 × 48	संपूर्ण 503 गा. 20 प्रथितार	18वी	
„	प्रा.	13	26 × 11 × 15 × 48	„ 505 गांठ गाथा 35 गा. मम	18वी	
„	प्रा.मा.	141	29 × 11 × 13 × 43	संपूर्ण 364 गाथा 11	19वी	
„	प्रा.	18	25 × 11 × 15 × 35	संपूर्ण 405 गाथा	19वी	
म हेमचन्द्र	प्र	6	27 × 11 × 17 × 68	„ 503 गाथा वी	16वी	
प्रज्ञात	„	105	26 × 11 × 14 × 54	सिद्ध संपूर्ण 228 5 मम मम	18वी-19वी, 20वी	
साधु कोकिल	प्रा.	27*	27 × 11 × 13 × 35	संपूर्ण 12 व 52 (प्रा. मम	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
713	क नाथ 18/21	पैवीस बाल का थकड़ा	Paotisa Bolakā Thokaḍā	—	गद्य शतिका
714	महावीर 2/32	पौषधकुलकादि	Pausadha Kulakādi	—	मू ट
715	बुधुनाथ 37/2	पौषध प्रत्याख्यानफल	Pausadha Pratyākhyāna Phala	—	मू ट (प ग)
716	, 42/18	प्रतिबाध गाथा	Pratibodha Gāthā	—	मू (प)
717	कालढी 882	प्रत्याख्यान-कुलक	Pratyākhyāna Kulaka	द्वन्द्वमूर्ति	"
718	बुधुनाथ 10/181	प्रत्याख्यान चतुस्सप्ततिका	Pratyākhyāna Catu- ssaptatikā	चन्द्रो (पारमचन्द बा शिष्य)	प
719	के नाथ 6/109	प्रवचनसार - वृत्ति	Pravacana Sāra + Vṛtti	बुद्धकुन्दाचाय	मू ट
720	, 23/50	प्रवचनसार की वृत्ति		—	ग
721	, 9/4	प्रवचन मार्गद्वार	Pravacana Sāroddhāra	नमिचन्द्रमूर्ति	मू (प)
722	23/44	,	"	,	"
723	मुनिमुद्रत 2/250	,	,	"	"
724	क नाथ 14/136	,	,	,	मू ट (प ग)
725	बुधुनाथ 53/2	,	,	,	"
726	श्रीमिया 2/296	"	"	"	"
727	क नाथ 15/18	,	,	,	मू (प)
728	, 10/5	, + वृत्ति		नमिचन्द्र/—	मू ट (प ग)
729	13/42	प्रवचन मार्गद्वार विषय पदाय प्रवचन	Viśama Padārtha Avabodha	उदयप्रभमूर्ति	ग
730	15/157	प्रवचनकुलक	Pravrajyā Kulaka	—	मू (प)
731	कालढी 387	,		—	,
732	महावीर 2/17	प्रवचनविधानकुलक	Vidhāna Kulaka	—	"
733	क नाथ 6/122	"	,	—	"
734	कालढी गु 10/5	प्रास्ताविक श्लोक संग्रह	Prāstāvika Śloka Sangraha	सकलन	प
735	बुधुनाथ 10/158	"		"	प
736	महावीर 2/392 3	" दा प्रतिया	, 2 Copies	,	प

6	7	8	8 A	9	10	11
मैत्रान्तिक सन्ध्या परक मार	मा	6	25 × 12 × 9 × 27	सपूर्णा	19वीं	सामान्य प्रकरण
श्रौपदेशिकादि	प्रा मा	36	25 × 11 × 9 × 43	श्रुतक	18वीं	
"	"	4	25 × 12 × 4 × 30	सपूर्णा 12 + 7 = 19 गा	19वीं	(चत्वारि प्रष्टु दमदो स्ववन माय मे)
सन्ध्यादि	प्रा.	1	27 × 10 × 13 × 40	अपूर्णा 26 गा ही	19वीं	
"	"	2 ^२	26 × 11 × 18 × 50	7 + 15 = 22 गाथा	1573 ?	
प्रत्यन्त्यान स्वहृपादि	मा	5	25 × 11 × 14 × 45	सपूर्णा 74 गाथा	17वीं	
श्रौपदेशिक मिद्धान	प्रा.मा.	12	25 × 11 × 15 × 44	अपूर्णा; 27वीं गाथा तक ही	19वीं	
"	म.	165	26 × 12 × 11 × 37	सपूर्णा 311 गाथा की	1546	
शान्ध-माराज	प्रा.	82	26 × 11 × 11 × 45	„ 1616 गा (प्र. 2050)	1555	
"	"	69	26 × 11 × 13 × 44	„ 1542 गा.	16वीं	
"	"	78	26 × 11 × 12 × 41	„ 1614 गा.	1640	
"	प्रा मा	124	26 × 11 × 7 × 38	„ 1580 गा. (प्र. 5000)	1693	
"	"	128	27 × 11 × 6 × 44	„ 1613 गा (प्र 8000)	1710	
"	"	133	26 × 12 × 6 × 36	„ 1631 गा (प्र 6500)	18वीं	
"	प्रा.	84	25 × 10 × 11 × 35	„ 1618 गा (प्र 2100)	19वीं	
"	प्रा म.	466	27 × 12 × 16 × 30	अपूर्णा, 271 गा तक	19वीं	13 मे 47 वीं तक पर्यं
अद्विज अक्षर्यं	म	43	26 × 11 × 19 × 68	सपूर्णा प्र. 3203	1515	
श्रौपदेशिक	प्रा	10 ^२	29 × 11 × 17 × 50	„	17वीं	
"	"	13 ^४	24 × 12 × 12 × 42	„	19वीं	
मेजा निदान	"	2	24 × 10 × 13 × 42	„ 34 गाथा	1758 विनाश	
"	"	6	26 × 11 × 13 × 40	„	19वीं	माय मे श्रौपदेशिक गाथाये
श्रौपदेशिक सुभाषित	मा.	श्रुतक	19 × 13 × 13 × 23	अपूर्णा	1886	
"	म.	1	14 × 11 × 14 × 32	„ 13 श्लोक	112	
"	प्रा म म	25	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्णा 24 116 श्लोक	20वा	

1	2	3	3 A	4	5
738 9	के नाथ 14/51, 6/59	प्रस्ताविक श्लोक संग्रह दो प्रति	Prastāvika Śloka Saṅgraha	मरलन	प
740	„ 11/35	„ „ प्रथम सह	„	„	प ग
741	फोलडी गु 4/12	प्रश्नोत्तर-रत्नमाला	Prasnottara Ratnamālā	विमलमूर्ति	प
742	सेवामंदिर 2/365	„	„	„	पद्य
743	कुशुनाथ 18/8	„	„	„	मू ट (प ग)
744	क नाथ 6/68	„ - वृत्ति	„	विमलमूर्ति/दिवेन्द्र	मू + वृ (प ग)
745	„ 20/4	प्रश्नोत्तर रत्नमाला	„	विमलमूर्ति	मू + ट (प ग)
746	कुशुनाथ 10/130	„	„	„	मू (प)
747	के नाथ 15/155	„	„	„	मू ट (प ग)
748	कोलडी 802	प्रश्नोत्तर रत्नमाला का विवरण	lā Vivaraṇa	„/श्व टमूर्ति	ग कथासह
749	के नाथ 19/47	बनारसी विलास	Banarasi Vilāsa	बनारसीदास	प ग
750	„ 23/64	„	„	„	„
751	„ 18/52	बारहभावना	Bāraha Bāvanā	प्रणात	मू (प)
752	सेवामंदिर गुटका 8द	„	„	जयमाम गणेश	प
753	क नाथ 14/100	„	„	„	„
754	महावीर 2/288	„	„	„	„
755	मुनिमुद्रत 2/273	„	„	„	„
756	क नाथ 15/61 19/73	„ दो प्रतिया	„	„	„
758	कावडी 1235	„	„	—	„
759	क नाथ 15/28	बारहभावना-गीत	„ Gita	पदमराज	„
760	श्रीमिया 2/243	बारहव्रत चौपई	Bāraha Vrata Caupai	प्रणात	„
761	के नाथ 23/55	बारहव्रत सज्जभाय	Bāraha Vrata Sajjhāya	तदमोहचिसार	„
762	17/3	„	„	उद्यातसागर गणेश	„
763	9/33	„	„	वाचक दयासागर	„
764	रोलडी गुटका 2/6	बालचंद रत्तीसी	Bālacanda Battisi	बालचंद	„

6	7	8	8 A	9	10	11
संज्ञात्मिक विवेचन	मा.	18	26 × 12 × 13 × 52	सपूर्णा (पहिला पन्ना कम हे)	17वी	
श्रौचदेशिक	„	गुटका	20 × 16 × 14 × 26	„ 58 पद	19वी	
„ माधु प्राचार	„	7	25 × 13 × 15 × 45	„ 22 टालें	1927	
श्रौचदेशिक	„	3	25 × 12 × 13 × 50	„ 22 + 15 छद	19वी	
तात्त्विक	„	4	27 × 11 × —	„	19वी	62 द्वारों में जीव विभक्तिया
„	„	4,9,2,4	26से 28 × 11से 13	„	19/20वी	„
„	„	1	नवा रॉल 31 से. चौडा	„	1958	„
„	„	15	28 × 13 × —	„ भिन्न 2	16/20वी	
„	„	7	26 × 12 × 14 × 42	„ 112 गावा	19वी	
श्रौचदेशिक	„	2	25 × 11 × 14 × 33	„ 17 गावा	19वी	
„	„	1	43 × 15 × 24 × 40	„	1931	
„	„	4	25 × 11 × 11 × 33	„ 64 गावा	1759 राजनगर, मेरुचद	
गुणउपदेश	„	3	25 × 11 × 15 × 38	„ 60 ,	19वी	
तात्त्विक सत्या पर सार	„	6,15	26 + 13 × 17/51 × 43	प्रतिपूर्णा	19/20वी	विषय अनु भिन्न 2 प्रकार में
„	„	17,11	25 - 12 - 12 × 26/40	पहिली पूर्णा, द्वितीय अपूर्णा	19/20वी	„
„	„	6,5,19 23	22से 26 × 11से 17	प्रतिपूर्णा	19/20वी	„
„	„	68	28 × 13 × —	„	16 से 19 में	
„	„	6	25 × 11 × —	„	18 में	
„	„	3	27 × 13 × —	„	19 में	
श्रौचदेशिक	„	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	सपूर्णा 39 + 29 वा	17 में	
„	„	3	23 × 13 × 15 × 32	सपूर्णा 10 में	18 में	
„	„	2	26 × 11 × 11 × 32	„ 19 वा	19 में	
„	„	3,4	24 × 11 × 26 × 11	„ 10 अनुसूचित, 4 में	19 में	
„	„	2	26 × 11 × 15 × 45	„ 97 वा	1823	
„	„	3-4,4,11	23 से 28 × 11 से 13	„ „ 11 वा	19 में	पहिली पूर्णा पर 10 अनुसूचित

1	2	3	3 A	4	5
801	कुशुनाथ 36/1 रू 22	ब्रह्मचय-रक्षावृत्ति	Brahmacarya Rakṣā Vṛtti	पद्यनदि	प
802	महावीर 2/405	ब्रह्मभावनी	Brahma Bāvanī	मुनि हृष्यचद (ब्रह्म)	"
803	नवामदिर 2/421	"	"	"	"
804-5	कोलडी 965,1223	भले का अर्थ 2 प्रतिपा	Bhale kā Artha	—	ग
806	के नाथ 5/89	भवभावना	Bhavabhāvanā	म हृष्यचद	मू (प)
807	, 17/48	"	"	"	"
808 9	, 141,6/24	, 2 प्रतिपा	"	"	"
810	कुशुनाथ 52/20	"	"	"	"
811	क नाथ 1/9B	भवभावना की कथायें	11 Kathāyen	,	मू अ कथा
812	मुनिमुद्रत 2/315	भववराय्य शतक	Bhavavarāgya Sataka	अनात	मू (प)
813	2/316	"	"	"	मू ट (प ग)
814	कुशुनाथ 52/5	,	,	,	मू (प)
815	क नाथ 5/101	"	"	"	मू ट (प ग)
816	10/14	"	"	"	,
817	कोलडी 816	"	"	"	"
818	शोसिया 2/217	"	"	"	"
819	के नाथ 521, 16/27	" 2 प्रतिपा	"	"	"
820	कुशुनाथ 47/5	"	"	"	"
822-23	का लडी 686 817	" 2 प्रतिपा	"	"	"
824	महावीर 2/381	+ वृत्ति	"	अनात/गुणविनय	मू ट (प ग)
825	शोमिया 2/416	भाव्याभव्य कुलक	Bhavyābhavya kulaka	—	मू (प)
826	2/416	भावकुलक	Bhāva kulaka	—	"
827	क नाथ 11/70	भावत्रिभंगी	Bhava tribhāngī	अनात = /	मू ट (प ग)
828	मुनिमुद्रत 3 इ 323	भावनाकुलक	Bhāvanā kulaka	—	,
829	शोमिया 3 इ 204	भावना वासठियो	Bhāvanā Bāsathiyō	—	यन वातिका

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक मुभाषित	स.	19,8	18 × 8 व 26 × 11	अपूर्ण (द्वितीय में 196 श्लोक)	18/19वीं	
"	"	10	25 × 10 × 20 × 46	प्रतिपूर्ण	19वीं	अथ का प्रथं मस्कृत गद्य में
तात्त्विक	"	गुटका 4	15 × 7 × 10 × 23	अपूर्ण	1499	
औपदेशिक हादि प्रश्नोत्तर	,	2	26 × 11 × 19 × 62	संपूर्ण 29 श्लोक	16वीं	अन में अशुभय स्तवन संस्कृत 10 श्लोक
"	स.मा.	3	27 × 11 × 6 × 42	" "	16वीं	
"	स.	31	25 × 11 × 18 × 56	"	1702	गीर्ण
"	सं.मा.	3	26 × 11 × 15 × 40	" 29 श्लोक	19वीं	
"	स	1	25 × 12 × 15 × 40	" 27 "	19वीं	
"	स मा.	2	26 × 11 × 7 × 40	" 29 "	19वीं	
"	म.	121	28 × 11 × 17 × 68	" 64 प्रश्न 83 उत्तर प्र. 7560	1492	वृत्ति कल्पनतिहा नाम्नी/प्रशस्ति के कवि की 31 प्रश्न लघु र्थायें
विशिष	हि	63	25 × 12 × 15 × 53	संपूर्ण	1826	
"	"	11	25 × 11 × 16 × 41	अपूर्ण	19वीं	"
देराय-चित्तन	प्रा.	3	27 × 12 × 17 × 59	"	19वीं	
"	मा	10	11 × 9 × 11 × 16	संपूर्ण 72 गा.	1676	
"	"	3	26 × 11 × 14 × 44	" 74 गा.	1698	
"	"	8*	23 × 11 × 12 × 31	" 72 गा	18 वीं	भाव में दानगीतना लघु भाषणपाद
"	"	4	26 × 11 × 12 × 26	" 67 गा.	18 वीं	
"	"	4, 11*	25 × 11 × 12/13 × 38	" 72/73 गा.	19, 20 वीं	
"	"	4	25 × 11 × 13 × 50	अपूर्ण 11 वीं भाषा नर	19 वीं	
"	"	2	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 12 गा ग	19 वीं	
भाषाभाष	"	46*	25 × 12 × 11 × 34	" 12 गाँ	19 वीं	1534 में 21 वीं गुर्जा म
"	"	8*	26 × 10 × 13 × 31	" 32 गा.	19 वीं	
"	"	37	31 × 16 × 11 × 37	अपूर्ण भाषण 21 गा	19 वीं	
"	"	5	26 × 12 × 15 × 45	अपूर्ण 153 गा	19 वीं	
परीक्षित	"	गुटका	15 × 12 × 11 × 29	" 29 गाँ	1903	

1	2	3	3 A	4	5
765	कोलही 1116	बानाविबोध वार्ता	Bālavibodha Vārtā	—	ग
766	कुचुनाथ 39/4	बावनी	Bāvani	दयानागर	प
767	क नाथ 20/23	बावीम-परिपह डान	Bāvīsa Parisaha Dhala	रायचंद	,
768	कालही 911	, + बारह बावना	, + Barahabbāvanā	—	"
769	, 110	बासठमागणा यत्र	Bā aṭha Mārganā Yantra	—	गण तानिवा
770	महावीर 2,88,	, 4 प्रतिपा	"	भिन्न भिन्न	
73	90 स 92				
774	2 432		,	—	"
775	, 2/403	आदि पत्रे		—	"
776	" 2,89	बासठमागणा यत्र रचना स्तवन	Bāsṭha Mārganā Yantra Racanā Stavana	नागार (रा गगि का मिष्य)	पद्य
777	क नाथ 18/84	बुद्धप की सभाय	Buḍhapa ki Sabhāya	—	"
778	कुचुनाथ 52/10	,	"	—	
779	श्रीसिया 2/306	बुद्धरास	Buddha Rāsa	घनात	,
780	कालही 247	बुद्धराम	Buddhi Rāsa	—	,
781 2	श्रीमिया 2/215	गोत्रविचार दा प्रतिपा	Bola Vicāra	भिन्न भिन्न	ग
84					
783 4	क नाथ 26/78	, दा प्रतिपा			"
	15/120				
785 8	कालही 449 111	चार प्रतिपा			"
	1239 946				
789	मवामदिर 2/378	बान-संग्रह	Bola Sangraha	मकनन	ग तानिवा
790	मुनिमुवत 2/336		,		"
791	कालही 451	"	,		,
792	मेवामदिर गुटका 3-ति	ब्रह्मचर्यकुलक व शीतदीपक	Brahmacaryakulaka + Śīta dīpaka	पाश्वचंद	प
793	, 3 इ 345	ब्रह्मचर्य नव वाड	Brahmacarya Navavāda	उदयरत्न	,
494	के नाथ 6/42	,	"	पुष्यनागर	,
795 6	29/47	, 2 प्रतिपा	,	धमहम कवि	"
	14 128				
797	कालही 288	"		निन्हय	,
798-	क नाथ 18/95				
800	9/21 14/87	" 3 प्रतिपा	"	"	,

6	7	8	8 A	9	10	11
शीघ्रदेशिक	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 22 श्लोक	1544	
„+अध्यात्म	मा.	21*	25 × 13 × 13 × 35	„ 52 सर्वे	1876	
„	„	4	26 × 13 × 12 × 32	शुद्धक	19वी	
„ सामान्य	„	6,4	25 × 12 व 24 × 11	संपूर्ण	19वी	
चारहभावना (वैराग्य)	प्रा.	14	26 × 11 × 15 × 52	„ 53 गा; ग्रं. 664	17वी	प्रत मे जिनवल्लभका प्राकृत स्तवन 12 गा.
„	„	24	27 × 11 × 11 × 40	„ 528 गा.	17वी	
„	„	28,23	26 × 11 व 27 × 11	„ 531/32 गा.	19वी	
„	„	16	27 × 11 × 15 × 45	„ 531 गा.	19वी	
जीवन चरित्र व कथानक	प्रा.स.	28	26 × 11 × 15 × 58	„ 65 कथायें	13/14वी	
शीघ्रदेशिक (वैराग्य)	प्रा.	5	25 × 11 × 11 × 39	संपूर्ण 104 गाथा	16वी	
„	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 9 × 43	„ „ „	17वी	
„	प्रा.	4	26 × 12 × 13 × 40	„ 101 (लगभग)	17वी	
„	प्रा.मा.	17	25 × 11 × 4 × 31	„ 104 „	1705	
„	„	14	27 × 12 × 5 × 30	„ 105 „	1840	
„	„	12	31 × 12 × 6 × 32	„ 104	1848	
„	„	8	24 × 11 × 7 × 52	„ 104	19वी	
„	„	13,6	26 × 11 × 5/4 × 30	प्रथम संपूर्ण 104, द्वितीय 33 श्लो	19वी	
„	„	9	26 × 11 × 6 × 34	संपूर्ण बीच में 2 पत्रे लग	19 वी	
„	„	8,29	26 × 10 व 27 × 11	संपूर्ण 104 गाथा	20वी	
„	प्रा.मा.	19	26 × 13 × 19 × 48	„ 104 की घ. 995	1944	
संज्ञानिक साहित्य	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	संपूर्ण	1953	
जीव शक्ति	„	13*	26 × 13 × 16 × 30	„	1953	
प्रा.स.संज्ञान साहित्य	प्रा.मा.	13	27 × 13 × 7 × 25	प्रथम 14 व 105 (घ 1) गा	17 वी	
साहित्यिक	„	1	25 × 11 × 11 × 46	संपूर्ण 22 गाथा	19 वी	
जीव शक्ति साहित्य	प्रा.	4	26 × 13 × 12 × 32	संपूर्ण	20 वी	

1	2	3	3 A	4	5
830- 32	कोलडी 843-44 1344	भावनाविलास 3 प्रतिया	Bhāvanā Vilāsa	राजकवि	प
833	कुचुनाथ 43/13	भावनासंधि	Bhāvanā Sandhi	त्रयदेव मुखि	मू प
834	महावीर 2/54	भावप्रकरण	Bhāva Prakarana	विजयविमल (प्रान्द- विमल वा लिप्य)	मू प्र (प ग)
835	श्रीसिया 2/212	"	"	"	मू ट (प ग)
836	" 2,237	"	"	"	"
837	कोलडी 1080	भावसंग्रह	Bhāva Sangraha	ग्रनात	मू (प)
838	कुचुनाथ 45/4	भ्रमरवत्तीसो	Bhramara battisi	कणवदास मुनि	प
839	श्रीसिया 3 इ 171	मणिचंद्र-स्वाध्याय	Manicandra Svādhyāya	मणिचंद्र	,
840	के नाथ 15/132	महादण्डक	Mahādandaka	---	ग
841	महावीर 2/75	महादण्डक ग्रन्थ उद्धृत स्तवन	Mahādandaka Alpabahutva Stavana	ग्रन्थदेव	मू प्र (प ग)
842	मुनिमुवत 2/276	"	"	"	" (प)
843	श्रीसिया 2/243	"	"	—	प
844	2/307	माईशास्त्र	Māi Śāstra	सबलन	"
845	के नाथ 26/103 गु	मानपंचमीसी	Māna Pañcisi	—	,
846	कोलडी 450	मागणाद्वार	Mārganādvāra	—	ग तालिका
847	के नाथ 29/46	माती कपासिया मवाद	Moti Kapāsiyā Samvāda	मुनि श्रीसार	प
848	सवामलि 2/366	यति-प्राराधना	Yati Ārādhanā	समयमुदर	ग
849	महावीर 2/31	"	"	"	,
850	कुचुनाथ 36/1 क 2 27	यति भावना + सम्पत्कव्य ग्रन्थ	Yati Bhāvanā + Sampatkva Astaka	—	पद्य
851	के नाथ 29/52	युगल उत्पत्ति विचार स्तवन	Yugala Utatti Vcāra Stavana	देव दसागर	,
852	26,103 गु	याग द्वादश शक्ति सञ्ज्ञाय	Yoga Ātha Dvādaśajjhāya	उ यशोविजय	"
853	श्रीसिया 2,153	"	"	"	,
854	महावीर 2/45	यागशक्ति समुच्चय	Yoga Dvādaśa Samuccaya	हरिभद्र/यशोविजय ?	मू वृ (प ग)
855	2/9	यागशास्त्र + वृत्ति	Yoga Śāstra + Vṛtti	हमचद्राचार्य (स्वापन)	" "
856	" 2/116	"	"	" "	,

6	7	8	8 A	9	10	11
चारहृभावना (चंराग्य)	मा.	4,4,3*	26से29 × 11 × भिन्न	संपूर्ण 52 छंद	20वी	
भावना औपदेशिक	प्रा.	1	26 × 11 × 15 × 75	प्रपूर्ण 34 से 62 (अत) गा.	19वी	
प्रारम्भ भाव विरलेपण	प्रा.स.	4	25 × 11 × 18 × 50	संपूर्ण 30 गा	1742 कटारिया,	
"	प्रा.मा	5	23 × 12 × 5 × 37	" "	1826 × गुभ-	
"	"	6	24 × 11 × 4 × 33	" "	मुनि	
"	स.	20	25 × 10 × 11 × 40	अपूर्ण 507 श्लोक तक	19वी	
औपदेशिक	मा.	गुटका	17 × 14 × 11 × 18	संपूर्ण 47 गा.	1828	
भक्ति स्वाध्याय	"	7	27 × 11 × 14 × 36	" 21 डालें	1861	
तार्किक	"	34	26 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण	19वी	भिन्न भिन्न 30 द्वारों
"	प्रा स.	7*	25 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण 20 गाया	18वी	से जीव-विभक्ति
"	"	5	26 × 12 × 19 × 43	" 20 गा अचूरि 98 गा	19वी, पाटण,	
"	मा	19*	25 × 12 × 12 × 35	"	19वी	
धार्मिक श्लोक सग्रह	स मा.	6	25 × 11 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण 148 श्लोक	17वी	
ग्रहंसार पर	मा.	1	25 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण 25 गा.	18वी	
तार्किक बोल	"	5	30 × 12 × —	संपूर्ण	18वी	भिन्न भिन्न 161 द्वारों
औपदेशिक	"	4	23 × 11 × 14 × 44	"	18वी	से जीव-विभक्ति
प्रापत्रिपत्त मायु प्रानार	"	15	24 × 11 × 11 × 35	" अं. 360	19 वी	
"	"	17	25 × 14 × 12 × 32	" अ. 351	1933	
औपदेशिक दार्शनिक	म.	गुटका	23 × 20 × 21 × 35	" (8+9 श्लोक) 2 प्रष्टन	1544	
शैल्यन्त	मा	5	26 × 11 × 11 × 33	" 4 डालें	19 वी	
अनयोऽन्वय	"	3	25 × 12 × 20 × 56	अपूर्ण 34 डालें	19 वी	
"	"	19*	25 × 12 × 12 × 35	34 गा. 37 वी	20 वी	
"	म.	35	23 × 12 × 14 × 46	अपूर्ण 225 श्लोक से व 117:	19 वी	
अनयोऽन्वय	"	402	27 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण 12 गाया	1465 अपूर्ण अपूर्ण	
"	"	282	26 × 12 × 14 × 55	"	1940 अपूर्ण, अपूर्ण 44 वी वी	

1	2	3	3 A	4	5
857	के नाथ 29/100	योगशास्त्र	Yoga Śāstra	हमचद्राचाय	मू (प)
858	„ 10/56	„	„	„	„
859	„ 22/63	„	„	„	„
860	कोलडी 1184C	„	„	„	„
861	क नाथ 4/23	„ +वाला	„ +Bālā	हेमचद्राचाय/सोमसुंदर	मू वा (प व)
862	„ 14/44	योगशास्त्र	„	हेमचद्राचार्य	मू (प)
863	„ 14/5	„	„	„	„
864	सवामंदिर 2/369	„ +वाला	„ +Bālā	„/मिरुसुंदर	मू वा (प व)
865	मुनिसुव्रत 2/334	योगशास्त्र	„	हमचद्राचाय	मू (प)
866 7	क नाथ 15/33-62	„ 2 प्रतिया	„ 2 copies	„	„
868	कुमुनाथ 15/12	„ 2 प्रतिया	„ 2 copies	„	„
69	43/3				
870	महावीर 2/8	योगशास्त्र की अवचुरि	Yogasāstra ki Avacūri	—	ग
871	के नाथ 14/6	योगशास्त्र की वृत्ति	„ „ Vrtti	हमचद्राचाय स्वोपन	„
872	„ 5/44	योगसार	Yogasāra	प्रज्ञात	मू (प)
873	„ 2/23	रत्नरोग ?	Ratnakośa	—	ग तालिका
874	26/85 गुटका	रत्नत्रय विधि	Ratnatraya vidhi	—	प
875	महावीर 2/80	रत्न-सचय	Ratna Sañcaya	सकलन	मू ट (प व)
876	कुमुनाथ 20/12	रत्नाकर-पंचवीसो	Ratnākara Pañcasi	रत्नाकर	प
877	के नाथ गु 26/91	रात्रि भोजन चौपई (अंतिम)	Ratni Bhojana Caupai (Antim)	—	„
878	26/43	रात्रि भोजन सज्जाय	Ratni Bhojana Sajjhāya	हसमुनि	„
879	सवामंदिर 2/431	रचितरुचिदंडक स्तुति + वृत्ति	Rucitarucidaṇḍaka Stuti + Vrtti	जिनश्वरमूरि/पद्मराज	मू ट (प व)
	रावीर 6 प्रा 34	लघु ब्रह्मीतिशास्त्र	Laghu Arhanniti Śāstra	हमचद्राचाय	मू (प)
1-2	क नाथ 21/69	लघुदण्डक 2 प्रतिया	Laghudaṇḍaka 2 Copies	—	ग
	21/36				
883	प्रासिया 2/142	लघुदण्डक	„	—	„
884	महावीर 2/405	लघु ब्रह्मावानी	Laghu Brahma Bāvani	ब्रह्मरूप सवगी	प

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन योग (गृहस्थ भी)	सं.	54	34 × 16 × 8 × 70	संपूर्ण 12 प्रकाश	19वी	
" "	"	10	27 × 10 × 16 × 50	अपूर्ण 4 प्रकाश तक	1459	
" "	"	23	26 × 10 × 8 × 46	"	16वी	
" "	"	3	25 × 12 × 11 × 32	अपूर्ण प्रथम प्रकाश 56 श्लो.	1694	
" "	सं.मा.	91	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण दूसरे 41 से अत तक	17वी	
" "	सं.	13	27 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण चार प्रकाश	17वी	
" "	"	36	24 × 11 × 9 × 32	., पाच से 12 (अंत) प्रकाश	1845	
" "	स मा.	5	27 × 13 × 19 × 66	केवल पाचवा प्रकाश	19वी	
" "	सं.	2	24 × 11 × 11 × 39	., पहिले 55 श्लोक मात्र	19वी	
" "	"	4,3	24 × 11 × 11 / 12 × 30	., पहिला प्रकाश मात्र	19वी	
" "	"	5,4	27 × 11 व 26 × 11	बिल्कुल अपूर्ण	19वी	
" "	"	15	27 × 11 × 22 × 73	चार प्रकाश तक 462 श्लोक	1499	
" "	"	196	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण द्वितीय प्रकाश तक	19वी	
" "	प्रा.	10	23 × 11 × 10 × 23	संपूर्ण 108 नावा.	19वी	
तात्त्विक बौद्ध	न.	11	25 × 11 × 13 × 32	संपूर्ण	1652	भिन्न भिन्न 100 द्वारा से जीपकिमक्ति
वारिक भक्ति	"	32	12 × 11 × 9 × 13	अपूर्ण	19वी	10 पत्रों सहित है
धार्मिक श्लोक संग्रह	प्रा.मा	49	26 × 12 × 6 × 36	प्रतिपूर्ण 545 ना.	1825, भाग 4 व 5, पुनः	
धोवर्णिका	न.	3	25 × 11 × 9 × 30	संपूर्ण 25 श्लोक	19वी	
"	मा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	अपूर्ण	18वी	
"	"	2	25 × 12 × 12 × 41	संपूर्ण 29 नावा	19वी	
साहित्य, भक्ति	न	2	25 × 10 × 21 × 53	., चार श्लोक	1644	
जैन विज्ञान	"	81	26 × 12 × 9 × 30	..	18वी	
24 वरुण विचार मुनि	सा.	11, 13	26 × 12 × 21 × 12	संपूर्ण	19, 20 वी	
जीवविज्ञान विचार	"	12	26 × 12 × 16 × 33	नवी मनुष्य द्वारा 12 21 नावा	20 वी	
जीवविज्ञान	"	21*	26 × 11 × 13 × 36	संपूर्ण 14 श्लोक	1876	

1	2	3	3 A	4	5
885	महावीर 2/61	लोकतत्त्वनिर्णय	Lokatattva Nirṇaya	हरिभद्र	प
886	„ 2/36	लोकप्रकाश	Lokaprakāsa	विजयविजय	„
887	के नाथ 23/31	वनस्पति सप्ततिका	Vanaspati Saptatikā	मुनिचंद्रसूरि	मू (प)
888	„ 1/19	„	„	/—	मू घ (पप)
889	कुथुनाव 33/10	वन्दन पूजा बोल	Vandana Pujā Bolā	—	ग तानिका
890	„ 10/133	वरचरिया	Varacariyā	—	मू (प)
891	महावीर 2/10	वद्ध मान देशना	Vardhamāna Deśanā	शुभवद्ध न	पद्य
892	घोसिया 2/150	„	„	राजवीरि (रत्ननाम का शिष्य)	गद्य
893 4	कोलडी 1109 1158	„ 2 प्रतिपा	„ 2 copies	—	„
895	कुथुनाव 13/3	विचार-चौसठी	Vicāra Causaṭhī	नन्दसूरि	प
896	मवामदिर 3 इ 345	„	„	„	„
897	मुनिसुवन 2/260	विचार-ठारावली	Vicāra Thāṛāvālī	—	ग तानिका
898	महावीर 2/55	विचार पचाशिका	Vicāra Pañcāśikā	विजयविमल (स्वापन)	मू घ (पग)
899	कोलडी 1238	„	„	„	„
900	क नाथ 10/36	„	„	„	मू ट (पग)
901	14/103	विचार पचाशिका अथचूरी	Avacurī	„	ग
902	कोलडी 1238	विचार प्रकरण	Vicāra Prakaraṇa	महेश्वरसूरि	प
903	„ 805	विचार रत्नमार	Vicāra Ratnasāra	—	ग
904	घोसिया 2/160	विचार वार्ता	Vicāra Vārtā	—	„
905	क नाथ 13/45	विचार सत्तरी	Vicāra Sattarī	देवे द्रमुनि	मूल (प)
906	5/71	„ + अथचूरी	„ + Avacurī	/महू द्रप्रभसूरि	मू घ (पग)
907	कोलडी 1095	विचार सत्तरी	„	—	मू ट (पग)

6	7	8	8 A	9	10	11
तो हम्बरुप मान्यताये	स.	8	26 × 12 × 10 × 43	अपूर्ण 141 श्लोक	20वी	
तात्त्विक व भूगोल	„	423	30 × 15 × 17 × 44	सपूर्ण क्र. 17621	1953 मुंबई	नामों नहित
वनस्पति जीवविज्ञान	प्रा.	4	26 × 11 × 11 × 35	सपूर्ण 76 गा.	15वी	
„	प्रा स	5	26 × 11 × 9 × 35	„ 77 गा.	15वी	
चैत्यवदनादि मवधी	मा.	4	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19 वी	
जैन सैद्धान्तिक	प्रा.	27 ^f	27 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण 537 गा.	16वी	
ग्रोपदेशिक	„	157	26 × 11 × 13 × 46	„ 10 उल्लास ग्रं 5535	17वी	प्रशस्तित है
„ कथा सह	स.	74	27 × 11 × 18 × 55	„ „ व 5000	19वी	
„	„	35,40	26 × 11 व 25 × 11	अपूर्ण	19वी	
श्रावकानार	मा.	3	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण 63 गा (त्रयात्र 93)	19वी	
„	,	4	26 × 12 × 11 × 40	„ 64 गा.	1947	
तात्त्विक 4 से 8 सख्या के बोल	„	20	22 × 16 × —	„ क्रं. 900	1611	
„ ग्रोपदेशिक	प्रा.स.	6	26 × 12 × 18 × 52	„ 51 गावा	18वी	
„ „	„	13 [*]	26 × 11 × 15 × 42	„ „	19वी	
„ „	प्रा मा	6	28 × 13 × 5 × 41	„ „	19वी	
„ „	स.	6	25 × 13 × 14 × 50	„ „	19 वी	
„ „	प्रा.	13 [*]	26 × 11 × 15 × 42	अपूर्ण 87 गा	19 वी	
„ धार्मिक विधि	मा.	45	31 × 12 × 17 × 45	अपूर्ण	1853 गी.स.के विनय-सं	
„ संस्कृत	„	12	29 × 11 × 15 × 71	„	16 वी	
„ विनय	प्रा	24 [*]	30 × 12 × 19 × 86	अपूर्ण 70 गावा	16 वी	
„ „	प्रा स	12	26 × 11 × 11 × 39	„ „ वी	16 वी	
„ „	प्रा.स.	12 [*]	26 × 11 × 6 × 41	„ 70 गावा	16 वी	

1	2	3	3 A	4	5
908	पुनिसुत्र 2/274	विचार-सग्रह	Vicāra Saṅgraha	सकलन	प 1
909	कोलही 74	,	"	"	ग
910	" 1330	"	"	"	प ग
911	" 808	"	"	"	"
912	" 946	"	"	"	मू ट
913	" 810	"	"	"	गद्य
914	" 1238	"	"	"	प ग
915	कुपुनाथ 10/163	,	"	"	"
916	महावीर 2/63	विचार सार	Vicāra Sāra	देवचंद्र	मू ट
917	घोमिया 2/171	"	"	"	"
918	महावीर 2/50	विचारसार रत्नाकर	Vicārasāra Ratnakara	सकलन	प ग
919	क नाथ 5/4	विचार-सारोद्धार (सिद्धांत)	Vicāra + Sāroddhāra (Siddhānta)	गजबुधाल द्वारा उद्धरित	ग ताविका
920	" गुट्टा 1	विचार-स्तवन	Vicāra Stavana	प्रानदनिधान	प
921	" 22/55	विचारामृतसार-सग्रह	Vicāramṛta Sāra Saṅgraha	कुलमण्डनमूरि	ग
922	29/20	विनय-पञ्चीमी	Vinaya Pañcisi	—	प
923	" 13/45	विवेक मञ्जरी	Vivekamanjari	प्रासङ्ग	मू (प)
924	कुपुनाथ 55/4	विवेक विलास + बाला	Viveka Vilāsa (Bālā)	जिनदत्तमूरि/—	मू वा (प ग)
925	के नाथ 22/58	विवेक-विलास		जिनदत्तमूरि	मू (प)
926	14/137	"	,	"	"
927	" 1/12	, + शशा	, + Bālā	/मोमचंद्र	मू वा (प ग)
28	कोलही 1094	विवेक विनास	,	कुशलजी	प
929	महावीर 2/11	विशति स्थानक विचारामृत सग्रह	Vimsati Sthānakavicā ḥ mṛta Saṅgraha	जनहृषण्णि	प ग
930	" 2/42	विशय-सग्रह	Viśeṣa Sangraha	नमसुन्दर	ग
931	कुपुनाथ 36/1 क 1	वृद्ध प्राराधनामार	Vṛddha Ārādhanaśāra	दवसन	मू (प)
92	कोलही 13+4	वदपचाशिका	Veda Pancaśikā	वनारसीदास	प

6	7	8	8 A	9	10	11
विशिष्ट धार्मिक विषय	प्रा.स	23	26 × 11 × 21 × 60	प्रतिपूर्णा	16वी	
"	मा	111	26 × 11 × 10 × 25	"	1766	
"	प्रा.सं मा	4	26 × 10 × 20 × 54	"	19वी	
"	,	9	31 × 11 × 20 × 60	"	19वीं	
"	प्रा.मा	15	26 × 11 × 6 × 48	"	19वी	प्रतिम 2 पन्ने शास्त्र
"	"	6	31 × 11 × 19 × 44	"	19वी	उद्धरण शास्त्रों के उद्धरण
"	प्रा.स.मा	56*	26 × 11 × 15 × 42	शुद्धक	19वी	
"	मा	13	27 × 12 × 16 × 50	सपूर्णा	19वी	
जैन दर्शन सारांश व कर्मसिद्धान्त	प्रा मा	78	25 × 12 × 3 × 28	सपूर्णा 304 गा.	18वी	
" "	"	56	28 × 13 × 4 × 32	" 207 गा.	1892 राधनपुर वल्लभविजय	
विशिष्ट धार्मिक विषय	प्रा सं.	150	26 × 11 × 15 × 50	प्रतिपूर्णा	17वी	
" बौद्ध	मा.	83	27 × 12 × 14 × 42	सपूर्णा	1733	
जीव प्रायु विचार	"	8*	22 × 19 × 22 × 32	" 46 गा	1814	
प्रौढदेशिक तादि	न.	59	26 × 11 × 17 × 51	" 25 ग्रन्थाय	1671	
प्रौढदेशिक	मा.	1	24 × 10 × 16 × 48	" 25 गा	19वी	
" सिद्धान्त	प्रा.	24*	30 × 12 × 19 × 86	" 144 गा.	16वी	
भौतिक धर्म	सं.मा.	117	25 × 11 × 14 × 34	" 12 उल्लान व. 4321	1698 श्री भक्ति, विभव	
"	म.	40	30 × 11 × 16 × 44	सपूर्णा 12 उल्लान	17वी	
"	"	42	26 × 11 × 15 × 33	" "	1745	
"	न.मा.	13	26 × 11 × 15 × 51	सपूर्णा 12 उल्लान व. 4321	19वी	
प्रौढदेशिक दर्शन	मा	4	25 × 12 × 16 × 32	सपूर्णा 52 गा.	18वी	
विशिष्ट विचार तथा व्याख्या	सं.	117	25 × 13 × 13 × 31	सपूर्णा व 2*00	1933 ई. 1502 वी भाग, मानव- वर्णन	
प्रा. व. धार्मिक विषय उद्धरण	प्रा.स.	30	26 × 13 × 13 × 31	" 140 विचार	1875 ई. 1502 वी भाग, वर्णन	
प्रौढदेशिक दर्शन व्याख्या	प्रा.	गुप्त-1	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्णा (7 व. 115 गा (ध. 1)	1811	
प्रा. धर्म विचार	सं.	3*	26 × 11 × 23 × 55	सपूर्णा 22 गा.	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
933	कोलडी 956	वराग्य-बावनी	Vairāgya bāvani	लालचद	प
934	कुयुनाथ 36/2	वराग्य मणिमाला	Vairāgya Maṇimālā	विद्यानद	"
935	के नाथ गु 28	व्यवहार निश्चय क्रियाकवित्त सग्रह	Vyavahāra Niscaya Kriyā Kavitta Sangraha	—	"
936	कोलडी 806	व्याख्यान-चर्चा	Vyākhyāna Carcā	—	म.
937	कुयुनाथ 36/1 क्र 16	व्रतसार-सग्रह	Vratasāra Sangraha	प्रभाचन्द्र	प
938	महावीर 2/291	शास्त्रवात्ता समुच्चय	Śāstravārttā Samuccaya	हरिभद्र/यगोविजय	मू वृ
939	के नाथ 26/92	शिष्यवत्तीसी	Śisya Battisi	जयचद	प
940	श्रीसिया 2/416	शीलकुलव	Śīla Kulaka	—	मू (प)
941	के नाथ 24/44	शीलकेवडे	Śīla Kekaḍe	ऋषि जयमल	प
942	सवामदिर 2/429	,	,	"	"
943	कुयुनाथ 54/1	शीलगीत	Śīla Gita	—	"
944	सवामदिर गु 3 रित	शीलवत्तीमो	Śīla battisi	—	,
945	के नाथ गुटका 1	"	"	राजसमुद्र	"
946	" 14/90	शीलरास (नम राजुन)	Śīla Rāsa (Nema Rājula)	विजयदेवसूरि	"
947	" 14/42	,	,	"	"
948- 49	कोलडी 244 270	2 प्रतिपा	2 copies	"	,
950-2	के नाथ 6/77 14 89 16/14	" 3 प्रतिपा	" 3	"	"
953	सवामदिर 4 घ 192	"	"	"	"
954	कोलडी गु 2/5	शीलरास	Śīla Rāsa	धर्मसिंह मुनि	,
955- 51	महावीर 385 से 87	शीलागरथ	Śīlāgaratha	सकलित	ग तालिका
958	कुयुनाथ 12/216	शीलोपदेशमाला बाला	Śilopadeśamālā + Bālā	जयकीर्ति/भिरुमुदर	मू वा (प ग)
959	" 18/6	शीलोपदेशमाला	,	जयकीर्ति (जयसिंहसूरि शिष्य)	मू (प)
960	के नाथ 3/28	, + वृत्ति	, + Vṛtti	,/—	मू वृ
961	13/28	शीलोपदेशमाला	"	जयकीर्ति	मू ट (प ग)
962	" 4/17	" + बाला	, + Bā ā	,/—	मू वा (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रीपदेशिक	मा.	2	25 × 11 × 15 × 42	संपूर्ण 52 पद	19वीं	
"	सं.	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	" 33 श्लोक	1794	
"	मा.	14	17 × 13 × 13 × 13	प्रतिपूर्ण	19वीं	
तान्त्रिक उपदेश	"	34	31 × 11 × 15 × 56	संपूर्ण	1876 × वनेचंद्र	
श्रीपदेशिक (तप)	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	" 33 श्लोक	1544	
संन्यास व ग्रन्थ	"	347	27 × 13 × 15 × 46	" 700 श्लोक की	20वीं	
वेदार्थ-गुण	मा.	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	" 33 गाथा	1767	
श्रीपदेशिक (ब्रह्मचर्य)	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	"	1953	
ब्रह्मचर्य-उपदेश	मा.	12 ^f	26 × 11 × 21 × 63	" 16 पद	19वीं	
"	"	4	25 × 11 × 13 × 30	" "	19वीं	
"	"	3	26 × 11 × 7 × 30	" 31 गा.	19वीं	
"	"	9	16 × 13 × 14 × 17	" 34 गा.	17वीं	
"	"	2	22 × 19 × 22 × 32	" 32 गा.	1814	
"	"	9	26 × 11 × 11 × 42	" 70 गा.	1611	
"	"	4	26 × 11 × 17 × 55	"	1795	
"	"	9,11	27 × 11 व 24 × 21	संपूर्ण 76/69 गा.	19वीं	
"	"	7,6,5	26 × 10 व 12 × विन्न	" 76,77,68 गा	19वीं	
"	"	5	25 × 11 × 13 × 48	संपूर्ण गा. 24 व 80	19 वीं	
" महेश्वर	"	गुटका	15 × 11 × 11 × 22	संपूर्ण 64 गा.	1823 × राम-सागर	
श्रीपदेशिक व सत्यनंद	प्रा.	2,2,11	26 × 11 व 12—	प्रतिपूर्ण (प्रतिपन्न प्रप्रित नकल)	19 वीं	व व विजयभुषा
श्रीपदेशिक व वासुदेव	प्रा.मा	147	26 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण 115 गा. वी व वासुदेव	16 वीं	
श्रीपदेशिक	मा.	5	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 115 गा.	1605	
"	मा.म	199	26 × 11 × 13 × 45	संपूर्ण व 6655 व वासुदेव	1659	श्रीपदेशिक व वासुदेव
"	प्रा.मा	18	26 × 11 × 5 × 25	" 114 गा	13वीं	नामकी
"	"	11	26 × 11 × 13 × 47	" 117 गा.	15 वीं	

1	2	3	3 A	4	5
963	के नाथ 4/16	शौलोपदेशमाला	Śīlopadesa Mālā	जयकीर्ति	मू (प)
964	„ 6/18, 19/	„ 3 प्रतिया	„ 3 copies	„	„
965a/b	125-29				
966	कुशुनाथ 53/5	,	,	„	„
967	„ 29/1	„ +वाला	„ +Bālā	„	मू वा (प)
968	मुनिसुवत 2/269	श्राद्धदिनकृत्य	Śrāddha Dinakṛtya	देवे द्रसूरि	मू (प)
969	के नाथ 17/43	„	„	„	„
970	कोलडी 803A	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	„-देवे द्रसूरि स्वोप	मू वृ (प)
971-3	के नाथ 6/9 71,	„ 3 प्रतिया	„ 3 copies	, /—	मू (प)
	15/23				
974	, 5/112	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	, /—	मू वृ (प)
975	, 14/57	श्राद्धदिनकृत्य का वालावबोध	„ kā Bālāva- bodha	, /—?	ग
976	कुशुनाथ 33/7	श्राद्ध वि (धि ?)	Śrāddha Vi ———	—	प
977	महावीर 3 अ 123	श्राद्धविधिप्रकरण +वृत्ति	Śrāddhavidhi Prakaraṇa +Vṛtti	रत्नशेखर/रत्नशेखर/ स्वापज्ञ	मू वृ
978	, 3 अ 36	„ + ,	„ + ,	, —/ „ „	मू वृ ट
979	3 अ 122	„ + „	„ + ,	, —/ „ „	मू वृ
980	क नाथ गु 26/91	श्रावकप्राराधना	Śrāvaka Ārādhana	अज्ञात	मू (प)
981	श्रीसिया 3 अ 43	„	,	„	ग
982	के नाथ 14/3	,	,	महिमानुदर	प
983	श्रीसिया 3 अ 44	,	„	अज्ञात	ग
984	के नाथ 21/1	„	„	समयानुदर	„
985	कुशुनाथ 25/3	„	„	„	„
986-7	कोलडी 378 380	, 2 प्रतिया	„ 2 copies	„	„
988	, 375	,	„	—	„
989	„ 381	,	„	देवे द्रगणि	ग
990	, 377	„	„	पाठक राजसोम	„
991	श्रीसिया 3 अ 45	„	,	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा.	6	26 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण 116 गा.	18वीं	(कही जयवल्लभ भी नाम है)
"	"	6,3,9	23से 25 × 11 × भिन्न	" 116/125/116 गा	19वीं	
"	"	5	26 × 11 × 12 × 40	" 116	19वीं	
"	प्रा.मा	14	26 × 11 × 11 × 44	अपूर्ण गाथा 10 से 116 अतः तत्र	19वीं	
श्रावकाचार	प्रा.	15	26 × 12 × 11 × 38	संपूर्ण 325 गा. (य 360)	15वीं	13वा पन्ना कम
"	"	24	25 × 10 × 9 × 31	" 342 गा.	16वीं	
"	स.	269	28 × 11 × 15 × 54	" 8 प्रस्ताव नं. 12820	1676 को वह- राई गई	17वीं गतावली की ही लगती है
"	प्रा.	16,12 14	26 × 11 × 13 × 35	" 344 गा.	19वीं	
"	प्रा स.	39	28 × 17 × 17 × 36	अपूर्ण 247 गा तक ही	20वीं	
"	मा	8	30 × 12 × 17 × 55	संपूर्ण	19वीं	
"	स.	25	26 × 12 × 15 × 56	शुद्धक	16वीं	
"	प्रा.म.	198	25 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण 6 प्रकाश नं. 6761	1658, वामा, लक्ष्मण	प्रसन्न है/युनि विधि की मुदी
"	प्रा म मा	382	26 × 11 × 7 × 43	" " "	1802, निवाला, विद्याविजय	द्वारा तारक विधि जय
"	प्रा म.	149	27 × 13 × 13 × 53	" " नं. 6760	1964 ओषपुर गो तीरिगन	
"	प्रा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	" 50 गाथा	18वीं	
"	स.	5	26 × 11 × 17 × 53	"	16वीं	मूल प्राणानुसार
"	"	6	26 × 11 × 13 × 44	" नं. 166	17वीं	
"	"	5	27 × 12 × 14 × 49	संपूर्ण	1846 उज्जैन यजमानंद	ती नंबर
"	"	8	25 × 11 × 11 × 35	"	19वीं	
"	"	9	23 × 11 × 9 × 34	अपूर्ण (पन्ने 3 से 11 अतः)	19वीं	
"	"	5,11	27 × 12 × भिन्न 2	संपूर्ण	19वीं	
"	"	5	26 × 13 × 13 × 42	"	1903	
"	मा.	4	27 × 12 × 16 × 42	"	1899	
"	"	9	24 × 10 × 12 × 35	"	1858 देव रवेर	मूल प्राणानुसार
"	"	7	24 × 11 × 15 × 36	"	1906, गु. 177 2197	

1	2	3	3 A	4	5
992	कावही 376	श्रावकप्रारम्भना	Śrāvaka Ār, dhanā	—	१
993	क नाय 15/31	श्रावकपुत्र-चौद	Śrā aka Guṇa Caupa	ममयगात्र जगन्नाथ	१४
994	कावही 1347	श्रावक नियमनामानि	S āvaka Nitya Karttvyaṅi	—	
995	कुटुम्बा 55/20	श्रावक-मनार समाप्ता	Ś ā aka Maroratham, ā	—	१
996	त्रासिवा 2/152	श्रावक-वक्तव्यता	Śiāvaka Vaktavyatā	—	सू (१)
997	क नाय 22/70	श्रावकव्रत	Śrāvaka Vrata	दासानद (सनसूरि का निष्प)	
998	त्रासिवा 3 ट 226	श्रावकव्रतना प्रकरण	Śrāvaka Vrata Bhanga	द्वन्द्वसूरि	,
999	महावीर 3 भा 38	, की प्रवृत्ति	ki Avacūri	—	१
1000	क नाय 9/28	श्रावकव्रतना १-22 अम य	—22 Abhaksya	—	सू प्र
1001	कावहा 855	श्रावकाचार	Śrāvaka ācāra	नाग शासक	१४
1002	कुटुम्बा 54/6	शृंगारवराजमुक्तावली	Śrṅgāra Varāgya Muktaāvāli	मानप्रदानाय	
1003	क नाय 19/22	षड्दास्यका-चौद	Ṣaḍāvasyaka Caupa	दानविषय	सू (१) ट(१)
1004	कावही 982	षट्दसना-समुच्चय	Ṣaḍdarsana Samuccaya	द्विन्द्वसूरि	सू प्र १(१)
1005	कुटुम्बा 36/1 क 28				सू प्र
1006	महावीर 2/289				
1007	कावही 1221	- टीका	— Tikā	द्विन्द्वसूरि पुण्यसूरि	सू प्र (१)
1008	महावीर 2/290	+	—	द्विन्द्व/—	,
1009	2/44	षट्दस्य का प्रश्न	Ṣaḍdravya ka Prasna	—	१
1010	2/35	षाड्दासक-वृत्ति	Ṣaḍdasaka—Vṛtti	द्विन्द्व/प्रश्नपदव	सू प्र (१)
1011	मममदि 3 ट 345	सचित्तचिन्मादिनादि	Sacittacitta Svādin āJi	श्रीगति मुनि	१
1012	कुटुम्बा 36/1 क 38	सज्जनचित्तवल्लभा	Sajjanacitta vallabha	मन्विषय	
1013	महावीर 2/394	2 प्रतिवा	, 2 cop es	,	
1015	प्रानया 2/308	—	— Bālā	मन्विषय/	सू वा (१)
1016	क नाय 9/5	सठ्ठरिसय (पट्टीगतक)	Sattharisaya	महागे पतनीचर	सू (१)
1017	11/73	..	,		

6	7	8	8 A	9	10	11
ब्राह्मणचार	ग्र.मा	4	26 × 10 × 15 × 50	सपूर्ण	19वी	
"	मा	3	26 × 11 × 13 × 36	" 46 गाथा	19वी	
"	म.	5	25 × 11 × 12 × 35	अपूर्ण 78 श्लोक	19वी	
"	मा.	3*	26 × 11 × 15 × 52	सपूर्ण 28 गाथा	17वी	
"	प्रा.	123 ^b	26 × 12 × 11 × 40	" 103 गा	16वी	
"	"	3*	26 × 12 × 11 × 35	" 12 गा.	18वी	
"	"	2*	26 × 11 × 19 × 56	" 40 गा	1505, गाढक- नगर, जयतीर	
"	स	2	26 × 11 × 25 × 66	" 40 गाथा की	18वी	
"	प्रा.स	10	26 × 11 × 16 × 60	" 41 + 7 गा.	16वी × निव- निधान	प्रत मे 25 गा. याता सम्यक्त्व स्व मन
मूह्य वार्त्तिककर्त्तव्य	अ	35	29 × 11 × 10 × 34	सपूर्ण	19वी	
औपदेशिक	स.	3	27 × 11 × 15 × 70	" 47 श्लोक	18वी	
ब्राह्मणत का मूह्य वार्त्तिक	मा	12	26 × 12 × 20 × 40	" 92 गा गा.	18वी	1730 की कुनि
"	म	4	34 × 13 × 10 × 43	" 87 श्लोक	1537	
"	"	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	" 87 "	1544	
"	"	3	26 × 11 × 13 × 46	" 87 "	18वी	
"	"	230	26 × 12 × 12 × 32	" 87 श्लोक की	19वी	वृत्ति-वर्ग मूह्य वार्त्तिक नाम्नी
"	"	90	29 × 14 × 17 × 46	" "	20वी	
ब्राह्मणत वार्त्तिक	मा	3	27 × 13 × 10 × 28	अनिपूर्ण	20वी	
वार्त्तिक	म	36	30 × 14 × 18 × 44	सपूर्ण 297 श्लोक की	1915 गा. मः गुटे प्रवर्त्ति	
वार्त्तिक वार्त्तिक	मा	2	26 × 12 × 14 × 34	सपूर्ण 18 गा	18वी	
वार्त्तिक वार्त्तिक	म.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	" 28 श्लोक	1544	
"	"	3 2	25 × 13, 12 × 13	" "	20वी	
"	न गा	7	27 × 14 × 13 × 35	" 28 श्लोक की	20वी	
वार्त्तिक वार्त्तिक	मा	8	26 × 11 × 12 × 36	" 18 गा. की	18वी	
"	"	2	26 × 11 × 11 × 34	" 115 गा. की	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
1018	सवामंदिर 2/425	सद्वृत्तिसय	Saṅgbarisaya	मठारी धनमीचद	पू (प)
1019	ग्रामिया 2/152	"	,	,	"
1020	क नाव 20/41	, + वाता	, + Bāḍā	मठारी धनमीचद/	पू वा (प)
1021	, 4/13, 6/37 5 10/59, 15/ 25 19/123	सद्वृत्तिसय (पाच प्रतिघा)	" 5 copies	"	पू (प)
1026	" 6/2	सद्वृत्तिसय + वृत्ति	, + Vṛtti	"	पू ट (प)
1027	, 23/32	" का बालावबाध	, kā Bālāvabodha	"	प
1028	5/77	सद्भावपितावली	Sadbhāsitāvalī	मवलमीत्ति	प
1029	ग्रामिया 2/240	"	,	मवलिन	,
1030	बालढी 1101	"		—	
1031	क नाव 17/24	समयमार प्रात्मख्यातिमह	Samayasāra + Ātmakhyāti	बुदबुद/प्रमृत उद्राचार	पू ट (प)
1032	महावीर 2/56	"	,	बुदबुद/	"
1033	बालढी 1228	, तात्पर्यवृत्तिसह	Samayasāra + Tātparyavṛtti	" /जिनसन	" (प)
1034	के नाव 15/99	समयमार की प्रात्मख्याति टीका	" kī Ātmakhyāti Tikā	प्रमृत उद्राचार्य	प
1035	कानढी 834	समयसार कलश	Samayasāra Kalasa	,	,
1036	ग्रामिया 2/166	समयमार-नाटक	Samayasāra Nāṭaka	बनारमीदान	,
1037	बुधुनाय 3/50	,		"	"
1038	बालढी गु 11/12	"	"	"	"
1039	, 846		,	,	"
1040	, गु 10/5		"	"	"
1041	845	"	,	"	,
1042	के नाव 14/72	"	"	"	"
1043	बुधुनाय 11/201	"	,	"	"
1044	सवामंदिर 2/358	"	"	,	"
1045	2/359	समयसार की समाप्ति	Samayasāra kī Samālocanā	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रोपदेशिक तात्त्विक	प्रा.	6	24 × 11 × 11 × 42	अपूर्ण 53 से 160 गावा ही	16वीं	
"	"	123*	26 × 12 × 11 × 40	अपूर्ण 161 गा.	16वीं	
"	प्रा.मा.	29	25 × 11 × 11 × 38	" " गा. का	19वीं	
"	प्रा.	27,5, 16,5, 18	25से28 × 10से12	" 161 गा/157 गा.	19/20वीं	
"	प्रा.स	45	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण 45 गा तक	19वीं	
"	मा.	20	27 × 11 × 17 × 51	संपूर्ण 160 गा.	17वीं	
प्रोपदेशिक सुभाषित	नं.	22	26 × 11 × 11 × 30	संपूर्ण 388 श्लोक	17वीं	
अनं भाषिक	"	28	30 × 15 × 12 × 32	" 495 "	18वीं	
"	"	5	26 × 11 × 16 × 49	अपूर्ण 123 श्लोक	19वीं	
प्राध्यात्मिकतात्त्विक	प्रा.स.	77	20 × 11 × 16 × 49	संपूर्ण	1703	
"	"	40	26 × 12 × 13 × 35	" 417 श्लोक	1714	
"	"	168	26 × 11 × 13 × 36	" 443 गावा	1761 जैननमो कान्	मशोधित
"	नं.	19	25 × 10 × 11 × 34	" 280 श्लोक	19वीं	
"	"	24	32 × 11 × 10 × 33	" 260 पद	19वीं	
"	हिन्दी	33	26 × 11 × 19 × 44	संपूर्ण	1713	
"	"	22	26 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण मुद्रक	1758	
"	"	मुद्रक	16 × 15 × 17 × 25	अपूर्ण	1773	प्रा मे 33 नंबर प्राध्यात्मिक
"	"	65	31 × 11 × 11 × 36	"	1815, न-मुद्रा प्रतिस्तरिचय	
"	"	मुद्रक	19 × 13 × 13 × 23	"	1884	
"	"	68	32 × 12 × 13 × 36	"	19वीं	
"	"	18	26 × 11 × 9 × 31	अपूर्ण (पक्षीर शर + 25 पद)	19वीं	
"	"	72	22 × 17 × निम्न 2	अपूर्ण	19वीं	
"	"	19	26 × 12 × 26 × 68	" 727	1919	
"	मा.	38	31 × 11 × 17 × 66	अपूर्ण	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
1046	महावीर 2/402	समाधितत्र	Samādhi tantra	उ यशोविजय	प
1047-8	धोसिया 2/292, 153	„ दा प्रतिया	„ 2 copies	„	„
1049	कुमुनाथ 14/14	समाधितत्र (आत्मबोध आत्म- रक्षिता)	„ (Ātmabodha)	—	„
1050	कोलढी 1197	„ +वाला	„ +Bālāvabodha	—	मू वा (प ग)
1051	क नाथ 11/94	समाधिशतक +वृत्ति	Samādhi śataka+vr̥tti	पूज्यपाद/प प्रभाचद	मू वृ (प ग)
1052	सवामदिर 3 इ 345	सम्यक्त्व-ग्रधिकार	Samyaktva adhikāra	—	ग
1053	महावीर 2/117	सम्यक्त्वरत्न महोदधि +वृत्ति	Samyaktva Ratna Maho- dadhi+Vr̥tti	चंद्रप्रभ/चंद्रेश्वर तिलकलाय	मू वृ (प ग)
1054	धोसिया 2/305	सम्यक्त्वविचार +वृत्ति	Samyaktva Vicāra+Vr̥tti	—	मू वृ
1055	क नाथ 11/14	सम्यक्त्वविचार का वाला	„ kā Bālāvabodha	—	ग
1056	धोसिया 3 अ 50	सम्यक्त्व सदसठ बोली सङ्ग्रह	Samyaktva 67 Boli Saṅgraha	उ यशोविजय	प
1057	महावीर ३ इ 60	„	„	„	„
1058	क नाथ 19/7	„	„	„	„
1059	वालढी 284 से 62 6 305	„ 4 प्रतिया	„ 4 copies	„	„
1063	कुमुनाथ 3/47	सम्यक्त्वस्तव +वा	Samyaktva stava+Bā'ā	—	मू वा (प ग)
1064	कोलढी 118	सम्यक्त्वस्तव +अ	„ +Avacūri	—	मू अ (प ग)
1065	महावीर 2/75	सम्यक्त्वस्तव +अ	„ +	—	„
1066	क नाथ गु 26/103	सम्यक्त्वस्तव	Samyaktva stava	—	मू (प)
1067	„ 11/74 6/75	„ +वा 2 प्रतिया	„ +Bālā 2copies	—	मू वा (प ग)
1069	सवामदिर 2/427	सम्यक्त्व स्वरूप	Samyaktva svarupa	—	ग
1070	कोलढी 448	„	„	—	„
1071	क नाथ 10/28	सवणशतक	Sarvajña śataka	धमसागर	मू (प)
1072	मुनिमुपत 3 इ 306	सवयावावनी	Savayā bavani	जमराज	प
1073	कोलढी 98	संग्रहणी +वाला	Saṅgrahani+Bālā	म हेमचंद्र गिप्य/श्रीचंद्र	मू वा (प ग)
1074	क नाथ 22/62	संग्रहणी	„	श्रीचंद्र	मू (प)
1075	10/58	„	„	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
प्राक्सभेद दजानादि	मा.	6	25 × 13 × 12 × 34	सपूर्ण 105 दोहे	1875, सौजत भनीदान	
"	"	9*, 19*	25 × 11 व 12 × भिन्न	" 105 दोहे	19/20वी	
योगतात्त्विक	म.	5	26 × 12 × 13 × 42	" 104 श्लोक	19वी	
"	स मा.	50	27 × 13 × 17 × 38	अपूर्ण 49 श्लोक	19वी	
प्राध्यात्मिक	सं.	29	29 × 13 × 10 × 31	सपूर्ण	19वी	
दार्शनिक	मा	2	25 × 11 × 14 × 50	"	1904	
"	प्रा.स	248	27 × 13 × 14 × 36	" पाच अधिकार ग्रं. 8000	19वी, राणपुर, जयनिह	प्रबन्धि/वृत्तिकार के मुय शिवप्रभ शास्त्रचरणा
"	,	5	26 × 11 × 10 × 34	"	18वी	
"	मा	4	27 × 13 × 16 × 48	अपूर्ण	19वी	
"	"	5	25 × 11 × 11 × 50	सपूर्ण 68 गाथा	1753, पाटण अधादत्त	
"	"	6	28 × 12 × 11 × 34	"	19वी × तमजा- राम	
"	"	7	25 × 10 × 10 × 34	सपूर्ण 68 गा./ग्र 125	19वी	
"	"	3, 3, 5, 26*	26 से 29 × 10 से 12	, 68/70 गा.	19वी	
"	प्रा.मा	11	22 × 12 × 15 × 48	" 25 गा.	1730	
"	प्रा.स.	6	26 × 10 × 16 × 42	" "	18वी	प्रत भेपु द्गनवराधनी भा.सू.प्रि.प्रा.म. 11 गा
"	"	7*	25 × 11 × 17 × 46	" 24 गा.	18वी	
"	प्रा.	1 + 1	25 × 12 × 20 × 56	" 25 गा	18वी	दो बार निगता है
"	प्रा.मा	4, 5	26 × 12 व 25 × 11	" 25 गा. का	19वी	
"	मा.	3	25 × 10 × 16 × 60	अपूर्ण	17वी	
"	"	4	24 × 12 × 12 × 28	सपूर्ण	1882	
"	प्रा.	8	26 × 11 × 10 × 33	" 124 गा	19वी	
अनभिषेक पद	मा.	3	25 × 10 × 16 × 50	" 56 गाँव	1753	
शिवराज्य	प्रा.मा.	70	27 × 12 × 13 × 40	सपूर्ण	1890	शिवराज्य
"	प्रा	16	26 × 11 × 11 × 37	" 310 गा.	18वी	
"	"	14	26 × 11 × 11 × 47	" 312 गा	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
1076	क नाथ 13/45	सग्रहणी	Saṅgrahani	श्रीचंद्र	मू (प)
1077	मुनिमुग्रत 2/260	"	"	"	मू ट. (पग)
1078	घोसिया 2/182	"	"	"	मू (प)
1079	कुमुनाथ 15/4	"	"	"	"
1080	क नाथ 1/7	, + वक्ति	" +Vrtti	श्रीचंद्र/देवभद्रसूरि	मू वृ (पग)
1081	" 23/40	सग्रहणी	"	श्रीचंद्र	मू ट (पग)
1082	" 5/53	"	"	"	मू (प)
1083	" 14/7	, + वृत्ति	" +Vrtti	श्रीचंद्र देवभद्रसूरि	मू वृ (पग)
1084	" 11/55	" + बाला	, +Bālā	" / ×	मू वा (पग)
1085	10 18	" + वाता	+	/ —?	"
1086	नालही 1121	, + बाला	" + "	" / —?	"
1087	महावीर 2/109	"	"	श्रीचंद्र	मू (प)
1088	क नाथ 6/27	"	"	"	"
1089	23/33	"	"	"	"
1090	20/13	"	"	"	मू ट (पग)
1091	घातिया 2/143	"	"	"	"
1092	कोरही 100	" + बाला	+Bālā	"	मू वा (पग)
1093	घातिया 2/183	"	"	"	मू (प)
1094	कोरही 97	"	"	"	"
1095	घातिया 2/185	"	"	"	"
1096	नालही 383	"	"	"	"
1097	क नाथ 20/14	"	"	"	मू ट (पग)
1098	घातिया 2/180	"	"	"	"
1099	नालही 94	"	"	"	मू (प)
1100	कोरही 96	"	"	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11	
सोहनवहण	प्रा.मा	80	28 × 13 × 15 × 52	सपूर्ण 367 गा./प्रवाघ	1847, प्राडि-	पश्चिम द्वे	
"	प्रा.	11	25 × 11 × 12 × 44	3520 + यंत्रों के 2700	वासा, जिन विजय		
"	"	16	24 × 10 × 11 × 40	चुटक	16वीं		
"	"	6	26 × 11 × 11 × 40	अपूर्ण	16वीं		
"	"	22	26 × 11 × 7 × 24	चुटक	1670		
"	"	22	26 × 11 × 7 × 24	अपूर्ण (131 से 286 गा.)	17वीं		
"	प्रा.स.	35	25 × 11 × 4 × 48	" (176 गा. तक)	17वीं		
"	प्रा.	8	26 × 12 × 13 × 35	" (204 से 358 गा.)	1794		
"	"	23 13, 16, 17, 13, 11	25 से 27 × 11 से 12	पाच पूर्ण छटी अपूर्ण 97 गा	19/20 वीं		पूर्ण प्रतियों की गा 278/323
"	"	22	26 × 13 × 13 × 36	सपूर्ण 393 गा.	1938		
"	"	12 11 15	23 से 27 × 11 से 12	" 283/378 गा.	19 वीं	पूर्ण प्रतियों की गा. 317/320	
"	"	16, 20, 16 16, 16	25 से 27 × 11 से 13	चार पूर्ण, पाचवीं अपूर्ण 222 गा	19/20 वीं निम्न 2 उग्रह		
"	प्रा.मा	51	25 × 11 × 5 × 33	सपूर्ण 313 गा	20 वीं		
"	"	46, 47, 8	25 से 28 × 10 से 13	प्रथम पूर्ण प्रतिम दो अपूर्ण	19/20 वीं		
"	"	29	26 × 13 × 11 × 40	अपूर्ण 317 गा.	1887		
"	प्रा.स.	22	26 × 11 × 15 × 43	पूर्ण गा 206 से 273 तक	19 वीं		
"	प्रा.मा	57, 30	25 × 12 × 5/18 × 45	अपूर्ण 393, 370 गा का	19 20 वीं		
"	"	97, 33	26 × 11 × 9/13 × 40	प्रथम अपूर्ण 277, द्वितीय अपूर्ण	19 वीं		
"	"	11	25 × 11 × 18 × 50	अपूर्ण 49 गा. तक ही	19 वीं		
"	प्रा.	22	26 × 11 × 19 × 64	अपूर्ण 276 गा तक ही	16 वीं	द्वितीय प्रतियों की गा. 317/320	
"	प्रा.	8	29 × 11 × —	अपूर्ण प्रति	17 वीं		
सोहनवहण	"	3*	26 × 11 × 23 × 66	अपूर्ण 39 गा. तक	15 वीं		
"	प्रा.	चुटक	23 × 20 × 21 × 35	" 50 गा. तक	15 वीं		
"	प्रा.मा	2	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण 2 गा. तक (प्रा.स.)	18 वीं		
"	प्रा.स.	16	27 × 11 × 15 × 47	अपूर्ण 20 गा. तक	18 वीं		

1	2	3	3 A	4	5
1101	श्रीसिया 2/184	मग्रहणी + बाला	Sangrahani + Bālā	श्रीचंद्र/प्रतापविजय (जिनविजय का)	मू वा (प)
1102	सवामदिर 2/426	"	"	श्रीचंद्र	मू (प)
1103	बोलडी 69/5	"	"	"	"
1104	क नाथ 14/60	"	"	"	"
1105	" 20/10	"	"	"	"
1106	" 14/141	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" / - ?	मू व (प)
1107	कुमुनाथ 42/2	"	"	श्रीचंद्र	मू प
1108	क नाथ 17/66 13 23/24 6/16 21/82 6-23 15 202	6 प्रतिया	" 6 copies	"	"
1114	कुमुनाथ 4/88	"	"	"	"
1115	श्रीसिया 2/181 87 17 86	" 3 प्रतिया	" 3 copies	"	"
1118	बालडी 95 1 3 2 22 1120	" 5 प्रतिया	" 5 copies	"	"
1123	मुनिमुद्रत 2/319	"	"	"	मू ट (प)
1124	क नाथ 6-30,20 2f 8 13-52	3 प्रतिया	" 3 copies	"	"
1127	कुमुनाथ 4/87	"	"	"	"
1128	क नाथ 15/21	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" / ?	मू वृ (प)
1129	बालडी 101 99 10	" + वा 2 प्रतिया	" + Bālā 2copies	" / ?	मू वा (प)
1131	क नाथ 10/1- 2 10/70	" + वा 2 प्रतिया	" + Bālā 2copies	" / ?	"
1133	" 1/32	" + वा	" + Bālā	" / शिवनिधान	"
1134	महावीर 2/77	सग्रहणी की प्रवचूरि	" ki Avacūri	—	प
1135	बालडी 102	मग्रहणी क टाबे (नोटस)	" ke tabbe	—	प तालिका
1136	क नाथ 14/111	मतापद्धतीनी	Santosa chattisi	समयमुद्र	प
1137	कुमुनाथ 36/1 क 6 A	मनाथ-वचागिरा	Sambodha Pancāsika	—	मू (प)
1138	क नाथ 16/20	म शोधमत्तरी	Sambodha sattari	जयशेखर	मू ट (प)
1139	" 10/54	" + वृत्ति	" + Vṛtti	जयशेखर/प्रमररीति	मू वृ (प)

ब्रह्म सांख्यिक प्रोपदेशिक व दार्शनिक :—

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रोपदेशिक	प्रा	9	$25 \times 11 \times 10 \times 32$	संपूर्ण 78 गा.	16 ती	अस्य मे 83 गा. 'उपदेशमाला' की
"	"	3	$25 \times 11 \times 6 \times 31$	" 73 गा.	16वीं	
"	प्रा.मा	8	$26 \times 11 \times 10 \times 37$	" 71 गा.	1667	
"	"	8	$25 \times 11 \times 9 \times 32$	" 116 गा.	17वीं, चाडा, केशरविजय	
"	प्रा.	13	$26 \times 11 \times 13 \times 39$	" 72 गा	17वीं	
"	"	3	$31 \times 11 \times 13 \times 43$	" 75 गा	1753 × मुक्तिधिसगर	
"	प्रा मा	32	$26 \times 12 \times 2 \times 43$	" 124 गा.	1775	
"	प्रा.स.	3	$25 \times 11 \times 9 \times 56$	" 72 गा.	1779	
"	प्रा मा	24	$26 \times 10 \times 4 \times 26$	" 126 गा.	1822	
"	"	6	$30 \times 11 \times 7 \times 40$	" 72 गा	1837 कोसाणा मनोहरविजे	
"	"	7	$26 \times 12 \times 7 \times 43$	" 75 गा.	1894 नव पोषधमाला	
"	प्रा स	14	$26 \times 11 \times 16 \times 41$	" 76 गा. की	19वीं	वृत्ति तार रत्नमेजर हो कर्ता मानते हे
"	प्रा मा	9	$26 \times 11 \times 15 \times 65$	" 72 गा. की	19वीं	
"	"	9	$25 \times 10 \times 5 \times 38$	" 76 गा.	19वीं	
"	प्रा.	6,6,5	23 से 27 व 10 से 12	" 72,89,85 गा.	19वीं	
"	प्रा न	17	$26 \times 11 \times 4 \times 38$	" 76 गा की	19वीं	
"	प्रा	4	$24 \times 11 \times 13 \times 25$	" 74 गा.	19वीं	
"	प्रा मा	7	$26 \times 12 \times 5 \times 40$	" 72 गा	19वीं	
"	प्रा.	6	$23 \times 12 \times 14 \times 38$	" 124 गा.	1956	
विभिन्नवारी-साधु बीजपर ध्यय	मा.	4	$25 \times 11 \times 11 \times 36$	" 40 गा.	19वीं	
"	"	2	$26 \times 11 \times 17 \times 54$	संपूर्ण 8 व 3	20 ती	(यस्य 10 व 11 व 12 व 13)
सौम्येतिह	"	27	$26 \times 11 \times 12 \times 32$	संपूर्ण	19 ती	
संस्कृत 47 शेष	"	1	$25 \times 11 \times \dots$	संपूर्ण	19 ती	
6 वारा पर (विष्णुजी)	"	1	$26 \times 11 \times 15 \times 44$	"	18 ती	(विष्णु मर, वीरडा- दुर्गा पर ध्यात वर)
प्रा.स.	"	1	$27 \times 12 \times 16 \times 27$	" 23 गा	17 ती	

1	2	3	3 A	4	5
1167	कोलडी 101	सारवावनी	Sāra Bāvani	श्रीसार	प
1168	के नाथ 22/59	साद शतक + वृत्ति	Sārdha Śataka	जिनवल्लभ	मू वृ
1169	कोलडी 856	सिद्धचतुदशी	Siddha Caturdaśī	—	प
1170	घोसिया 3 इ 226	सिद्धपञ्चाशिका	Siddha Pañcāśikā	देवेन्द्रमूरि	मू (प)
1171	महावीर 2/58	„ सावचूरि	„ Sārcūri	दवन्द्रमूरि (स्वापन)	मू ध (प ग)
1172	के नाथ 10/2	„	„	दवन्द्रमूरि	मू ट (प ग)
1173	महावीर 2/62	„	„	„	मू (प)
1174	„ 59	„ +वाला	„ +Bāā	दवन्द्रमूरि/—	मू वा (प ग)
1175	के नाथ 19/20	सिद्धान्त-प्रतिबोध	Siddhānta Pratibodha	मरुदाम	ग
1176	वानडी 809	„ बाण	„ Bola	—	„
1177	घोसिया 2/313	„ सार	„ Sara	मन्जन	मू ट (प ग)
1178	„ 2/213	„ „	„	„	प ग
1179	वानडी 807	„ मारोद्धार	Sāroddhāra	मद्यमही	ग
1180	घासिया 2/218	„	„	„	„
1181	महावीर 2/51	सिद्धातोद्धार हुडि	Siddhāntoddhāra Huṇḍi	मकमन	„
1182	के नाथ 11/43	सिद्धरप्रकर (सूक्तमुक्तावनी) + वृत्ति	Sindūra Prakara + Vṛtti	मामप्रभ/—	मू वृ (प ग)
1183	कुमुनाथ 14/13	सिद्धरप्रकर	„	सोमप्रभ	मू (प)
1184	क नाथ 23/1	„	„	„	„
1185	6/91	„	„	„	„
1186	21/15	„ वृत्ति	„ + Vṛtti	„ /हृषीकेशि	मू वृ (प ग)
1187	15/118	„	„	„	मू (प)
1188	कुमुनाथ 43/6	„ + वृत्ति	„ + Vṛtti	„ /हृषीकेशि	मू वृ (प ग)
1189	क नाथ 5/70	„ +वा	„ +Bāā	„	मू वा (प ग)
1190	„ 6/26	„ +वा	„ +Bāā	„ /राजकील	„
1191	घोसिया 2/219	„	„	„	मू (प)

6	7	8	8 A	9	10	11
भौषदेशिक	मा.	6	28 × 11 × 13 × 50	संपूर्ण 56 पद	1839	
कठिन प्रश्नों का	प्रा.सं.	112	25 × 11 × 15 × 45	„ 152 गाथायें	1467	
जाम्बीय निराकरण	मा.	2	32 × 12 × 15 × 40	„ 13 छंद	19वीं	
तात्विक	मा.	2	32 × 12 × 15 × 40	„ 13 छंद	19वीं	
दार्शनिक	प्रा.	2*	26 × 11 × 19 × 56	„ 50 गा.	1505	
„	प्रा.सं.	6	26 × 11 × 17 × 55	„ „ की	16वीं	
„	प्रा.मा.	17	27 × 12 × 3 × 32	„ 50 गा.	19वीं	
„	प्रा.	4	26 × 11 × 13 × 40	„ 50 „	19वीं	
„	प्रा.मा	12	27 × 12 × 15 × 39	„ „	19वीं	
तात्विक वीज संग्रह	मा.	43	22 × 10 × 13 × 29	प्रतिपूर्णा	1877	
धामम उद्देश्य	„	17	30 × 11 × 21 × 46	„	19वीं	
(मङ्गल)	प्रा.मा.	48	27 × 12 × 3 × 25	„	18वीं	
„ („)	प्रा	13	26 × 12 × 16 × 42	„	1803	
गान्ध नारायण	मा.	43	30 × 11 × 17 × 48	„	1803, अणुपुर	
„	„	34	28 × 13 × 15 × 42	„	मनरूप, 1911	
धामम उद्देश्य	प्रा.मा.	49	26 × 12 × 15 × 40	संपूर्ण	17वीं	
भौषदेशिक सुभाषित	स.	13	26 × 11 × 5 × 56	संपूर्ण 99 श्लोक की व 215	1665	
„	„	5	26 × 11 × 16 × 54	संपूर्ण 99 श्लोक	1692	
„	„	18	24 × 11 × 10 × 29	„ 104 „	1691	
„	„	9	25 × 11 × 11 × 42	„ 98 „	17वीं	
„	„	27	26 × 11 × 15 × 45	„ 100 श्लोक	1701	
„	„	10	26 × 11 × 9 × 40	„ 97 श्लोक	1706	16-318-16-3-41
„	„	14	26 × 12 × 13 × 40	संपूर्ण	1731	
„	प्रा.मा	27	25 × 11 × 13 × 36	संपूर्ण 97 श्लोक	1747	
„	„	57	25 × 11 × 17 × 56	„ 99 „	1757	
„	स.	7	25 × 10 × 13 × 40	„ 100 „	1776	

1	2	3	3 A	4	5
1192	कालडी 1236	सिद्धरप्रकर	Sindūra Prakara	मोमप्रभ	मूट (प ग)
1193	के नाथ 22/64	"	"	"	"
1194	मुनिमुवत 2/265	,	"	"	मू (प)
1195	क नाथ 21/53	" + वृत्ति	, + Vṛtti	„/हृपकीर्ति	मू वृ (प ग)
1196	, 21/54	"	"	"	मू (प)
1197	महावीर 2/21	" + वा	, + Bālā	"	मू वा (प ग)
1198	कोलडी 125	" + वा	, + Bālā	„/रात्रशील	"
1199	क नाथ 23/5	,	"	"	मू (प)
1200	कोलडी 127	,	"	"	मूट (प ग)
1201	क नाथ 10/30 8 21/22,21/46, 22/58,23/18 24 22 27 51 6/120	" 8 प्रतिया	, 8 copies	"	मू (प)
1209	महावीर 2 133 10 131	" 2 प्रतिया	" 2 copies	"	"
1211	श्रीसिया 2/154 14 5-6,220	" 4 प्रतिया	, 4 copies	,	"
1215	कुचुनाथ 4/93, 17 37/4 41/4	" 3 प्रतिया	" 3 copies	"	"
1218	कालडी 119 से 23 23 1186	" 6 प्रतिया	6 copies	"	"
1224	मेवामदिर 2/375	,	,	"	मूट
1225	श्रीनिया 2 अ 411	,	,	"	"
1226	कुचुनाथ 33/2	"	"	"	"
1227	क नाथ 14-18 29 21 2,20 10	" 3 प्रतिया	, 3 copies	"	"
1230	क नाथ 13/44	" + वृत्ति	" + Vṛtti	„/हृपकीर्ति	मू वृ (प ग)
1231-	कोलडी 124 32 1349	, + वृत्ति 2 प्रतिया	" + Vṛtti 2 copies	" "	"

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक मुभाषित	न.मा.	18	24 × 11 × 6 × 46	नपूर्ण 98 श्लोक	1778	
"	"	11	27 × 12 × 8 × 42	" 99 "	18वी	
"	स.	7	27 × 11 × 13 × 40	" 97 "	18वी	
"	"	21	26 × 11 × 14 × 42	" 100 श्लोक	1811	
"	"	8	26 × 11 × 13 × 40	" "	1813	
"	स.मा.	125	26 × 12 × 10 × 39	" 102 श्लोक कवासह	1840 राजनगर	
"	"	53	27 × 11 × 16 × 44	" 100 "	1847	
"	स.	7	26 × 11 × 13 × 47	" 100 "	1847	
"	स मा	22	26 × 11 × 5 × 32	" 100 "	1850	
"	नं.	16 16, 9,9,10 20,8 13	22 से 28 × 9 से 13	नात पूर्ण आठवी, अपूर्ण	19/20 वी	
"	"	9,7	27 × 11 व 14 × मिश्र	नपूर्ण 99, 100	19वी	
"	"	6,8,9, 6	25 × 12 व 26 × 11	" 100 से 103	19वी	
"	"	26,9,10	25 से 27 × 11 से 14	" 100 श्लोक	19/20 वी	
"	"	17,11, 11,12 8,2	23 से 27 × 10 से 13	रात्र नपूर्ण, प्रतिम अपूर्ण	19 वी	
"	सं.मा.	15	24 × 13 × 6 × 42	नपूर्ण 97 श्लोक	1877, द. र. वी. इतिहास	
"	"	22	26 × 13 × 4 × 40	" 101 "	1956, अपूर्ण व 32 र. वी.	
"	"	12	25 × 13 × 10 × 45	" 100 "	1941	
"	"	11,12, 21	25 × 11 × मिश्र 2	अथ 2 नपूर्ण धर्मि अपूर्ण	19 वी	
"	व	7	27 × 12 × 15 × 45	अपूर्ण, अपूर्ण अथ 10	19 वी	
"	"	10,1	26 × 11 × 15 11 ×	अपूर्ण अथ 10 अपूर्ण 10	19 वी	

1	2	3	3 A	4	5
1233	कोलही 126	सिद्धूरप्रकर + अवचूरि	Sindura Prakara + Avacūri	सामग्र्य —	मू छ (प ग)
1234	„ 135	„ + पद्यानुवाद	„ +	, /वनारभीष्ट	मू पद्यमनुवाद
1235	ग्रामिया 2/221	सिद्धूरप्रकर नामांतर	Sindūra Prakara Bhāsā	वनारभीष्ट	पद्य
1236	कुमुदाव 11/201	,	„	„	„
1237	सवामदिर 2/428	„	„	„	,
1238	क नाम 19/95	निमुचतुष्ठी आदि	Sindbuchaturda' i etc	पद्य	„
1239	मुनिमुद्रत 2/272	मुह्यनमुक्तावली	Sukṭamuktāvalī	गहन	मू ट (प ग)
1240	महावीर 2/397- 42 8 401	मुक्तावली 3 प्रनिया	Sūktāvalī 3 copies	„	पद्य
1243	क नाम 17/22	मुक् दुःख पद्यग्रह	Sukha Duhka Padyasane r. ha		प
1244	ग्रामिया 2/302	मुपदतिनता	Supaddhati Latā	वाग्द्विनदि (समयमुद्र का सिध्य)	प
1245	महावीर 2/400	मुभाषितकोश	Subhāsita Kosa	गहन	प
1246	कुमुदाव 20/23	मुभाषित रत्नमार	Subhāsita Ratnasāra	सकनरत्ता मयचदमुनि	„
1247	मुनिमुद्रत 3 इ 303	मुभाषित ग्राहमग्रह	Subhāsita Śloka Saṅgraha	गहन	मू ट
1248	क नाम 6/12 49 19/72	„ 2 प्रतिपा	2 copies	,	पद्य
1250	कोलही 134 1148 51	मुभाषित-मग्रह 2 प्रतिपा	Subhāsita Sangraha	„	पद्य-पद्य
1252	सवामदिर गुटवा 6इ	मुमति-वत्तोमी	Samatī Battisi	नामग्रथि	प
1253	मुनिमुद्रत 2/317	सूक्तमाला	Sūktamala	कारविमन	„
1254	कोलही 136	„	„	,	,
1255	क नाम 5/33	,	,	„	„
1256	महावीर 2/399	„	„	,	,
1257	सवामदिर 2/367	,	,	,	,
1258	ग्रामिया 2/239	,	,	„	„
1259	क नाम 11/93	„	,	,	„
1260	कावही 137-8 1190A	„ 3 प्रनिया	„ 3 copies	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
शोधदेशिक मुद्रा-लि	म.	13	30 × 11 × 14 × 45	नमनन पूर्णं प्रातम पत्रा कन	19वी	
"	न हि	17	24 × 9 × 14 × 60	मपूर्णं 100 श्लोक का	19वी	
"	हि	8	24 × 11 × 15 × 48	" 101 छंद	1861	
"	"	गुटका	22 × 17—	" 100	19वी	
"	"	6	23 × 13 × 11 × 39	बुटक	19वी	
ध्यान योग विपयक	मा.	10*	26 × 12 × 15 × 42	सपूर्णं 14 गा.	19वी	साय मे अन्य स्तव- नादि भी हैं
धार्मिक मुद्रा-लि	प्रा.म.पा	9	23 × 12 × 5 × 38	सपूर्णं 63 श्लोक	19वी	नागौर
"	प्रा.म.	13,3, 15	26 × 12 × 13 × 36	प्रतिपूर्णं 161,53,243 श्लोक	20वी	
शोधदेशिक मुद्रा-लि	मा.	9	31 × 15 × 12 × 40	मपूर्णं 187 रोहे	19वी	
विद्वान्त उपदेश स्वामिह	म	181	25 × 11 × 12 × 41	" वं 6001	20वी	प्रयन्ति हे
अंन मुद्रा-लि	प्रा.म.	65	26 × 11 × 17 × 58	" 2806 श्लोक	16वी	
शोधदेशिक	"	73	25 × 11 × 18 × 66	" 2170 श्लोक	1767	81 श्लोक ज्ञातिप के हे
" (अंन)	न.मा.	6	24 × 10 × 7 × 34	" 68 श्लोक	19वी	
"	म.न.मा	13,9	26 × 11 व 25 × 12	प्रथम अपूर्णं, द्वितीय पूर्णं	19वी	
"	"	4,6	27 × 10 व 25 × 11	" "	19वी	
12 अक्षर उपदेश	मा.	4	14 × 11 × 12 × 20	मपूर्णं 36 पद	1841	
साय पुस्तकानां उपदेश	"	8	25 × 11 × 16 × 40	" 187 गा. नारो पुस्तकानां	1805	1754 ही प्रति
"	"	9	23 × 10 × 15 × 48	मपूर्णं	1812	
"	"	11	26 × 11 × 13 × 38	"	1832	
"	"	8	25 × 12 × 15 × 46	" 177 गा.	19वी	
"	"	9	25 × 12 × 16 × 40	" 195 गा.	1866	
"	"	13	27 × 14 × 15 × 43	"	20वी	
"	"	10	25 × 11 × 15 × 30	"	18वी	
"	"	13,3	25 × 22 × 11 व 13	प्रथम अपूर्णं, द्वितीय पूर्णं	1866	

6	7	8	8 A	9	10	11
चार पुरुषार्थ उपदेश	मा.	19,9	$25 \times 11 \times 11 / 14 \times 30/45$	दोनो प्रतिमें संपूर्ण	19वी	
तारिख	प्रा.	1	$27 \times 11 \times 13 \times 48$	संपूर्ण 26 गा.	17वी	
दार्शनिक	मा	5	$16 \times 14 \times 11 \times 18$	„ 3 डालें	19वी	
श्रीपदेशिक	„	9*	$25 \times 11 \times 15 \times 31$	„ 105 दोहे	19वी	यज्ञोविजयत्री द्वारा संपादित
तारिख	स.	गुटका	$23 \times 20 \times 21 \times 38$	„ 26 श्लोक	1544	
श्रीपदेशिक सज्जायें	मा.	5	$26 \times 11 \times 15 \times 47$	„ 8 सज्जायें + कलश	18वी	
ज्ञानोपहरणों पर	„	2	$14 \times 11 \times 13 \times 20$	„ 3 गीत	1841	
श्रीपदेशिक	सं.	15,9	$29 \times 14 \times 27 \times 12$	„ 35 उपक्रम	19वी	
तारिख श्रीपदेशिक- कादि	प्रा न.मा.	कुन 11 पन्ने	24 नें 30 \times 10 नें 15	पूर्णे/संपूर्णे	17/20 वी	1-1 पन्ने हें 8 पन्ने व 1 पन्ने 3 पन्ने का
„	„	„241,„	24 नें 30 \times 10 नें 15	„	17/20 वी	पन्ना 80
„	„	„135	24 नें 30 \times 10 नें 15	„	17/20 वी	
„	„	„200	24 नें 30 \times 10 नें 15	„	17/20 वी	
„	„	„337	24 नें 30 \times 10 नें 15	„	17/20 वी	
„	„	„653	24 नें 30 \times 10 नें 15	„	17/20 वी	
„	„	„232	24 व 30 \times 10 व 15	„	17/20 वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	के नाथ 22/21	अपराध-खण्डन	Apa Śabda Khandana	मानसवन	ग
2	, 16/46	आध्यात्मिक मतपरीक्षा	Ādhyātmika Mata Parīksā	उ यशोविजय	"
3	" 16/46	जिनस्तोनाएि	Jina Stotrāṇi	"	प
4	महावीर 6 आ 8	देवधर्म परीक्षा	Deva Dharma Parīksā	"	ग
5	के नाथ 15/116	द्रव्यपदाय (किरणवल्या)	Dravya Padārtha (Kiraṇā valyām)	उदयन आचाय	"
6	महावीर 6 आ 10	द्रव्यानुयोग तकणा	Dravyānuuyoga Tarkāṇā	भोजनागर	"
7	" 6 आ 21	नयचक्र	Nayacakra	देवसेन	"
8	के नाथ 4/27	,	,	—	"
9	सेवामंदिर 3 इ 345	नयनिशेष वीरस्तवन	Nayanīksepa Vīra Stavana	रामविजय	प
10	महावीर 6 आ 13	नयप्रदीप	Nayapradīpa	विजयसिंह शिष्य	ग प
11	क नाथ 11/110	"	,	—	ग
12	, 16/46	नयरहस्य	Naya Rahasya	उ यशोविजय	"
13	सेवामंदिर 6 आ 32	नयस्वरूप	Naya Svarūpa	—	"
14	के नाथ 16/46	नयोपदेश	Nayopadeśa	उ यशोविजय	"
15	, 26/104	निमित्त उपादान कारण	Nimitta Upādāna Karana	—	"
16	, 26/68	न्याय ग्रन्थ (?)	Nyāya Grantha (?)	—	"
17	, 29/27	" की वृत्ति (?)	" ki Vṛtti (?)	—	,
18	महावीर 6 आ 6	न्यायप्रवेश	Nyāya Praveśa	हरिभद्र	वृ गद्य म
19	के नाथ 10/95	न्यायसार सटीक	Nyāyasāra+Tikā	जिनसमुद्र/श्रीमद् रत्नपुरि भट्टारक ?	सू + टी (ग)
20	महावीर 6 आ 15	न्यायसार की टीका	" ki Tikā	/ जयसिंहसुरि	ग
21	के नाथ 29/8	"	,	/ "	,
22	महावीर 6 आ 12	न्याय मजूपा	Nyāyārtha Manjūsā	हमहसनगण स्वोपज	वृ ग
23	6 आ 19	"	,	"	"
24	क नाथ 5/56	परसमय-विचार	Parasamaya Vicāra	—	ग
25	" 14/93	पचनयविचार-स्तवन	Pañca Naya Vicāra	कीर्तिविजयवाचकशिष्य	प

6	7	8	8 A	9	10	11
न्याय ग्रन्थ	न.	2	26 × 11 × 17 × 57	संपूर्ण	19वीं	
संज्ञन गुणित	"	46 [*]	26 × 13 × 16 × 44	"	19वीं	
न्याय ग्रंथी भक्तिगीत	"	46 [*]	26 × 13 × 16 × 44	" 4 स्तोत्र	19वीं	
संज्ञन म उन स्वपर समय	"	9	27 × 13 × 15 × 53	संपूर्ण	19वीं	
न्याय ग्रन्थ	"	48	26 × 11 × 13 × 43	" ग्रंथाग्र 2000	19वीं	किरणावली मे से; पन्ने 10 व 11 कम मूल ग्रंथ की टीका/ प्रयोजित है
"	"	72	26 × 12 × 14 × 42	" 15 प्रव्याप	18वीं	
"	"	20	21 × 11 × 7 × 20	"	19वीं	
"	"	22	29 × 14 × 11 × 28	"	19वीं	
जैन-न्यायानुसार	भा.	2	27 × 12 × 16 × 56	" 33 गाथा	19वीं	
"	न.	12	25 × 12 × 14 × 42	संपूर्ण	18वीं	
"	"	34	30 × 15 × 7 × 23	"	19वीं	
"	"	46 [*]	26 × 13 × 16 × 44	"	19वीं	
"	भा.	4	25 × 11 × 18 × 57	"	18वीं	
"	नं.	46 [*]	26 × 13 × 16 × 44	"	19वीं	
"	भा.	4	26 × 11 × 13 × 37	"	19वीं	
न्याय ग्रन्थ	न.	6	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण (पन्ने 4 से 9) तीसरे	19वीं	भाषादि साधना, ५
संज्ञन की रचना है	"	6	26 × 11 × 15 × 64	, (पन्ने 10 से 15) तीसरे	17वीं	
न्याय ग्रन्थ	"	26	29 × 13 × 10 × 39	संपूर्ण	18वीं	
संज्ञन ग्रन्थ की टीका	"	7	27 × 11 × 17 × 60	"	19वीं	
"	"	80	23 × 12 × 16 × 63	"	15वीं	भाषा साधने की
"	"	1	24 × 10 × 17 × 72	परीक्षा तथा साधना साधना	16वीं	पुस्तक न्याय 30
न्याय ग्रन्थ	"	43	26 × 12 × 13 × 41	पन्ने 1-1400	17वीं	जैन ग्रंथों की टीका
"	"	15	26 × 11 × 17 × 61	संपूर्ण	17वीं	
न्याय ग्रन्थ	"	4	26 × 11 × 17 × 58	पन्ने 1-200	17वीं	
न्याय ग्रन्थ	न.	2	26 × 13 × 17 × 55	संपूर्ण	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
26	के नाथ 16/46	पातञ्जलयोग दशम टीका	Pātanjala yoga Tikā	उ यशोविजय	ग
27	„ 2/18	प्रमाणनयतत्त्वालोकालकार	Pramāṇanaya Tatvālokā lankāra	देवाचाय	मू प
28	„ 14/39	प्रमाणनयतत्त्वालोकालकार सटीक	Pramāṇanaya Tatvālokāla ñkara	वादिदेवसूरि/रत्नप्रभा चाय	मू + वृ
29	„ 11/3	„	„	„ „	„
30	महावीर 6 घा 23	„	„	„ „	„
31	श्रीसिया 6 घा 31	„	„	„ „	„
32	महावीर 6 घा 16	„	„	„ „	„
33	के नाथ 26/99	प्रमाणशास्त्र (?)	Pramāṇa Śāstra	—	ग
34	„ 21/27	प्रमाणसुन्दर	„ Sundara	पद्मसुन्दर (मद्यम 6 वा मिष्य)	„
35	„ 7/48	वदमान इन्दु	Vardhamana Indu	बलभद्र	„
36	महावीर 6 घा 5	विप्रवक्त्रमुद्गर	Vipravaktra Mudgara	—	ग प
37	„ 6 घा 1 2	संमति तत्र सवृत्ति	Sanmati Tarka + Tikā	मिद्धनन/धनयदव (प्रथमसूरि मिष्य)	मू + वृ (प ग)
38	„ 6 घा 12	सप्तनय विवरण राम वाता स	Saptanaya Vivaraṇa Rāva + Bāka	मानविजय	मू + वा (प T)
39	„ 16/46	सप्तनगी नयप्रदीप	Saptabhāṅgi Naya Pradīpa	उ यशोविजय	ग
40	क नाथ 16/45	स्याद्वादमञ्जरी	Syādvāda mañjarī	हमचन्द्राचाय	मू प
41	महावीर 6 घा 9	„ सटीक	„ + Tika	„	मू + वृ
42	„ 6 घा 3	स्याद्वाद पुष्पकलिका	Puspakalika	वाचक समय	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
स्याद्वादमतानुसार	न.	46*	26 × 13 × 16 × 44	संपूर्ण	19वीं	
न्याय चन्द्र	"	7	30 × 14 × 16 × 53	" 8 परिच्छेद	19वीं	
जैन न्याय	"	72	26 × 11 × 19 × 59	लगभग संपूर्ण (किञ्चित् कम) आठवा परिच्छेद	16वीं	रत्नाकराभारिका नाम्नी लघु टीका
"	"	167	28 × 17 × 16 × 41	संपूर्ण 8 परिच्छेद प्र.5000	19वीं	"
"	"	88	30 × 14 × 15 × 61	" "	1943 × अमर-दत्त	"
"	"	152	27 × 11 × 13 × 42	" "	1967 जोधपुर बीरचंद	"
"	"	34	24 × 12 × 24 × 72	अपूर्ण 6ठे परिच्छेद तक	17वीं	"
न्याय शान्ध	"	10	26 × 11 × 13 × 44	गुट्टक	17वीं	नही नाम का पता नहीं
"	"	18	25 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण प्र. 825	1725 × प्राति-धियय	पहिला पत्रा कम
"	"	65	26 × 11 × 15 × 60	" प्रभाग 3436	1666	
साक्ष्य निर्णय	"	4	30 × 14 × 15 × 46	संपूर्ण	18वीं	
जैन न्याय चन्द्र	"	578	28 × 13 × 16 × 48	" प्र 25000	1964	
"	मा	15	27 × 12 × 11 × 42	" 90 पद	18वीं × कर्वाण्ड भाग्य	
"	न.	46*	26 × 13 × 16 × 64	संपूर्ण	19वीं	
"	"	5	21 × 11 × 11 × 32	" 24 श्लोक	19वीं	
"	"	101	27 × 13 × 12 × 41	" 32 श्लोक ही	17वीं	
"	"	16	30 × 14 × 9 × 40	" 272 श्लोक	1946	

1	2	3	3 A	4	5
1	महावीर 3 आ 126	अक्षयतृतीया कथादि	Aksaya Tṛtīyā Kathā etc	—	ग
2	„ 3 आ 2	अक्षयतृतीया व्याख्यान	Aksaya Tṛtīyā Vyākhyāna	—/क्षमाकल्याण	सू. वृ
3	शिवमंदिर 3 आ 173	„	„	—	ग
4	प्राप्तिया 3 आ 168	,	,	—	„
5	क नाथ 18/59	,	,	—/क्षमाकल्याण	„
6 7	कोलडी 180,945	„ 2 प्रतिया	„ 2 copies	„	„
8	„ 945	,	,	—	„
9	प्रोमिया 3 आ 137	„	,	—	„
10	कुशुनाथ 32/4	„	„	—	„
11 2	महावीर 3 आ 114 3 इ 29	अनयनिधितपविधि 2 प्रतिया	Aksaya Nidhi Tapa Vidhi 2 copies	पदमविषय	प ग
13	3 इ 167	अधिवासना-विधि	Adhivāsana Vidhi	उल्लेखनमूरि	प
14	कुशुनाथ 45/6	अष्टोत्तरीस्तोत्र व प्रतिष्ठा विधि	Aṣṭottarī Snātra & Prati sthā Vidhi	—	ग
15 7	कोलडी 403 4-6	, 3 प्रतिया	„ 3 copies	—	प
18	के नाथ 6/89	अमण्डभायविचार	Asajjhāya Vicāra	—	ग
19	, 11/108	आचारदिनकर	Ā. arādinkara	वृद्ध मानमूरि	प
20	कोलडी 766	„	„	,	„
21	महावीर 3 आ 23	,	,	,	,
22 3	3 आ 100 102	आलोचना 2 प्रतिया	Ālocanā 2 copies	—	ग
24	3 आ 103	आलोचना तप	Tapa	—	,
25	क नाथ 19/127	आलोचना दान	Dāna	भुवनरत्नाचार्य	प ग
26	महावीर 3 आ 101	आलोचना विचार	Vicāra	—	ग
27	नालडी 373	,	,	—	„
28 9	, 374 372	, 2 प्रतिया	2 copies	—	„
30 1	महावीर 3 आ 97	„ 2 प्रतिया	,	—	„
32	98 कुशुनाथ 24/4	आलोचना विधि	Vidhi	—	„

6	7	8	8 A	9	10	11
परंप्रत रुवा	न.	25 ^६	25 × 12 × 14 × 35	संपूर्ण चार भाषा	1875	
मार्मि कर्म-व्याख्यान	प्रा. न.	2	25 × 12 × 17 × 48	"	19वी	
"	न	30 ^६	26 × 11 × 15 × 45	"	1859	
"	"	4	25 × 11 × 20 × 41	"	19वी	साधने चौथी पुनम
परि-संग्रह	"	2	27 × 11 × 16 × 36	"	19वी	व्याख्यान जीवराजरा
"	"	3,3	25 × 10/12 × 11 × 44	"	19वी	
"	मा.	3	26 × 11 × 17 × 35	"	19वी	
"	"	4	24 × 11 × 15 × 38	"	1940 श्रीकानेर	
"	न	4	24 × 12 × 12 × 28	"	1944	रुवनागच्छे
सत्यसूचीया रुवा	मा	5,6	28 × 13 × 16/13 × 41	" व 188 (पाच टाणे व स्तव)	20 ती	
मार्मि कर्म-विधान	न.	3	20 × 10 × 11 × 35	संपूर्ण 38 श्लोक	18वी	
परिच्छेद मूल	मा.	1	नवा रॉन 19 मे. चौडा	संपूर्ण नवा रॉन	1946	
परिच्छेद विधान	"	2,2 3	25 से 29 × 12 मे 13	संपूर्ण	19वी	
रुवा भावमनवर्तमान	"	3	26 × 11 × 11 × 39	"	19वी	
मार्मि कर्म-विधान	न	281	30 × 12 × 15 × 47	" 14000 प्र.	1894	
"	"	123	26 × 13 × 11 × 37	संपूर्ण-परिच्छेद विधि अदि-हार	19 ती	
"	"	359	25 × 13 × 15 × 38	संपूर्ण 41 अष्टाद प्र. 14065	20 ती	श्रीकानेर प्रसिद्ध
रुवा भावमनवर्तमान	मा.	2,5	21 × 11 × 27 × 12	संपूर्ण	20 ती (1-वी वी व 2-वी)	
रुवा भावमनवर्तमान	"	8	24 × 12 × 12 × 38	संपूर्ण 41 अष्टाद प्र.	20 ती	मुसलि
रुवा भावमनवर्तमान	अ. न.	8	26 × 10 × 15 × 44	संपूर्ण 40 श्लोक व प्र.	19 ती	नरुव
रुवा भावमनवर्तमान	मा	6	28 × 10 × 16 × 48	" 1000	10 ती	

1	2	3	3 A	4	5
33	ब नाथ 23/16	श्रालोचना विधि	Ālocanā Vidhi	श्रामाकृत्याण	ग
34	, 23/7	"	"	—	,
35	कोलडी 371	"	"	—	"
36 8	महावीर 3 आ 96 99 166	" 3 प्रतिया	" 3 copies	—	"
39	कुयुनाथ 16/13	"	"	—	"
40	" 55/20	प्रावश्यक-पचाशिका	Āvaśyaka Pañcāśikā	—	प
41	श्रोतिया 2/152	प्रावश्यक विधि	Āvasyaka Vidhi	जिनवल्लभ	मू (प)
42	महावीर 3 आ 117	इन्द्रियजय आदि तप	Indriyajaya Ādi Tapa	—	ग
43	" 7 आ 79	उत्कान्ठिककालिकदीप	Utkāṅṭhikakālika Tīpa	—	"
44	के नाथ 23/70	उपकरणानि	Upakaraṇāni	—	मू ट
45	नेवामदिर 3 आ 172	उपधान आदि विधिया	Upadhāna Ādi Vidhiyān	—	प ग
46	महावीर 3 आ 82	"	,	—	ग
47	कोलडी 399	"	,	—	"
48 9	महावीर 3 आ 59/ 91	" 2 प्रतिया	, 2 copies	—	"
50	" 3 आ 94	उपधान श्रालोचनाविधि	Upadhāna Ālocanā Vidhi	—	"
51	" 3 आ 86	उपधान क्रिया	Kriyā	—	"
52	" 3 आ 85	उपधान नित्य कर्त्तव्य व तपा- विधि आदि	, Nitya Kartavya etc	समयसुदर	ग ट
53	कोलडी 400	उपदान-विधि	" Vidhi	—	ग
54 6	महावीर 3 आ 89 84 83	" 3 प्रतिया	3 copies	—	,
57	3 आ 92	उपधान सम्बन्धी प्रावधान	, Sambandhi Pravadhāna	—	"
58 9	के नाथ 11/115 23/94	उपधान स्तवन 2 प्रतिया	Upadhāna Stavana 2 copies	समयसुदर	प
60	, 26/40	"	"	कीर्तिविजय	"
61	श्रामिया 3 द 190	"	"	"	,
62	महावीर 3 ई 27	,	"	विनयविजय	"
63	कोलडी 204	कार्तिक पूर्णिमा व्याख्यान	KārtikapūrnimāVyākhyāna	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रतिभार दंड विधान	मा.	11	25 × 13 × 13 × 37	संपूर्ण	19वीं	
"	"	3	27 × 13 × 15 × 41	" ग्रंथाग्र 94	19वीं	
"	"	5	26 × 13 × 10 × 38	संपूर्ण सूतकविचारसह	19वीं	
धार्मिक अनिचारदंड विधि	"	4,4,2	25 से 27 × 12 से 13	तीनों प्रतिया पूर्ण	20वीं अजमेर, अजीमगंज में	
"	"	2	24 × 13 × 17 × 44	संपूर्ण	1945	
नित्य कर्मविधि विधान	"	3 ^r	26 × 11 × 15 × 52	" 50 गाथा	17वीं	
"	प्रा.	123 [*]	26 × 12 × 11 × 40	, 40 गाथा	16वीं	
सप्त विधिया	मा.	4	27 × 12 × 13 × 48	नपूर्णा	19वीं	
स्वाध्याय कालनियम	,	2	26 × 10 × —	"	18वीं	
साधुपरिवृत्त मर्त्यादि	प्रा मा	2	26 × 12 × 5 × 29	"	19वीं	
धार्मिक क्रिया विधिया	प्रा.नं.मा	34	27 × 13 × 13 × 38	प्रतिपूर्णा	18वीं	
"	मा	12	24 × 13 × 21 × 38	"	1829, वासा भीमसागर	
"	"	8	27 × 11 × 15 × 62	"	1872	
"	"	23,22	27 × 12 × 12 × 39	"	20वीं	
उपमान नव-नव २५ धान	"	4	25 × 11 × 18 × 49	नवभग पूर्ण (पहिना पत्रा कम)	1802 राधदुर्ग	
" नित्य कर्मविधि	"	8	25 × 12 × 14 × 36	"	20वीं × नरेन्द्र-सागर	
"	न नं.मा	3	26 × 11 × 20 × 48	संपूर्ण	18वीं	
" क्रिया विधि	मा.	3	27 × 10 × 19 × 65	"	19वीं	
"	"	2,6,7	23 से 28 × 11 से 13	" विस्तार महिना	19/20वीं	
उपमान एव क मिर मा	"	2	26 × 12 × 12 × 44	प्रतिपूर्णा	20वीं	
मान. विधि २५	"	1,2	24 × 11 × 17,13 × 38	पूर्ण 17/13 गा.	19वीं	
"	"	2	25 × 12 × 13 × 47	" 26 गा.	19वीं	
"	"	2	25 × 11 × 12 × 30	नपूर्णा 27 गा.	19वीं	
"	"	2	25 × 14 × 12 × 30	" 26 गा.	20वीं	
उपमान-नव-नव २५	"	5	25 × 13 × 12 × 30	"	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
64 8	महावीर 3 आ 55 से 57, 74, 61	कालग्रहणादि योग विधि 5 प्रतिपा	Kālagrahanādi Yogavidhi 5 copies	—	प
69	महावीर 3 आ 25	खरतर समाचारी व तिथिपद्मो	Kharatara Samācārī & Tithi Paddo	अभयदेवमूरि	गद्य
70	शिवामदिर 3 आ 142	गच्छ-समाचारी	Gaccha samācārī	—	पद्य
71	के नाथ 23/82	गणेशचतुर्थीविद्या	Gaṇeśa Caturthī Kathā	कल्याणवद्ध न	ग
72	महावीर 3 आ 17	गुणन को टीप	Gunane ki-Tīpa	—	यत्र ताविका
73	के नाथ 21/24	चतुर्थी-कथानकम्	Caturparvī Kathānakam	—	ग
74	शिवामदिर 3 आ 174	चातुर्मासिक-व्याख्यान	Caturmāsika Vyākhyāna	—	मू व्याख्या
75	शामिना 3 आ 152	,	,	समयमुदर	ग
76	„ 3 आ 151	„	„	„	„
77	कोलडी 185	„	„	—	,
78	„ 367	,	„	—	„
79	„ 181	„	,	पाठक धम्मदिर	„
80	शिवामदिर 3 आ 173	„	„	—	„
81-2	के नाथ 5/36 24/53	„ 2 प्रतिपा	„ 2 copies	—	„
83 6	कुबुनाय 10/170 32/1, 29/15 42/42	„ 4 प्रतिपा	„ 4 copies	—	„
87	कोलडी 187	„	,	—	„
88	महावीर 3 आ 3	„	„	—	मू + व्याख्या
89 92	श्रीसिया 3 आ 27 3 आ 150, 149 148	„ 4 प्रतिपा	„ 4 copies	—	ग
93 4	क नाथ 21/4-76	„ 2 प्रतिपा	„ 2 copies	—	„
95 101	कोलडी 182-3- 4 6, 1090-1 1126	„ 7 प्रतिपा	„ 7 copies	—	„

6	7	8	8 A	9	10	11
1. विष्णु धार्मिक व प्रतिक्रिया	मा.	2,2,4, 7,6	25 से 28 x 12 से 13	नपूर्ण	20वीं	
2. विष्णु कथा के विधि विधान	प्रा.मं.	36	28 x 13 x 15 x 47	,, प्र. 1500	1967, नागौर, नरोत्तम	
3. विष्णु जीवन वर्षा नियम	प्र.	2	31 x 10 x 30 x 17	,, 70 गाथा	17वीं	
4. पर्व कथा	मा.	5	25 x 11 x 15 x 47	संपूर्ण	1912	
5. धार्मिक क्रिया पाठपद	प्रा.स.मा	18	27 x 12 x —	,, प्र. 785	19वीं	
6. पर्व कथा	म.	10	26 x 11 x 17 x 51	नपूर्ण	19वीं	(मास में 4 या 6 पर्व कथा भी है)
7. पर्व व्याख्यान पद्धति	प्रा.म. + मा.	19	25 x 12 x 14 x 42	,,	18वीं	
8. "	स.	7	25 x 10 x 13 x 37	,, ग्रंथाग्र 210	1748, श्रीरानेर महिमासुंदर	
9. "	"	7	26 x 11 x 13 x 40	,, "	1848, मिहामसर, लक्ष्मीसुंदर	
10. "	मा.	11	26 x 10 x 15 x 44	नपूर्ण	1797	
11. "	"	17	25 x 11 x 13 x 32	,,	1804	
12. "	"	8	25 x 11 x 19 x 60	,, प्र. 528	1825	
13. "	प्रा.म.	30*	26 x 11 x 15 x 45	,,	1859 x मति-कुत्राहन गाथा गाथ कुत्राहन 5 ग्रन्थ पर्व व्याख्यान	
14. "	म.	11,10	25 x 11 x 11/14 x 32	,, श्रुतात सहित	19वीं	
15. "	"	12,9, 7,4	25 से 26 x 11 से 13	प्रथम 2 पूर्ण प्रतिम 2 अपूर्ण	19वीं	
16. "	"	5	26 x 10 x 16 x 52	नपूर्ण	19वीं	
17. "	"	7	25 x 12 x 15 x 40	,,	20वीं	
18. "	मा.	9,22, 13,9	25 से 26 x 10 से 12	,,	19,20वीं	सहस्रनाम कथनुवाच
19. "	"	18,16	26 x 13 x 26 x 12	प्रथम पूर्ण 7वें अपूर्ण	19,20वीं	
20. "	"	19,14, 10,11, 10,10, 10	24 से 27 x 10 से 13	प्रथम अपूर्ण 3वें अपूर्ण	19,20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
102	श्रासिया 3 अ 28	चातुर्मासिक सवत्सरी प्रति- क्रमण विधि	Caturmāsika Samvatsari Pratikramana Vidhi	—	गघ
103	के नाथ 26/75	चत्यवदन विधि	Chatyavandana Vidhi	—	"
104	बोलडी 416	चत्र पूणिमा देववदन विधि	Chattrapūrnimā Devavan- dana Vidhi	—	ग
105	" 9 इ 5	चत्र पूणिमा व्याख्यान	Chattrapūrnima Vyākhyāna	सघाचार (वक्ती)	"
106-7	महावीर 3 आ 1, 126	" 2 प्रतिपा	" 2 copies	—	"
108	कालडी 179	"	"	—	"
109	श्रोसिया 3 आ 147	"	"	—	"
110	के नाथ 19/27	चौदहनियम स्वरूप	Caudaha niyama Svarūpa	—	"
111	मुनिमुजत 3 आ 162	छप्पन दिशाकुमारी जन्म महोत्सव	Chappana Diśākumari Janma Mahotsava	—	सू (ग)
112	" 3 अ 134	छप्पन दिशाकुमारी जन्म महोत्सव	Chappana Diśākumari Janma Mahotsava	—	सू ट (ग)
113	बोलडी 1351	जलगालण विधि रास	Jalagāḷaṇa Vidhi Rāsa	पानभूयण	प
114	के नाथ 16/37	जिनदिव प्रवेशादि विधि	Jinabimba pravesādivdhi	—	ग
115 8	बोलडी 424 स 27	" 4 प्रतिपा	" 4 copies	—	"
119- 20	" 422-3	तप विधिया 2 प्रतिपा	Tapa Vidhiyān 2 copies	—	"
121	महावीर 3 आ 107	तिरक तपस्या स्तवन	Tilaka Tapasyā Stavana	—	प
122	" 3 आ 105	तहत्तर तप विधिया	Tehattara Tapa Vidhiyān	—	ग
123	सवामदिर 2/371	दसकल्याण	Dasakalpārthā	—	"
124	कुथुनाथ 13	दिकपाल ग्रह पूजा	Dikpāla Grahapūja	—	ग (नत्र)
125	क नाथ 19/91	दीक्षादि विधान	Dikṣadi Vidhāna	—	ग
126 7	कालडी 958-9	दीक्षा विधि 2 प्रतिपा	Dikṣā Vidhi 2 copies	विधिप्रधानुसार	,
128	कुथुनाथ 35/9	"	"	"	"
129 30	कोनडी 401 888	" 2 प्रतिपा	" 2 copies	—	"
131	कुथुनाथ 12/202	"	"	—	"
132 4	महावीर 3 आ 51 2,128	" 3 प्रतिपा	" 3 copies	—	"
135	" 3 आ 54	(बडी) दीक्षा विधि	(Baḍī) Dikṣā Vidhi	शिवनिधानगण	"

6	7	8	8 A	9	10	11
घासक क्रिया विधि	प्रा.मा.	5	26 × 12 × 10 × 32	संपूर्ण	19वी	
"	"	2	26 × 13 × 10 × 23	"	19वी	
पर्य क्रिया	मा.	3	25 × 11 × 14 × 40.	"	19वी	
पर्य व्याख्यान व्रत कृषा	स.	2	24 × 12 × 14 × 48	"	19वी	
"	"	25* × 11*	25 × 12 × 14 × 45/ 34	"	19/20वी	साव में अन्य पर्वों के व्याख्यान
"	मा.	4	25 × 10 × 13 × 50	"	19वी	
"	"	7	25 × 11 × 15 × 40	"	19वी	
आयक दिनवर्षा व्रत	"	5	26 × 13 × 13 × 39	"	1877	
(घ) दिन अन्वाभिषेक परंपरा	प्रा.	8	27 × 12 × 14 × 48	"	1771 मेडता वीरमजी	
"	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 7 × 36	"	16वी × चतुरजी	
मानो धानने आयत	मा.	1	26 × 11 × 17 × 46	" 33 गाथा	19वी	
प्रतिष्ठा पूर्ण क्रिया विधि	"	4	26 × 11 × 14 × 59	संपूर्ण	19वी	
"	"	3,4,8, 11	25 से 27 × 11 से 12	"	19वी	
विभिन्न नक्षत्राणों की	"	11,7	25 × 12 × 10/12 × 40	"	20वी	
विधिपरक पत्र	"	2	25 × 11 × 11 × 33	प्रतिपूर्णा	19वी	
विभिन्न नक्षत्राणों की	"	5	27 × 12 × 15 × 42	"	18वी	
बापु धारण नमा-पारी	"	7	25 × 12 × 14 × 38	"	20 से × दान-विषय	
प्रतिष्ठा पूर्ण विधि	प.	3	26 × 13 × 13 × 28	संपूर्ण	19वी	
दीपा विधि	प्रा.मा.	9	26 × 11 × 13 × 40	"	19वी	
दीपा से विधि	प.	2,2	27 × 13 × विधि 2	"	19वी	
"	"	4	23 × 11 × 10 × 25	"	1951	
"	मा.	4,2	22 × 12 व 24 × 11	"	19वी	
"	"	1	115 × 17 × 122 × 10	"	1944	
"	"	3,3,4	20 व 27 × 12 व 13	"	20वी	
दीपा विधि	"	5	26 × 11 × 23 × 69	"	17वी	साव में अन्य पर्वों के विधि की

1	2	3	3 A	4	5
167-9	महावीर 3 आ 116 8 9	नवपद खमासरा 3 प्रतिया	Navapada Khamāsanā 3 copies	—	गद्य मत्र
170	कोलडी 413	नवपद जाप	Navapada Jāpa	—	ग
171	के नाथ 21/57	नवपद सिद्धचक्र प्रतिष्ठा पूजा विधि	Navapada Siddhacakra Pratisthā etc	—	,
172	महावीर 3 आ 93	नगी उपधान विधि	Nandī Upadhāna Vidhi	—	"
173	" 3 आ 81	"	"	—	,
174	" 3 आ 49	नदी दीक्षा विधि	Nandī Dikṣā Vidhi	—	"
175	" 3 आ 176	नित्य पूजन विधि	Nityapūjana Vidhi	—	"
176	" 3 आ 48	निर्वाणकलिका(प्रतिष्ठापद्धति)	Nirvāṇa Kalikā	सिंहतिलकसूरि	"
177	के नाथ 18/88	निविता बालबोध	Nivīṭān Bālabodha	—	"
178	कोलडी 196	पडिलेहणा कुलव	Paḍilehaṇā Kulava	विजयविमल (आनद- विमल शिष्य)	मू ट (प ग)
179	सेवामंदिर 3 इ 345	,	,	"	"
180	महावीर 2/16	"	,	"	"
181	ओसिया 2/170	,	"	"	"
182	कोलडी 188	पयुषण अष्टाह्निका व्याख्यान	Paryuṣaṇa Aṣṭāhnikā Vyākhyāna	—	ग
183	क नाथ 20/42	"	"	क्षमाकल्याण	,
184 6	, 8/27 23, 18/54	" 3 प्रतिया	" 3 copies	—	"
187	कोलडी 191	"	,	—	मू ट (प ग)
188	, 189,1036 90 157	, 3 प्रतिया	, 3 copies	—	ग
191-2	" 190-98	, 2 प्रतिया	" 2 copies	क्षमाकल्याण	"
193	कुमुनाथ 33/7	"	,	/धनश्वरसूरि	मू ट (प ग)
194	" 13/47	"	"	क्षमाकल्याण	ग
195 6	महावीर 3 आ 125 8	" 2 प्रतिया	" 2 copies	"	"
197	, 3 आ 6	"	,	—	मू ट (प ग)
198	, 3 आ 5	"	,	—	मू ट (ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
वैश्वदेव क्रिया पाठ पद	मं.	4,13,7	20 से 26 × 11 से 12	प्रतिपूर्ण	19/20वीं	
निम्नचक्र श्रौली	मा.	4	28 × 10 × 14 × 50	सपूर्ण	19वीं	
प्रारंभिक विधि						
धार्मिक क्रिया की	"	28	25 × 11 × 11 × 35	"	1875	
विधिया						
" "	"	5	24 × 11 × 18 × 44	"	18वीं	
" "	"	10	27 × 11 × 15 × 52	"	19-40. पानी, अमरदत्त	
शुभ प्रवचन विधि	प्रा	2	27 × 13 × 15 × 37	अपूर्ण (मुटक पाठ मात्र)	20वीं	
पाठ						
प्रभु पूजादि दैनिक	मा.	18	27 × 14 × 7 × 23	सपूर्ण	20वीं	
कर्त्तव्य						
प्रतिष्ठा पद्धति	न	41*	25 × 11 × 14 × 50	" प्रं. 200	1962	विन वरुं रागि प्रादि
विहित भव्याभव्य	मा.	6	24 × 11 × 10 × 34	सपूर्ण	19वीं	
विचार						
प्रतिषेधन विधि	प्रा मा	8	26 × 10 × 5 × 44	" 34 गा.	1808	
"	"	4	25 × 15 × 5 × 30	" 28 गा.	1862, लुगावा.	
"	"	5	26 × 13 × 5 × 34	" 28 गा.	19वीं	अर्जुन
"	"	4	26 × 11 × 5 × 37	" 27 गा.	19वीं राधिका-	नगर
प्रथम पद प्रथम 2	न.	10	25 × 12 × 16 × 48	अपूर्ण	18वीं	
दिन का						
" "	"	21	25 × 13 × 12 × 39	"	1900	
" "	"	14 33,9	24 से 28 × 12 से 13	प्रथम दो पूर्ण तीसरी अपूर्ण	19वीं	
" "	म.मा.	41	25 × 11 × 6 × 38	अपूर्ण	19वीं	
" "	न	6,2 6	25 से 26 × 11 से 13	प्रथम पूर्ण, द्वितीय 4 तीसरी अपूर्ण	19वीं	
" "	"	12 8	25 × 12 × 13, 20 × 49	अपूर्ण	19वीं	
" "	म.मा	30	29 × 14 × 8 × 52	"	1911	
" "	म.	15	25 × 13 × 12 × 34	"	1913	
" "	"	24,10	27 - 13 × 24 × 22	"	19, 20वीं	
" "	म.मा	38	26 × 12 × 6 × 40	" 182 श्रौत	1943 अर्जुन	
" "	"	38	25 × 12 × 8 × 38	" 142 अर्जुन	1872	

1	2	3	3 A	4	5
199-200	शानिया 3 आ 134, 133	पयुषण अष्टाहिका व्याख्यान 2 प्रतिपा	Paryuṣaṇa Astāhnikā Vyākhyāna 2 copies	मतिमदिर	ग
201-2	" 3 आ 135 158	" 2 प्रतिपा	" " "	"	"
203 4	कुयुनाथ 16/6 10/169	" 2 प्रतिपा	" " "	—	"
205 6	कोलडी 1150 78	" 2 प्रतिपा	" " "	—	"
207 8	के नाथ 21/75 15/206	" 2 प्रतिपा	" " "	—	"
209	शोसिया 3 आ 169	पयुषणाकल्पादि सूचना	Paryuṣanākālpādi Sūcanā	—	"
210 2	महावीर 3 आ 124 4 7	पयुषणाचिन्तामणि 3 प्रतिपा	Paryuṣaṇa Cintāmaṇi 3 copies	अमृतकुशल	"
213	के नाथ 11/61	पञ्चमी उद्यापन विधि	Pañcamī Udyāpana Vidhi	ज्ञानविमल	ग प
214	कुयुनाथ 15/2	" कथा	, Katha	दीपमुनि	प
215	के नाथ 6/88	, तप स्तवन	" Tapastavana	जिनविजय	"
216	कुयुनाथ 37/12	" देववदन विधि व स्तव	" Devavandana Vidhi	—	ग प
217	क नाथ 10/12	स्तवन	, Stavana	गुलविजय	प
218	कोलडी 417	पुंडरीक धाराधन विधि	Pundarika Ārādhana Vidhi	—	ग
219	मुनिमुवत 3 आ 165	पूजा विधि	Pūjā Vidhi	—	"
220	सवामदिर 3 आ 345	, स्तवन	, Stavana	गुरुविमल	"
221 2	महावीर 3 आ 111 2	पैतालीस प्रायम का गुणना 2 प्रतिपा	45 Āgama Gunanā	—	ग तालिका
223	कोलडी 945	पौष दशमी कथा	Pausa Daśamī Kathā	जन दसागर	प
224	के नाथ 21/87	"	"	—	"
225	महावीर 3 आ 19	"	"	—	"
226	सवामदिर 3 आ 173	" व्याख्यान	, Vyākhyāna	—	ग
227 9	महावीर 3 आ 126, 20 1	" 3 प्रतिपा	" , 3copies	—	"
230 1	कोलडी 173 172	" 2 प्रतिपा	" , 2copies	—	"
232	सवामदिर 3 आ 178	"	"	(द्वयचंद्रानुसारे)	"
233	मुनिमुवत 3 आ 171	पौष प्रतिक्रमणादि विधि	Pausadha Pratikramanādi Vidhi	—	ग प
234	कोलडी 395	"	" "	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
पुष्पप्रथम 2 दिन का	मा.	26,15	26 × 12 × 9/15 × 34	संपूर्ण	1907-16	
"	"	95	26 × 12 × 14 × 44	अपूर्ण	20वी	
"	"	12,42	26 × 12 व 28 × 12	संपूर्ण	20वी	
"	"	3,19	25 × 11 व 26 × 12	अपूर्ण	20वी	
"	"	17,17	26 × 14 व 25 × 11	पहिली पूर्ण, दूसरी अपूर्ण	20वी	
नाघुपर्व आचार विधि	"	7	25 × 11 × 16 × 34	अपूर्ण	20वी	
पर्व विधि विधान	स.	16,17 18	27 से 29 × 12 से 13	संपूर्ण	19/20वी	
तिथि पर्व भक्ति विधि	सं.मा.	3	25 × 12 × 16 × 47	"	1875	
" कथा	मा.	8	26 × 11 × 15 × 45	" 11 ढालें	1907	
"	"	6	25 × 11 × 10 × 29	" 6 ,	19वी	
" विधि	"	14	25 × 12 × 9 × 36	संपूर्ण	1943	
" काव्य	"	4	26 × 13 × 11 × 29	" 5 ढाले +	19वी	
भक्ति (गराधर) विधि	"	3	27 × 13 × 12 × 34	"	19वी	
प्रभु पूजा विधि विधान	"	5	23 × 11 × 10 × 28	प्रतिपूर्ण	19वी	
" काव्य	"	1	26 × 12 × 17 × 46	संपूर्ण 27 गा	19वी	
शास्त्र भक्ति पाठ पद	संस्कृत	9,9	28 × 12 × —	" 310 मत्र पद	19वी	
पर्व व्याख्यान कथा	सं.	2	25 × 10 × विभिन्न	संपूर्ण 75 श्लोक	19वी	
"	"	14*	25 × 12 × 11 × 35	" 73 "	19वी	
"	"	4	28 × 13 × 11 × 36	" 75 "	20वी	
"	"	30*	26 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण	1859	
"	"	25,10 11	25 से 29 × 12 से 14	"	19/20वी	
"	"	2,5	28 × 12 व 25 × 12	"	19/20वी	
"	"	6	25 × 11 × 8 × 45	"	1934	
आवश्यक क्रिया विधि	प्रा स.मा	29	26 × 12 × 15 × 35	प्रतिपूर्ण भिन्न 2 पन्ने	1846	
"	मा.	3	23 × 12 × 14 × 40	प्रतिपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
235	ब नाथ 14/46	पौषध प्रतिक्रमणादि विधि	Pausadha Pratikramanādi Vidhi	—	ग
236-7	ज्ञानपी 397-8	पौषध विधि 2 प्रतिपा	Pausadha Vidhi 2 copies	—	,
238	महावीर 3 आ 39	"	,	—	"
239	क नाथ 14/47 41	2 प्रतिपा	2 copies	—	,
40 241	11/106	पौषध विधि स्तवन	Pausadha Vidhi Stavana	समयमुदर	प
242	19/93	प्रति आलोचना विधि	Prati Ālocanā Vidhi	—	ग
243-5	बुधुनाथ 3/13 10 174 15-53	प्रतिक्रमण विधि 3 प्रतिपा	Pratikramaṇa Vidhi 3 copies	—	"
246-7	क नाथ 5/69 21/ 55	, 2 प्रतिपा	, 2 copies	—	,
248	ज्ञानपी 961	(पञ्च) प्रतिक्रमण विधि	(Panca) "	—	"
249- 50	बुधुनाथ 10 159 3 79A	2 प्रतिपा	, , 2 copies	—	"
251	महावीर 3 आ 18	प्रतिक्रमण हेतु गम	Pratikramana Hetu Garbha	जयचन्द्रसूरि	,
252	ब नाथ 10/83	,	,	,	"
253	26/58	,	,	धमाकल्याण	"
254	10/68	प्रतिक्रमाक्रम विधि साधनावाम	Pratikramākrama Vidhi Sānthāvagama	जयचन्द्रसूरि	प
255	महावीर 3 आ 43	प्रतिष्ठाकल्प	Pratisthā Kalpa	धनात(समूहीतसपादिन)	प ग
256	3 आ 46		,	—	ग
257	3 आ 42		,	धनात(समूहीतसपादिन)	प ग
258	3 आ 45	प्रतिष्ठा कुडली आदि	Pratisthā Kuṇḍalī etc	—	ग धन
259	ब नाथ 17/37	प्रतिष्ठा क टब्ब	Pratisthā ke Tabbe	—	ग
260	23/22	प्रतिष्ठाधिकार	Pratisthādhikāra	—	
261	कोलडी 1240	प्रतिष्ठा विधि	Pratisthā Vidhi	—	"
262-3	क नाथ 21/42 72	2 प्रतिपा	2 copies	—	
264-5	महावीर 3 आ 40 41	" 2 प्रतिपा	"	—	,
266	ब नाथ 23/91	प्रतिष्ठा सामग्री	Sāmagrī	—	"
267	बुधुनाथ 4/81	प्रत्याख्यान वाक्य	Pratyākhyāna Kōthaka	—	तादिका

6	7	8	8 A	9	10	11
वश्यक क्रिया विधि	मा.	4	24 × 12 × 13 × 30	प्रतिपूर्ण	20वी	
" "	"	3,4	25 × 10 व 26 × 13	"	19वी	
" "	"	4	25 × 12 × 12 × 35	"	20वी	
" "	"	6,2	25 × 12 व 26 × 11	"	19/20वी	
" काव्य	"	4	25 × 11 × 11 × 31	संपूर्ण 37 गायत्र्ये	19वी	
प्रायश्चित्त विधि	"	4	26 × 12 × 15 × 41	संपूर्ण	19वी	
वश्यक क्रिया विधि	,	3,3,1	26 से 27 × 11 से 12	"	20वी	
" "	"	2,14	25 × 11 व 26 × 12	"	20वी	
" "	"	2	26 × 12 × 15 × 35	"	1873	
" "	"	6,1	26 × 11 व 12 × भिन्न 2	"	20वी	
वश्यक विधि विवेचन	सं.	15	26 × 12 × 22 × 46	संपूर्ण ग्रथाग्र 1506	1842,सूरत क्षमाप्रभ	
" "	"	20	27 × 12 × 15 × 55	"	19वी	
" "	मा.	3	25 × 13 × 13 × 48	"	20वी	
" "	स.	23	25 × 12 × 11 × 40	" 150 श्लोक	1934	
वृत्ति प्रतिष्ठा विधि	"	18	28 × 12 × 20 × 43	"	18वी	
" "	"	130	25 × 12 × 11 × 33	"	1828	
" "	"	37	27 × 13 × 14 × 32	"	20वी	अतमे प्रतिष्ठासामग्री सूची
तीर्थंकरो की राशि आदि ज्योतिष पक्ष मुद्देवार टिप्पणिये	"	6	27 × 12—	प्रतिपूर्ण	20वी	
"	मा.	24	31 × 15—	"	19वी	
प्रतिष्ठा विधियां	सं.	92	27 × 13 × 13 × 47	संपूर्ण	1893	
नवीनप्रासाद से ध्वजातक	"	23	25 × 12 × 15 × 48	"	1906	
प्रतिष्ठा विधिया	प्रा स.मा	16,24	27 × 12 व 24 × 12	"	19/20वी	
" "	मा	42,34	27 × 13 व 25 × 13	"	19वी(1पालीमे)	
किरियाणा की सूची	"	4	20 × 10 × 10 × 33	"	19वी	
आगार छायादि विधान	प्रा.	1	24 × 10 × —	"	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
268	कुमुदाय 9/125	प्रत्यास्थान वाष्क	Pratyākhyāna Koshaka	—	तात्रिका
269	कोलडी 938	प्रत्यास्थान स्तवन	Stavana	रामचन्द्र	प
270 1	क नाय 19/107, 26/33	,, 2 प्रतिमा	, 2 copies	,	,,
272	कुमुदाय 42/17	प्रारम्भना	Prārambhanā	—	सू व्याख्या
273	,, 37/14	वारह व्रत अतिचार	Bāraha Vrata Aticāra	—	पत्र
274	क नाय 26/82मु			—	,,
275	,, 19/50	वारह व्रत आनोचना	,, Ālocanā	प्रेमरात्र	पत्र
276 7	क नाय 3 24,5-30	वारह व्रत टोप 2 प्रतिमा	, Tīpa 2copies	—	ग
278	कोलडी 1198		,	—	,
279	क नाय 26/ 3	वारह व्रत लन की विधि	, Leneka Vidhi	—	,
280	कोलडी 370	वारह व्रत विचार पद्धति	, Vicāra Pad dhati	—	,
281	, 369	वारह व्रत विवरण	, Vivarana	उदयसागर	,,
282	महावीर 3 आ 18	बीमन्वानन गुणना	Bisa Sthanaka Gunana	—	पत्र पत्र
283 4	3 आ 106 9	,, तप विधि 2 प्रतिमा	Tapavidhi 2 copies	—	ग
285	3 इ 19	तप स्तवन	, Tapastavana	नवविजय	प
286	3 आ 87	ब्रह्मचर्यादि व्रत विधि	Brahmacarvādi Vrata Vidhi	—	प
287-9	3 आ 126 20 1	मेरुत्रयादगी कथा 3 प्रतिमा	Merutrayodasā Kathā 3 copies	—	
290	कोलडी 175 174	2 प्रतिमा	2 copies	धमान ल्याण	,,
292	ग्रामिया 3 आ 138	,			,
293	क नाय 19/56	,		,,	,,
294	कुमुदाय 4/85	,		,,	,,
295	क नाय 15/144	व्याख्यान	, Vyākhyānā	—	,
296 7	कोलडी 176 112	, 2 प्रतिमा		—	,,
298	महाभार 3 आ 175	मा 1 टिप्पणिका	Moksa Tīppanikā	—	
299	क नाय 22/36	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādasi Kathā	—	सू (प)

6	7	8	8 A	9	10	11
आगार, छायादि विधान	मा.	1	23 × 14 × —	संपूर्ण	19वी	
तपफल वर्णन विधि काव्य	„	3	27 × 10 × 10 × 27	„ 33 गा	1890	
„ „	„	7,2	25 × 11 व 26 × 12	„ „ (तीन ढाले)	19/20वी	
कल्पसूत्र की पीठिका वाचन	प्रा.स.	2	26 × 11 × 12 × 52	अपूर्ण (बीच का 1 पन्ना कम)	17वी	
व्रत भग विचार	प्रा मा	4	25 × 11 × 13 × 34	संपूर्ण	19वी	
„	मा.	16	16 × 9 × 9 × 20	अपूर्ण	19वी	
अतिचार विचिंतन	„	13	26 × 13 × 16 × 32	संपूर्ण 151 गाथा	1940	अत मे 3-4 स्फुट स्तवन
व्रत विधान विवरण	„	35,5	23 × 12 व 25 × 12	संपूर्ण	19वी	
„	„	8	29 × 12 × 14 × 47	अपूर्ण (पहिला व्रत भी अधूरा)	19वी	
प्रतिज्ञापाठादि	प्रा मा.	2	26 × 12 × 18 × 50	संपूर्ण	1829	
श्रावकाचार व्रत विवरण	मा.	100	27 × 13 × 12 × 32	„	1826	मकसुदावाद के सुगालचदजी की टीप
„ „	„	78	25 × 13 × 14 × 48	„	1903	
तप पूजा क्रिया पाठ पद	स.	10	27 × 12 × 17 × 39	„	19वी	
तप सूत्र व क्रिया	मा.	85,11	26 × 12 व 27 × 12	„	19वी	
„ काव्य	„	2	26 × 11 × 15 × 40	„ 25 गा	20वी	
श्रावकाचार क्रिया विधान	„	9	26 × 13 × 13 × 36	„	20वी	
पर्व व्रत कथा	स	25*10* 11*	25 से 29 × 12 से 14	„	19/20वी	
„	„	6,5	26 × 12 व 29 × 13	„	19वी	
„	„	5	25 × 11 × 14 × 34	„	1900	
„	„	7	25 × 11 × 11 × 40	„ प्र. 165	19वी	
„	„	7	24 × 13 × 12 × 35	„	1945	
„	मा	8	25 × 12 × 13 × 42	„	19वी	अत मे जयवर्मा जयमाल की 1 अनु मात्र पिगलराय का कथानक भी है
„	„	19,6	25 × 13 व 21 × 13	प्रथम संपूर्ण द्वितीय अपूर्ण	20वी	
विभिन्न तप विधिया	„	11	26 × 12 × 14 × 40	संपूर्ण	17वी	
पर्व व्रत कथा	प्रा	7	26 × 12 × 13 × 47	„ 155 गा.	1802	

1	2	3	3 A	4	5
300	कालडी 164	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādaśī Kathā	—	मू ट (प ग)
301	, 167	"	,	—	"
302 3	,, 166,165	" 2 प्रतिपा	" 2 copies	—	"
304	के नाथ 5/37	"	"	—	"
305	महावीर 3 प्रा 13	"	,	—	मू (प)
306	व्युनाय 9/124	मौन एकादशी व्याख्यान	Mauna Ekādaśī Vyakhyaṇa	सोभाग्यनदमूरि	पद्य
307	मुनिमुद्रत 4 प्र 166	,	"	"	"
308	के नाथ 10/110	"	"	रविसागर	"
309	,, 22/41	"	"	सोभाग्यनदि	"
310	व्युनाय 52/6	,	"	,	"
311	प्राप्तिया 3 प्रा 139	,	,	"	"
312	3 प्रा 154	"	,	रविसागर	"
313	क नाथ 10/33	"	"	दानचद्रगणि	मू ट (प ग)
314	महावीर 3 प्रा 12	"	"	वीरविजय	"
315	कोनडी 168	"		—	प
316	प्राप्तिया 3 प्रा 153	मौन एकादशी व्रत कथा	Mauna Ekādaśī Vrata Kathā	रूपचद्रगणि शिष्य	ग
317	महावीर 3 प्रा 14	,	,	वीरसागर	,
318	निवामदिर 3 प्रा 173	"	"	—	"
319	महावीर 3 प्रा 126	"	,	—	"
320	व्युनाय 16/11	"	,	—	"
321	कालडी 169	"	"	(प्राङ्गानुसार)	,
322	व्युनाय 10/153	"	,		"
323	कोनडी 171	"	,		"
324	, 170	मौन एकादशी कथानक	Mauna Ekādaśī Kathānaka	(प्राङ्गानुसार)	"
325	क नाथ 23/46	"	"	(मू सोभाग्यनदि) प्रमत्त बल्लभ	"

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	प्रा मा.	11	27 × 11 × 14 × 44	सपूर्णा 156 गा.	1828	
"	"	11	26 × 11 × 6 × 50	" " "	1845	
"	"	12,8	25 से 27 × 13 × भिन्न 2	" " "	19वी	
"	"	17	26 × 12 × 6 × 30	" "	19वी	
"	प्रा.	6	24 × 12 × 15 × 44	" "	1944	
"	स.	5	25 × 14 × 14 × 33	" 118 श्लोक	1576	1576 की कृति
"	"	3	25 × 11 × 15 × 49	" "	1733, लूणाकर- सागर, दयासागर	
"	"	20	26 × 12 × 5 × 37	" 200 श्लोक	1829	
"	"	5	25 × 14 × 14 × 27	" 116 "	19वी	
"	"	6	26 × 11 × 12 × 38	" 118 "	19वी	
"	"	3	24 × 10 × 14 × 57	" 113 "	19वी	
"	"	7	26 × 12 × 19 × 35	" 201 "	19वी	
"	स.मा	31	27 × 13 × 5 × 27	" 221 "	1858	
"	"	18	26 × 11 × 4 × 24	" 109 "	19वी राने, गौतमसागर	1774 की कृति
"	स	3	26 × 11 × 14 × 52	अपूर्णा 109 श्लोक (अतिम पन्ना नहीं,	19वी	
"	"	8	26 × 12 × 19 × 45	सपूर्णा	1896, जंसलद्वि पुर, शिवचन्द्र	1884 की कृति
"	"	20	27 × 13 × 6 × 30	" प्र 202	20वी	
"	"	30 [†]	26 × 11 × 15 × 45	"	1859	
"	"	25*	25 × 12 × 14 × 35	"	1875	
"	"	4	24 × 13 × 12 × 48	"	1945	
"	"	3	26 × 11 × 11 × 50	"	19वी	
"	"	1	26 × 11 × 13 × 40	"	19वी	
"	"	2	26 × 11 × 15 × 45	"	19वी	
"	मा	5	26 × 11 × 12 × 42	"	1682	
"	"	9	28 × 13 × 15 × 47	सपूर्णा (वीचमेनीवापन्नाकम)	1762	

1	2	3	3 A	4	5
326	के नाथ 23/84	मौन एकादशी कथानक	Mauna Ekādaśī Kathānaka	—	ग
327	„ 19/108	„	„	—	„
328 9	श्रीसिया 3 घा 140 1	„ 2 प्रतिमा	„ 2 copies	—	„
330 1	के नाथ 15/180, 24/19	„	„	—	„
332 3	कुमुनाथ 35/1, 24/9	„	„	—	„
334	के नाथ 23/87	मौन एकादशी क्रिया विधि	„ Kriyāvīdhī	रूपविजय	„
335	कोलडी 948	मौन एकादशी का गुणना	„ kā Gunanā	—	ग मन
336	महावीर 3 घा 15	„	„	—	„
337	„ 3 घा 120	„	„	—	„
338 9	कुमुनाथ 4/102 13/54	„ 2 प्रतिमा	„ 2 copies	—	„
340	के नाथ 24 65	„	„	—	„
341 4	कोलडी 418 949 889 419	„ 4 प्रतिमा	„ 4 copies	—	„
345	महावीर 3 घा 16	„	„	—	„
346 7	क नाथ 18/11 20/30	मौन एकादशी स्तवन 2 प्रतिमा	„ Stavana	कातिविजय	प
348	कोलडी 307	„	„	„	„
349	श्रीसिया 3 घा 190	„	„	„	„
350	कोलडी 1225	यतिदिनचर्या + वृत्ति	Yatidinacarya + Vṛtti	भावदेवसूरि/मतिसागर	मू व (प ग)
351	„ 891	„ —	„ —	भावदेवसूरि	मू ट (प ग)
352	महावीर 3 घा 30	„ अक्षर	„ + Avacūri	„	मू अ (प ग)
353	के नाथ 13/15	„	„	—	प
354	„ 14/52	„	„	दवसूरि	ग
355	कोलडी 890	यति (दसविध) घम सज्जमाय	Yatidharma Sajjhāya	नानविमल	प
356	„ गु 1/8	यति सज्जमाय	Yati Sajjhāya	—	„
357 8	महावीर 3 घा 70 71	याग खमापणा आदेश 2 प्रतिमा	Yaga Khamāsanā Ādeśā 2 copies	—	ग
359	3 घा 80	योगदिन आदि	Yogadina etc	—	„

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	मा.	4	25 × 11 × 15 × 27	संपूर्ण	1811	
"	"	5	25 × 11 × 15 × 42	"	1844	व्रत में 'स्तवन' समय- सुंदर का
"	"	5,7	26 × 11 × 15/11 × 38	"	1869, 19वी	
"	"	6,7	26 × 11 × 12 × 42	"	19वी	
"	"	13,6	26 × 13 व 26 × 12	प्रथम संपूर्ण व्र 200 द्वितीय अपूर्ण	20वी	
"	"	8	23 × 14 × 16 × 36	संपूर्ण	1936	
पर्व व्रत पाठ स्मरण	स	2	26 × 11 × —	संपूर्ण 150	1749	
"	"	2	25 × 11 × 13 × 39	"	1779, शाहजहा- बाद, मंगलसागर	
"	"	3	26 × 11 × —	"	18वी	
"	"	2 3	25 × 12 व 24 × 13	"	19वी	
"	"	3	25 × 12 × 15 × 51	"	19वी	
"	"	3,2,2,2	25 से 27 × 10 से 12	"	19/20वी	
"	"	2	26 × 12 × 12 × 32	"	1902, अजमेर रिखीलाल	
पर्वव्रत क्रियाकाकाव्य	मा.	5,4	29 × 13 व 25 × 11	संपूर्ण 3 ढाले	19वी	
"	"	5	25 × 11 × 10 × 30	" "	1879	
"	"	3	25 × 11 × 12 × 44	" (27 गा.)	19वी	
साधु समाचारी विधि	प्रा.स	40	26 × 11 × 15 × 56	संपूर्ण 154 गा.	16वी	कालिकसूरि-वंशज.
"	प्रा मा	13	26 × 13 × 7 × 39	" 151 गा.	1901	
"	प्रा.स.	68	27 × 12 × 8 × 41	" 154 गा की	1957, राजनगरे	
"	म	14	28 × 13 × 15 × 41	" 420 श्लोक व्र 500	19वी	
"	अ.	7	26 × 11 × 20 × 40	" 389 पद	19वी	
"	मा.	9	24 × 13 × 13 × 32	" 10ढाले= 154गा	19वी	
"	"	9	14 × 11 × 10 × 15	अपूर्ण	19वी	
आवश्यक क्रिया विधि	"	2,2	28 × 13 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	20वी	
स्वाध्यायमुहूर्तविधि	"	2	26 × 11 × 20 × 48	"	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
360	महावीर 3 आ 66	योगदूहन विधि	Yogadūhana Vidhi	—	ग
361	„ 3 आ 60	योगप्रवधादि विधि	Yogapraveśādi Vidhi	—	„
362	„ 3 आ 69	योग मोटी (बड़ी) विधि	Yoga Moti Vidhi	—	„
363	„ 3 आ 76	योग यत्र विधि	Yogayantra Vidhi	—	ग यत्र
364	„ 3 आ 62	„	„	—	„
365	„ 3 आ 77	„	„	—	„
366	„ 3 आ 75	योग विधि	Yoga Vidhi	—	„
367	„ 3 आ 72	„	„	—	„
368	„ 3 आ 73	„	„	—	ग
369	„ 3 आ 58	„	„	—	„
370	„ 3 आ 68	„	„	—	ग यत्र
371	„ 3 आ 79	„	„	—	ग
372	„ 3 आ 64	„	„	—	„
373	„ 3 आ 65	योगानुष्ठान विधि	Yogānusthāna Vidhi	—	„
374	„ 3 आ 63	„	„	—	„
375	3 आ 34	राइ मयारा नापादि	Rāisanthā:ā Bhāsādi	—	„
376	„ 3 आ 127	रोहिणी (तप) कथा	Rohini (Tapa) Kathā	—	सूट
377	क नाय 21/32	„ „	„ ()	कनककुशल	प
378	„ 5/9९	„ महात्म्य	„ (Mahātmya) Kathā	—	ग प
379- 81	बुधनाय 15 61 20 11 4-83	रोहिणी(चोत्रानियो)तप स्तवन 3 प्रतिमा	Rohini Tapa Stavana 3 copies	मुनि श्रीसार	प
382 6	कोलडी 314 5-7 928 32	„ तप स्तवन १ प्रतिमा	„ , 5 copies	„	„
387 8	के नाय 15/218 19/112	„ 2 प्रतिमा	„ , 2 copies	„	„
389	„ 15/191	रोहिणि (वासुपूज्य) स्तवन	Rohini (Vāsūpūjya) Stavana	लक्ष्मीसूरि	„
390	„ 15/38	„	„	भक्तिनाम का शिष्य	„
391	कोलडी 1352	„	„	दीपविजय	„

6	7	8	8 A	9	10	11
स्वाध्याय विधि	मा	15	26 × 11 × 13 × 34	प्रतिपूर्ण	1635 ×	
धार्मिक क्रिया विधिया	„	16	28 × 12 × 15 × 31	„	ठाकरसी 1916, पालिप्त नगरे,	
„	„	48	25 × 11 × 12 × 50	„	19वी	
अगोपाङ्ग अध्ययन विधान	प्रा मा.	5	26 × 11 × 14 × 43	„	16वी	
„ „ तप	मा.	7	25 × 12 × 10 × 37	„	1890, पाटण, भक्ति विलास	
अध्ययन विधि तालिकाये	„	3	26 × 11—	„	19वी	
धार्मिक स्वाध्याय विधि विधान	„	5	26 × 11—	„	16वी × कुल- तिलक	
„ „	„	9	26 × 11 × 14 × 55	„	1658	
„ „	„	7	26 × 11 × 19 × 56	„	1705 सिद्धपुर कल्याणसागर	
„ „	„	16	26 × 12 × 14 × 37	„	18वी	
„ „	प्रा.	12	25 × 11 × 15 × 47	„	18वी	
तपत्रादिविधिविधान	मा.	3	26 × 11 × 16 × 58	„	18वी	
स्वाध्याय धार्मिक क्रिया विधि	„	44	27 × 13 × 12 × 42	„	20वी	
„ „	„	12	26 × 11 × 13 × 49	„	16वी × इन्द्र- विजय	
„ „	„	29	25 × 11 × 12 × 47	„	18वी	
पौषध शमन विधि	„	5	24 × 12 × 12 × 33	„	1858	
तप व्रत कथा	प्रा + मा	9	25 × 12 × 6 × 28	सपूर्ण	1901, रगोज- नगर, रग सक्त	
„	स	6	26 × 11 × 14 × 45	„ 202 श्लोक	1657	(अशोकचंद्रनृपकथा)
„	मा.	5	26 × 12 × 16 × 35	सपूर्ण	1826	
तप व्रत विधि काव्य	„	2,4,3	25 से 26 × 8 से 12	„ 4 ढाल + कलश = 26 गाथा, 23 गा	1862, 19वी	
„ „	„	2,4,4,3, 2	22 से 26 × 11 से 12	„ 26 गा.	19वी	
„ „	„	2,5	24 × 12 व 18 × 12	„ „	19वी	
„ „	„	2	25 × 12 × 11 × 32	„	1883	
„ „	„	2	25 × 11 × 11 × 35	„ 24 गा.	19वी	
„ „	„	4	25 × 12 × 11 × 28	„ छः ढाल	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
392	महावीर 3 भा 108	रोहिण्यादि तप विचार	Rohiṇyādi Tapa Vicāra	—	ग
393	„ 3 भा 31	विधिपक्ष समाचारी	Vidhiṭpākṣa Samacārī	—	„
394	„ 3 भा 35	विविप्रभा	Vidhiṭprapā	जिनप्रभ	„
395	कोलडी 1177	विधि संग्रह	Vidhi Sangraha	—	„
396-7	कुथुनाथ 14/41-42	विधि स्फुट लघु ग्रन्थ दो प्रतिया	Vidhisphuta Lagu Grantha 2 copies	—	„
398	के नाथ 6/34	वृद्ध स्नान विधि	Vṛdha Snatra Vidhi	—	„
399	घोसिया 3 इ 229	शांति घोर अष्टोत्तरी स्नात्र	Śānti & Astottarī Snātra	—	„
400	कुथुनाथ 13/217	शांति स्नात्र पूजा विधान	Śānti Snātra Pūjā Vidyānā	—	ग मत्र
401	महावीर 3 भा 44	शांति स्नात्र विधि	„ „ Vidhi	—	ग
402	घोसिया 3 भा 156	शुक्ल पंचमी माहात्म्य स्तवन	Śuklapancamī Mahātmya Stavana	गुणविजय (कुवरविज शिष्य)	प
403	„ 3 भा 37	श्रमणोपासक विश्रामस्थान	Śramaṇopāsaka Viśrāma sthāna	—	ग
404	कुथुनाथ 3/61	श्रावक श्रावोचना	Śrāvaka Ālocanā	—	प ग
405	के नाथ 20/51	श्रावक श्रावण्यक विधि	Śrāvaka Āvaśyaka Vidhi	—	ग
406	„ 6/46, 11/ 10 60 17/1 23/14 20/47	श्रावक विधि प्रकाश 5 प्रतिया	Śrāvaka Vidhi Prakāśa 5 copies	क्षमाकल्याण	„
411	घोसिया 2/247	„	„ „	—	„
412	सेवामदिर 3 भा 62	पढावश्यक विधि	Ṣaḍāvaśyaka Vidhi	—	„
413	महावीर 3 भा 78	सज्ज्हाय पढावणादि विधि	Sajjhāya Paḍhāvanādi Vidhi	—	„
414	कुथुनाथ 37/18	सनाथ विधि	Sanātha Vidhi	—	„
415	महावीर 3 भा 88	सम्यक्त्व उच्चाराणादि विधि	Samyaktva Uccāraṇādi Vidhi	—	„
416	सेवामदिर 3 भा 177	सर्व तप विधि	Sarva Tapa Vidhi	—	„
417 8	महावीर 3 भा 90 95	संघपति मालारापण 2 प्रतिया	Saṅghapati Mālārapana 2 copies	—	„
419	„ 3 भा 26	साधु विधि प्रकाशादि	Sādhu Vidhi Prakāśādi	—	„
420	3 भा 27	„	„	(मूल क्षमाकल्याण)	—
421	घोसिया 3 भा 130	साधु श्राद्ध श्रावोचना	Sādhu Śraddha Ālocanā	—	„

6	7	8	8 A	9	10	11
तप व धार्मिक क्रिया विधि	स.	13	27 × 11 × 21 × 70	मपूर्ण	16वी	
साधु दिनचर्या नियम	„	5	27 × 11 × 22 × 75	„ ग्रं. 395	1525, श्रीपत्तनगर, जयरत्न	
जैन धार्मिक विधि शास्त्र	प्रा	162	25 × 11 × 11 × 47	„ ग्रं. 3574	1962, जोधपुर शेरमल	लिपिक ने ग्रं 4672 लिखे है
धार्मिक विधियां	मा.	66	26 × 12 × 14 × 52	प्रतिपूर्ण	19वी	
अष्टोत्तरी स्नात्र, माडला	„	1,1	26 × 11 व 24 × 11	„	19वी	
पूजा धार्मिक क्रिया विधि	„	9	26 × 11 × 15 × 55	„	19वी	
„ „	„	16	26 × 13 × 12 × 28	„	1969, जोधपुर फाउलाल	
„ „	मा स	17	26 × 11 × 10 × 40	„	19वी	
„ „	मा.	16	27 × 12 × 10 × 29	„	20वी	
पर्व विधि माहात्म्य काव्य	„	5	26 × 11 × 10 × 31	सपूर्ण 5 ढालें	19वी	
श्रावकाचार विधि	„	2	26 × 11 × 18 × 55	प्रतिपूर्ण	18वी	
अतिचार प्रायश्चित्त परिमाण	प्रा सं.मा.	4	27 × 11 × 16 × 33	सपूर्ण	17वी	
प्रतिक्रमणकी विधिया	मा.	4	23 × 11 × 17 × 43	„	1825	
श्रावकावश्यक की	„	13,7,9 19,11	24 से 30 × 12 से 15	4 = सपूर्ण, अतिम अपूर्ण	19/20वी	
„ „	„	17	26 × 12 × 13 × 35	सपूर्ण	1927	
आवश्यक क्रिया विधि	„	4	26 × 12 × 8 × 34	प्रतिपूर्ण	20वी बीकानेर दीपविजय	
धार्मिक „ „	„	2	26 × 11 × 10 × 39	„	20वी	
जिन जन्मोत्सव विधि वर्णन	अ.	2	26 × 11 × 14 × 60	„	19वी	
धार्मिक क्रिया विधि	मा.	4	26 × 11 × 16 × 49	सपूर्ण	19वी	
62 प्रकार के तपो की	„	3	26 × 11 × 15 × 72	„	18वी × सावल-दास	
धार्मिक क्रिया उपघान	„	4,2	26 × 12 व 25 × 11	„	20वीं	
साधु आवश्यकतादि	स	16	28 × 12 × 14 × 46	„	20वी	
„	मा.	39	26 × 12 × 10 × 30	„	1896 नागौर चरित्रसागर	
प्रायश्चित्त परिमाण विचार	„	1	42 × 11 × 23 × 68	„	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
422 3	महावीर 3 आ 28/29	साधु धावक विधि प्रकाश 2 प्रतिया	Sādhu Śrāvaka Vidhi Prakāśa 2 copies		ग
424	" 3 आ 24	साधु समाचारी	Sādhu Samācārī	हरिप्रभसूरि	,
425	के नाथ 21/47	सामायिक के बोल व अतिचार	Sāmāyika ke Bola & Ati cāra	—	"
426	" 6/50	सामायिक ग्रहण विधान	Sāmāyika Grahana Vidhāna	शिवनिधान	"
427	, 26/29	सामायिक प्रतिक्रमणादि विधि	Sāmāyika Pratikramanādi Vidhi	—	"
428	" 5/31	" (पचाङ्गी) विचार	" Pañcāngī Vicāra	—	"
429	" 16/38	सामायिक विधि	" Vidhi	—	"
430	, गुटका 1	सामायिकादि दोष स्तवन	, Doṣa Stavana etc	प्रान्तनिधान	प
431-2	कोलडी 411-12	सिद्धचक्र गुणना दो प्रतिया	Siddhacakra Gunanā 2 copies	—	ग मत्र
433	कुचुनाथ 17/8	सिद्धांत विधि	Siddhanta Vidhi	—	ग
434	के नाथ 22/16	सोभाग्य (ज्ञान) पचमी कथा	Saubhāgya Pañcamī Kathā	कनककुशल	प
435	, 11/39	"	"	"	"
436	महावीर 3 आ 9	"	"	"	"
437	कोलडी 202	"	"	"	मू ट (प ग)
438	क नाथ 15/161	"	"	"	पद्य
439	10/34	"	"	"	मू ट (प ग)
440	कुचुनाथ 4/86	"	"	"	पद्य
441	कोलडी 201	"	"	"	मू ट (प ग)
442	महावीर 3 आ 10	"	"	"	पद्य
443	सवामदिर 3 आ 173	सोभाग्य पचमी व्याख्यान	Saubhāgya Pañcamī Vyākhyāna	—	ग
444	घोसिया 3 आ 136	" "	"	—	"
445 6	कोलडी 197 203	" , 2 प्रतिया	" , 2 copies	—	"
447	के नाथ 23/74	, कथानक	, Kathanaka	—	"
448	, 15/17	" देववदन विधि	, Devavandana Vidhi	—	"
449	कोलडी 407 8	" , 2 प्रतिया	" , 2 copies	विजयलक्ष्मी मुनि	प ग

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक धार्मिक विधि	सं मा.	65,31	26 × 13 व 25 × 12	संपूर्ण	20वी	
साधु दैनिकचर्या नियम	सं.	10	29 × 14 × 15 ×	422 पद संपूर्ण	20वी	
विश्लेषण व दृष्टांत	मा.	18	27 × 11 × 14 × 39	संपूर्ण	20वी	
आवकावश्यक विधि	,,	11	26 × 11 × 17 × 52	,, 16 विधियां	20वी	
धार्मिक ,, ,,	,,	4	26 × 13 × 14 × 40	अपूर्ण	20वी	
आवश्यक विधि	,,	3	25 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	1891	
,,	,	2	26 × 13 × 12 × 41	,,	20वी	
आवश्यक विधि विधान	,,	5*	22 × 19 × 22 × 32	संपूर्ण 5 स्तवन कुल 120 गा.	1814	
पूजा पाठ जप नाम स्मरण	स.	6,6	27 × 12 × 12/13 × 38	संपूर्ण	19वी	
आगम उद्धरणों से निर्णय	प्रा मा.	21	26 × 10 × 13 × 48	अपूर्ण	16वी	
पर्व व्रत कथा	सं.	7	26 × 12 × 12 × 37	संपूर्ण 152 श्लोक	1655	वरदत्त गुरामजरी कथा
,,	,,	5	25 × 10 × 13 × 32	अपूर्ण 45 से 152 श्लोक	1709	प्रथम द पत्रे कम
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 38	संपूर्ण 148 श्लोक	18वी	
,,	स मा	11	26 × 12 × 7 × 38	,, 144 ,,	1829	
,,	स.	5	25 × 12 × 15 × 40	,, 152 ,,	1838	
,,	स मा	17	27 × 12 × 10 × 35	,, 146 ,,	1858	
,,	सं.	14	25 × 13 × 7 × 30	,, 152 ,,	19वीं	
,,	स.मा	18	25 × 12 × 8 × 44	,, 145 ,,	19वीं	
,,	स.	6	26 × 12 × 14 × 44	,, 152 ,,	1944 जोधपुर देवकृष्ण	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण	1859	
,,	,,	2	26 × 12 × 19 × 46	,,	1893	
,,	,,	4,4	24 × 11 व 25 × 10	,,	19वी	
,,	मा.	6	23 × 10 × 11 × 31	,,	19वीं	
पर्व क्रिया चैत्यवदन	,,	8	27 × 12 × 13 × 45	,,	19वी	
,,सज्जाय,,आदि	,,	7,16	26 × 11 व 25 × 12	प्रथम,संपूर्ण, दूसरी अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
451	मुनिमुवत 3 इ 280	सौभाग्य पचमी स्तवन	Saubhāgya Pañcamī Stavana	समयमुदर	प
452	क नाथ 20/46	"	"	"	"
453	कोलडी 360	"	"	मानसागर (जीतसागर गिष्य)	,
454	घोसिया 2/152	स्नात्र सादि विधियाँ	Snātrādi Vidhiyān	—	प ग
455	क नाथ 6/115	स्नात्र महोत्सव विधि	Snātra Mahotsava Vidhi	नयविमल	प
456	कोलडी 962	स्नात्र विधि	Snātra Vidhi	—	मू व्याख्या
457	" 405	"	"	नमविजय	ग प
458 9	के नाथ 15/217 17/53	" 2 प्रतिया	, 2 copies	—	ग
460	, 23/54	,	"	—	ग प
461	कोलडी 354	स्नात्र विधि व कलश पूजा	+Kalaśa Pūjā	—	,
462	के नाथ 20/21	होली कथा	Holi Kathā	पत्रमुदरि	प
463 4	कोनडो 178 453	, 2 प्रतियाँ	2 copies	"	,
465	क नाथ 6 60	हाली पव कथा	Hali Parva Kathā	पुष्परज	"
466	कालडी 945	"	"	,	"
467	बुधुनाथ 20/13	हाली रज पव कथा	Holi Rajaparva Kathā	त्रितमुदर	"
468	, 9/18	"	"	"	मू ट (प ग)
469	मुनिमुवत 3 घा 164	"	"	"	"
470 1	कोलडी 201 196	, 2 प्रतिया	" 2 copies	,	"
472	मुनिमुवत 3 घा 163	होली रज पव कल्प	, Kalpa	घात	मू ट (प ग)
473	घोसिया 3 घा 159	"	"	,	प
474	महावीर 3 घा 22	"	"	,	,
475	बुधुनाथ 52/26	,	"	,	"
476	के नाथ 21/37	,	"	,	मू ट (प ग)
477	कोलडी 177	होली रज पव व्याख्यान	" Vyākhyāna	क्षमाकल्याण	ग
478	महावीर 3 घा 21	,	,	,	"

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व विधि काव्य	मा.	2	20 × 10 × 10 × 28	संपूर्ण 20 गा	18वी	
"	"	3	26 × 13 × 12 × 26	" "	19वी	
"	"	3	25 × 10 × 9 × 28	" 3 ढाले	19वी	
विविध क्रियाये	प्रा.सं.मा	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण चौथा पर्व (10 पन्ने + 23 गा.)	16वी	
भक्ति क्रिया	मा.	5	24 × 10 × 15 × 45	संपूर्ण	1266	
मेरु जन्माभिषेक	स.	2	27 × 11 × 13 × 55	" 4 श्लोक	19वी	
जिन भक्तिक्रिया विधि	मा.	5	24 × 12 × 13 × 44	संपूर्ण	1833	
"	"	3,4	26 × 11 × 13 × 38	"	19वी	
"	"	11	26 × 12 × 13 × 24	" पूजा	1933	(देवचदजी से अन्य)
"	"	9	26 × 13 × 15 × 40	" "	19वी	
पर्व व्रत कथा	सं.	7	26 × 11 × 16 × 42	संपूर्ण 139 श्लोक	1824	
"	"	11,5	25 × 11 व 24 × 13	" 138-9 श्लोक	19वी	
"	"	2	26 × 11 × 13 × 44	" 34 श्लोक	19वी	
"	"	10*	26 × 11 × 14 × 40	" 33 "	19वी	
"	"	2	22 × 11 × 14 × 50	" 51 "	19वी	
"	स मा	5	27 × 13 × 6 × 37	" 50 "	19वी	
"	"	5	25 × 11 × 6 × 33	" 51 "	19वी	
"	"	18*8*	25 × 12 व 26 × 10	" 51/49 श्लोक	19वी	
"	"	4	24 × 11 × 7 × 42	संपूर्ण 69 श्लोक	1828 × ईश्वर	
"	स.	2	25 × 11 × 14 × 47	" "	1832	
"	"	3	28 × 13 × 12 × 44	" "	19वी	
"	"	2	25 × 10 × 14 × 36	" 64 "	19वी	
"	स.मा	9	26 × 14 × 5 × 28	" 64 "	19वी	
"	सं.	2	24 × 13 × 13 × 44	संपूर्ण	19वी	
"	"	2	26 × 13 × 17 × 45	"	19वी, अहमदा- वाद	

1	2	3	3 A	4	5
479	सेवामंदिर 3 आ 173	होली रज पत्र व्याख्यान	Holi Rajaparva Vyākhyāna	—	प
480	महावीर 3 आ 126	„	„	—	„
481	महावीर 3 आ 1	„	„	—	„
482	के नाथ 24/58	होली व्रत कथा	Holi Vrata Kathā	विनयचंद्र	प

भाग/विभाग 3 (घ)-जन भक्ति व क्रिया

1	मुनिमुद्रत 3 इ 257	अजित शांति स्तव + वृत्ति	Ajita Śānti Stava + Vṛtti	नदीपण/कमसागर	मू ट (प ग)
2	कुथुनाथ 10/173	अजित शांति स्तव	,	नदीपण	मू (प)
3	के नाथ 6/123	,	,	,	„
4	कुथुनाथ 15/6	„	,	„	मू ट (प ग)
5	कोलडी 461	,	,	„	„
6	सेवामंदिर 3 इ 337	„ + वा	,	+ Bālā	मू वा (प ग)
7-10	कुथुनाथ 14 4,1 8 10 37 5 14 12	, 4 प्रतिपा	,	4 copies	नदीपण मू (प)
11 2	के नाथ 6/127 11/87	„ 2 प्रतिपा	„	2 copies	,
13	कोलडी 1338	„	„	,	„
14	सेवामंदिर 3 इ 365	,	,	„	„
15	के नाथ 15/68	अजित शांति स्तवन (मंगल कमला)	Ajita Śānti Stavāna	महनदन	प
16	कोलडी 530	अहन् महल नाम समुच्चय	Arhan Sahasra Nāma Samuccaya	समतभद्र के शिष्य	„
17	के नाथ 14/116	„	„	„	„
18	, 14/134	अल्प बहुत्वादि स्तवन संग्रह	Alpa Bahutvādi Stavāna Sangraha	साधुकीर्ति	„
19	26/85 गु	अष्टक संग्रह	Aṣṭaka Sangraha	सकलन	„
20	कोलडी 1222	अष्टप्रकारी पूजा	Astaprakāri Pūjā	—	„
21 4	के नाथ 24/69 14/114, 19/ 128 9/22	, 4 प्रतिपा	,	4 copies	देवचंद्र „

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	स.	30*	26 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण	1859	
"	"	25*	25 × 12 × 14 × 35	"	1875	
"	"	11*	25 × 12 × 14 × 45	"	1944	
"	मा	2	25 × 11 × 18 × 45	"	19वी	

स्तुति स्तोत्र स्तवनादि भक्ति साहित्य :—

भक्ति स्तोत्र	प्रा.स.	25	27 × 12 × 11 × 27	संपूर्ण 40 गा.	16वी	उपकेशगच्छ देव-कुमार का शिष्य
"	प्रा	3	26 × 11 × 12 × 40	" 45 "	16वी	
"	"	5	25 × 11 × 7 × 35	" 44 "	1696	
"	प्रा.मा	5	25 × 11 × 8 × 46	" 42 "	1770	
"	"	7	26 × 11 × 5 × 40	" 40 "	1851	
"	"	17	25 × 11 × 5 × 35	" 42 "	1884, जैसलमेर	अत मे 5 गाथा उप-सहार और
"	प्रा.	4,4,7,3	23 से 26 × 10 से 11	तीन संपूर्ण 43/44 गा. अंतिम अपूर्ण	19वी	ज्ञानधर्म
"	"	4,3	24 × 11 × 13 × 30/ 38	संपूर्ण 39 गा.	19वी	
"	"	5	26 × 11 × 10 × 33	" 40 गा.	19वी	
"	"	9	25 × 11 × 11 × 32	संपूर्ण	19वी	× मिद्धि-सागर
"	अ.	2*	26 × 11 × 14 × 43	" 31 गा.	18वी	साथमे सामान्य स्तोत्र 4
जिन स्तुति	सं.	4	31 × 13 × 15 × 48	संपूर्ण 10 प्रकाश	19वी	
"	"	2	25 × 11 × 19 × 64	" "	19वी	
भक्ति काव्य	मा.	5	26 × 11 × 13 × 48	" 3 स्तवन	19वीं	
" (दिगवर)	स.	111*	12 × 11 × 9 × 13	" 7 अष्टक (56 श्लोक)	19वी	मगलाष्ट(1) सिद्ध(1) नदीश्वर(4) दसल.(1)
जिन भक्ति (द्रव्य + भाव) काव्य	मा.	4	22 × 11 × 15 × 44	"	1775	
" "	"	4,2,12, 4	21 से 26 × 9 से 12	"	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
25	क नाथ 21/39	अष्टप्रकारी पूजा	Astaprakāri Pujā	वीरत्रिजय	प
26	, 19/98	"	"	देव (विनीतत्रिजय त्रिपय)	"
27	बोलडी 355	"	"	दशवच	"
28	" 919	"	"	प्रपात	"
29	कृमुनाथ 43/1	अष्टप्रकारी पूजा कथानक व विवचन	" Kathānaka	—	"
30	मुनिमुत्रत 3 इ 256	अष्टप्रकारी पूजा रास	" Pūjā Rāsa	उदयरत्न	"
31	के नाथ 15/148	,	"	"	"
32	बालडी 340	अष्टमी मौन एकादशी स्तवन	Astamī Mauna ekādaśī Stavana	कालिध्वजय	"
33	धोमिया 3 ट 188	अष्टात्तरी जिन पूजा स्तवन	Aṣṭottarī Jina Pūjā Stavan	नवमिमन	"
34	महावीर 3 इ 163	आत्मनिष्ठा अष्टक	Ātmanindā Astaka	—	पद्य
35	क नाथ 15/32	आत्मानुशासनादि स्तवन	Ātmānūśāsanādi Stavana	उपदेशीति/सावधकीर्ति	"
36	बालडी 327	आध्यात्मिक पद उद्घाटनी	Ādhyātmika PadaBahottarī	ग्रानदधन	प
37	, गु 7/7	आध्यात्मिक पद संग्रह	, Songraha	ग्रानदधन पान राजमुर्ति प्रा	"
38	, 326	आध्यात्मिक स्तवन	, Stavana	हृदयचद	"
39	क नाथ 14/85	ग्रान दधन पद	Ānandaghana Pada	ग्रानदधन	"
40	15/135	इक्कीसप्रकारी पूजा	Ikkiṣaprakāri Pūjā	उ मरुतचर	"
41	बोलडी गु 9/9	(माधु नन्दन) इसामुनिवदउ प्रवना	(Sādhu Vandana) Isāmu ni Vandau	धमरत्न (कल्याणधीर का त्रिपय)	"
42	, 1332	उज्जैन मंडन पाश्च स्तवन	Ujjaina Maṇḍana Pārśva Stavana	हूमविमन शिष्य	"
43	महावीर 3 इ 105	उज्जैनमहूरस्तोत्र + वृत्ति	Ujasaggahara Stotra	भद्रगह/पाश्चदेव	मू ह (पद्य)
44	3 ट 104	" +	"	, / —	"
45	3 इ 355	, विधि मह	,	भद्रगह	पद्य
46	धामिया 2/152	उगरे जेणपुर स्तोत्र ?	Usarje Jēnapura Stotra	जिनदत्तसूरि	प
47	क नाथ 26/103	रुपभ + जिनैत्र स्तोत्र	Rsabha + Jinendra Stotra	—	"
48	महावीर 3 इ 355	रुपभ + वीर स्तुति	Rsabha + Vira Stuti	प्रपात	,
49	क नाथ 10/71	रुपभ (पहित उषणमिय) स्तवन	Rsabha Stavana	शिवप्रतिपद	मू (प)

स्तुति स्तोत्र स्तवनादि भक्ति साहित्य :—

6	7	8	8 A	9	10	11
जिन भक्ति(द्रव्य + भाव) काव्य	मा	7	27 × 12 × 13 × 41	संपूर्ण	19वी	
" "	"	6	27 × 13 × 13 × 28	"	19वी	
" "	"	3	29 × 12 × 12 × 40	"	19वी	
" "	"	3	23 × 11 × 12 × 42	"	1914	
पूजा मीमांसा व दृष्टांत	प्रा	15	29 × 12 × 17 × 60	अपूर्ण (चौथी से अत तक)	19वी	पन्ने सख्या 9 से 23 अत
दृष्टान्त कथानक	मा.	50	25 × 11 × 18 × 40	संपूर्ण 78 ढालें	18वी जोधपुर	1755 की कृति
"	"	90	27 × 11 × 13 × 53	"	1821	
भक्ति पर्व तिथि	"	5	26 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण	19वी	
भक्ति काव्य	"	3	25 × 11 × 15 × 50	" 81 गा	1849 पाटण कुशालचंद	
" स्वाध्याय	स.	4*	28 × 14 × 17 × 47	संपूर्ण 10 श्लोक	19वी	
भक्ति गीत	मा.	3	25 × 11 × 11 × 31	" 3 स्तवन	19वी	
भक्तिमय पद	"	10	27 × 12 × 16 × 48	" 78 पद	19वी	
"	"	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	प्रतिपूर्ण	19वी	अत मे 34 छंदों की रागमाला
"	"	7	24 × 10 × 11 × 34	संपूर्ण 22 स्तवन छंद	1869	
"	"	4	28 × 13 × 15 × 45	अपूर्ण 4 पद मात्र	19वी	
जिन भक्ति काव्य	"	8	28 × 13 × 11 × 30	संपूर्ण	1926	
साधु भक्ति काव्य	"	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	" 69 छंद	17वी	
जिन भक्ति गीत	"	6*	26 × 11 × 17 × 42	" 84 गा.	19वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा स.	7	27 × 13 × 14 × 41	संपूर्ण ग्रं 230	19वी	
"	"	4	26 × 13 × 13 × 42	अपूर्ण पाचवी गाथा तक ही	19वी	
स्तोत्र जाप विधि सह	प्रा मा.	1	25 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण 11 गा.	20वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	" 13 गा	16वी	
भक्ति काव्य	सं.	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 2 स्तवन 28 श्लोक	18वी	
"	स प्रा.	1	21 × 12 × 8 × 24	" 4-4 श्लोक की दो	20वी	
गणुंजय ऋषभ भक्ति	प्रा.	2	28 × 12 × 16 × 58	संपूर्ण 29 गा.	15वी	

1	2	3	3 A	4	5
81 6	महानौर 3 इ 53, 84 8,162,82 81	ऋषि मण्डल स्तोत्र 6 प्रतिप	Rsi Mandala Stotra 6 copies	—	प
87	3 इ 89	"	,	—	मूट (प
88	कोलडी 1328	,	,	—	"
89	सवामदिर 3 इ 340	"	,	—	"
90	कुथुनाय गु 36/1 क 9	एकीभाव स्तवन	Ekibhāva Stavana	यादिरात्र	प
91	के नाय 19/120	कल्याणक-चौवीसी	Kalyanaka Chauvī	महानद (सोमचन्द निप्य)	,
92	कालडी 1337	कल्याणमदिर-स्तोन	Kalyāṇa Mandira Stotra	कुमुदचद्र	"
93	कुथुनाय 23/3	,	,	,	मूट (प
94	के नाय 22/65	" + वृत्ति	" + Vṛtti	,,/गुणरत्न	मूट (प
95	14/20	"		कुमुदचद्र	प
96	कोलडी 478	,	,	,	मूट (प
97	, 481	,	"	"	"
98	क नाय 21/17	"	"	"	प
99	कुथुनाय 15/21	" + वृत्ति	, + Vṛtti	कुमुदचद्र/—	मूट (प
100	के नाय 5/15	,		कुमुदचद्र	मूट (प
101	सवामदिर 3 इ 336	,	,	"	"
102	क नाय 21/77	" + वा	, + Bāla	"	मू वा (प
103	सवामदिर 3 इ 33-	" + वा	+ Bāla	,/महिमासुदर	"
104	3 इ 13		"	कुमुदचद्र	मूट (प
105	3 - 37	" + वृत्ति	" + Vṛtti	,,/हृयकीर्ति ¹	मूट (प
106	कालडी 479	"	,	, —	मूट (प
107 8	कुथुनाय 15/7 19/6	" 2 प्रतिप	2 copies	,	प
109 15	क नाय 2/28 10 88 11/91 15, 197 21/66 21 80 26-32	" 7 प्रतिप	" 7 copies	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्तिमय प्रार्थना	स.	6,3,2,4 6,17	24 से 28 × 11 से 13	संपूर्ण श्लोक सख्या भिन्न 93	19/20वी	अंतिम 2 मे पाठ व साधना विधि भी है
„	स.मा.	7	25 × 13 × 5 × 33	„ 84 श्लोक	19वी	
„	„	14	30 × 13 × 3 × 27	„ 81 „	1904	
„	„	9	26 × 12 × 4 × 26	„ „ „	1964	
„	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 26 श्लोक	1544	
तीर्थकर भक्ति	मा.	9	26 × 11 × 14 × 39	„ 24 स्तवन + कलश	19वी	
भक्ति स्तोत्र (पार्श्व)	सं.	3	25 × 10 × 11 × 44	संपूर्ण 44 श्लोक	16वी	
„	स.मा.	7	26 × 11 × 5 × 54	„ „	16वी	
„	सं.	7	26 × 11 × 5 × 37	„ „	1663	
„	„	4	25 × 11 × 11 × 35	„ „	1697	
„	सं मा.	9	24 × 12 × 6 × 33	„ „	1702	
„	„	8	25 × 12 × 5 × 34	„ „	1718	
„	सं.	9	24 × 11 × 7 × 21	„ „	1727	
„	„	10	26 × 10 × 4 × 60	„ „	1756	
„	स मा.	6	26 × 11 × 5 × 46	„ „	1766	
„	„	8	25 × 11 × 6 × 31	„ „	1802	
„	„	18	24 × 11 × 12 × 36	„ 44 श्लोक का	1809	
„	„	42	26 × 11 × 12 × 25	„ „	1816, उदेपुर राजसुंदर	
„	„	8	26 × 11 × 4 × 36	41 श्लोक तक अंतिम पन्ना कम	1818	कथा सह
„	स	12	26 × 12 × 18 × 64	संपूर्ण	1829, विक्रमपुर	
„	स.मा.	9	26 × 11 × 4 × 38	„ 44 श्लोक	1846	
„	स.	5,7	26 × 11/12 × भिन्न 2	पहिली पूर्ण, दूसरी 20 श्लोक	19वी	
„	„	5,5,3, 2,4,4	21 से 26 × 11 से 12	संपूर्ण 44 श्लोक	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
116	के नाथ 23-18	कल्याणमन्दिर स्तोत्र	Kalyāna Mandira Stotra	कुमुदचन्द्र	मू ट (प य)
117	कोलडी 1227	"	"	,	प
118 9	सेवामन्दिर 3 इ 335 32	" 2 प्रतिमा	" 2 copies	,	"
120	कोलडी 1152	, + व	, + Vr̥tti	"	मू ट (प य)
121	श्रीमिया 3 इ 175	, + वृ	" + Vr̥tti	" /हृपकीर्ति	"
122	के नाथ 6/43	" + वृ	, + Vr̥tti	" —	"
123	श्रीमिया 3 इ 183	, + वा	" + Bāṅ	"	मू वा (प य)
124	महावीर 3 इ 80	" कल्प	, Kalpa	" /वनारसीदास	मू घनुवा (प य) म) ट मय क कवल मय
125	, 3 इ 78	, "	, ,	" "	
126	क नाथ 18/61	कल्याणमन्दिर-भाषा	Bhāsā	वनारसीदास	प
127	श्रीमिया 3 इ 196	"	"	"	,
128	कोलडी 538		"	"	"
129	क नाथ 6/58	,	"	,	"
130	महावीर 3 इ 35५	कुशलमूरि अष्टक	Kuśalaśūri Astaka	रत्नसाय	,
131	क नाथ 18/97	" अष्टप्रकारी पूजा	" Astaprakāri	—	,
132	6/126	, आरती व स्तवन	, Āratī & Stavāna	—	"
133	, 18/66	, गीत	" Gīta	सायुजीति	"
134	26/103	" छन्द व अष्टक	, Chanda & As ṭaka	विजयसिंह	"
135	" 23/83	, निशाणी	, Nīśāṇī	उदयरत्न प्रादि	"
136	" 3 इ 345	, मन्त्र	, Mantra	—	मन्त्र
137	कोलडी 904	मञ्जुभाय स्तवन	Saṃbhāya & Sta vāna	—	प
138	क नाथ 14/102	क्षेत्रपाल छन्द	Kṣetrapāla Chanda	—	"
139	कान्ती 930	क्षेत्रपाल पूजा विधिसह	Pujā Vidhisaha	—	ग मन्त्र
140	क नाथ 26/85 गु	क्षेत्रपाल अचलमणि विजय	, +4 others Pujā	—	पद्य
141	कोलडी 295	गणधर स्तव	Gaṇadhara Stava	ज्ञानविमल	प

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र (पार्श्व)	सं मा	6	25 × 11 × 6 × 44	संपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
"	स.	7	15 × 10 × 11 × 20	" "	19वी	
"	"	4,6	22 × 11 व 24 × 11	" "	19/20वी	
"	"	6	26 × 11 × 21 × 66	अपूर्ण 26वे श्लोक तक	18वी	
"	"	11	26 × 12 × 18 × 54	संपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
"	"	20	25 × 11 × 13 × 50	, 44 श्लोककीअ 727	19वी	
"	स मा	11	25 × 11 × 22 × 52	" 44 श्लोकोका	1887	भारभमें सिद्धसेन कथा
"	"	22	28 × 14 × 6 × 36	संपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
"	"	34	26 × 13 × 7 × 32	अपूर्ण बाकी जगह खाली है	1928 मेडता हुकमविजय	
पार्श्व जिन भक्ति	मा.	2	26 × 11 × 13 × 61	संपूर्ण 44 श्लोको का पद्या- नुवाद	1748	
"	"	2	24 × 11 × 14 × 45	" "	1826 विक्रमपुर बखतसुदर	
"	"	3	30 × 11 × 11 × 37	" 40 "	19वी	
"	"	3	25 × 11 × 12 × 31	" 46 "	19वी	
दादा गुरु की भक्ति	स.	1	28 × 12 × 12 × 50	संपूर्ण 9 श्लोक	1964 × दुर्लभ- सुदर	
"	मा.	6	16 × 12 × 13 × 21	संपूर्ण	1897	
"	"	2	26 × 11 × 13 × 35	"	19वी	
"	"	5	26 × 13 × 11 × 35	" दो गीत गा. 15 + 42	19वी	
"	मा.स.	2	25 × 11 × 15 × 38	" 30 गा. + 8 श्लोक	1784	
"	मा	6	22 × 13 × 13 × 26	" साथ मे अन्य दादा स्तवन	19वी	
"	स.	1	28 × 12 × 14 × 40	" साथ मे जाप विधि	19वी	
"	मा.	3	26 × 11 × 11 × 48	" " अन्य स्तव- नादि भी	19वी	
सम्यग्दृष्टि देवस्तुति	"	3	22 × 12 × 11 × 23	" 18 पद	19वी	
" भक्ति	"	2	26 × 12 × 13 × 36	"	19वी	
" "	स.	13	12 × 11 × 12 × 15	" पाचो की 5 पूजा अर्घ्य जयमाला सम्मैत	19वी	दिगम्बर आम्नायकी
गणधरों की भक्ति	मा.	4	26 × 13 × 15 × 45	" 11 गणधरो की स्तुति व चैत्यवदन व स्तवन	19वी	पहिला पन्ना कम

1	2	3	3 A	4	5
142	कोलडी गु 9/9	गुरु गीत	Guru Gita	—	प
143	सेवामदिर गु 20 दे	„ (उम्भेद पञ्चीसिका)	„	किस्तुर सवग	„
144	„ 3 इ 353	गुरुनाथ दिव्याष्टकम् + वृत्ति	Gurunātha Divyāṣṭaka	जिनपद्यसूरि	मूढ (पग)
145	के नाथ 15/5	गुरु पारतन्त्र्य स्मरण व सिग्धमार्ग स्तोत्रादि + वृत्ति	Gurupāratantrya & 2 other Stotra	जिनदत्तसूरि/जयसागर (प्रथम की)	„ (,)
146	भोसिया 3 इ 222	गुरु सज्जनाय	Guru Sajjāyā	यशविजय	प
147	मुनिमुद्रत 3 इ 323	गौतम अष्टक	Gautama Astaka	—	,
148	कुशुनाथ 2/31	,	,	—	„
149	सेवामदिर 3 इ 350	गौतम स्वामी स्तोत्र	Gautama Svāmi Stotra	—	„
150	, 3 इ 345	गौतम स्तान (महामन्)	Gautama Stotra	वज्रस्वामी	„
151	3 इ 347	, + वृत्ति	,	वज्रस्वामी/--	मूढ (पग)
152	कुशुनाथ 44/5	ग्रह गभित 24 जिन स्तुति	Grahagarbhita 24 Jina Stuti	—	प
153	महावीर 3 इ 48	ग्रह शांति + बहूनां शांति	Graha Śānti + B Śānti	नद्राहु + —	,
154	भोसिया 2/152	भूमानी व जानवत	Ghūmāvali & Jnānavṛta	—	„
155	महावीर 3 इ 134	चक्रेश्वरी स्तोत्र	Cakresvari Stotra	—	„
156	के नाथ 19/40	„ „ शांति आदि	etc	—	,
157	महावीर 3 इ 133	, यत्र बद्ध स्तोत्र विधिसह	„ Yantrabaddha Stotra etc	—	„
158	कुशुनाथ 36/1 इ 10 11 23	चतुर्विंशति जिनस्तवन	Caturvīṁśati Jina Stavana	भूपाल	„
159	कोलडी 515	,	,	जिनप्रभ	„
160	महावीर 3 आ 48	„ स्तोत्र	Stotra	सागरचन्द्र	,
161	कोलडी 510	,	„	—	,
162	920	„ स्तवन	„ Stavana	ज्ञानद्विजय	„
163	343	, (दा)	,	जयचन्द्र व ज्ञानद	„
164	कुशुनाथ 4/99	„	,	ज्ञानद्विमल	„
165	भोसिया 3 इ 262	„ छंद वावनी	„ Chanda Bāvani	नयद्विमल	„
166	के नाथ 14/15	„ स्तवन	„ Stavana	—	„

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा.	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	संपूर्ण चार गीत	17वी	
"	"	3	26 × 20 × 29 × 28	" 25 कवित्त + 4 गीत	1926	1926 की कृति/जीर्ण
दादाकुशल भक्ति काव्य	स.	5	25 × 15 × 18 × 50	" 9 छंद	1955 सुभटपुर	
भक्ति स्तोत्र	प्रा सं.	14*	25 × 10 × 15 × 54	" तीन स्तोत्र गा. 26,21,14	16वी	
गुरु गुण स्वाध्याय	मा.	5	27 × 12 × 11 × 34	संपूर्ण दो सज्जाय = 80 गाथा	1836	
भक्ति श्लोक	सं.	1	23 × 10 × 12 × 35	" 9 श्लोक	18वी	
"	"	1	27 × 12 × 11 × 25	संपूर्ण	1973	
"	"	5+1	10 × 6 × 7 × 16	" 2 स्तोत्र 11+8 श्लोक	18वी	
"	"	1	25 × 12 × 12 × 60	" 11 श्लोक	19वी	जीर्ण
" व्याख्या	"	5	26 × 13 × 12 × 37	" 12 श्लोक की	1829 जोधपुर चमनमल	
भक्ति	"	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	" 12 श्लोक	18वी	
"	"	7	21 × 9 × 7 × 32	" 9 श्लोक + शाति-पुरी	19वी	
भक्ति व ज्ञान सबन्धी	प्र	123*	26 × 12 × 11 × 40	" 14 + 13 गा.	16वी	
सम्यग्दृष्टि देवीस्तुति	स.	4	20 × 10 × 7 × 14	" 9 पद	20वी × विनयचद्र	
"	"	13	21 × 10 × 9 × 30	संपूर्ण	19वी	
" + सत्र	प्रा सं.	12*	27 × 11 × 6 × 26	" 9 + 8 श्लोक	1961	
सर्व तीर्थंकर सामान्य भक्ति	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 3 स्तवन (25,24 25 श्लोक)	1544	
"	"	6	25 × 10 × 8 × 20	संपूर्ण 8 श्लोक + 22 श्लोक	1762	अत मे लघु स्तोत्र है
"	"	3*	24 × 11 × 17 × 60	" 25 "	18वीं	
"	"	3	26 × 13 × 12 × 24	" 24 + 7 श्लोक	1913	अत में लघु जिन-पजर स्तोत्र
"	मा.	3	23 × 10 × 10 × 24	" 29 श्लोक गाथा	19वी	
"	"	2	27 × 10 × 18 × 58	" 2 स्तवन 27 व 30 गा	19वी	
"	"	5	13 × 11 × 12 × 12	" 29 गाथा	1956	
"	"	3	26 × 11 × 14 × 38	" ग्रंथाग्र 90	20वी जोधपुर छवील	
"	"	5	25 × 11 × 11 × 43	संपूर्ण	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
167	क नाथ 14/97	चतुर्विंशतिजिन-स्तुति	Caturvīṁśati Jina Stuti	जिनप्रभमूर्ति	प
168	कोलडी 484	"	,	—	"
169	" 504	"	,	—	"
170	के नाथ 6/85	चन्द्राजला	Candrājālā	गारन देव	,
171	मुनिमुद्रत 3 इ 323	चरित्र मनोरथमाला	Caritra Manorathamālā	समरात्र	"
172 3	क नाथ 24/44-39	चार मंगल दो प्रतिया	Cāra Maṅgala 2 copies	शुभिजयमल	"
174	" 15/126	चार मंगल आदि स्तवन	Cāra Maṅgala & other Stavans	गुणविनय	"
175	मुनिमुद्रत 3 इ 323	चत्यपरिवाटी स्तव	Catyaparipāṭi Stava	धममूर्ति	"
176	कुमुनाथ 16/16	चत्यवदन	Catyavandana	—	"
177	महावीर 3 इ 7	" सग्रह	Saṅgraha	जिनसवित्रय	"
178	के नाथ 10/73	चत्यवदन + स्तवनादि	+Stavanādi	पत्नरिमल	"
179	" 15/141	चोमासी देववदन	Cumāsī Devavandana	पद्यविषय	,
180	कोलडी 322	चोवीस चत्यवदन	Cauvisa Catyavandana	मानपरिषय	,
181	कुमुनाथ 43/12	,	,	—	,
182	" 4/95	, नमस्कार	, Namaskāra	—	"
183	सेवामदिर 3 इ 345	,	"	—	"
184 5	के नाथ 17/71, गु 14	, " 2 प्रतिया	, 2 copies	क्षामान्त्याण	"
186	घोसिया 3 इ 225	,	,	"	"
187 8	के नाथ 19/83 23/57	, पूजा 2 प्रतिया	, Pūjā 2 copies	जिनचन्द्रमूर्ति	"
189	कुमुनाथ 17/20	, सबय	, Savaiye	नेम	"
190	घोसिया 3 इ 359	, स्तुति मंत्र	, Stuti Mantra	—	"
191	महावीर 3 इ 52	" स्तुतियें + भवचूरि	" Stutiyeṅ + Avacūri	मुनिमुद्र (साममुद्र का द्विध्य)	मू ध (प ग)
192	3 इ 54	, " + "	, " +	वप्प भट्टमूर्ति	मू ध (प ग)
193	कोलडी 503	" + वृत्ति	, " + Vṛtti	—	मू द (प ग)
194	" 1129	, स्तुतियें + भवचूरि	" Stutiyeṅ + Avacūri	शोभनमुनि	मू ध (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
सर्व तीर्थंकर सामान्य भक्ति	स.	1	26 × 12 × 11 × 35	संपूर्ण 9 श्लोक	19वी	
" "	"	2	26 × 11 × 13 × 34	" 34 + 9 + 7 श्लोक	19वी	अत.मे 2 ग्रह छद हैं
" "	"	2	30 × 12 × 13 × 36	संपूर्ण	19वी	साथ मे ग्रह राशि नक्षत्र जिनो के
भक्ति गीत	मा.	5	25 × 11 × 12 × 37	"	19वी	
"	"	1	24 × 11 × 14 × 42	अपूर्णा 27 से 52 अंत तक	1694 आसारा	
"	"	12*11	26 × 11 × 26 × 13	संपूर्ण 4 ढाले = 147 गा	19/20वी	
"	"	3	26 × 11 × 13 × 46	"	19वी	
"	स	1	25 × 12 × 14 × 35	" 16 श्लोक	19वी × श्रीविजय	
"	"	2	20 × 13 × 10 × 24	" 8 श्लोक	19वी	
"	मा.	3	27 × 13 × 8 × 18	" 3 चैत्यवदन	1910 अजमेर नरेन्द्रसागर	
"	"	7	27 × 13 × 14 × 55	संपूर्ण	19वी	
"	"	17	27 × 12 × 11 × 38	" तीर्थ तीर्थकरो के	19वी	स्तवनस्तुतिनमस्का
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	"	5	26 × 11 × 11 × 36	संपूर्ण 24 चैत्यवदन	19वी	
"	स.	1	26 × 11 × 12 × 38	अपूर्णा 11वे तीर्थंकर तक ही	19वी	
"	"	1	25 × 11 × 11 × 45	संपूर्ण 24 नमस्कार 11 श्लोक	1827	
"	मा.	2	26 × 11 × 10 × 32	अपूर्णा 12वे तीर्थंकर तक ही	20वी सदी	
"	"	6,16	26 × 11 व 14 × 16	संपूर्ण 24 + 1 नमस्कार × 6 गा	1859/89	
"	"	4	26 × 11 × 14 × 47	" " "	1869 × अमृत-सुदर	
"	"	11,12	26 × 13 × भिन्न 2	" 24 पूजाये	19वी	
"	"	2	25 × 11 × 14 × 42	अपूर्णा 21 तीर्थकरो तक 21	19वी	
"	प्रा.	5	24 × 12 × 11 × 36	संपूर्ण 24 तीर्थकरो की कुल 27	20वी	
"	स.	4	26 × 12 × 15 × 52	" " " + 28 अन्य	15वी	प्रत्येक तीर्थंकर के 2 पद है
"	"	3	26 × 11 × 28 × 65	संपूर्ण 24 × 4 = 96 पद	15वी	
"	"	2	31 × 11 × 20 × 50	संपूर्ण 24 तीर्थकरो की 28 श्लो	16वी	
"	"	4	26 × 12 × 14 × 60	अपूर्णा 22 वे तीर्थंकर तक 89,	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
195	कोलडी 1188	चीवीस त्रिन स्तुतियें	Cauvisa Jina Stutiyen	गोभनमुनि	प
196	सवामदिर 3 इ 342	"	"	"	"
197	कोलडी 487	"	"	"	"
198	" 1113	"	"	"	"
199	" 485 86 88	" 3 प्रतिया	" 3 copics	"	"
201					
202	महावीर 3 इ 51	" + वृत्ति	, + Vṛtti	गोभनमुनि/जयविजय	"
203	सवामदिर 3 इ 345	"	"	गोभनमुनि	मू ट (प ग)
204	के नाय 29/22	, स्तुति पचानिका	, (Pañcāśikā)	जयविजय (त्रिननाम नाशिष्य)	प
205 6	महावीर 3 इ 4 158	, स्तुतियें 2 प्रतिया	" 2 copics	धमकन्याण	"
207	" 3 इ 5	, + वृत्ति	, + Vṛtti	" (स्वापन्न ?)	"
208	, 3 इ 49	, —	" —	—	"
209	घासिया 3 इ 363	,	,	धमकन्याण	"
210	के नाय 18/86	,	,	पचविजय	"
211	" 19/99	,	"	त्रिनराजमूरि	"
212	कोलडी 329	,	"	जयविजय	"
213-4	" गुटका 2/8, 10/4	" 2 प्रतिया	2 copics	ज्ञानमार	"
215	क नाय 23/56	चीवीस स्तुतियें चत्यवदन	, Cattyavandana	सावण्यसमय	"
216	" 23/89	, चत्य नमस्कार	, Namaskāra	पचविजय	"
217	" 26/103	चीवीस त्रिनस्तवन	Cauvisa Jina Stavana	त्रिनप्रभमूरि	"
218	कालडी 1/9 गु	,	"	त्रिनराजमूरि (त्रिनरिह मूरि निष्य)	"
219	मुनिमुख 3 इ 254	"	"	"	"
220	के नाय 26/92	,	"	"	"
221	घासिया 3 इ 189	"	"	"	"
222	मुनिमुख 3 इ 253	"	"	"	"
223	महावीर 3 इ 20	"	"	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	सं.	7	24 × 11 × 13 × 32	संपूर्ण 24 स्तुतिये 96 पद	18वी	
"	"	6	25 × 11 × 15 × 38	" "	18वी	
"	"	10	25 × 11 × 11 × 34	" "	1840	
"	"	15	24 × 11 × 9 × 25	" "	1842	
"	"	5,4,5	25 से 27 × 10 से 11	" "	19वी	
"	"	59	27 × 12 × 14 × 43	संपूर्ण 96 पद की ग्रं. 2350	1925	वृत्तिकार देवविजय का शिष्य
"	सं.मा.	7	25 × 12 × 3 × 34	अपूर्णा अतिम 3 स्तुतिये मात्र	1814	
"	स.	4	25 × 11 × 13 × 38	संपूर्ण 50 + 9 = श्लोक कुल	1885	
"	"	8,4	27 से 28 × 13 से 14	" 24 × 3 = 77 श्लोक ग्रं. 148	(1)1950पाली- ताना, (2)20वी	
"	"	25	27 × 11 × 12 × 37	" 77 श्लोक	1957, अमदा- बाद, नरोत्तम	
"	"	2	28 × 13 × 15 × 48	अपूर्णा 12 की ही कुल 48 पद्य	20वी	(तीर्थंकर 1 से 11, 13 की है)
"	"	7	24 × 13 × 11 × 38	संपूर्ण 24 की 77 श्लोक	20वी	
"	मा.	3	26 × 11 × 12 × 34	" 24 की	19वी	
"	"	4	26 × 11 × 18 × 45	" 25 स्तुतियें + 2 गीत	19वी	
"	"	4	26 × 13 × 13 × 52	अपूर्णा 16वे तीर्थंकर तक	19वी	
"	"	गुटका	13 × 11 व 15 × 11	संपूर्ण 24 स्तुतिये	19वी	
"	"	6	30 × 14 × 14 × 38	संपूर्ण 24 स्तुतियें, 24 चैत्यवदन	19वी	
"	"	11	20 × 11 × 15 × 41	संपूर्ण 24 स्तुतिबे, 24 चैत्य., 24 नमस्कार	19वी	
"	स.	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 24 पद	18वी	
"	मा.	35*	12 × 11 × 18 × 22	अपूर्णा	1721	
"	"	5	25 × 11 × 17 × 42	संपूर्ण 24 स्तवन + 2	1728, पाली, यशोलाल	
"	"	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	संपूर्ण (24 × 5) = 120 पद्य गाथा कुल	1767	
"	"	5	26 × 11 × 15 × 44	संपूर्ण 24 स्तवन	18वी सूर्यपुर, मेहलाभ	
"	"	6	24 × 10 × 13 × 36	" "	18वी	
"	"	9	22 × 11 × 11 × 32	" "	1897	

1	2	3	3 A	4	5
224 5	के नाथ 10/31 26/84	चौबीस त्रिनस्तवन 2 प्रतिमा	Cauvisa Jina Stavana 2 copies	जिनराजमूरि	प
226	" 19/122	"	"	मानन्दधन	प
227	" 19/1	" +वा	" +Bāiā	मानदधन (मानमार व मानविमल)	मू वा
228	" 6/41	"	"	उदयरत्न	प
229	महावीर 3 इ 33	" +वा	" +Bāiā	देवचद/—	मू वा
230	कुचुनाथ 36/2	"	"	देवचद	प
231	के नाथ 19/8	" (मतीत)	" (Atiā)	,	"
232	, 19/16	"	"	करिश्रुपम	"
233	, 10/72	"	"	पद्मविजय	"
234	, गु 1	"	"	नगमीवत्तभ (राजकवि)	"
235	10/62	" (बावनी)	" (Bāvānī)	नयविमल	"
236	कोलडी 421	, +स्तुति + चत्व	,	पद्मविजय	"
237	गु 7/7	,	"	पूत्रराजमुनि	,
238	क नाथ 19/11	"	"	भावविजय	"
239	24/73	"	"	त्रिनमहदमूरि	"
240 1	कोलडी 302, गु 2/6	, 2 प्रतिमा	, 2 copies	मोहनविजय (रूप विजय का शिष्य)	"
242	गु 7/7	,	,	रतन मुनि	"
243	मुनिसुप्रत 3 इ 252	"	"	पद्मसागर (मगल सागर का शिष्य)	"
244	कोलडी 1350	"	"	मुमतिविजय	"
245	" 330	,	,	रामविजय (मुमति- विजय का)	"
246	" गु 2/8	"	"	रामविजय + गुण- विज्ञात	"
247	कुचुनाथ 54/11	"	"	विनयचद	"
248	कोलडी गु 7/7	"	"	समयसुदर	"
249	कोलडी 330	"	"	हरसचद	"
250 1	" 349 48	चौसठ पूजायें 2 प्रतिमा	Causatha Pūjāyen 2 copies	वीरविजय	"

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	मा.	8,26	26 × 12 व 13 × 12	प्रथम में पहिला और द्वितीय	19वी	
"	"	14	25 × 11 × 11 × 28	में पहिले चार स्तवन कम है संपूर्ण 24 स्तवन	1874	
"	"	142	26 × 13 × 11 × 43	" "	1866	
"	"	4	24 × 13 × 14 × 31	" "	19वी	
"	"	86	26 × 12 × 14 × 54	" " प्र 4224	1892 मेडता, पुण्यसुंदर	
"	"	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	" 24 स्तवन	1794	
"	"	13	26 × 11 × 11 × 33	अपूर्ण 21 तीर्थंकर तक ही है	1888	
"	"	3	26 × 12 × 14 × 34	संपूर्ण 24 स्तवन तीन 2 छंद के	19वी	
"	"	11	24 × 12 × 11 × 25	" "	1877	
"	"	3	22 × 19 × 22 × 32	" "	1814	
"	"	4	30 × 14 × 11 × 42	" 26 पद (2-2 गा)	19वी	
"	"	16	25 × 12 × 10 × 40	" 24-24 स्तवन स्तुति, चैत्य.	"	
"	"	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	" 24 स्तवन	"	
"	"	5	25 × 11 × 16 × 44	" "	"	
"	"	4	25 × 12 × 14 × 38	" " +1 छंद	"	
"	"	12, गुटका	27 × 11 व 15 × 12	" "	19/20वी	
"	"	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	" ,	19वी	
"	"	10	26 × 12 × 12 × 37	" "	"	
"	"	3	25 × 10 × 17 × 35	अपूर्ण (17 वे तीर्थंकर तक ही है)	"	
"	"	10	26 × 12 × 12 × 36	संपूर्ण 24 स्तवन	1867	
"	"	गुटका	13 × 11 × 16 × 27	" "	19वी	
"	"	"	6 × 6 × 8 × 12	" "	"	
"	"	"	22 × 16 × 20 × 30	" "	"	
"	"	11	23 × 11 × 7 × 26	अपूर्ण 21 स्तवन	1861	
तीर्थंकर पूजा भक्ति	"	14,33	28 × 13 × 27 × 11	संपूर्ण 64 पूजायें विधिसह	1894,1887	1874 की कृति

1	2	3	3 A	4	5
252	महावीर 3 इ 355	चौसठ प्रकारी पूजा विधि नवादि	Causaṣṭha Prakāri Pūjā Vidhi etc	—	प
253	के नाथ 15/124	द्विप्रू त्रिनसवन	Chinnū Jina Stavāna	त्रिनचन्द्रमूरि	"
254	" 26/103	त्रयजीवनचन्द्रमूरि-घण्टक	Jagajivanacandra Astaka	पद्मालाल	"
255	" 5/75	त्रयविद्वेषण-स्तात्र	Jayā Huṅga Stotra	घनमददव	मू घ (९)
256	" 22/47	, + वृत्ति + वा	" + Vṛtti + Bālā	" /—	मू वृ वा
257	सवामदिर 3 इ 374	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" /—	मू वृ (९)
258	मुनिपुत्र 3 इ 268	,	"	घनमददव	मू
259	क नाथ 14 75	" 5 प्रतिया	, 5 copies	"	"
63	15-162 22-71 15 51 14 64				
264	कुतु 2/27	"	"	"	"
265	क नाथ 24/74	" वृत्तिसह	+ with Vṛtti	"	मू वृ (९)
266	महावीर 3 इ 1	"	,	"	मू घ
267 8	" 3 इ 2, 159	" 2 प्रतिया	, 2 copies	"	मू
269	सवामदिर 3 इ 345	त्रयविद्वेषण-नाथा	, Bhāsā	क्षमावत्याण	प
270	3 इ 341	त्रिनगुरस	Jina Guṇa Rasa	बखीराम	"
271	क नाथ 15/204	,	,	"	"
272	कान्ही 341	"	,	"	"
273	सवामदिर 3 इ 346	"	,	"	"
274	महावीर 3 इ 135	त्रिनदत्त + कुशलमूरि-स्तात्र	Jinadatta + Kusalasūri Stotra	—	पद्य
275	क नाथ 26/83	त्रिनपित्रर स्तात्र	Jina Piṅjara Stotra	कमलप्रनाचाय	पद्य
276	" 18/94	त्रिनपूजाप्रसंग	Jina Pūjā Prasaṅga	—	ग
277	कान्ही 529	त्रिन सहस्रनाम	Jina Sahasra Nāma	—	मू प
278	" 910	"	,	—	"
279	" 528	त्रिनसहस्रनाम स्तोत्र	" Stotra	सिद्धसन दिवाकर	प
280	महावीर 3 इ 21	त्रिनसवन	Jina Stavāna	जयानंद	"

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थकर पूजा भक्ति	स.मा.	1	26 × 12 × 15 × 52	संपूर्ण 8 दिनों की	19वी	
„	मा.	4	26 × 12 × 16 × 29	अपूर्ण 23 गाथा	19वी	पहिला पन्ना कम
गुरु भक्ति मंत्र	सं.	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 11 + 12 श्लोक	18वी	अत में ऋषि मंडल का आमूल मंत्र
पार्श्व जिन भक्ति	प्रा स	2	26 × 11 × 12 × 57	„ 30 गा.	16वी	
„	प्रा.सं मा	4	26 × 11 × 5 × 59	„ „	17वी	
„	प्रा.स.	5	26 × 11 × 17 × 63	„ 30 गा. की ग्र 300	19वी	
„	प्रा.	2	25 × 10 × 14 × 51	„ 30 गा + 16 श्लोक	18वी	
„	„	3,4,2,3, 6	24 से 28 × 11 से 15	स्तुति के संस्कृत में प्रथम चार पूर्ण अंतिम अपूर्ण	19वी	
„	„	4	25 × 11 × 9 × 36	संपूर्ण 30 गा	19वी	
„	प्रा.स.	4	26 × 10 × 21 × 65	„ „	19वी	
„	„	8	27 × 13 × 13 × 47	„ „	1942 पालन- पुर नरेन्द्रसागर	
„	प्रा.	6,3	21 × 12 व 26 × 14	„ „	20वी	
„	मा.	3	25 × 11 × 16 × 32	„ 40 गा.	1876 उदयपुर	
तीर्थकर भक्ति	„	7	25 × 11 × 15 × 47	„ 186 गा.	1847 थोभ, माणकउदय	1769 की कृति
„	„	6	21 × 15 × 19 × 50	„ „	1851	
„	„	4	27 × 11 × 21 × 50	„ 191 गा.	19वी	
„	„	39	17 × 13 × 11 × 13	„ 193 गा.	1930	
दादा गुरु भक्ति	अ.मा.	2	23 × 11 × 13 × 34	„ 2 पद 9 + 19 गाथा + 4 सर्वैया	1944 खाचरोद भगवानचंद	
तीर्थकर भक्ति	सं.	8	17 × 12 × 13 × 16	संपूर्ण 24 श्लोक	19वी	
भक्ति विधान अर्चना	मा.	16	21 × 13 × 14 × 25	„	19वी	
भक्ति स्मरण पद	सं.	2	31 × 11 × 16 × 44	„	1805	
„	„	3	26 × 12 × 11 × 36	„ 41 श्लोक	19वी	
„	„	1	31 × 13 × 20 × 62	„	19वी	
तीर्थकर भक्ति	„	4*	17 × 8 × 8 × 22	„ 9 श्लोक	1733	

1	2	3	3 A	4	5
281	सवामदिर 3 इ 350	जिनस्तवन (चन्द्र प्रभु व प्रभ)	Jina Stavana	—	पद्य
282	मुनिमुत्रव 3 इ 323	"	"	जिनप्रभ प्रादि	"
283	सवामदिर 3 इ 345	"	"	—	"
284	कुथुनाथ 26/9	जिनस्तुतिप्रां	Jina Stutyān	—	"
285	" 17/18	"	"	समरमुनि	"
286	घोसिया 3 इ 194	"	"	वाचक चरित्रनद	"
287	कुथुनाथ 36/1 क्र 25,24,18 17	जिनस्तोत्र	Jina Stotra	पद्यनदि	"
288	कोलडी 1224	, सात्रचूरि	" Sāvūrī	जयानद/विद्यमुनि	मू प (प ग)
289	महावीर 3 इ 41, 355	, व मय	,	—	प
290	कुथुनाथ 2/43	"	,	साधुराजगणि	"
291	क नाथ 11/23	जुहार भट्टारक	Jubhāra Bhattāraḥa	—	ग
292	कुथुनाथ 44/5	जनमहिम्नस्तोत्र	Jaina Mahimna Stotra	—	प
293	महावीर 3 इ 355	जनरक्षास्तान	Jaina Raksā Stotra	मद्रवाहु	"
294	कोलडी 336	जनरक्षा + जिनपिञ्जरस्तोत्र	, + Jina Piñjara	" + कमलप्रभ	"
295	मुनिमुत्रव 3 इ 313	त्रोत्रासमणी	Jaujā Samanī	हमविजय	"
296	क नाथ 15/201	तित्रयपहुत्त स्तोत्र	Tijayapahutta Stotra	देवसूरि	मू ट (प ग)
297	महावीर 3 इ 47	" + वृत्ति	,	" + हर्षकीर्ति	मू वृ (प ग)
298	सवामदिर 3 इ 345	"	,	—	मू (प)
299	घोसिया 3 इ 213	" + कल्पविधि	,	—	मू ट (प ग)
300	" 2/152	तीर्थकरो की बोली	Tirthāṅkaron ki Bolī	—	मू (पद्य)
301	"	तीर्थकरो के कलय	, ke kalaśa	—	" "
302	महावीर 2/24	तीर्थमाला प्रकरण	Tirthamālā Prakaraṇa	चन्द्रमुनि	प
303	के नाथ 6/12	त्रिजगत शास्वत त्रिव स्तवन	Trijagat Śāsvata Bimba Stavana	रत्नसूरि	"
304	महावीर 3 इ 355	त्रिपण्डीशलाकामुख्य-स्तवन	Trisasthī Śalākā Purusa Stavana	—	"
305	क नाथ 10/43	दस लक्षणी पूजा	Dasa Lakṣaṇī Pūjā	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति	स.	गुटका	10 × 6 × 7 × 16	कुल 4 स्तवन (पूर्ण अपूर्ण) 1 2	18वी	
"	"	1	25 × 10 × 15 × 44	कुल 3 स्तवन + 1 स्तुति/ 26 श्लोक	"	
"	स.मा.	1	25 × 10 × 11 × 48	कुल 2 स्तवन सपूर्ण 20 श्लोक	19वी	
"	"	5	27 × 13 × 8 × 30	प्रतिपूर्ण कुल 7 स्तुतिये	"	
"	मा.	1	25 × 11 × 15 × 44	कुल 12 स्तुतिये	"	
"	"	4	27 × 11 × 12 × 53	" 10 "	"	
"	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 4 स्तोत्र (कुल 66 श्लोक)	1544	
"	"	7	26 × 10 × 1 × 33	सपूर्ण 9 श्लोक	1766	
"	प्रा.स.	3	25 से 27 × 12 × भिन्न 2	" 4 पद कुल 16 गाथा	18/20वी	
"	स.	1	26 × 11 × 13 × 45	" 12 श्लोक	19वी	
भक्ति	प्रा	12*	25 × 11 × 13 × 36	सपूर्ण	18वी	
"	स.	1	12 × 9 × 9 × 18	अपूर्ण (सपूर्ण के 41 श्लोक)	"	केवल चार श्लोक है
"	"	1	25 × 11 × 13 × 42	पूर्ण 21 श्लोक	19वी त्रिभुवन- कुशल	
"	"	11*	30 × 12 × 12 × भिन्न 2	सपूर्ण 2 स्तोत्र (18 + 24 श्लोक)	19वी	
महावीर भक्ति गीत	प्राकृत	3	21 × 11 × 7 × 21	सपूर्ण 23 गाथा	1812 मेडता आर्यारामुजी	
भक्ति तीर्थंकर की	प्रा.मा.	1	25 × 11 × 18 × 36	" 14 गाथा	1658	
"	प्रा.स.	14*	25 × 12 × 13 × 35	" "	19वी	
"	प्रा.	1	22 × 10 × 10 × 30	" "	"	
"	प्रा.सं मा	8	25 × 11 × 4 × 29	" " + अन्य गद्य	" सूरत	
तीर्थंकर भक्ति स्तव	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	" 4 + 7 गा. (2 तीर्थंकरों की	16वी	
"	"	"	26 × 12 × 11 × 40	" 72 गा. (5 तीर्थ- करों के)	"	
तीर्थंकर नमस्कार काव्य	अपभ्रंश	7	25 × 11 × 11 × 31	" 109 गा.	1722	तीर्थों का भी उल्लेख है
" भक्ति व वृत्तांत	मा.	3	25 × 11 × 13 × 40	" 45 गाथायें	1759	
भक्ति	"	1	23 × 11 × 13 × 34	" 18 "	18वी	
भक्ति व औपदेशिक	"	6	29 × 13 × 8 × 27	सपूर्ण	1903	दिगम्बर आम्नाय

1	2	3	3 A	4	5
306	महावीर 3 इ 23	दादा गुह की पूजा व स्तवन	Dādāguru ki Pūjā & Stavana	सामसूरि + ज्ञानसार	प
307	कुचुनाथ गुटका 36/॥ 52	धरणीशेन्द्र स्तवन	Dharāṇogendra Stavana	—	"
308	के नाथ 23/75	" + प्रवचुरि	" + Avacūri	—	मू घ (प ग)
309	के नाथ 14/127	धमजिए-दस्तवन + सज्भाय	Dharma Jinanda Stavana + Sajjhāya	विजयभद्र	प
310	के नाथ 26/64	धुलेवा केशरियानाय घादि सवया	Dhuleva Keśariyanatha Ādi Savaiyā	—	"
311	महावीर 3 इ 160	नमस्कार फल-दृष्टांत	Namaskāra Phala Dṛṣṭānta	—	"
312	महावीर 3 इ 161	माहात्म्य	" Māhātmya	सिद्धसेन	"
313	कुचुनाथ 37/19	, ,	" "	—	ग
314	के नाथ 22/70	नमस्कारस्तव	, Stava	कीर्तिसूरि	मू (प)
315	सवामदिर 3 इ 34	" + वक्ति	, ,	" /—	मू व (प ग)
316	क नाथ 11/89	नवकार धय (वा)	, Artha (Bālā)	—	मू वा
317	मुनिमुद्रत 3 इ 279	"	, "	प्रज्ञात	ग
318	कोलडी 905	"	, ,	—	"
319	के नाथ 24/38	नवकारधय व कथा	Navakāra Artha & Kathā	—	"
320	कोलडी 1231	नवकार कथायें	, Kathāyen	—	"
321	मूनिमुद्रत 3 इ 323	नवकार जाप	, Jāpa	—	"
322	के नाथ 4/21	नवकार प्रबन्ध	, Prabandha	विद्यावद्व	प
323	मुनिमुद्रत 3 इ 223	नवकार फल व स्तोत्र	" Phala + Stotra	—	"
324-5	के नाथ 15/156 24/55	नवकार बालावबोध 2 प्रतिया	, Bā'āvabodha	—	ग
326	मुनिमुद्रत 3/271	नवकार महिषा	" Mahimā	—	"
327	कुचुनाथ 24/7	नवकार माहात्म्य	" Māhātmya	—	"
328	, 26/6	" "	" "	—	"
329	मुनिमुद्रत 3 इ 297	नवकार रास	" Rāsa	प्रजात	प
330	घोसियां 3 इ 170	नवकार (पाचपद) सज्भाय	" Sajjhāya	ज्ञानविमल	"
331	घोसियां 3 इ 351	नवकार-स्तवन (रास)	" Stavana (Rāsa)	वाचक कुशलसाम	"

6	7	8	8 A	9	10	11
(जिन कुशलसूरि- पूजा)	मा.	16	25 × 12 × 11 × 27	सपूर्ण	19वी	
भक्ति स्तव	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	„ 39 श्लोक	1544	
„	„	6*	16 × 11 × 12 × 41	„	1626	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	3	27 × 13 × 14 × 40	सपूर्ण 3 स्तवन 1 हितो- पदेश सज्भाय	19वी	
भक्ति न्यायचर्चा व उपदेश	„	8	31 × 16 × 14 × 42	सपूर्ण 91 सर्वेये	19वी	क्रमशः 34,229 26 सर्वेये,
भक्तिमाहात्म्य	स.	11	26 × 13 × 15 × 40	„ 325 श्लोक	1960	
„	„	6	28 × 14 × 17 × 41	„ 217 श्लोक 8 प्रकाश	19वी	
नवकार माहात्म्य	मा.	20	25 × 12 × 15 × 56	अपूर्ण	19वी	
भक्ति „	प्रा.	3*	26 × 12 × 11 × 35	सपूर्ण 32 गा.	18वी	
„	प्रा.स.	2	27 × 12 × 22 × 78	अपूर्ण (18 से अत तक)	19वी	
„	प्रा.मा.	4	25 × 10 × 13 × 36	सपूर्ण	1785	
„	मा.	2	25 × 10 × 19 × 46	„	18वी	
„	„	4	26 × 10 × 13 × 55	„	19वी	
„	„	18	22 × 13 × 11 × 23	„	19वी	
माहात्म्य दृष्टान्त	„	5	25 × 10 × 17 × 50	„	1756	
भक्ति स्मरण	„	1	25 × 11 × 15 × 58	„ 13 अनुच्छेद	1765 जट्टमल्ल	
माहात्म्य वृत्तात	„	41	26 × 11 × 13 × 38	„	1683	(पचपरमेष्ठी रास)
भक्ति „	प्रा.	2	24 × 10 व 26 × 11	„ दो 23 व 12 गाथा	17/19वी	
भक्ति मत्र विवेचन	मा.	4,3	25 × 10 व 17 × 47	सपूर्ण	19वी	
भक्ति माहात्म्य	„	7	25 × 12 × 17 × 47	„ 6 कथासह	19वी × शिव- चदजी	
„ „	सं	8	27 × 12 × 12 × 36	अपूर्ण-जिनदास कथा तक	19वी	
„ „	„	10	26 × 12 × 12 × 44	अपूर्ण-हुडि न चोर कथा- तक	19वी	
„ काव्य	मा.	2	24 × 10 × 13 × 31	सपूर्ण 21 छंद	18वी	अत मे पार्श्वस्तव (लघ)
भक्ति स्वाध्याय	„	6	25 × 11 × 11 × 26	„ 8 सज्भाये	20वी	
भक्ति माहात्म्य	„	93*	25 × 11 × 18 × 43	„ 17 गाथा	19वी	

6	7	8	8 A	9	10	11
ग्रहभक्ति	सं.मा.	3	24 × 11 × 11 × 35	संपूर्ण	20वी उम्मेद- हस	
भक्ति ग्रहो की भी	स.	6*	26 × 11 × 12 × 41	संपूर्ण 10 श्लोक	1626	
”	”	5	26 × 12 × 11 × 28	” ”	19वी	साथ मे कल्याण मदिर स्तोत्र
”	”	1	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 3 स्तोत्र (कुल 39 श्लोक	18वी	
”	प्रा.स.	14*	25 × 12 × 13 × 35	संपूर्ण 11 गाथा की	19वी	
६ ज्योतिष	मा.	गुटका	17 × 14 × 11 × 18	”	1828	
” जैन	स.	2	28 × 13 × 12 × 33	” 9 स्तोत्र	19वी	
स्मरण अक मत्र	मा.	1	42 × 11 × 13 × 47	” अक तालिकाये	20वी	
भक्ति	”	3	27 × 12 × 17 × 51	संपूर्ण 9-9 चैत्य. स्त स्तु कुल 27	19वी	
” काव्य	”	7	25 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण नौ पूजा (12 ढाल)	”	
” ”	”	13	24 × 11 × 10 × 20	” (12 ढाल) चार खड	”	जीर्ण
” ”	”	21	25 × 11 × 10 × 34	संपूर्ण	1872	
” ”	”	3	25 × 13 × 13 × 40	अपूर्ण चौथे खड की 11 वी ढाल	19वी	
” ”	”	3	28 × 12 × 12 × 38	अपूर्ण 46 गा चौथे खड की 11वी ढाल	1870	
” ”	”	8	24 × 12 × 13 × 30	संपूर्ण	19वी	
” ”	”	9	23 × 13 × 6 × 17	” अतिम पन्ना कम	20वी	
” ”	सं.मा.	2	25 × 13 × 13 × 30	”	19वी	
” ”	मा.	2	16 × 12 × 10 × 19	”	”	
” ”	”	गुटका	10 × 8 × 7 × 8	”	20वी	
” ”	प्रा स.	18	25 × 11 × 11 × 44	संपूर्ण सप्त स्मरण 2 शाति भक्तामर + कल्याण	18वी	यहाँ शाति की जगह जयति व वीरस्त- वन हे ।
” ”	”	10	30 × 12 × भिन्न 2	अपूर्ण 4 स्मरण 2 शाति भक्तामर + कल्याण	1836	
” ”	”	16,11 19,12, 12,24	23 से 26 × 11 से 22	संपूर्ण-7 स्मरण शाति = 9 + 2 स्तोत्र भक्ता- मर व कल्याण	19वी	
” ”	”	17,14	26 × 12 व 26 × 14	”	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
361	क नाग 14/120	नवस्मरण + 2 स्तोत्र	Nava Smaraṇa + 2 Stotra	नव स्मरण	पद्य
362	घामिवा 3 ट 238	+ "		"	"
363	क नाग 21/41	नवागुणकारे पूजा	Navagaṇa Prakāśi Pūjā	श्रीरवित्रय	पद्य
364 5	कान्धी 351, 350	, " 2 प्रतिमा	, 2 copies	,	"
366	के नाग 26/85	नदी वन्दनीय पूजा मंत्र	Nandisvara Dvīpa Pujā Mantra	—	"
367	कातकी 356	, व पापगुण	, & Posaṇa	घमचद	"
368	महावीर 4 घ 27	नदीवन्दन स्तव + वृत्ति	Nadisvara Stava -- Vṛtti	पूजाचाय	मूद्र
369	क नाग 15/56	, स्तवन	, Stavana	मंत्रमुद्रा	पद्य
370	, 15/211	नाटक पूजा स्वाध्याय	Nātaka Pujā Svādhyaya	—	,
371	सोवामदि 3 ट 352	नित्यनियम पूजा वचनिका	Nityaniyama Pujā Vacanikā	नरकलन	पद्य
372	कुनुनाय 36/1 क्रम 21 39	निरञ्जन शान्त + जिन मंत्र नाटक	Nirañjana Stotra etc	—	पद्य
373	क नाग 14/62	नमोनाथ स्तवन	Neminātha Stavana	गुणवित्रय	"
374	कुनुनाय 33/34	,	,	पासचद	"
375	क नाग 15/207		"	गुणवित्रय	"
376	, 18/85		"		"
377	, 15/92	"	,	प्राणदमूरि (हम- विमल का)	"
378	सोवामदि 3 ट 348	,	,	प्राणदमूरि	"
379	मुनिमुद्रा 3 ट 244		"	प्राणदमूरि (बुद्ध कीर्ति का)	"
380	महावीर 3 ट 50	, मुनि + शिवपूरि	,	चतुर्भुज	मूद्र (पद्य)
381	मुनिमुद्रा 3 ट 300	नमी राजुल वारह मासा	Nemi Rājula Bārahamaśa	—	पद्य
382	के नाग 24/70	"	,	---	"
383	" 26/41	"	,	विनयचद	"
384	कान्धी 1265	"	,	वृद्धकवि	"
385	" 939	"	"	उदयरन	"
386	क नाग 26/71	नमी राजुल-संवाद	" Samvāda	—	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	प्रा.सं.	19	25 × 11 × 12 × 32	भक्तामर व कल्याण	20वी	
"	"	15	24 × 10 × 12 × 37	अपूर्ण स्मरण 4 ही है	20वी	
"	मा.	7	29 × 13 × 12 × 37	सपूर्ण 11 अभिपेक + अतिम ढाल	19वी	
"	"	7,25	27 × 13 व 27 × 12	सपूर्ण 11 अभिपेक 200 गा.	19वी	
"	स.	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	सपूर्ण 52 श्लोक	19वी	
भक्ति व विवाह वर्णन	मा.	16	26 × 12 × 12 × 35	"	19वी	
भक्ति व द्वीप वर्णन	प्रा.स.	35	27 × 11 × 15 × 45	" 25 गाथा	1531 अहम- दावाद, धर्मसेन	अत मे श्री सिद्धात 1 पृष्ठ मे
" "	मा.	3	23 × 11 × 12 × 34	" "	19वी	
भक्ति स्वाध्याय	"	1	26 × 12 × 13 × 50	"	20वी	
दैनिक पूजा पाठ भक्ति	प्रा स मा.	7	33 × 14 × 10 × 36	अपूर्ण	19वी	
भक्ति	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 2 स्तोत्र 9 + 9 श्लोक के	1544	
तीर्थकर भक्ति	मा.	2	25 × 11 × 17 × 37	सपूर्ण 81 गाथा	1699	
"	"	2+2	26 × 12 × 9 × 42	" 20 गाथा	17वी	दो बार लिखा है
"	"	2	25 × 11 × 17 × 50	" 77 गाथा	1749	अत मे जबू सजभ'य'
"	"	2	25 × 11 × 15 × 41	" 80 गाथा	19वी	
"	"	2	26 × 11 × 13 × 46	" 23 गा.	19वी	
"	"	7	24 × 13 × 9 × 27	" 68 गाथा	19वी	अत मे 5 गाथा का शांति स्तवन
"	"	6*	26 × 11 × 15 × 50	" 62 गाथा	19वी रत्न- हर्ष गरिण	
"	सं.	4	26 × 12 × 13 × 45	" 9 पद	1927 बालूचर सदासुख	
भक्ति विरह गीत	मा.	2	24 × 10 × 13 × 42	सपूर्ण 28 गा.	1825	
"	"	3	24 × 10 × 11 × 27	सपूर्ण	19वी	
"	"	2	24 × 12 × 16 × 49	" 13 गा.	19वी	
"	"	16*	21 × 11 × 10 × 30	" 13 सवेया	19वी	
"	"	3	25 × 11 × 19 × 70	" अ. 125	19वी	
"	"	1	26 × 11 × 13 × 32	अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
387	महावीर 3 इ 36	परमश्रुति पञ्चीनी	Paramajyoti Paccisi	पराश्रुति	प
388	मुनिमुद्रत 3 इ 323	परमप्री रत्ना स्तोत्र	Paramesthi Raksā Stotra	—	"
389	महावीर 3 प्रा 48	परमप्री विद्याकल्प	Vidyā Kalpa	स सिद्धि तन्मूरि	"
390	कान्दी 352	पञ्चन्यासक पूजा	Pañca Kalyānaka Pūjā	वीरविजय	"
391	कुमुदाय 31/8	मालस्तव	Pañca Kalyānaka Mangala Stava	स्मचद मुनि	"
392	कालदी 1183	पञ्चज्ञानपूजा	Panca Jñana Pūja	स्मविजय	"
393	ग्रामिया 3 इ 202	सग्रह	Sangraha	मुमति (शमाकल्याण शिष्य)	"
394	ग्रामिया 3 इ 198	पञ्चदश तिथि स्तुतिर्वे	Pañcadasa Tithi Stutiyen	ज्ञानविमल नयविमल	"
395	कालदी 321	"	"	" "	"
396	कान्दी 6/94	"	"	" "	"
397	कुमुदाय 20/17	पञ्चपरमप्री गुण	Pañcaparamesthi Guna	दशचद	प
398	मुनिमुद्रत 3 इ 281	" नमस्कार	Namaskāra	वन्दनमूरि	प
399	ग्रामिया 3 इ 261	पूजा	Pūjā	सुमति (शमाकल्याण शिष्य)	"
400	कान्दी 20/44	पञ्चपरमप्री महानमस्कार स्तव	Pañcaparamesthi Mahā namaskāra Stava	—	"
401	महावीर 3 इ 40	महान्तर + वक्ति	Mahāstava	त्रिनकीर्तिमूरि (स्वोपज्ञ)	सू द (प 7)
402	नवामन्दिर 3 इ 350	स्तवन	Stavana	—	सू (प)
403	"	स्तवन	"	—	प
404	"	" स्तव व स्तोत्र	Stava & Stotra	त्रिनप्रभमूरि	"
405	कुमुदाय 55/11	स्तान सावभूति	Stotra with Avacūri	माननुज्ञमूरि	सू द (प 7)
406	कालदी 925	पञ्चमीमहिमा-स्तवन	Pañca Mahimā Stavana	त्रिजयलक्ष्मीमूरि	प
407	कोन्दी 442	पाक्षिक चण्डदान	Paksika Catyavandana	—	"
408	महावीर 3 इ 43	पाक्षिक नमस्कार नमी भाति स्तान	Namaskāra etc	—	"
409	कान्दी 502	पाक्षिकादि त्रिन चत्ववदन	Paksikādi Trin Chaitavyan-dana	—	"
410	" 803/3	पाठपूजन-चापदी	pāthapūjana Copadi	—	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्म स्वरूप भक्ति	स.	2	28 × 12 × 15 × 48	संपूर्ण 50 श्लोक (2 पञ्चीसिया)	20वी	
भक्ति	„	1	25 × 11 × 8 × 32	„ 8 श्लोक	18वी	
भक्ति (मन्त्रमय)	„	40*	25 × 11 × 14 × 50	„ 77 श्लोक	1962	
जिन भक्ति काव्य	मा.	7	27 × 11 × 12 × 36	संपूर्ण	1902	
भक्ति तीर्थंकर	„	गुटका	24 × 22 × 15 × 12	„ 25 गा.	20वी	
श्रुत भक्ति काव्य	„	9	26 × 13 × 9 × 30	„	19वी	
„	„	5	24 × 11 × 10 × 37	„ 5 पूजाये	1958	
तिथि भक्ति काव्य	„	5	25 × 11 × 15 × 36	„ कुल 17 स्तुतिये	19वी	
„	„	6	25 × 11 × 14 × 38	„ कुल 16 स्तुतिये	„	
„	„	4	25 × 12 × 13 × 44	„ कुल 16 स्तुतिये	„	
भक्ति आधार	„	21*	25 × 11 × 10 × 34	संपूर्ण 67,51,70,50भेद	1872	
भक्ति	प्रा.	2	25 × 10 × 13 × 44	„ 25 गाथा	18वी	
„	मा.	7	24 × 11 × 10 × 32	संपूर्ण	1958	
„	„	6	27 × 13 × 11 × 33	„ 2 स्तवन (दूसरा अपूर्ण)	19वी	साथ मे वृत्त शाति
„	प्रा स.	4	27 × 12 × 22 × 69	संपूर्ण 32 पद	„	
„	प्रा,	6	10 × 6 × 7 × 16	„ 34 गा	18वी	
विधान व विवरण	सं	7	10 × 6 × 7 × 16	„ 2 पद (8 श्लोक 5 अनु)	„	
भक्ति नमस्कार	„	7	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण 2 स्तोत्र (33 × 5 श्लोक)	„	
भक्ति	प्रा.सं.	1	25 × 10 × 15 × 53	संपूर्ण 34 गाथा	15वी	
तिथि माहात्म्य भक्ति	मा.	3	25 × 12 × 7 × 30	„ 5 ढाले	19वी	
भक्ति	सं.	26*	27 × 13 × 11 × 32	„ 49 श्लोक	„	
„	„	4	27 × 12 × 11 × 40	„ तीन स्तोत्र 49, 11,13 श्लोक	1841	
„	„	4	31 × 12 × 13 × 44	संपूर्ण 5 चैत्यवदन कुल 94 श्लोक	1862	
भक्ति क्रिया काण्ड	सं.मा.	10	5 × 8 × 5 × 10	संपूर्ण	1937	

1	2	3	3 A	4	5
411	कं नाथ 14/17	पारणव वृद्ध लघु आदि सज्जाय सग्रह	Pāranaka Sajjhāya	—	पद्य
412	कुयुनाथ 2/44	पारवस्तव	Pārśva Stava	जिनप्रभसूरि	"
413	के नाथ 29/54	,	"	—	"
414	कं नाथ 18/44	(सहस्रनाम) पारवस्तोत्र	Pārśva Stotra	भक्तिलाभ (रतनचन्द्र- शिष्य)	"
415	कुयुनाथ 36/1 क्रम 13 15 29 30 32 48,	पारवस्तोत्राणि	Stotrāni	विद्यापति राजसन पद्य नदि, जिनपति	"
416	कं नाथ 19/46	"	,	जिनचन्द्र	"
417	महावीर 3 इ 21	पारवस्तोत्र	"	जिनचन्द्र सूरि	"
418	सवामदिर 3 इ 345	पारव लघु व वृद्ध स्तोत्राणि वत्तिसह	, with Vṛtti	परशिक्षित सुन्दर	मूढ (प
419	के नाथ 26/103	पारवस्तवनानि	Stavanāni	जिनवल्लभ शिवशकर अनात	प
420	सवामदिर 3 इ 350	, स्तवनानि स्तोत्राणि	"	धर्मसूरि मेरुनदन व अथ	"
421	महावीर 3 इ 355	, स्तोत्र ध्यान व मन	Stotra etc	—	"
422	कुयुनाथ 44/5	" स्तोत्राणि	Stotrāni	—	"
423	मुनिमुद्रत 3 इ 307	व मणिभद्र स्तोत्र	Stotra etc	—	"
424	कालडी 1325	, स्तोत्राणि	, Stotrāni	—	"
425	मुनिमुद्रत 3 इ 323	" स्तवनानि	, Stavanāni	—	"
426	कुयुनाथ 10/138	पारव + पंचपष्ठी स्तोत्र	, Stotra etc	मेस्तुङ्ग + जयतिलक शिष्य ?	"
427	कं नाथ 11/64	पारवस्तव	Stava	मेस्तुङ्ग	"
428	कं नाथ 11/100	"	,	—	"
429	महावीर 3 इ 150	पारव व अथ स्तोत्राणि	Stotrāni etc	जिनप्रभ आदि	"
430	सवामदिर 3 इ 379	, स्तव	, Stava	—	"
431 2	घोषिया 3 इ 237 265	स्तवनानि 2 प्रतिया	, Stavanāni 2 copies	—	"
433 5	कुयुनाथ 10/144 139 2/23	, स्तवनानि 3 प्रतिया	" 3 copies	—	"
436	कं नाथ 18/64	"	Stavanāni	—	"
437 8	महावीर 3 इ 260 25	" स्तोत्राणि 2 प्रतिया	, Stotrāni 2 copies	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति क्रिया	प्रा.	5	25 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण 6 सज्भाये = कुल 99 गाथा	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	„	1	25 × 11 × 12 × 36	सपूर्ण 10 गा.	16वी	
„	„	1	25 × 11 × 17 × 50	„ 36 गा कलशसह	16वी	
„	„	2	26 × 11 × 8 × 32	„ 15 गा.	17वी	
„	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 6 स्तोत्र कुल 101 श्लोक	1544	
„	„	4*	25 × 11 × 13 × 35	सपूर्ण 2 स्तोत्र 7+5 श्लोक	1806	
„	„	4†	16 × 8 × 8 × 24	सपूर्ण 10 श्लोक + पचा गुलीमत्र	1773 × हित- चन्द्र	
„	„	6	24 × 11 × 18 × 72	सपूर्ण	18वी	शब्द 'सकला' पर 1 पूरा स्तोत्र
„	„	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 4 स्तवन कुल 39 श्लोक	18वी	तीसरा फलवर्द्धी व चौथा वरकाणा का
„	„	35	10 × 6 × 7 × 16	मपूर्ण 8 स्तवन कुल 116 श्लोक	18वी	अंतिम स्तोत्र 3 गा. का प्राकृत मे
मन्त्रमय भक्ति	„	1	25 × 11 × 11 × 30	सपूर्ण	18वी	
तीर्थंकर भक्ति	„	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	„ 3 स्तोत्र कुल 63 श्लोक	18वी	
„	„	3	21 × 10 × 9 × 42	„ दो, स. 7 श्लोक	1808/10	मणिभद्रचद 21 गा मारु में
„	प्रा.स.	8	14 × 10 × 10 × 17	सपूर्ण 7 स्तोत्र कुल श्लोक 69	1814	अंतिम 2 स्तोत्र प्राकृत मे
„	स.	2	24 × 10 व 17 × 9	सपूर्ण 11 श्लोक + 7 श्लोक	(प्रथम) 1818 अहिपुर कर्मठ	
„	„	1	24 × 11 × 15 × 44	„ 2 स्तोत्र 11+8 श्लोक	1877	
„	„	2*	26 × 11 × 13 × 49	„ 14 श्लोक	16वी	
„	„	3	25 × 12 × 11 × 20	„ 33 श्लोक	19वी	
„	„	2	26 × 12 × 17 × 50	सपूर्ण 4 स्तोत्र कुल 51 श्लोक	19वी	सूर्य सरस्वती के भी श्लोक है
„	„	2	23 × 10 × 14 × 45	अपूर्ण 33 श्लोक तक	18वी	
„	„	2,1	24 × 11 × $\frac{14}{13}$ × 35	सपूर्ण 6 स्तवन कुल	19वी	अंत मे नदीश्वरस्तवन
„	„	1,1,1	21 से 26	„ 10 स्तोत्र	18/19वी	अंत मे शारदा स्तोत्र भी है
„	स.प्रा.	2	25 × 12 × 11 × 30	„ 2 स्तव 13+3 श्लोक	19वी	
„	„	2,2	20 × 11 व 28 × 15	„ 4 स्तोत्र कुल 94 श्लोक	20वी	अंत मे अट्टे मट्टे मत्र

1	2	3	3 A	4	5
439	मुनिमुजत 3 इ 323	पाश्व अष्टोत्तर पद्यावती स्तोत्र	Pārśva Astottara Padmā vatī Stotra	हृपसागर	प
440	सवामदिर 3 इ 350	पाश्व अष्टोत्तर पद्यावती स्तोत्र		—	"
441	महावीर 3 इ 354	पाश्व मत्र पद्यावती स्तोत्र	Pārśva Mantra Padmāvati Stotra	—	"
442	सेवामदिर 3 इ 350	, (करहेटक) स्तवन	, Stavana	मेहनदन	"
443	के नाथ 6/57	, (.) स्तोत्राणि	Stotrāni	—	"
444	सेवामदिर 3 इ 350	(कलिकूड) स्तोत्र	„ Stotra	—	"
445 6	महावीर 3 इ 152 355	पाश्व (कलिकूड) मत्र स्तोत्र कल्प 2 प्रतिया	Mantra etc 2 copies	—	ग प मत्र
447	के नाथ 19/46	पाश्व (गौडी) स्तुति	„ (Gauḍī) Stuti	विद्याविलास	प
448	सवामदिर 3 इ 350	पाश्व (चिंतामणि) स्तोत्राणि	Pārśva (Cintāmaṇi) Stotrāni	—	"
449	महावीर 3 इ 355	, (,) ,	()	—	"
450	कोलडी 516	, () मत्रकल्प	Pārśva (Cintāmaṇi) Mantrakalpa	धमघोष	प ग
451	महावीर 3 इ 138	, () स्तोत्र	() Stotra	—	मूत्र (प ग)
452	मुनिमुजत 3 इ 285	, () „	() ,	—	प
453	सवामदिर 3 इ 345	, () स्तोत्राणि) Stotrāni	—	"
454	कोलडी 1233	() „	,) „	रत्नाकरसूरि	"
455	महावीर 3 इ 53	पाश्व (चिंतामणि) पद्यावती स्तोत्र	, (,) Padmāvati Stotra	—	"
456	के नाथ 23/59	पाश्व (जीरापल्ली) स्तोत्र सावचूरि	Pārśva Jirāpalli Stotra with Avacūri	धमनदन उपाध्याय	मूत्र (प ग)
457	„ 29/53	पाश्व (जीरापल्ली) स्तोत्र सावचूरि	() „	महत्तुङ्ग/धमरकीर्ति	"
458	के नाथ 26/103गु	पाश्व (जीरापल्ली) लक्ष्मधमत्र स्तवन	„ () Stotra Cakra etc	—	प
459	महावीर 3 इ 355	पाश्व () स्तवन	, (,) Stavana	मेहतुङ्ग	,
460	के नाथ 29/48	, (,) स्तोत्र	(,) Stotra	मेहनदन (मुनिमह)	"
461	कोलडी 542	पाश्व („ शबधर) स्तोत्राणि	, (,) Stotrāni	—	"
462	सवामदिर 3 इ 350	पाश्व (फलवर्दी) स्तोत्राणि	Pārśva (Phalavarddhi) Stotrāni	जिनप्रभ	"
463	के नाथ 6/125	„ (,) स्तोत्र	() Stotra	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थकर भक्ति + शासनदेवी भक्ति	स.	1	26 × 11 × 14 × 64	संपूर्ण 3 स्तोत्र (16, 9, 9)	18वीं हर्ष- सागर	अतिम छंद मा. मे
"	"	11	10 × 6 × 7 × 16	प्रथम संपूर्ण (12) द्वितीय अपूर्ण (15)	18वीं	
"	"	1	27 × 12 × 8 × 28	संपूर्ण	20वीं	
तीर्थकर तीर्थ भक्ति	"	2	10 × 6 × 7 × 16	" 9 श्लोक	18वीं	
"	"	2	26 × 13 × 12 × 25	" 3 स्तोत्र	19वीं	
"	"	7	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण	18वीं	
"	स मा.	2,1	28 × 12 × 8/11 × 35	संपूर्ण मंत्र, विधिसह	20 वीं	दादागुरु पूजा मंत्र विधि साथ मे
"	सं	4	25 × 11 × 13 × 35	संपूर्ण 24 श्लोक	1806	
"	"	9	10 × 6 × 7 × 16	" 3 स्तोत्र 11-11 श्लोक के	18 वीं	
"	"	1	25 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण 2 स्तोत्र 1 मगला- ष्टक	1810/10 × रूपचद	प्रशक्ति है ।
"	"	4	29 × 12 × 14 × 30	"	1880	
"	"	2	25 × 12 × 7 × 35	" 11 श्लोक	19वीं	
"	"	2	25 × 10 × 9 × 37	" 32 श्लोक	"	
"	"	2*	27 × 10 × 21 × 72	" 6 स्तोत्र	"	
"	"	5	22 × 13 × 9 × 24	" 2 ,, (11 + 25 श्लोक)	20वीं	
"	"	6*	24 × 12 × 14 × 35	संपूर्ण 2 स्तोत्र 27 + 11 श्लोक	"	
"	स मा.	5	27 × 12 × 18 × 51	संपूर्ण 45 श्लोक	16वीं	
"	सं.	2*	22 × 10 × 15 × 52	" 3 श्लोक	1886	
"	सं.	1	25 × 12 × 20 × 56	" 24 श्लोक	18वीं	
"	"	1	22 × 11 × 12 × 34	" 14 श्लोक	19वीं	
तीर्थकर तीर्थ भक्ति	"	1	25 × 11 × 14 × 44	"	"	
"	"	2	29 × 13 × 11 × 45	"	"	
"	"	11	10 × 6 × 7 × 16	"	1 + श्लोक	18वीं
"	"	2	25 × 11 × 12 × 31	"	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
464	महावीर 3 द 35	पाय (गणेश) पायप स्तव	Pārava (Sāṅkheśvara) Yantra etc	—	५
465	मुनिमुन 3 द 323	() स्तव	. . . Stotra	—	..
466	दुपुना 55/15	(स्तव) स्तव	Pārava (Stambhana) Stavana	म.म.मु.दर (रुद्रदर का (मप्य)	..
467	मवामन् 3 द 350	स्तव	.. Stotra	—	..
468	महावीर 3 द 133		. . .	—	..
469	न नाय 10 92	. . . स्तव	Pārava Stavana	मानवित्तव	..
470	दुपुनाय 35/6	. . .		ममरुधर	
471	35/7	. . .		दुपुना	
472	क ना 19/15			पारावित्तव	
473	वावदी 899			मति/म	..
474	घामिया 3 द 239	(य घाय)	. . . etc	मम-म.मु.दर मुया र.मु.दर	..
475	कावदी मु.का 11 6		. . .	—	.
476	907	(मनरीग) ..	(Antarikṣa) Stavana	भावरित्तव	..
477	323
478	न नाय 14/98
479	घामिया 3 द 213
480	मवामन् 6 7	(गौड़ी) ..	. (Gauḍī) ..	रगवित्तव	..
481	न नाय 26/86
482	न नाय 29/18
483	वावदी 342	ममवित्तव	..
484	न नाय 26/70	.. स्तवनादि	. . . Stavanādi	—	..
485	वालदी 297	.. , स्तव	. . . Stavana	प्रीतिमन	..
486	महावीर 3 द 14	.. " "	. . . "	.	..
487 8	क नाय 5,118, 26/62	. . . " 2 प्रतिप	.. " " 2 copies
489	मातियां 3 द 230	.. " "	.. " "	मनोवचर (धामाप्रमोद)	..

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थकर तीर्थ भक्ति	स.	1	25 × 11 × 11 × 30	संपूर्ण 2 स्तोत्र	18वी	
"	"	1	23 × 11 × 8 × 27	" 5 श्लोक	1863	
"	"	1	26 × 11 × 13 × 48	" 25 श्लोक	17वी	
"	"	3	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण	18वी	
"	"	12*	27 × 11 × 6 × 26	"	1961	
तीर्थकर भक्ति	मा.	3	26 × 11 × 14 × 46	संपूर्ण 51 गा.	19वी	
"	"	3	26 × 10 × 10 × 36	" 49 गा	19वी	
"	"	2	25 × 10 × 15 × 54	" 32 गा.	19वी	
"	"	2	26 × 12 × 12 × 44	" 25 गा.	19वी	
"	"	3	13 × 10 × 13 × 24	"	19वी	
"	"	6	25 × 10 × 10 × 36	अपूर्ण 14 स्तवन/पहले 6 पन्ने कम	1901 सुभट्टपुर सहजसुंदर	पन्ने 7 से 12 ही है।
"	"	गुटका	15 × 9 × 7 × 14	संपूर्ण 46 गाथा + कलश	19वी	
तीर्थ तीर्थकर भक्ति	"	3	26 × 11 × 14 × 48	संपूर्ण	1812	
"	"	4	29 × 12 × 12 × 30	"	1888	
"	"	3	25 × 11 × 15 × 54	"	19वी	
"	"	6	24 × 11 × 10 × 25	" 51 गा.	18वी	विजयदेव व प्रभ- सूरि दो गुरुभ्राता
"	"	13	14 × 11 × 12 × 18	संपूर्ण ग्रथाग्र 129,16 डाले	1841	
"	"	74*	13 × 12 × 10 × 10	अपूर्ण	1845	
"	"	2	21 × 34 × 23 × 35	संपूर्ण 16 डाले	1940	
"	"	3	26 × 11 × 20 × 54	"	19वी	
"	"	9	21 × 10 × 9 × 26	अपूर्ण	1840	
"	"	7	25 × 12 × 10 × 21	संपूर्ण	19वी	
"	"	3	25 × 11 × 14 × 40	"	19वी	
"	"	3,4	25 × 11 × 11 × 48/ 36		19वी	
"	"	4	27 × 14 × 16 × 35	0	1967 फलोदी लाभद	

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ तीर्थकर भक्ति	मा.	1	26 × 11 × 11 × 40	सपूर्णा	17वी	1686 की कृति
"	"	5,3	21 × 12 व 20 × 15	" 39 गाथा	19/20वी	
"	"	3	25 × 12 × 10 × 36	" 32 गाथा	1865	
"	"	2	26 × 12 × 16 × 37	" 2 पद 26 + 13 गाथा	1880 मेडता	दूसरा छंद सरस्वती का है
"	"	गुटका	22 × 16 × 12 × 32	" 40 गाथा	दौलतसुंदर 1913	
" + तालिका	"	44	32 × 16 × 25 × 44	सपूर्णा 4 ढालो का ग्र. 3100	1919 महीद-पुर धर्मसी	
"	"	4	24 × 11 × 16 × 47	सपूर्णा 135 छंद	20वी	
"	"	2	26 × 11 × 10 × 35	" 17 गाथा	17वी	
"	"	4,3	25 × 10 व 25 × 12	" 18 पद	19वी	
"	"	4	25 × 12 × 10 × 32	सपूर्णा 35 गा.	1964	
"	"	3	25 × 11 × 15 × 40	सपूर्णा 2 स्तवन 38 + 33 गा	1737	दूसरा स्तवन पच-तीर्थी का है।
तीर्थकर गुरु भक्ति	"	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	सपूर्णा 3 (पार्श्व की 112 छंद	1767	अन्य निशानी कुशल-सूरि व एकादश का भाषा मे पजाबी का पुट
तीर्थकर भक्ति	"	3	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्णा 45 गाथा	19वी	
"	"	6	20 × 10 × 9 × 28	" 56 गाथा	20वी	
"	"	3	24 × 11 × 13 × 52	" 53 गाथा	1918	
"	"	2	13 × 10 × 19 × 42	" 57 गागा	20वी	
"	"	गुटका	15 × 10 × 9 × 17	अपूर्णा 48 गाथा	1885	
"	फारसी	गुटका	20 × 13 × 14 × 27	सपूर्णा 6 छंद	19वी	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	5	25 × 12 × 14 × 34	" 7 ढालें	1857 × लच्छि रुचि	
"	स.	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	सपूर्णा 3 जयमालाये 17 + 8 + 6 श्लो	19वी	दिगम्बर आम्नाय
भक्ति काव्य	मा.	39	25 × 12 × 9 × 39	सपूर्णा 5 पूजाये (स्नात्र, 17 भेदी, 20 स्थान, अष्टप्रकारी पाचज्ञान	20वी	रुमश देवचंद, साधु-नीति, विजयलक्ष्मी, ज्ञानसागर, रूपविजय
श्रुतशास्त्र कीर्तन	"	3	27 × 12 —	सपूर्णा 45 दोहे	"	
" काव्य	"	8	25 × 12 × 12 × 29	" आठ पूजायें	1922 फलोदी विनयसुन्दर	
" काव्य	"	3	25 × 11 × 11 × 44	" 5 पद	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
516	के नाथ 18/57	प्रत्यगिरा प्रविका स्तोत्र	Pratyangirā Ambikā Stotra	—	प
517	मुनिसुत्र 3 इ 247	प्रत्यक बुद्ध सलग्न गीत	Partyeaka Buddha Samlagna Gita	समयसुन्दर	,
518	के नाथ 29/24	बत्तीस राग गीत	Battisa Rāga Gita	ग्रानद	,
519	कोलडी 906	बभणवाढ महावीर स्तवन	Bambhanavāda Mahāvīra Stavana	कमनबलश शिष्य	"
520	सवामदिर 3 इ 377	,	,	"	"
521	के नाथ 18/80	,	,	"	,
522	कोलडी 358	वारह व्रत की पूजा	Bāraba Vrata ki Pūjā	वीरविजय	"
523	के नाथ 15/158	बीस विहरमान स्तवन	Bisa Vibaramāna Stavana	जिनराजमूरि	"
524 6	के नाथ 5-90 13-30 19-73	,	3 प्रतिया	3 copies	,
527	ओसिया 3 इ 200	,	,	"	"
528	महावीर 3 इ 16	,	,	जिनहृप	"
529	ओसिया 3 इ 201	"	,	विनयचद (गानतिलक शिष्य)	"
530	कोलडी 298	,	,	3 यथाविजय	"
531-2	क नाथ 23/63गु 13	,	2 प्रतिया	2 copies	,
533	कुबुनाथ 43/11	,	,	जिनसागर	"
534 5	महावीर 3 इ 32 18	"	2 प्रतिया	2 copies	देवचद
536	ओसिया 2/153	" स्तवन	,	"	"
537	के नाथ 24/66	"	,	,	प
538 9	कोलडी 346 47	बीस स्थानक पूजा 2 प्रतिया	Bisa Sthānaka Pūjā 2 copies	विजयलक्ष्मीसूरि	प
540-1	के नाथ 9/23, 15/140	" 2 प्रतिया	,	2 copies	"
542	ओसिया 3 इ 184	बीस स्थानक व सतरभेदी पूजा	, Sattarabbedi Pūjā	जिनहृप साधुकीर्ति	प
543	कोलडी 980	भक्तामर + वृत्ति	Bhaktamara + Vṛtti	मानतुग/भ्रमरप्रभ	मू वृ (प ग)
544	कुबुनाथ 55/18	,	+ वृत्ति	" विजयप्रभ	मू वृ (प ग)
545	सवामदिर 3 इ 329	" + वा	,	+ Bāiā	मू बा (प ग)
546	क नाथ 22/72	" + वृत्ति	,	+ Vṛtti	गुणचद्र शिष्य अभयदेव

6	7	8	8 A	9	10	11
शासनदेवी भक्ति	स	2*	26 × 11 × 18 × 55	संपूर्ण	19वी	
गुणकीर्तन वृत्तात	मा	2	25 × 11 × 12 × 32	,, 29 गा.थाये	1783 किसनाजी	
जिनभक्ति गीत 32 रागो पर	,,	1	25 × 11 × 23 × 72	,, 32 गीत	19वी	
तीर्थ तीर्थकर भक्ति	,,	3	24 × 11 × 10 × 34	,, 21 गा.	1770	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 44	,, ,	18वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 14 × 42	,, ,,	19वी	
श्रावकव्रत भक्ति काव्य	,,	10	26 × 11 × 11 × 38	संपूर्ण	1902	
महाविदेह तीर्थकर भक्ति	,,	6	26 × 11 × 13 × 34	,, 20 + 2 स्तवन	1688	
,,	,,	8,7,11*	25 × 11 × भिन्न 2	,, 20 स्तवन	19/20वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 13 × 47	,, 21 स्तवन	19वी मुनि- लालचद	
,,	,,	5	24 × 11 × 15 × 54	,, 20 + 1 स्तवन	1753 पाटन, जिनहर्ष	
,,	,,	7	25 × 12 × 15 × 45	,, 20 स्तवन	1754 कार्तिक शुक्ल 8	1754 की असल प्रति/प्रशस्ति है
,,	,,	5	27 × 12 × 14 × 45	,, 20 स्तवन ग्र 200	19वी	
,,	,,	5,11	27 × 14 व 14 × 11	,, 20 स्तवन	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 12 से 20 = अतिम 9 तीर्थकर	19वी	
,,	,,	14,17	26 × 12 × 11/9 × 31	संपूर्ण 21/20 स्तवन	1833 पाली, 1887	
,,	,,	19*	25 × 12 × 12 × 35	,, 20 स्तवन	20वी	
,,	,,	3	24 × 11 × 10 × 41	कपूर्ण 3 स्तवन मात्र	20वी	
भक्ति काव्य	,,	10,18	27 × 12 व 24 × 12	संपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	6,12	25 × 11 व 27 × 13	,,	,,	
,,	,,	20*	27 × 11 × 15 × 38	,, 2 पूजाये	1940 वीकानेर वासुदेव	
ऋषभदेव भक्ति काव्य	सं.	3	31 × 12 × 9 × 35	संपूर्ण 44 श्लोक की	1251	प्रति इतनी पुरानी लगती नहीं हैं
,,	,,	20	25 × 11 × 18 × 52	संपूर्ण केवल अतिम पन्ना नहीं	16वी	
,,	स.मा.	14	26 × 11 × 15 × 58	संपूर्ण 44 श्लोक का	16वी	
,,	सं.	42	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 44 कथासह	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
547	क नाथ 21/78	नक्तामर +घ	Bhaktamara +Avacūri	मानतुग	मू घ (प ग)
548	मुनिमुद्रत 3 इ 249	+वा	, +Bālā	"	मू (प)
549	रुपुनार 55/22	, +वाला	, —	" मेरुसुदर	मू वा
550	मुनिमुद्रत 3 इ 348	, —	, —	,	मू (प)
551	कोनही 798	, +वा	, +Bālā	" मेरुसुदर	मू वा
552	कोनही 466	, +वृ	+Vṛtti	, अमरप्रभ	मू वृ
553	क नाथ 24/75	,	"	,	मू (प)
554	22/60	, +वृ	+Vṛtti	" क्षमाविजय	मू व
555	26/93	, - ग	, +Bālā	"	मु वा
556	कोनही 480	, +वृ	, +Vṛtti	" अमरप्रभ	मू व
557	सवामदिर 3 इ 32"		,	,	मू ट (प ग)
558	शामिया 3 इ 236	" +वृ	+Vṛtti	" —	मू वृ
559	क नाथ 6/47	,	"	"	मू (प)
560	क नाथ 13/47	, +घ	+Avacūri	" —	मू घ
561	कोनही 468	+वृ	+Vṛtti	" अमरप्रभ	मू वृ
562	, 465		,	"	मू ट (प ग)
563	सवामदिर 3 इ 328			"	"
564	, 3 इ 331	, +वा	+Bālā	—	मू वा
565	कोनही 475	,	,	"	मू ट (प ग)
566	महावीर 3 इ 71	, +घ	+Vṛtti	, समयसुदर	मू वृ
567	कोनही 471	,	,	"	मू ट (प ग)
568	क नाथ 17/42	" +वा	+Bālā	" —	मू वा
569	मुनिमुद्रत 3 इ 250	, "	, + "	" —	"
570	कोनही 474	"	,	"	मू ट (प ग)
571	" 473	" +वा	, +Bālā	" मेरुसुदर	मू वा

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभदेव भक्ति काव्य	स	8	26 × 12 × 6 × 30	संपूर्ण 44 श्लोक की	1655	
"	"	4	23 × 11 × 11 × 32	" 44 श्लोक की	1670	राजधर
"	स मा'	19	25 × 11 × 12 × 42	" 44 श्लोक + 28 कथा	17वी काल्या	
"	स.	9	25 × 12 × 10 × 30	संपूर्ण 44 श्लोक	1718	साथ में कल्याण मंदिर मूल'
"	सं.मा.	8	26 × 11 × 21 × 58	" " + 28 कथा	1720	
"	स	10	26 × 11 × 15 × 42	" 44 श्लोक	1744	सिरोही
"	"	3	26 × 11 × 15 × 45	" "	1747	साथ में 2 स्तवन
"	"	18	27 × 12 × 3 × 39	" "	1763	
"	स.मा	24	20 × 15 × 26 × 19	"	1793	
"	सं	10	25 × 11 × 23 × 60	"	1799	साथ में 'कल्याण मंदिर' सटीक
"	स मा	11	25 × 11 × 3 × 37	" 43 श्लोक अतिम पन्ना कम	18वी	
"	स	9	25 × 11 × 13 × 47	अपूर्ण 14 से 44 तक	18वी	
"	"	4	25 × 10 × 11 × 37	संपूर्ण 44 श्लोक	18वी	
"	"	5	23 × 11 × 14 × 46	" "	18वी	
"	"	7	26 × 11 × 4 × 50	" " की	18वी	
"	सं.मा.	8	26 × 10 × 5 × 40	" " का	18वी	
"	"	14	21 × 12 × 3 × 33	अपूर्ण 21 से 24	1806	
"	"	40	25 × 12 × 12 × 28	संपूर्ण 44 श्लोक	1816	जोगनी-पुर राजसुंदर
"	"	8	26 × 11 × 4 × 46	" "	1822	
"	स.	17	21 × 11 × 13 × 33	" "	1823	अजीमगज वृत्तिसुबोधिका-नाम्नी
"	स मा.	8	25 × 11 × 5 × 36	" "	1833	
"	"	29	26 × 11 × 13 × 38	" 46 श्लोक कथा सह	1835	
"	"	10	25 × 12 × 18 × 43	" 44 श्लोक	1836	
"	"	8	25 × 11 × 5 × 40	संपूर्ण	1842	
"	"	15	25 × 11 × 15 × 45	" 44 श्लोक कथा सह	1867	

1	2	3	3 A	4	5
572	प्राप्तिया 3 इ 168	नक्तामर +वृत्ति	Bhaktāmara +Vṛtti	मानवृत्त —	मू वृ
573	प्राप्तिया 3 इ 182	, +वा	, +Bā ā	, —	मू वा
574	प्राप्तिया 3 इ 180	+वृत्ति	, +Vṛtti	„ हृपकीर्ति	मू व
575	क नाय 21/30	„ +वृत्ति	+Vṛtti	„ शक्तिमूर्ति	„
576	, 24/71	+वृत्ति	+Vṛtti	—	„
577	क नाय 5/17	+वृत्ति	+Vṛtti	, —	„
578	क नाय 18/२३	+घ	+Avacūti	„ —	मू घ
579	कानडी 467	+वृत्ति	, +Vṛtti	„ प्रमरप्रस	मू वृ
580	क नाय 14/8	,	,	, —	मू ट
581	क नाय 5/29	,	,	„	„
582	प्राप्तिया 3 इ 23५	, +वृत्ति	+Vṛtti	,	मू वृ
583	महावीर 3 इ 76	„ ,	+Vṛtti	„ —	,
584	प्राप्तिया 3 इ 169	,	,	„ —	मू ट
585	क नाय 5/78 90 10/84 17/17 17,27 21 65 23,21 ' 1	, 6 प्रतिपा	, 6 copies	, —	मू प
591	कानडी 470 6 93 1124	3 प्रतिपा	3 copies	,	,
594	बुधनाय 3 78 99 4 89,9 116 13 35 32 5, 27 2	6 प्रतिपा	6 copies	„	„
600 2	महावीर 3 इ 70 73 7५	नक्तामर भण्डारित नाव्य 3 प्रतिपा	Bhaktāmara Bhandārita Kāya 3 copies	„	„
603	क नाय 6/10	नक्तामर की वृत्ति	Bhaktāmara ki Vṛtti	—	ग
604	कानडी 3 इ 330	„	,	वनककुमुल	„
605	कानडी 464	नक्तामर की कथायें	Bhaktāmara ki Kathāyen	—	,
606	बुधनाय 11/201	नक्तामर-नाया	Bhāsā	हेनराज	प
607	क नाय 26/86बु	भक्ति पद	Bhakti Pada	विनादीनाय	„

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभदेव भक्ति काव्य	स.	17	25 × 12 × 12 × 26	संपूर्ण 44 श्लोक	1884 कुचामरण दौलतसुदर	
„	स मा.	23	26 × 12 × 23 × 55	„ 44 श्लोक कथासह	1887	
„	स.	15	24 × 11 × 13 × 49	„ 44 श्लोक	19वी	
„	„	8	26 × 11 × 17 × 54	„ 44 श्लोक	19वी	
„	„	9	25 × 12 × 13 × 31	अपूर्ण (24 श्लोक तक)	19वी	
„	„	30	25 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण (41 श्लोक तक) कथासह	19वी	पहिले दो पन्ने भी कम है
„	„	8	27 × 12 × 15 × 60	संपूर्ण	19वी	
„	„	10	25 × 12 × 17 × 35	संपूर्ण	19वी	
„	स.मा.	15	26 × 13 × 5 × 26	संपूर्ण 48 श्लोक	19वी	
„	„	10	23 × 11 × 4 × 40	„ 44 श्लोक	19वी	
„	स	6	26 × 12 × 18 × 53	अपूर्ण (10वे श्लो तक ही)	19वी	
„	„	43	26 × 12 × 13 × 48	संपूर्ण 44 श्लोक 28 कथासह	20वी	
„	स मा.	22	27 × 12 × 5 × 43	संपूर्ण 44 श्लोक	20वी	
„	सं	5,4,3, 9,66	24 से 31 × 11 से 15	प्रथम अपूर्ण शेष पूर्ण	19/20वी	प्रथम मे आवश्यक गाथा व द्वितीय मे कल्याण मंदिर है।
„	„	9,5,2	24 से 27 × 12 से 13	अंतिम प्रति अपूर्ण शेष- पूर्ण	19वी	
„	„	4,5,6, 8,3,9	15 से 29 × 11 से 14	सभी संपूर्ण	19/20वी	प्रतिम प्रतिमे कल्याण मंदिर नवतत्व व 24 दडक है
„	„	4,4,2	14 × 9 व 27 × 12(2)	4 काव्य, अंतिम मे अन्य भी	19/20वी	अंतिम चन्द्रसूरि की सही प्रतिलिपि
„	„	11	26 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण ग्र 400	19वी	
„	„	10	26 × 11 × 19 × 47	संपूर्ण ग्र. 758	1714	1652 की कृति
श्रीपदेशिक भक्ति कथायें भक्ति काव्य	मा	13	24 × 12 × 12 × 34	संपूर्ण 28 कथाये	1910	
„	हि.	गुटका	22 × 17 × विभिन्न	„ 49 छंद	19वी	
„	मा.	गुटका	13 × 12 × 10 × 10	„ 27 सर्वये	1845	

1	2	3	3 A	4	5
608	के नाथ 11/61	भयहूर स्तोत्र	Bhayabara Stotra	मानतुङ्ग	प
609	कुथुनाथ 21/9	"	"	"	मू ट (प ग)
610	महावीर 3 इ 144	" +वृत्ति	" +Vṛtti	पारश्वदेव	मू व, (प ग)
611-2	मुनिसुव्रत 3 इ 246 323	मणिभद्रादि स्तोत्र व छद 2 प्रतिपा	Manibhadrādi Stotra etc 2 copies	—	पद्य
613 5	कोलडी 536A 517 908	मणिभद्राष्टक वृत्ति व छद 3 प्रतिपा	Manibhadrādi Aṣṭaka etc 3 copies	(1 छद धातिगुरि 1 लालकुचल)	प ग
616	महावीर 3 इ 142	मणिभद्र भद्रपद	Maṇibhadra Bherupada	—	प
617	के नाथ 15/59	मनकमुनि मञ्जाय व पारश्व- स्तव	Manaka Muni Sajjhāya etc	नेमारधीर	"
618	के नाथ 26/84	महात्र जयमाला	Mahārtha Jayamālā	—	"
619	के नाथ 5/41	महावीरचरियस्तोत्र + वृत्ति	Mahāvira Caryam—Vṛtti	जिनवल्लभ/साधु- सोमगण्डि	मू व (प ग)
620	कोलडी 541	" +वृत्ति	Mahāvira Caryam—Vṛtti	" "	"
621	मुनिसुव्रत 4 अ 125	" —	—	"	मू ट (प ग)
622	महावीर 4 अ 27	" +वृत्ति	" —Vṛtti	" /—	मू—टू(प ग)
623	" ?	" +वृत्ति	—Vṛtti	जिनवल्लभ साधु- सोमगण्डि	"
624	के नाथ 15/33	महावीरचरियस्तोत्र	Mahāvira Caryam Stotra	जिनवल्लभ	मू प
625	कुथुनाथ 23/10	महावीर चरिय स्तोत्र +वा	" —Bālā	" /—	मू व
626 7	क नाथ 15/93 230	" 2 प्रतिपा	2 copies	"	मू प
628	" 29/21	महावीरद्वैत्रिषिका	Mahāvira Dvātrīṣikā	सिद्धसेन	प
629	सवामदिर 3 इ 350	महावीरनाम संग्रह	" Nāma Sangraha	—	"
630	के नाथ 10/97	महावीरसम संस्कृतस्तव +वा	Mahāvira Sama Saṃskṛta Stava	जिनवल्लभ	मू व
631	मुनिसुव्रत 3 इ 284	"	"	"	मू प
632	क नाथ 29/50	"	"	"	"
633	" 11/57	"	"	"	मू ट (प ग)
634	" 23/75	"	"	"	मू प
635	" 22/44	" +वृत्ति	" —Vṛtti	जिनवल्लभ/जयसागर	मू व

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	प्रा	2*	26 × 11 × 13 × 49	संपूर्ण 25 गाथा	16वी	
„	प्रा मा.	2	23 × 10 × 6 × 40	„ 23 गाथा	1656	
„	प्रा.स.	15	25 × 13 × 18 × 40	„ 21 गाथा	20वी	
देवी-देवताओं की स्तुति	स मा.	6,1	23 × 10 व 25 × 11	संपूर्ण 5 स्तोत्र + 21 गाथा का छंद	19वी जोधपुर धनसागर व ईश्वर	
मणिभद्रदेव स्तुति	„	4 2,3,	27 से 31 × 11 से 12	संपूर्ण 3 छंद व 1 अष्टक वृत्ति	19/20वी	
„	मा.	2	20 × 12 × 8 × 16	संपूर्ण 2 पद 11 + 8 गा	20वी	
भक्तिस्वाध्याय	„	3*	21 × 10 × 11 × 31	संपूर्ण 2 पद	19वी	
भक्ति	स	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	„ 53 श्लोक	19वी	दिगम्बर आम्नाय
भक्तिमय चरित्र कीर्ति	प्रा स.	9	26 × 11 × 16 × 57	„ 44 गाथा	16वी	सोमगणिके के गुरु जिनभद्र
„	„	11	32 × 11 × 17 × 54	„ 44 गाथा	1700	
„	प्रा मा.	5	26 × 11 × 5 × 41	„ 44 गाथा	1762 मेदनीपुर हरीदास	
„	प्रा स,	35*	27 × 11 × 15 × 45	„ 44 गाथा	1531 अमदावाद घर्मसेन	चरित्रपत्रके
„	„	40*	25 × 11 × 14 × 50	„ 44 गाथा	1662	पन्ने 12 (19 से 30 तक)
„	प्रा.	2	22 × 11 × 14 × 31	„ 44 गाथा	1806	
„	प्रा मा.	7	27 × 12 × 15 × 70	संपूर्ण अंतिम पन्ना कम 3 लकीरो का	19वी	
„	प्रा.	2,2	26 × 12 व 24 × 10	संपूर्ण 44 गाथा	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	सं.	1	25 × 11 × 16 × 43	संपूर्ण 32 श्लोक	19वी	
„	„	6	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 29 श्लोक	18वी	
„	स मा.	14	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 30 श्लोक	15वी	
„	स	2	25 × 10 × 11 × 45	„ 30 श्लोक	16वी	
„	„	2	25 × 10 × 11 × 48	„ 30 श्लोक	16वी	
„	स मा	5	25 × 11 × 5 × 43	„ 30 श्लोक	16वी	
„	स.	6 [†]	26 × 11 × 12 × 41	अपूर्ण 10 से 30 श्लोक	1626	
„	„	9	26 × 11 × 15 × 49	संपूर्ण 30 श्लोक	1697	

1	2	3	3 A	4	5
636	क नाय 23/47	महावीरममस्मृत स्तव + ध्रुव	Mahāvira Sama Samskṛta Avacūri	जिनवल्गन/ —	मू ध
637	सगामदिर 3 द 378	"	"	जिनवल्गनम	मू प
638	क नाय 15/234	"	"	"	"
639	क नाय 15/66	"	"	"	"
640	क नाय 29/53	महावारस्त्ववन + वृत्ति	Mahāvira Stavana + Vṛtti	पादनिष्ठ/ध्रुवरतीति (मानतीति का सिध्य)	मू वृ (प प)
641	क नाय 26/103	महावीरस्त्ववन (2)	" (2)	ध्रुवयदव + जिनवल्गनम	मू प
642	क नाय 19/46	"	"	ध्रुवयदव	"
643	महावीर 3 द 44	"	"	"	"
644	कुथुनाय 9/119	"	"	विजयदव	"
645	क नाय 15/212	"	"	मगात	"
646	सवामन्त्रि मुटका 3 नि	महावीर (26 द्वार 34 अति धय) स्त्ववन	Mahāvira (26 Dvāra 34 Atiśaya) Stavana	पाश्र्चद	प
647	रालनी 296	" (5 कयाणक) स्त्ववन	Mahāvira (5 Kalyāṅaka)	सकनचद (हीरविजय सिध्य)	"
648	कुथुनाय 44/6	महावीरस्त्ववन	Mahāvira Stavana	जिनदास	"
649	क नाय 5/12	"	"	रधमण	"
650	14/118	"	"	प्रमादमूरि	"
651	19/85	"	"	त्रिजयदवमूरि	"
652	आसिया 3 द 192	"	"	सधमीमूरि	"
653	महावीर 3 द 31	"	"	रामत्रिजय (विमलविजय सिध्य)	"
654	क नाय मु 14	"	"	वा विनयविजय	"
655	" 10/63	"	"	वा यमाविजय	"
656	मुनिमुद्रन 3 द 323	महासत सती कुन सज्जहाय	Mahāsanta Satī Kula Sajjhāya	—	"
657	3 द 323	मुख वदनदपण + वृत्ति	Mukhavandana Darpaṇa + Vṛtti	—	मू वृ (प प)
658	क नाय 26/21	मुनिमालिका	Munimālīka	चारित्रसिंह	प
659	कालडी 275	"	"	"	प
660	क नाय मुटका 1	यादसों की प्रमाण	Yādavon ki Dhamāla	राजहृय	प

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थकर भक्ति	स.	6	26 × 11 × 4 × 43	संपूर्ण 30 श्लोक	1714	
"	"	9	24 × 10 × 10 × 44	अपूर्ण	18वी	
"	"	2	22 × 11 × 15 × 36	संपूर्ण 30 श्लोक	1806	
"	"	2	26 × 11 × 13 × 37	" "	19वी	
"	प्रा स.	2*	22 × 10 × 15 × 52	" 6 गाथा	1686	
"	"	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण (22 गाथा व 39 श्लोक)	18वी	(जिनवल्लभ का समसंस्कृत)
"	प्रा.	4*	25 × 11 × 13 × 35	संपूर्ण 22 गाथा	1806	
"	"	2	26 × 12 × 13 × 35	" "	19वी	साथ मे लघु शाति
"	स.	1	27 × 13 × 14 × 42	" 23 श्लोक	19वी	
"	प्रा.	1	26 × 12 × 13 × 50	संपूर्ण 21 गा.	20वी	
"	मा.	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	" 94 + 24 गाथा	1650	
"	"	4	27 × 11 × 11 × 37	" 3 ढाले = 66 गा.	17वी	
"	"	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	" 38 गा.	17वी	
"	"	5	26 × 10 × 13 × 34	" 98 गा.	1744	
"	"	3	27 × 12 × 12 × 42	" 48 गा.	19वी	
"	"	8	28 × 14 × 18 × 42	" 121 गा.	19वी	
रत्नत्रयमयी भक्ति	"	3	27 × 12 × 18 × 52	" 8 ढाले	19वी, पादलिप्त तीर्थ, रत्नचंद्र	
तीर्थकर भक्ति	"	5	26 × 13 × 12 × 26	" 52 छंद	19वी	
"	"	10	16 × 14 × 11 × 18	" 8 ढाले	19वी	
"	"	4	27 × 13 × 17 × 28	" 6 ढाले	1917	
साधु भक्ति स्मरण	प्रा	1	26 × 11 × 14 × 33	संपूर्ण 13 गा.	19वी	
भक्ति	सं	1	25 × 11 × 14 × 48	संपूर्ण	19वी	
साधुवदना भक्ति	मा.	5	26 × 13 × 10 × 30	" 37 गा	19वी	
"	"	3	26 × 12 × 13 × 40	" 34 "	19वी	
कृष्णरानीहोलीभक्ति	"	2	22 × 19 × 22 × 32	संपूर्ण 60 गा.	1814	

1	2	3	3 A	4	5
661	श्रीसिया 3 इ 351	रत्नप्रभसूरि स्तत्र	Ratnāprabhasūri Stotra	—	प
662	महावीर 3 इ 157	रत्नमागर ग्रन्थ	Ratnasāgara Grantha	सकलन	प ग
663	कोलडी 540	रत्नाकर पंचविशतिका	Ratnākara Pañcaviṁśatikā	रत्नाकरसूरि	मू ट (प ग)
664	के नाथ 26/61	राजुल-पच्चीसी	Rājula Paccisi	लालचद	प
665	क्युनाय 55/26	राणपुर मडन ऋषभ स्तवन	Rānapura Maṅḍana Rsabha Stavana	नयमुद (भावसुंदर शिष्य)	„
666	श्रीसिया 3 इ 215	रोहिणी स्तुति ग्रादि	Robini Stuti etc	चन्द्रसूरि	„
667	के नाथ 11/50	लघु अर्चितशांति वृत्तिसह	Laghu Ajita Śānti with Vṛtti	जिनवल्लभ/घमतिरक	मू + वृ
668	महावीर 3 घा 48	नथ नमस्कार चक्रम	Laghu Namaskāra Cakram	—	पद्य
669	श्रीसिया 2/152	लघु नवकार फल	Laghu Navakāra Phala	—	„
670	क्युनाय 4/105	लघु शांति	Laghu Śānti	मानदेव	„
671	महावीर 3 इ 47	„ + वृत्ति	„ + Vṛtti	मानदेव वम प्रमोदगणि	मू वृ (प ग)
672	के नाथ 15/190	„ + वृत्ति	„ + Vṛtti	„ —	„
673	क्युनाय 15/1	„ + वा	„ + Bālā	„ साभविजय	मू वा (प ग)
674	क्युनाय 2/8, 78 15/62 21/10 26 10, 26/11	„ 5 प्रतिया	„ 5 copies	„ —	मू प
679	क नाथ 6 93 80 15/205	„ 2 प्रतिया	„ 2 copies	„	„
681	महावीर 3 इ 155	लघु शांति की वृत्ति	„ ki Vṛtti	हृषकीर्ति	ग
682	क्युनाय 44/5	लघु सहस्रनाम-स्तोत्र	Laghu Sahasra Nāma Stotra	भद्रबाहु	प
683	भवामदिर 3 इ 345	„	„	—	„
684	क्युनाय 36/1	लघु स्वयम्भू स्तोत्र	Laghu Svayambhū Stotra	देवतदी	„
685	कोलडी 420	वर्षीतप स्तवन	Varsi Tapa Stavana	रूपरूपि	„
686	के नाथ 6/128	विनक्ति द्वानिजिना	Vijnapti Dvātrimsīkā	रूपचद	„
687	क्युनाय 36/1 14	विषाण्टार स्तव समग्र	Viśāpaṅhāra Stava Samagra	सुमुखोनसुरि	„
688	के नाथ 26/25	„ स्तवन	„ Stavana	अचलकीर्ति	„
689	महावीर 3 इ 39	„ „	„	—	„

6	7	8	8 A		11
गुरुभक्ति	स.	93*	25 × 11 × 13 × 36	—	
जैन भक्ति काव्य- संग्रह	प्रा.स.मा.	484	26 × 15 × 20 × 12		
सर्वजिनभक्ति	स मा.	5	38 × 12 × 10 × 32		
भक्तिमय गीत	मा.	6	22 × 12 × 10 × 29		
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	„	1	26 × 11 × 14 × 35		
जैन भक्ति काव्य	„	4	24 × 11 × 11 × 32		
भक्ति काव्य	प्रा स.	14	25 × 10 × 15 × 54	—	
जैन भक्ति मंत्र	स.	40*	25 × 11 × 14 × 50	—	98
भक्तिफल	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40		9वी
भक्ति स्तोत्र	सं.	1	24 × 11 × 11 × 40		18वी
„	„	14*	25 × 12 × 13 × 35		16वी (सक्षिप्त पाठ)
„	„	4	26 × 11 × 13 × 35	—	1681
„	सं मा.	4	25 × 10 × 4 × 32	—	19वी
„	स.	2,2,2, 1,1	22 से 26 × 9 से 12		1950
„	„	2,1	25 × 12 व 25 × 11		19/20वी
„	„	3	27 × 14 × 15 × 48	—	„
भक्ति नाम स्मरण	„	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	सं	19वी अजमेर नरेन्द्र
„	„	1	23 × 10 × 21 × 72	सं	नाम + 114 दोहे 19वी
भक्ति स्तोत्र	„	गुटका	23 × 20 × 21 × 38		„
भक्ति गीत	मा.	3	29 × 11 × 10 × 40	—	नामस्कार + 113 दोहे
„	सं.	2	26 × 10 × 13 × 44		160 1950 अमरदत्त मेवाडा
„	„	„	„		41 गा 1953 2 टाल
„	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38		1814
भक्ति काव्य	मा	2	25 × 1		19वी
„	मा मा	1	26 ×		1 + 64

1	2	3	3 A	4	5
690	के नाथ 18/17	वीतराग वदना	Vitarāga Vandanā	—	प
691	11/84	वीतराग स्तोत्र सावजूरी	Vitarāga Stotra with Avacūri	हृमच द्राचाम/प्रभानद	मू म (प)
692	मुनिमुद्रत 3 इ 309	" —	"	हृमच द्राचाम	मू (प)
693	श्रीमिया 2/154	"	"	"	मू (प)
694	के नाथ 21/12	"	"	"	मू (प)
695	" 10/23	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" /—	मू वृ (प)
696	" 29/42	वीतराग स्तोत्र की घवजूरी	Vitarāga Stotra ki Avacurī	—	ग
697	श्रीमिया 3 इ 232	वृहन्नवकार नमस्कार	Vṛhat Navakāra	त्रिनवल्लभ	प
698	क नाथ 11/101	"	"	"	"
699	क नाथ 26/103 मु	वृहन्नवकार + नमस्कार माहात्म्य	Vṛhat Navakāra etc	—	"
700	मुनिमुद्रत 3 इ 273	वृहत्प्रति	Vṛhat Śanti	—	प ग
701	क नाथ 15/24	,	"	—	,
702 3	, 14/125 23/78	, 2 प्रतिमा	" 2 copies	—	"
704	महावीर 3 इ 45	, + वृत्ति	" + Vṛtti	—, हारीति (वृद्ध- कीति का विषय)	मू वृ
705 6	कुनुनाथ 2/3 21/8	, 2 प्रतिमा	" 2 copies	—	प ग
707 8	कोनडी 463, 462	वृहत्प्रति की टीका 2 प्रतिमा	" ki Tikā 2 copies	हृपकीति	ग
709	महावीर 3 इ 139- 40	शक्रस्तव 2 प्रतिमा	Śakrastava 2 copice	सिद्धसेन	"
711	कोनडी 414	शत्रुञ्जय खमासणा व दाह	Śatruñjaya Khamāṣaṇā + Dohē	—	प ग
712	क नाथ 23/92	, खमासणा	,	—	,
713	18/90	" खमामणा + दोहे	" "	पुण्यमहोदय (कल्याण सागर शिष्य)	"
714	सवामदिर 3 इ 345	शत्रुञ्जयनामकहा	Śatruñjaya Nāmakahā	—	"
715	क नाथ 23/79	शत्रुञ्जय स्तवन	" Stavana	प्रेमविजय + शुभधीर	प
716	गुटका-1	,	"	भानदनिधान	"
717	" 23/86	,	,	प्रेमविजय	"
718	महावीर 3 इ 22	"	,	देवचद	"

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा	3	23 × 11 × 7 × 36	संपूर्ण 11 पद	1900	
„	सं.	6	26 × 11 × 16 × 40	„ 20 प्रकाश	1505	
„	„	3	25 × 10 × 22 × 57	„ „	16वी	
„	„	123*	26 × 12 × 11 × 40	„ „ 187 श्लोक	16वी	
„	„	5	26 × 11 × 15 × 43	„ „	17वी	
„	„	11	25 × 12 × 16 × 42	अपूर्णा 12वे प्रकाश तक	19वी	
„	„	9	26 × 11 × 15 × 60	„ „	16वी	
भक्ति मंत्र	अपभ्रंश	2	25 × 11 × 11 × 31	संपूर्ण 27 पद	1898	
„	„	2	26 × 11 × 11 × 34	„ 13 पद	19वी	
भक्ति मंत्र व फल	सं.	3	25 × 12 × 20 × 56	दोनो अपूर्णा (2 प्रकाश 18 श्लोक)	18वी	
भक्ति स्तोत्र	„	2	25 × 10 × 13 × 46	संपूर्ण	16वी	(सक्षिप्त पाठ)
„	„	3	25 × 10 × 11 × 34	„	1681	
„	„	3,6	25 × 12 व 31 × 11	„	19वी	
„	„	5	26 × 12 × 18 × 50	„	1950	
„	„	2,3	25 × 11 व 25 × 12	„	19/20वी	
„ व्याख्या	„	7,6	22 × 11 व 24 × 13	„	„	
भक्ति मंत्र स्तोत्र	„	5,8	27 × 14 व 28 × 14	„	19वी अजमेर नरेन्द्र	(नमुत्थुण से भिन्न)
भक्ति पद पाठ	मा.	11	25 × 12 × 10 × 30	„ 97 नाम + 114 दोहे	19वी	
„	„	3	26 × 13 × 15 × 43	संपूर्ण	„	
„	„	9	22 × 12 × 14 × 33	„ 96 नमस्कार + 113 दोहे	„	
तीर्थ भक्ति नाम	प्रा सं.मा	6	27 × 13 × 12 × 35	संपूर्ण ग्रंथाग्र 160	1950	अमरदत्त मेवाड़ा
भक्ति गीत सामान्य	मा.	11	23 × 12 × 10 × 23	„ दो स्तवन 41 गा + 12 डाल	1953	
तीर्थ माहात्म्य गीत	„	3	22 × 11 × 22 × 32	संपूर्ण 45 छंद	1814	
„	„	4	24 × 14 × 13 × 24	संपूर्ण + ढडण ऋषि सज्जाय	19वी	
तीर्थ गीत व वरुण	„	12	25 × 12 × 10 × 31	„ 34 + 64 गाथायें	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
719	मुनिमुद्रत 4 ट 323	घत्रुञ्जय स्तुति	Śatrunjaya Stuti	—	प
720	क नाय 26/85	भाति 1य अष्टक व त्रय धानाये	Śāntinātha Asṭaka etc	—	"
721	" 15/95	शानिनाथ नमिपाशव-स्तोत्र	" & other Stotras	त्रिनवल्लन	"
722	महावीर 3 इ 355	शानिनाथ-महावीर-स्तुति	" & Mahāvira Stuti	—	"
723	मवामदिर 3 इ 350	शानिनान-स्तवन नि	" Stavanāni	राजमूरि व अथ	"
724	कुपुनाथ 36/1 क 41 5	,	,	पचनदि व अथ	"
725	" 18/1	शानिनाथ स्तवन	Śāntinātha Stavana	रुडश्रुति	"
726	मुनिमुद्रत 3 इ 272	"	,	—	"
727	ग्रामिया 3 इ 212	,	"	पयानिजय	"
728	के नाथ 15/35	"	,	वनकसोम	"
729	" 15/68	शितवनान स्तवन	Śitalanātha Stavana	सहजकीर्ति	"
730	कुपुनाथ 36 1 कम 54	शु- वनास्तुति	Śrutadevatā Stuti	पचनदि	"
731 2	" 10/165 13/218	शोक संग्रह प्रायना क 2 प्रतिया	Śloka Sangraha 2 copies	सकलन	"
733	महावीर 3 इ 26	पडाभग्यव- तचन	Ṣadāvasyaka Stavana	नयविजय	"
734	मुनिमुद्रत 3 इ 269	मकनकुम तवल नी चत्यवदन	Sakalakuśalavallī Cātya- vandana	—	मू ट. (प ग)
735	ग्रामिया 3 इ 228	" +वा	, +Bālā	—	मू वा (प ग)
736	" 3 इ 187	मन्ताहत्	Sakalārhat	हमचन्द्र/नयविपल	मू ट (प ग)
737	मुनिमुद्रत 3 इ 319	, व भाति स्तोत्र ग्रामि	,	सकलन	पद्य
738	वालही 539 41 482 3	, 3 प्रतिया	" 3 copies	हेमचन्द्राचार्य	प
741	वालही 444	, +वृत्ति	" +Vṛtti	" /वनककुशल	मू वृ (प ग)
742	महावीर 3 इ 3	" +वृत्ति	" +Vṛtti	" / "	"
743	मवामदिर 3 इ 345	" —	, —	वीरमद्र/हमचन्द्र	प
744	ग्रामिया 3 इ 176	"	"	" —	"
745	महावीर 3 इ 57	सज्जमान मयह	Sajjhāya Sangraha	क्षमावल्याण	,
746	मवामदिर 3 इ 370	सती सज्जमाय	Sati Sajjhāya	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ भक्ति	स	1	25 × 11 × 17 × 52	संपूर्ण 9 श्लोक + 2 पद	19वी × तखत सागर	
तीर्थकर भक्ति	„	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	संपूर्ण 8,9,9, श्लोक	19वी	
„	प्रा.	5*	26 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण 3 स्तोत्र (33 + 15 + 15) गा.	17वीं	
„	सं.	1	27 × 13 × 20 × 29	संपूर्ण 4-4 श्लोक की	19वी	
„	„	6	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 27 श्लो द्वितीय-पूर्ण 5 श्लोक	18वी	
„	„	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 2 (11 + 9 श्लोक)	1544	
„	मा	4	25 × 11 × 11 × 33	संपूर्ण 69 छंद	16वी	
„	„	2	24 × 10 × 13 × 41	„ 30 गा.	1696वीकनयर	
„	„	3	24 × 11 × 12 × 39	„ 6 ढाले	19वी	
„	„	2	26 × 11 × 13 × 31	„ 29 गाथा	19वी	
„	प्रा.	2*	26 × 11 × 14 × 43	„ 15 गाथा	18वी	
ज्ञानदेवी की भक्ति	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	„ 31 श्लोक	1544	
प्रार्थना के श्लोक	प्रा.स.मा	2,3	22 × 12 व 23 × 11	प्रतिपूर्ण	19वी	
आवश्यक भक्ति काव्य	मा.	3	27 × 13 × 12 × 37	संपूर्ण 6 ढाले	1914	
भक्ति स्तोत्र	स मा.	2	22 × 9 × 4 × 40	„ 7 श्लोक	19वी	
„	„	2	25 × 12 × 12 × 28	„	„	
„	„	5	26 × 12 × 4 × 32	„ 28 श्लोक	1763	मूल हेमचन्द्राचार्य का है।
„	सं.	4	24 × 10 × 12 × 37	कुल 5 स्तोत्र (सामान्य)	1840 नागौर, ईश्वरसागर	
„	„	2,3,3	26 से 30 × 11 से 13	संपूर्ण 36 श्लो. 27 27	19वी	
„	„	10	27 × 13 × 11 × 49	„ 26 श्लोक की	1903	
„	„	7	28 × 12 × 12 × 54	„ 28 श्लोक ग्र 282	1942 जयपुर देवकृष्ण	व्याख्या 26 श्लोक तक ही
„	„	2	21 × 10 × 11 × 21	„ 30 श्लोक	20वी	
„	„	2	25 × 11 × 11 × 32	„ 31 श्लोक	„	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	14	25 × 13 × 10 × 24	„ 16 गीत	„	
सती गुण कीर्तन	„	2	24 × 11 × 11 × 44	„ 29 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
748-9	क नाय 14/115 21/79, 6/102	मत्तरभेदी पूजा 3 प्रतिपा	Sattarabhedā Pūjā 3 copies	मायुकीर्ति	प
750 1	कोलदी 357,952	„ 2 प्रतिपा	„ 2 copies	„	„
752 3	„ 345,344	„ 2 प्रतिपा	„ 2 copies	सकचद	
754	श्रीसिया 3 इ 184	„	„	—	„
755	कृष्णनाथ 15/10	मत्तरभेद पूजा प्रबन्ध	Sattarabhedā Pūjā Prabandha	समरचद	„
756	„ 15/59	मत्तरभेदी पूजा विचार स्तवन	Sattarabhedā Pūjā Vīcāra Stavana	पासचद	„
757	क नाय 10/52	मत्तरभेद प्रकार पूजा	Saptadāsa Prakāra Pūjā	—	ग प
758	महावीर 3 इ 37	मत्तरभेद वृत्तिमह	Saptasmarāṇa with Vṛtti	निम्न 2 प्राचाय	मू वृ
759	क नाय 5/9	„ +वा	„ +Bāī	„	मू वा (प च)
760	श्रीसिया 2/152	„ व स्तवन	„ & S a anī	„	मू प
761	क नाय 15/124	„	„	„	मू
762	कृष्णनाथ 29/13	„	„	„	„
763	क नाय 15/91	„	„	„	„
764	क नाय 5/34	„	„	„	„
765	श्रीवामद्वि 3 इ 338	वृत्तिमह	„ with Vṛtti	„	मू वृ
766	मुनिमुत्रत 3 इ 251	„	„	„	मू ट (प च)
767	कानदी 1111	„	„	„	मू
768	454	„ वृत्तिमह	„ with Vṛtti	„	मू वृ
769	श्रीवामद्वि 3 इ 339	„ +वा	„ +Bāī	„	मू ट वा
770	श्रीसिया 3 इ 362	„	„	„	मू ट
771-3	महावीर 3 इ 34 36 35	„ 3 प्रतिपा	„ 3 copies	„	मू
774-8	क नाय 11/65 20/40 24/57 26/101, 16/11	„ 5 प्रतिपा	„ 5 copies	„	„
779	कालदी 460	„	„	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा	10,10,3	21 से 26 × 9 से 13	दो मे 17 पूजाये, तीसरी मे 6 ही	19वी	
”	”	10,2	25 से 11 व 27 से 12	दोनो पूर्ण	”	
”	”	13,21	26 × 12 व 26 × 13	”	”	
”	”	20*	27 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण	1940	
पूजाका व 17 प्रकार का विवेचन	”	5	26 × 11 × 13 × 49	” 24 पद्यानुच्छेद	19वी	
भक्ति (पूजा विधान)	”	2	25 × 11 × 13 × 42	” 29 गाथा	”	
भक्ति काव्य व विधि	सं.	2	26 × 12 × 13 × 42	संपूर्ण	”	दिगम्बर आम्नाय
भक्ति स्तोत्र	प्रा.सं.	34	25 × 9 × 13 × 49	छठे स्मरण की नही बाकी छे है।	16वी	
”	प्रा मा.	26	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण	16वी	
” आदि	प्रा स.	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण	16वी	
”	प्रा	7	25 × 10 × 12 × 48	”	16वी	
”	”	7	26 × 10 × 13 × 40	त्रुटक	16वी	
”	”	7	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण	1868	
”	”	10	25 × 11 × 11 × 34	”	17वी	
”	प्रा.स.	32	27 × 12 × 13 × 45	अपूर्ण-1 व 6 नही 2 व 7 अघूरे	17वी	
”	प्रा मा.	9	23 × 11 × 6 × 38	4 व 5 नही बाकी 5 स्मरण	1753,काणाराण विद्याविशाल	
”	प्रा.	7	26 × 10 × 13 × 42	छठा अघूरा व सातवा नही	18वी	
”	प्रा सं.	51	26 × 11 × 11 × 44	पांच स्मरण व तीन अन्य	*18वी	(2 शाति 1 भक्तामर साथ मे)
”	प्रा मा	26	21 × 12 × 5 × 31	”	1851 जोधपुर भीमराज	
”	”	23	24 × 12 × 5 × 30	संपूर्ण	1880	
”	प्रा.	17,28, 12	24 से 26 × 12 से 13	”	19/20वी	
”	”	9,10, 14,11, 17	25 से 26 × 11 से 13	चार पूरी और अन्तिम अपूर्ण	19वी	
”	”	13	27 × 13 × 12 × 44	संपूर्ण	1889	

1	2	3	3 A	4	5
780	श्रासिया 3 इ 216	सप्तस्मरण-स्तुति आदि	Saptasmarana Stuti etc	भिन्न 2 आचाय	मू प
781	के नाथ 6/65	सप्तस्मरण आचर्यक व ग्रन्थ प्रथम	"	"	मू
782	, 21/51	सप्तस्मरण की वृत्तियाँ	, ki Vṛttiyen	भिन्न 2 वृत्तिकार	ग

(सप्तस्मरणादि

प्रजितमाति	मूननदीयेण प्राकृत गाथा 40	वृत्ति — (1) गान्दिनाचाय सस्कृत गद्य प्रयाग 350
लघुशानि (उल्लासिका)	मून जिनवत्तम प्राकृत गाथा 15-18	" (1) धमतिलक , 320
भयहर स्तोत्र	मूल मानतुङ्ग , 21	" (1) जिनप्रभ " 300 अक्षिप्रत चन्द्रिका
तत्रयत्र (सवाधिष्ठायक)	मूल जिनदत्तमूरि , 26	" (1) जयसागर (वधमान शिष्य) गद्य सस्कृत
गुरुपारतन्त्र्य	, , 21	" (1) सागरचन्द्र सस्कृत गद्य
विष्णुपहर	, , 14	" (1) अनात " "
उवसगहूर	मून भद्रबाहु , 5	" (1) जिनप्रभ " , प्रयाग 271
लघुमाति	मून मानदेव सस्कृत 19	, (1) धमप्रमोदगणि सस्कृत गद्य
वृहत्तमाति	मूल अनात सस्कृत	(1) द्वयीर्ति " "

783	क नाथ 26/103 गु	सप्तोपधानादि-स्तवन	Saptopadhānādi Stavana	समयमुन्दर	प
784	नवामदिर गुट्टा 30 ति	सरदहृग्णा स्तवन	Saradahanā Stavana	पारवचद	,
785	महावीर 3 इ 77	सरस्वती भक्तामर + वृत्ति	Sarasvatī Bbaktamara + Vṛtti	मानतुङ्ग (स्वोपज्ञ)	मू वृ (प ग)
786	महावीर 3 इ 131	सरस्वती-स्तोत्राणि 6 प्रतिधा	Sarasvatī Stotrāṇi	प्रभाचाय मुमति व ग्रन्थ	प
91	86, 130 132 55 79		6 copies		
792 4	मुनिमुत्रत 3 इ 286 246 323	, 3 प्रतिधा	" 3 copies	—	"
795	नवामदिर 3 इ 350	"	"	जिनप्रभ व ग्रन्थ	"
796 7	क नाथ 26/103 19/38	" 2 प्रतिधा	" 2 copies	वष्पभट्टमूरि व ग्रन्थ	"
798-804	दुधुना 35/39 16/17 36/1 20/8 9 44/5 14/60	, 7 प्रतिधा	" 7 copies	—	"

1	2	3	3 A	4	5
780	श्रीसिया 3 इ 216	सप्तस्मरण स्तुति प्रादि	Saptasmarana Stuti etc	भिन्न 2 प्राचाय	मू प
781	के नाथ 6/65	सप्तस्मरण प्रावश्यक व अय प्रथ	"	"	मू
782	" 21/51	सप्तस्मरण की वृत्तियें	, ki Vṛtṭiyen	भिन्न 2 वृत्तिवार	ग

(सप्तस्मरणादि

अज्ञितशाति	मूलनदीपेण प्राकृत गाथा 40	वृत्ति — (1) गायिन्दाचाय सस्कृत गद्य प्रवाप 350
लघुशाति (उल्लासिका)	मूल जिनवल्लभ प्राकृत गाथा 15 18	" (1) धमतिलक " 320
भयहृ स्तोत्र	मूल मानतुल्ल " 21	" (1) जिनप्रभ " 300 अज्ञित पदि
तजयउ (सर्वाधिष्ठायक)	मूल त्रिनदत्तसूरि , 26	" (1) जयज्ञागर (वद्यमान शिष्य) गद्य सस्कृत
गुरुपारत ज्य	, , 21	" (1) सागरचंद्र सस्कृत गद्य
विग्धापहृ	" " 14	" (1) अज्ञात " "
उवसगहृ	मूल भद्रबाहु , 5	" (1) जिनप्रभ " , प्रवाप 271
लघुशाति	मूल मानदेव सस्कृत 19	" (1) धमप्रमोदगणि सस्कृत गद्य
वृहत्शाति	मूल अज्ञात सस्कृत	(1) हृपकीर्ति " "

783	क नाथ 26/103 गु	सप्तोपघातादि स्तवन	Saptopadhānādi Stavana	समयमुन्दर	प
784	सवामदिर गुटका 30 ति	सरदहृणा स्तवन	Saradahaṇā Stavana	पाशवचद	,
785	महावीर 3 इ 77	सरस्वती भक्तामर + वृत्ति	Sarasvatī Bhaktamara + Vṛtti	मानतुल्ल (स्वोपज्ञ)	मू इ (प ग)
786- 91	महावीर 3 इ 131 86,130 132 55,79	सरस्वती स्तोत्राणि 6 प्रतिपा	Sarasvatī Stotrāṇi 6 copies	प्रभाचाय सुमति व अय	प
792 4	मुनिमुदत 3 इ 286 246 323	, 3 प्रतिपा	" 3 copies	—	"
795	सवामदिर 3 इ 350	"	"	जिनप्रभ व अय	"
796 7	के नाथ 26/103, 19/38	" 2 प्रतिपा	" 2 copies	वप्पभट्टसूरि व अय	"
798 804	कुथुनाथ 35/39, 16/17 36/1 20/8 9 44/5 14/60	, 7 प्रतिपा	" 7 copies	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	प्रा.मा.	7	25 × 11 × 11 × 25	अपूर्ण	20वीं	(सामान्य संकलन)
,, आदि	प्रा.मा सं	96	25 × 11 × 11 × 34	,,	20वीं	
, व्याख्या	सं.	31	26 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण	1637	

वृत्तियों की विगत)

(2) जिनप्रभाचार्य संस्कृत गद्य ग्रंथाग्र 740 त्रिविदीपिकानाम्नी

(3) कर्मसागर संस्कृत गद्य

(2) पार्श्वदेवगण संस्कृत गद्य

(2) हर्षकीर्ति (चन्द्रकीर्ति का शिष्य) संस्कृत गद्य

भक्ति क्रिया सह	मा.	5	25 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण 5 स्तवन	18वीं
भक्ति श्रद्धा (दर्शन)	,,	8	16 × 13 × 13 × 20	,, 49 गा.	1651
सरस्वती जैन भक्ति	सं.	25	26 × 12 × 12 × 40	,, 44 श्लोक	20वीं
सरस्वती भक्ति	,,	2 2,2,2, 1,1	20 से 27 × 11 से 13	,, 9 स्तोत्र कुल (80 श्लोक)	19/20वीं
,,	सं.मा.	2,6* 18*	23 से 24 × 10 से 11	,, 4 स्तोत्र (संस्कृत में 3)	,,
,,	सं.	40	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण 11 स्तोत्र (150 श्लोक)	18वीं
,,	,,	6 ⁴	25 × 11 व 26 × 13	संपूर्ण 9 स्तोत्र (70 श्लो.)	18/19वीं
,,	,,	1,2,1,2 1 (गुटका 2)	भिन्न-भिन्न	,, 16 स्तोत्र (195 श्लोक)	16/19वीं

1	2	3	3 A	4	5
805 6	काव्यी 522 532	सरस्वती स्थावराणि 2 प्रतिमा	Sarasvatī Stotārāṇi 2 copies	कुत्र पठित व प्रथ	प
807	सवामन्दिर 3 ट 345	स्ताव	, Stotra	—	..
808	, 3 ट 345	नतिरनाम-स्ताव	Santīkaranāma Stotra	—	..
809	कुतुनाम 3/68	सवग व गान गीत	Sarṇvega & Dāna Gīta	—	..
810	सवामन्दिर 3 ट 376	समार दावानत-स्तुति	Samsāra Dāvānata Stuti	—	..
811	केनाम 15,80	.. सावचूरी	, with Avacūri	—	सू ट (प 7)
812	मुनिमुद्रन 3 ट 283	.. वृत्तिमह	with Vṛtti	हरिमद्र	सू ट (प 5)
813	व नाथ 13/45	साधुवन्दना	Sādhuvandana	—	प
814	19/9			नामहनमूरि	..
815	सवामन्दिर तु 3 नि	.. 2 प्रतिमा	.. 2 copies	पारवचद्र	..
816	व नाथ 20/50	,	,	..	,
817 8	मुनिमुद्रन 3 ट 255 364	, 2 प्रतिमा	.. 2 copies	..	,
819	व नाथ 15/22	कुषरजी	..
820 1	तु 1,14 10	..	,	पारवचद्र	..
822	मुनिमुद्रन 3 ट 259	..	,	..	,
823	कुतुनाम 39/4	,
824	काव्यी 274	,	,	ममयमुदर	..
825 6	व नाथ 6/12 26/80	, 2 प्रतिमा	, 2 copies
827	काव्यी तु 9/12	द्विपत्रमनजी	..
828 9	व नाथ 23/71 24/44	2 प्रतिमा	, 2 copies
830	14/129, 24/41	(प्रागमावन) साधुवन्दना 2 प्रतिमा	, 2 copies	मुनिदव (नाथचद्र ना निप्य)	,
832	कुतुनाम 54/11		..	, "	,
833	व नाथ 26/46	साधुवन्दना	,	हुगन (नागीरी गच्छ)	..
834	, 15/27	त्रयधोम	..
835	14/91	..	,	प्रात	,

6	7	8	8 A	9	10	11
सरस्वती भक्ति	स मा.	3,2	30 × 10 × भिन्न 2	संपूर्ण 2 स्तोत्र (संस्कृत मे 1)	19वी	साथ 2 स्तोत्र 64 योगिनी
„	स.	2*	27 × 10 × 21 × 72	मपूर्ण	19वी	साथ मे 64 योगिनी बीज मंत्र
जिनभक्ति	प्रा.	1	24 × 11 × 12 × 33	„ 13 गाथा	1881 × हर्षचन्द्र	अत मे आनदधन का 1 पद
श्रद्धा भक्ति उपदेश	मा.	1	25 × 11 × 17 × 38	„ 25 गा.(16+9)	19वी	—
भक्ति	स.	2	25 × 11 × 10 × 40	संपूर्ण 17+2 श्लोक	18वी	
„	„	2	26 × 11 × 11 × 40	„ 4 श्लोक	19वी	
„	„	3	21 × 10 × 11 × 32	„	19वी	
साधु भक्ति व नाम-स्मरण	प्रा.	24*	30 × 12 × 19 × 86	अपूर्ण 150 गा	16वी	भक्तिभर नमिसुखर
„	मा.	8	26 × 11 × 12 × 36	संपूर्ण 110+50 गाथा	1622	
„	„	गुटका	26 × 13 × 13 × 20	„ 83 गाथा	1651	
„	„	4	25 × 11 × 13 × 44	„ 87 गाथा	1660	
„	„	6,5	25 × 11 व 26 × 12	„ „	17वी	
„	„	12	26 × 11 × 14 × 43	संपूर्ण 14 ढाले	1706	
„	„	3,5	22 × 19 व 28 × 12	„ 7 ढाले = 87 गा	1814, 1849	
„	„	5	26 × 12 × 13 × 50	„ 87	1821 गढवाडा सावलदास	
„	„	गुटका	20 × 16 × 14 × 26	„ 87	19वी	
„	„	14	27 × 11 × 15 × 65	„ 18 ढाल = 516 गाथा	19वी	ग्रथाग्र 750
„	„	23,15	22 × 11 व 26 × 11	प्रथम संपूर्ण 18 ढाल दूसरी 14	19वी	
„	„	गुटका	15 × 10 × 9 × 17	संपूर्ण 35 गाथा	1885	
„	„	6,12*	26 × 12 व 26 × 11	(1) (2) संपूर्ण 111 गा. 55 गा.	19वी	
„	„	7,8	25 × 12 × 15 × 50	„ 161 गा. = 13 ढाल	19वी	
„	„	गुटका	6 × 6 × 8 × 12	„ „	19वी	
„	„	2	26 × 12 × 17 × 48	„ 35 गा.	19वी	
„	„	2	25 × 11 × 11 × 38	„ 27 गा.	19वी	
„	„	3	25 × 11 × 11 × 33	„ 32 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
836	क्युनाथ 36/1	सारगवाण्ट सध जयमाला	Sārangakāṣṭha Sangha Jayamālā	मायुरनदि	प
837	महावीर 3 इ 355	सिद्धचक्र नमस्कार	Siddhacakra Namaskāra	—	"
838	श्रीमिया 3 इ 235	" नवपद पूजा	" Navapada Pūjā	देवच	"
839	क नाथ 15/195	" नवपद वणन	" , Varnana	"	"
840 1	कोलडी 409, 1346	" पूजा 2 प्रतिया	" Pūjā 2 copies	—	7 मय
842	क्युनाथ 2/19	" यथोद्धार गाथा + वृत्ति	Siddhacakra Yantroddhāra Gāthā + + Vṛtti	(श्रीपालचरित्रे) विवरण चद्रकीर्ति	मू व (प ग)
843	मुनिसुत्र 3 इ 323	" स्तवन + यत्र	" Stavana + Yantra	—	प
844	श्रीसिया 3 इ 190	सिद्धदण्डिका स्तवन	Siddha Daṇḍikā Stavana	दवेद्रमूर्ति	"
845	महावीर 3 इ 355	"	"	"	"
846	श्रीसिया 3 इ 186	"	"	"	मू ट (प ग)
847	क नाथ 15/82	"	"	पञ्चविजय	प
848	कोलडी 1147	सिद्धमुक्तिमाला	Siddha Mukti Mālā	—	"
849	क्युनाथ 36/1	सिद्धस्तुति व सिद्धचक्रस्तव	Siddha Stuti & Siddhacakra Stava	पञ्चनदि	"
850	सवामदिर 3 इ 345	सिद्धपार्वियमूत्र व यत्र + वृत्ति	Siddha Pārthiva Sūtra etc + Vṛtti	—	मू वृ (प ग)
851	कोलडी 509	सिद्धिलक्ष्मी स्तात्र	Siddhi Lakṣmī Stotra	—	प
852	क नाथ 29/49	सोमधर-स्तवन	Somadhara Stavana	उ भक्तिलाभ	"
853	श्रीसिया 3 इ 323	" स्वाध्याय	" Svādhya	लावण्यसमय	"
854	मुनिसुत्र 3 इ 323	सुगुरु छदीमी	Suguru Chhattisi	हृपकुचल	"
855	महावीर 3 इ 355	सूरिमत्र स्तवन	Sūrimantra Stavana	भावमूर्ति	"
856	कोलडी 204	सोमधार-स्तवन	Somavāra Stavana	वा विनयविजय	"
857	सवामदिर 3 मु ति	स्तवन (सामान्य)	Stavana (general)	पाश्वचन्द्र	"
758	क्युनाथ 56/1 3 5	स्तवन सज्जमाय 3 प्रतिया	" Sajjhāya 3 copies	"	"
861	श्रीमिया 3 इ 208	स्तवन-संग्रह	Sangraha	शोभमुनि	"
862	क नाथ 18/70	"	"	पा हृपसुंदर (कनक- विजय लिप्य)	"
863	श्रीसिया 3 इ 231	"	"	गयवरमुनि	"

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 2 स्तोत्र (9-9 गाथा	1544.	
"	सं.	1	27 × 12 × 14 × 38	संपूर्ण 3 स्तोत्र (5,9,6 श्लोक)	18वी लालचद	
भक्ति काव्य	मा.	16	20 × 9 × 9 × 22	संपूर्ण नवमी पूजा तक (अंतिम पन्ना कम)	19वी	
"	"	2	26 × 12 × 14 × 35	संपूर्ण 11 गा.	"	अत मे श्रीहर्ष की श्रावककरणी
"	स.	11,6	26 × 12 × 17/15 × 40	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	"	सज्भाय 22 गा. की
भक्ति यत्र-मत्र	प्रा स	4	26 × 11 × 10 × 36	संपूर्ण	20वी	
"	प्रा.	2	25 × 10 × 18 × 32	" 6 गाथा + 4 स्तु- तिया	18वी	
सिद्ध भक्ति व विभक्ति	"	2	26 × 11 × 14 × 40	" 13 गा.	17वी	
" "	"	1	"	" 13 गाथा	"	साथ मे यन्त्र
" "	प्रा.मा.	3	25 × 11 × 4 × 31	" 13 गाथा	1846लालचद	
" "	मा.	2	24 × 12 × 17 × 42	" 7 ढाले	19वी	
" "	"	4	24 × 12 × 10 × 36	अपूर्ण 21 से 98 गाथा	19वी	प्रथम पन्ना कम
" "	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 30 + 11 श्लोक	1544	
" "	प्रा स.	2	27 × 12 × 13 × 40	अपूर्ण साथ मे यत्र	19वी	जीर्ण
" "	स.	12*	28 × 11 × 11 × 39	संपूर्ण स्तोत्र	19वी	
तीर्थंकर की भक्ति	मा.	2	24 × 11 × 11 × 33	" 18 गा.	19वी	
तीर्थंकरभक्ति स्वा- ध्याय	"	3	26 × 11 × 13 × 34	" 49 गा.	17वी	
गुरुभक्ति	"	1	25 × 11 × 14 × 44	" 36 गा.	18वी	
भक्ति मत्र	प्रा.	1	24 × 11 × 13 × 52	" 20 गा.	19वी	
मुक्ति आराधना भक्ति	मा	5	27 × 13 × 14 × 35	" 9 ढाले	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	"	9	16 × 13 × 13 × 20	" 11 ढाल = 68गा	1650	
जिन व गुरु भक्ति व 8 मद सज्भाय	"	2,1,1	22 से 25 × 11 से 13	, 3 पद (21,25, 19 गा.)	18/19वी	
तीर्थंकर भक्ति गीत	"	6	25 × 12 × 12 × 31	" 13 स्तवन	19वी वीकानेर बिरदीचद	
"	"	4	23 × 13 × 16 × 32	" 7 स्तवन	1940	(इसी वर्ष निर्मित सध मे)
"	"	25	17 × 12 × 11 × 21	" 24 स्तवन	1972	

1	2	3	3 A	4	5
864	श्यामदिर 3 इ 345	स्तवन स्तुति पत्र	Stavana Stuti Patra	सकलन	प
865	कुशुनाथ 4/97	स्तुतिये	Stutiye	—	,
866	कानडी 918	"	,	—	सूट (प 7)
867	क नाथ 6/109	स्तोत्र-संग्रह	Stotra Sangraha	सकलन	सू प
868	के नाथ 19/26	स्त्रोत्र-स्तुति आदि संग्रह	Stotra Stuti etc	—	प ग
869-71	कोलडी 1327 353 359	स्नान पूजा अष्टप्रकारी 3 प्रतिया	Snātra Pūjā Astaparakāri 3 copies	देवचद	प
872	क नाथ 16 31	"	"	"	"
75	18 24 23 73 26'88	" 4 प्रतिया	" 4 copies	"	"
876	कुशुनाथ 28/5	नात्र व नवपद पूजा	Snātra & Navapada Pūjā	"	,
877	कुशुनाथ 28/6	स्नान सत्तरभेदी नवपद व अष्टप्रकारी	Snātra Sattarabbedi etc	देवचद, राजसुरि यशोविजय	"
878	ग्रानिया 3 इ 234	" अष्टप्रकारी	,	" कीर्तिविजय	"
879	देवद 3 इ 344	स्नान व अष्टप्रकारी पूजा	S nātra + Astaparakāri Pūjā	देवचद	"
880	श्रीसिया 3 आ 132	,	,	"	"
881	क नाथ 15/143	स्नान पूजा	Snātra Pūjā	ग्रनात	,
882	कोलडी 402	" विधिसह	, with Vidhi	—	ग प
883	मुनिमुगत 3 इ 310	स्नान पूजा आदि विधिसह	, etc	ग्रनात	ग प
884	बालडी 936	स्नान पूजा विधिसह	, with Vidhi	—	प ग
885	" 783	स्वयम्भू-स्तान (शुत्तिसह)	Svayambhū Stotra (with Vṛtti)	समतभद्र/प्रभावद	सू वू (प ग)
886	क नाथ 26/103	हरिनाष्टाय + ननीस्तोत्र	Harināstārtha + Nemi- Stotra	—	पद्य
887	के नाथ 19/66	हनुमान स्तान + मालाष्टक	Hanumāna Stotra + Man- galāstaka Stotra	—	"
888-947	क नाथ 5/96 6/32 81 101 11/59 14-42 92 108-112- 142 15/77 82 8 / 18/13 13 43 68 69 71, 89 92 93 86 23/3 19/14 66 69 71 81	स्फुट स्तवन स्तुति स्तान सङ्काय के पन्ने (60 प्रतिया)	Stray Pages of Stavana Stuti Stotra etc 60 copies	भिन्न भिन्न	"
		Cont. on Page 274			

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थकर भक्ति गीत	प्रा.स.	4	25 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण पन्ने 4 से 7 अत	18वी	
„	स.	1	24 × 9 × 13 × 40	संपूर्ण 8 श्लोक	16वी	सगीतमय
व्यगात्मक भक्ति पर	मा.	3	25 × 11 × 3 × 28	संपूर्ण	19वी	—
जैन भक्ति काव्य	प्रा.स	6	25 × 12 × 12 × 35	अपूर्ण	19वी	—
„	„	47	26 × 12 × 13 × 42	अपूर्ण त्रुटक सामान्य	20वी	अतिसामान्य
पूजा भक्ति काव्य	मा.	32,9,11	12 से 25 व 8 से 13	संपूर्ण + स्तवन भी	19/20वी	
„	„	5,4,6, 23	26 से 24 व 10 से 14	„	19वी	अतिम मे नवपद- पूजा यशोविजय की
„	„	57	10 × 8 × 6 × 10	„	20वी	
„	„	110	9 × 8 × 7 × 11	„	1945	
„	„	17	24 × 11 × 12 × 35	„ तीन पूजाये	19वी	
„	„	10	24 × 11 × 9 × 37	„ 2 पूजाये	19वी	
„	„	11	26 × 12 × 12 × 47	„ „	19वी	
भक्ति क्रिया विधिसह	प्रा अ.मा	10	26 × 12 × 7 × 35	„	1836	
„	मा.	9	26 × 11 × 9 × 32	„	1842	
„	प्रा.मा.	3	26 × 10 × 16 × 48	„	1844	
„	मा.	3	26 × 12 × 16 × 40	„	19वी	(देवचदजी से अन्य)
तीर्थकर भक्ति	सं.	27	27 × 13 × 15 × 54	अपूर्ण (द्वितीय परिच्छेद) ग्र 150	1869	
भक्ति स्तोत्र	सं.	1	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण ग्रथाग्र 50	18वी	
„	स.	111*	22 × 12 × 14 × 26	„	„	
भक्ति गीतादि	प्रा.सं मा	1395	24 से 30 × 10 से 15	पूर्ण अपूर्ण	17/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
	104,126,21/ 85 23/90 93 24/63 76-78 81 26/26 28 26/30 31 36 39 42 45 48 51 52 83,86 87 90 93,97 28/5 10 19 78				
948 72	हालडी 25प्रतिये + वस्ता 70 काड म	स्कृत स्ववन स्तुति स्तान सञ्भाय के पत्रे 25 प्रतिया	Stray Pages of Stavana Stuu Stotra etc 25 copies	भित्त निर	पद्य
973 1166	हुनुनाय ,,	,, 194 प्रतिया	, 194 copies	,,	,,
1167 79	ओमिया 3 इ 172 3 8-97-9 205- 6 17-21 41, 2/301 36 60 351	,, 13 प्रतिया	, 13 copies	,	,,
1180 91	महावीर 3 इ 6 11 13 28 46 55 58 59 115 355 357	,, 12 प्रतिया	, 12 copies	,,	,,
1192 1209	मुनिमुरत 3 इ 276 87-88 90 से 96, 98 99 301 12, 17 20,23,26	,, 18 प्रतिया	,, 18 copies	,,	,
1210 15	नेवामदिर 3 इ 343- 45 49 50 69 80	,, 6 प्रतिया	,, 6 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति गीतादि	प्रा स मा.	822		पूर्ण अपूर्ण	17/20वी	
”	”	898		”	”	
”	”	145		”	”	
”	”	55		”	”	
”	”	179		”	”	
”	”	178		”	”	

1	2	3	3 A	4	5
1	कुनुनाथ 56/6	धमरसत्तरी	Amara Sattari	पाश्वचद (रतनचद्र का शिष्य)	प
2	कालडी 811	ईयापथिक चचा	Iryāpathika Carcā	—	ग
3	के नाथ 23/38	ईयापथिक विचार	, Vicāra	—	"
4	महावीर 3 ई 18	उन्सून खण्डन	Utsūtra Khandana	गुणविनय (जयनाम का शिष्य)	,
5	सेवामदिर 3 ई 41	उदरवगानाछिद्र	Udaravegānā Chidra	श्रालमच द	प
6	क नाथ 18/28	श्रोष्टिकमन उपाटन कुल	Austrika Mata Udyātana Kulam	धमसागर (दानमूरि का शिष्य)	मू अ (प ग)
7	महावीर 3 ई 25	कुटमुद्गर ग्रन्थ	Kutamudgara Grantha	माधव	मू वृ (प ग)
8	महावीर 3 ई 6	कुमत्ताहि विष जागुली मन्त्र	Kumattāhi Visa Jānguli Mantra	रतनचद्रगणि	ग
9	महावीर 3 ई 22	कुमतिकद कुदाल	Kumati Kanda Kuddāla	सोभाग्यविजय	
10	नाथ 963	कुमतिचचा	Kumati Carca	—	,
11	महावीर 3 इ 30	कुमुदचन्द्र	Kumudacandra	—	"
12	क नाथ 23/42	कवीस्वरूप	Kevali Svarūpa	मुक्तिसागर (लक्ष्मि सागर शिष्य)	प
13	क नाथ 5/119	कवीगोतम सधि	Keśi Gautama Sandhi	उत्तराध्ययन वाली	"
14	क नाथ 6/45	कवीमधि	Keśi Sandhi	कथा	"
15	महावीर 3 ई 8	खरतरतपा मायामाया विचार	Kharatara Tapā Mānyā mānya Vicāra	—	ग
16	क नाथ 11/88	गगनर साद्र शतक (वृत्ति-सह)	Ganadhara Sārdha Sataka (with Vṛtti)	जिनदत्तमूरि/सवरराज गणि	मू व
17	आगिया 2/152	"	"	जिनदत्तमूरि	प
18	महावीर 3 ई 39	" वृत्ति	" Vṛtti	जिनदत्त/मुमतिगणि	मू वृ
19	क नाथ 17/60	"	"	जिनदत्तमूरि	प
20	क नाथ 15/84	"	"	"	,
21	महावीर 3 इ 3	गुरुतत्व प्रदीप दीपिका	Gurutattvā Pradipa Dipikā	धमसागर (स्वोपन)	मू + दी
22	क नाथ 14/130	(गुरुतत्वप्रदीप) उन्सूनचद कुदान	Gurutattava Utsūtrakanda Kuddāla	धमसागर	ग
23	महावीर 3 ई 10	वाचिक ग्रन्थ	Cārcika Grantha	—	"
24	महावीर 3 ई 9	चौथ सवत्सरी चर्चा	Cautha Samvatsari Carcā	इ चार से	मध
25	महावीर 3 ई 22	जिन पूजा चर्चा	Jina Pūjā Carcā	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
मूर्ति पूजा मण्डन	मा	4	27 × 11 × 14 × 35	संपूर्ण 74 गा.	19वी	
सामायिक लेने की विधि	„	7	33 × 13 × 12 × 38	„	1897 जोधपुर गुलाबविजय	
„	„	6	27 × 13 × 14 × 36	„	20वी	
धर्मसागरीय उत्सूत्रो- द्यटनकुलक का खडन स्वाध्याय पर	स.	37	28 × 12 × 14 × 45	„ ग्र. 1250	1968	1661 की कृति
	मा	2	26 × 11 × 19 × 82	„ 63 गाथा	1882	अत मे चदनवाला सज्भाय
खरतरतपागच्छाक्षेप	प्रा सं.	3	26 × 11 × 11 × 40	„ 18	17वी	
शरीर इन्द्रिय विप- यक चर्चा	स.	6	26 × 11 × 14 × 38	„ 620 श्लोक	19वी विपधरपुर गगाविष्णु	
सांप्रदायिक खडन मडन	„	12	27 × 13 × 15 × 47	„ अयाग्र 518	1967 नागौर नरोत्तम	
„	मा.	41	27 × 12 × 11 × 30	संपूर्ण	20वी	
प्रतिमा पूजनादि पर	„	2	25 × 11 × 15 × 78	„	19वी	
सांप्रदायिक खडन मडन	सं.	16	30 × 16 × 14 × 37	„	1906	
सांप्रदायिक चर्चा निराकरण	मा.	9	25 × 12 × 6 × 35	„ 68 गा.	17वी	
पार्श्व महात्रीर समन्वय	प्रा.	3	25 × 11 × 13 × 32	संपूर्ण	19वी	उत्तराध्ययन से भिन्न श्लोक
„	„	4	26 × 11 × 11 × 34	संपूर्ण 73 गा.	19वी	„ „
सांप्रदायिक मान्यताये	मा	8	27 × 12 × 14 × 52	„ 30 प्रश्न +	20वी सदाशकर जोशी	
कठिन प्रश्नों का शास्त्रीय समाधान	प्रा सं	25	27 × 11 × 17 × 55	„ ग्र 2000 पहिला पन्ना कम	1518	सुमतिगणिकृत विवरणानुसारं
„ „	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण 150 गा.	16वी	
„ „	प्रा स.	238	26 × 11 × 15 × 53	„ ग्र 12105	1661 जैसलमेर मणिकसूरि	1295 की कृति प्रशस्ति है
„ „	प्रा.	6	26 × 11 × 13 × 39	„ 150 गा.	17वी	
„ „	„	7	26 × 10 × 13 × 36	„ „	„	
खडन मडन दार्शनिक	स	13	26 × 11 × 21 × 59	अपूर्ण 16 श्लोक	18वी	प्रथम दो पन्ने कम
„	„	(?)	26 × 12 × 13 × 46	संपूर्ण 8 विश्राम ग्रं. 345	1651	
„	„	12	27 × 12 × 15 × 44	संपूर्ण	1967 नागौर नरोत्तम	
„	हि.	2	26 × 12 × 18 × 49	„	20वी	
मूर्तिपूजा-चर्चा	मा.	19	25 × 11 × 13 × 48	„ 36 अधिकार	1666 दीव	

1	2	3	3 A	4	5
26	के नाथ 26/54	जिनपूजा चर्चा	Jina Pūjā Carcā	—	ग
27	के नाथ 14/22	जिनपूजाश्रित प्रश्नोत्तर	Jina Pūjāśrita Praśnottara	—	"
28	महावीर 3 ई 24	जिनप्रतिमा अधिकार रास	Jina Pratimā Adhikāra Rāsa	—	प
29	महावीर 3 ई 19	जिनप्रतिमा श्रित विचार	Jina Pratimā Śrita Vicāre	—	ग
30	के नाथ 26/35	जिनप्रतिमा रास	, Rāsa	जिनहृथ	प
31	क नाथ 19/44	,	, ,	"	"
32	कोलडी 287	जिनप्रतिमा हुडी स्तवन (रास)	Jina Pratimā Hundī Stavana	"	"
33	कोलडी 366	हुडक-रास	Dhūṅḥaka Rāsa	उत्तमविजय	"
34 35	महावीर 3 ई 11 12	तपोटमत कुट्टनशतक 2 प्रतिया	Tapota Mata Kuttana Śataka 2 copies	जिनप्रभसूरि	पद्य
36	महावीर 3 ई 13	तपोट सद्यु विचार सार	Tapota Laghuvicāra Sāra	—	ग
37	क नाथ 23/39	तिथि उपधान विधि श्रादि चर्चा	Tithi Upadhāna Vidhi Carcā	—	"
38	के नाथ 18/81	दानस्वामी वात्सल्य चर्चा	Dāna Svāmivātsalya Carcā	रायचद	"
39	कोलडी 999	द्विजवचन चपेटा	Dvija Vacana Capetā	हेमचन्द्रसूरि	"
40	के नाथ 21/62	धममजूपा	Dharma Manjūsā	भेषविजय (तप)	"
41	महावीर 3 ई 7	पयुपरा दश शतक + वृत्ति	Paryusana Daśa Satāka + Vṛtti	धमसागर (स्वो)	मू वृ (प ग)
42	महावीर 3 ई 40	" निणय	" Nirṇaya	मरिसागर	ग
43	महावीर 3 ई 2	विचार ग्रथ	" Vicāra Grantha	हृपभूरण	"
44	के नाथ 14/23	पूजाधिकारे सूत्र उद्धरण	Pūjadhikāre Sūtra Uddha rana	सकलन	प ग
45	श्रीसिया 3 घा 161	प्रतिमादि स्थापना	Pratimādi Sthāpanā	सकलन	,
46	कोलडी 1354	प्रतिमापूजा पत्र	Pratimā Pūjā Patra	—	ग
47	महावीर 3 ई 5	प्रतिमा शतक + वृत्ति	, Śataka + Vṛtti	उ यशोविजय (स्वो)	मू वृ (प ग)
48 9	के नाथ 13/43, 5/59	प्रतिमा सिद्धि स्तवन + वा 2 प्रतिया	" Siddhi Stavana + Bāla 2 copies	मानमुनि (शातिविजय शिष्य)	मू बा (प ग)
50	के नाथ 19/84	प्रतिमा स्थापना स्तवन	" Sthāpanā Stavana	उ यशोविजय	प
51	के नाथ 23/65	प्रश्न ग्रथ	Praśna Grantha	पाशवचन्दसूरि	ग
52	महावीर 3 इ 32	प्रश्नचिन्तामणि	" Cintāmani	वीरविजय (शुन विजय शिष्य)	"

6	7	8	8 A	9	10	11
पूति पूजा चर्चा	मा.	2	23 × 11 × 18 × 52	सपूर्ण	19वी	
"	"	7	25 × 11 × 13 × 37	"	1856	
"	"	6	28 × 12 × 8 × 25	अपूर्ण 60 गा तक	19वी	
"	"	15	28 × 12 × 15 × 48	सपूर्ण	18वी	
"	"	2	26 × 11 × 19 × 57	" 67 गा. + 2	1828	
"	"	25*	24 × 12 × 17 × 32	" " सञ्भाय	20वी	
"	"	4	26 × 11 × 12 × 36	" 66 गा.	1834	
सांप्रदायिक खण्डन मण्डन	"	5	25 × 11 × 15 × 45	"	19वी	
"	स.	3,3	28 × 13 × 12 × 50	संपूर्ण 120 श्लोक	20वी	
सांप्रदायिक चर्चा	"	12	27 × 12 × 13 × 42	"	1968 ×	
"	मा.	38	25 × 11 × 17 × 51	"	रामचन्द्र 17वी	
"	"	5	26 × 11 × 14 × 42	" 49 बोल	1848	
"	स.	6	28 × 14 × 14 × 40	सपूर्ण	19वी	
"	"	41	26 × 12 × 15 × 42	" प्रश्नोत्तरी	1770	
"	"	46	27 × 12 × 12 × 46	" 110 श्लोक	20वी	
"	हि	276	29 × 14 × 15 × 46	अपूर्ण	20वी	
"	स.	7	27 × 13 × 15 × 49	सपूर्ण 258 ग्रं.	1967 नागौर नरोत्तम	1486 की कृति
मूर्ति पूजा सवधी	प्रा.स मा	19	24 × 10 × 14 × 39	" 36 अधिकार	1711	
" उद्धरण	मा	16	24 × 11 × 14 × 40	अपूर्ण (प्रथम 3 पन्ने कम)	20वी	
" सवंधी	"	6	25 × 12 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	20वी	
" खंडन मण्डन	स.	166	27 × 13 × 14 × 38	सपूर्ण 101 श्लोक की	20वी	
" "	मा.	11,14	26 × 13 × 18/22 × 43	" 21 गा.	19वी	
" "	"	8	28 × 12 × 12 × 40	" 7 ढाले	1904	
सांप्रदायिक चर्चा	"	6	26 × 11 × 15 × 42	" 91 प्रश्न	17वी	
विवादास्पद निर्णय	स.	63	28 × 13 × 14 × 38	" 202 प्रश्नोत्तर	1869 राजनगर नित्यविजै	

1	2	3	3 A	4	5
53	क नाथ 23/15	प्रश्नात्तर	Praśnottara	पाशवचदमूरि	ग
54	क नाथ 5/58	,	,	—	"
55	क नाथ 19/39	"	"	—	"
56	श्रीलिया 3 ई 27	"	"	—	"
57	के नाथ 10/56	" बाल विचार	" Bola Vicāra	—	"
58	बोलडी 804	" रत्नाकर	" Ratnākara	शुभविजय (हीरविजय निप्य)	"
59	महावीर 3 ई 35	, साद शतक	, Sārdha Śataka	क्षमाकन्याए	"
60	क नाथ 21/97	,	,	"	,
61	महावीर 3 ई 36	प्रश्नात्तर शाब्द जनक भाषा (उत्तराद्)	" , Bhāṣā	, (स्वोपन)	"
62	क नाथ 23/49	" , भाषा	" " "	" "	"
63	कोरडी 1157	" शाब्द शतक	" , Śataka	"	"
64	कालडी 1115	" " भाषा	" " Bhāṣā	" (स्वोपन)	"
65	क नाथ 21/56	,	,	"	"
66	क नाथ 19/28	, , बीजक	" " Bijaka	—	"
67	क नाथ 10/106	प्रश्नोत्तरावली	Praśnottarāvālī	—	,
68	श्रीनिया 3 ई 28	गोटिक वाटन प्रकरण	Bautika Botana Prakaraṇa	—	मू ट (प ग)
69	वानडी 304	महावीर तिन विचार-स्तवन	Mahāvīra Jina Vicāra Stavana	उ यथाविजय	प ग
70	क नाथ 26/24	महावीर तिन स्तवन	, Stavana	"	प
71	बोलडी 338	महावीर नय विचार स्तवन	Mahāvīra Naya Vicāra Stavana	"	प ग
72	कोरडी 305	महावीर मूर्ति मदन-स्तवन	Mahāvīra Mūrti Maṇḍana Stavana	"	मू ट + प ग
73	मवामदिर 3 इ 345	मुखवस्त्रिका बाल सज्जमाय	Mukhavastrikā Bola Sajjhāya	रामविजय	प
74	क नाथ 15/222	" विचार स्तवन	Mukhavastrika Vicāra Stavana	ग्रानदनिधान	"
75	बुनुनाथ 2/14	मुहपत्ति-छत्तीवी	Muhapatti Chattīvī	पाशवचद	,
76	क नाथ 26/103गु	मूर्ति चचा (उदरए)	Mūrti Carcā	—	"
77	क नाथ 6/107	मूर्ति पूजा चचा	Mūrti Pūjā Carcā	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
सांप्रदायिक प्रश्नोत्तरी	मा.	15	25 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण 13 प्रश्नों के उत्तर	1707	
”	”	43	26 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण	19वी	
”	”	79	26 × 12 × 15 × 40	”	”	
मूर्ति पूजा संबंधी प्रश्नोत्तर	हि.	13	25 × 12 × 12 × 41	”	1955वीकानेर	
सांप्रदायिक चर्चा	सं.	4	27 × 12 × 9 × 30	अपूर्ण	कवलागच्छे 19वी	
विवाद प्रश्न निराकरण	”	106	30 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण	1725	
”	”	80	26 × 13 × 14 × 40	” 150 प्रश्नोत्तर	1923	बीजकसह
”	”	55	26 × 13 × 16 × 52	” ”	19वी	
”	मा.	27	25 × 12 × 11 × 32	प्रश्न 76 से 151 तक	20वी	मूलग्रंथ का स्वोपज्ञ
”	”	41	22 × 11 × 12 × 29	संपूर्ण 151 प्रश्नोत्तर	”	संक्षिप्त अनुवाद
”	सं.	43	25 × 13 × 13 × 31	अपूर्ण 111 प्रश्नोत्तर	”	
”	मा.	14	25 × 12 × 13 × 30	” 75+7 प्रश्न	”	
”	”	48	23 × 11 × 9 × 27	संपूर्ण 151 प्रश्नोत्तर	1853	
ग्रंथ की विषय सूची	”	5	25 × 12 × 21 × 50	अपूर्ण 72 प्रश्नोत्तर तक	1869	
सांप्रदायिक खंडन मंडन	”	30	24 × 14 × 12 × 29	” (प्रथम 4 पन्ने कम)	19वी	
दिगम्बर श्वेताम्बर चर्चा	सं.मा.	3	42 × 11 × 7 × 62	संपूर्ण 50 गा.	1924वीकानेर	
मूर्ति व अन्य चर्चा	मा.	19	25 × 12 × 16 × 42	” (किंचित् अर्थ उद्धरण सह)	देवगुप्तसूरि 19वी	
प्रभू पूजा की चर्चा	”	13	26 × 11 × 10 × 30	अपूर्ण	19वी	
जिनपूजा स्थापना	”	11	27 × 13 × 20 × 60	संपूर्ण 7 ढाले (कुछ व्याख्या सह.)	19वी	न्याय शैली से
जिनपूजा मंडन	”	26*	27 × 12 × 5 × 48	” 5 ढाले	1884	
खंडन मंडन	”	2	22 × 12 × 9 × 24	” 11 गा.	1894	
प्रतिलेखनादि निर्णय	”	1	23 × 10 × 16 × 34	” 21 गा.	1756	
खंडन मंडन	अ.	2	27 × 12 × 12 × 42	” 35 गा.	17वी	
”	प्रा.	1	25 × 12 × 20 × 56	” 18 गाथा	18वी	
”	मा	13	25 × 11 × 11 × 34	संपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
78	महावीर 3 ई 21	लाकापाह मत चर्चा	Lonkāśāha Maṭa Carcā	—	ग
79	महावीर 3 ई 20	,	"	—	"
80	श्रोतिया 2-311	विचारविधि चौपई	Vicāra Vidhi Caupai	—	प
81	के नाय 24/84	विचारसार	Vicara Sāra	पास्वध'द	ग
82	" 23/55	वीर स्तवन	Vicāra Stavana	जिनविजय	प
83	महावीर 3 ई 31	शास्त्र सम्ब धी बोल	Śāstra Sambandhi Bola	—	ग
84	" 3 ई 4	श्रावक विधिविनिश्चय	Śrāvaka Vidhi Vinīścaya	हृप नूपण	"
85	" 3 ई 1	"	"	"	"
86	सेवामदिर 2/418	श्रुतविचार	Śruta Vicāra	—	"
87	कोलडी 1238	"	"	—	"
88	श्रोतिया 3 अ 170	श्लोक पत्र (स्फुट)	Śloka Patra (Sphuṭa)	—	"
89	कोलडी पुट्टा/69/8	पटदशन के भेद प्रभेद	Ṣatdarsana ke Bheda	—	गद्यतालिका
90	के नाय 10/79	पटपबीणा पटापट विचार	Ṣaṭ Parviṇām Ghaṭāṅghaṭa	—	ग
91	कोलडी 1096	ईर्यापथिकी पठत्रिशिका	Iryāpathiki Ṣaṭtrimśtika	स्वोपन	मू व (प ग)
92	श्रोतिया 2/157	सम्यक्त्व सार	Samyaktva Sāra	—	ग
93	" 3 ई 26	सम्यक्त्वसार प्रद्योत	" " pradyota	जेठमल	पद्य
94	महावीर 2/129	संघपट्टक सावचूरि	Saṅghapattaka with	जिनवत्तलभसूरि/कीर्ति	मू अ + (प ग)
95	श्रोतिया 2/224	" —	Avacūri	गण	मू ट (प ग)
96	महावीर 3 ई 34	" —	" —	"	"
97	" 3 ई 33	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" /जिनपति	मू वृ (प ग)
98	सेवामदिर 2/368	" —	" —	"	मू प
99	के नाय 10/80	सदेह दोलावली	Sand.ha Dolavali	जिनदत्तासूरि	"
100	श्रोतिया 2-136	" + वृत्ति	" + Vṛtti	" /—	मू वृ (प ग)
101	के नाय 13/4	" + वृत्ति	" + Vṛtti	जिनदत्तासूरि/प्रबोधचन्द्र	"
102	" 18/31	साधुमार्गी चर्चा	Sādhu Mārgi Carcā	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
खंडन मंडन	हि	11	25 × 13 × 11 × 35	संपूर्ण	19वी	
"	"	7	25 × 12 × 10 × 26	अपूर्ण	19वी	
जैनधार्मिक विधि विवाद	मा.	2	25 × 11 × 16 × 59	संपूर्ण 65 गाथा	18वी × ऋषभ- विजै	
विवादास्पद प्रश्न समाधान	"	2	26 × 11 × 19 × 77	"	17वी	
मूर्ति चर्चा	"	8*	26 × 10 × 13 × 41	" 98 गा.	19वी	
विवादों पर शास्त्र सन्दर्भ	"	3	27 × 13 × 15 × 47	" 36 प्रश्न	19वी	
श्रावक क्रिया संबंधी	सं.	27	27 × 11 × 17 × 60	" चार अधिकार ग्रं. 128	17वी	प्रशस्ति तपागच्छ की
"	"	22	31 × 14 × 15 × 52	" "	20वी	वीजक प्रशस्ति तपागच्छ
तात्त्विक चर्चा	मा.	17	25 × 10 × 14 × 44	त्रुटक	1635	
"	"	43	26 × 11 × 15 × 42	अपूर्ण (पन्ने 39 से 81)	19वी	
धार्मिक प्रश्न निरा- करण	"	4	24 × 10 × 14 × 37	प्रतिपूर्ण (पद्य का अनुवाद)	1843	
जैनमतानुसार षड्दर्शन	सं मा.	2	23 × 11 × —	त्रुटक	19वी	उपभेदो सहित
सांप्रदायिक चर्चा	मा.	4	30 × 13 × 17 × 45	संपूर्ण	19वी	
"	प्रा.स.	9	26 × 13 × 14 × 42	अपूर्ण 15 गाथा तक	19वी	
मूर्तिपूजादि पर चर्चा	मा.	21	25 × 12 × 18 × 43	संपूर्ण	1955वीकानेर व.सुदेव	
सांप्रदायिक खंडन मंडन	"	6	25 × 12 × 18 × 48	" 186 गा.	1808	
साधुयति क्रियोद्धार चर्चा	सं.	13	26 × 12 × 13 × 44	" 40 श्लोक	1618	
"	सं.मा.	5	26 × 11 × 7 × 52	" "	1733राघनपुर	
"	"	10	27 × 12 × 5 × 31	" "	1874जैसलमेर	
"	सं.	110	28 × 13 × 12 × 45	" "	1954अमदाबाद	
"	"	4	25 × 22 × 11 × 27	" "	छबील 20वी उदयपुर रामलाल	
प्रश्न समाधान	प्रा.	5	26 × 11 × 13 × 47	संपूर्ण 151 गा. (प्रथम पन्ना कम	16वी	(अपरनाम प्रश्नो- त्तर,सशयपद
"	प्रा.सं.	21	43 × 11 × 18 × 73	" 150 गा.	1923	अंत मे मूल पाठ पूर
"	"	23	26 × 12 × 19 × 60	संपूर्ण 150 गा की (ग्र. 1550)	19वी	लघुवृत्ति "विधिरत्न करडिका" नाम्नी
सांप्रदायिक प्रश्न समाधान	मा.	9	27 × 13 × 18 × 55	संपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
103	महावीर 3 ई 17	सामायिक ग्रहण-विचार	Sāmāyika Grahṇavicāra	—	ग
104	महावीर 3 ई 16	, चर्चा	Carca	—	"
105	महावीर 3 ई 14	" ,	" "	—	"
106	महावीर 3 ई 15	" "	" "	—	"
107	क नाम 9/35	साप्रदायिक "	Sāmpradāyika Carca	—	प 7
108	के नाम 10/25	" "	" "	—	ग
109	सेवामंदिर 3 ई 29	" सदन मदन	Sāmpradāyika Khaṇḍana Maṇḍana	—	"
110	महावीर 3 ई 9	क्षीम-परस्वामी विनति	Śīmadhara Svāmī Vinati	उ पनाविनय	मू ट (र व)
111	कोलडी 305	,	,	"	"
112 3	कालडी 316-39	" 2 प्रतिमा	" 2 copies	"	प
114 6	क नाम 10/39 49 19/86	, 3 प्रतिमा	, 3 copies	"	"
117-8	महावीर 3 ई 38 2 118	सन प्रस्तातर 2 प्रतिमा	Sena Prasnottra	सनमूर्ति (सम्राहक पुन- विर्ण)	ग
119	क नाम 9/38	श्रीरजस्वला मूलक विचार	Śrī Rājasvalā Mūlak Vicāra	—	"
120	बुधनाथ 18/9	स्यापना-बावनी	Sthāpanā Bāvani	पारसपद	प
121	महावीर 3 ई 37	हीर-प्रस्तातर	Hira Prasnottara	हीरविजय (सम्राहक कीर्तिविज)	7

नाम/विभाग 4 (घ)-इतिहास व प्रस्तान्त-

1	मुनिमुद्रत 3 ई 323	अइमन्ता प्रणमार-गीत	Aimanto Aṅgāra Gita	समयपुं दर	प
2	कालडी 1345	पाठदत्त-चीपई	Agaḍadatta Caupaī	त्रिनगल	"
3	के नाम 11/105	" रस	" Rāsa	हृयगीत	"
4	के नाम 6/48	अजापुत्र-चीपई	Ajāputra Caupaī	रूपमद	"
5	सेवामंदिर 4 अ 199	"	"	मुमतिप्रम	"
6	" 3 ई 345	अठारह वया ध्याक	Aṭhāraha Kathā Śloka	तन्विमूर्ति	,
	कोलडी 277	अठारह नाता की सज्ज्माय	" Nāton kī Sajjāyā	—	"
	3 ई 271	"	" "	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
सायिक लेने की वधि चर्चा	मा.	5	22 × 13 × 10 × 28	सपूर्णा	19वी	
"	"	2	25 × 11 × 12 × 35	"	19वी	
"	"	2	28 × 13 × 22 × 59	"	1921 अजार, कीर्त्तिविजे	
"	"	2	28 × 12 × 13 × 38	"	20वी	
वेवादो के बारे मे शास्त्र उद्धरण	प्रा मा	7	27 × 11 × 4 × 46	अपूर्णा-59 प्रश्नोत्तर	19वी	
वेवादास्पद प्रश्न समाधान	मा.	9	26 × 11 × 17 × 40	अपूर्णा 32 "	19वी	
विवादास्पद चर्चा	"	125	26 × 12 × भिन्न 2	भिन्न 2 पत्रे (9,74,33 9)	19वी	
खण्डन मंडन शैली/भक्ति	"	19	23 × 12 × 5 × 30	सपूर्णा 125 गा कुल ग्र. 420	19वी	
"	"	26*	27 × 12 × 5 × 48	" 126 गा.	1884	
"	"	6,13	26 × 11 व 25 × 12	" 125 गा.	19वी	
"	"	8,6,8,	26 से 29 × 12 से 14	सपूर्णा 125 गा. (ढाल 14-12)	19वी	
विवादास्पद प्रश्न निराकरण	स.	92,145	26 × 12 व 24 × 12	संपूर्ण चार उल्लास	19/20वी	
विवादास्पद विवेचन	मा.	7	28 × 12 × 15 × 44	"	1897	
साप्रदायिक मंडन	"	2	26 × 11 × 13 × 56	" 52 पद	19वी	
विवाद निराकरण	स.	52	27 × 13 × 14 × 42	" चार अधिकार 306 प्रश्न	" वाराही-नगर	बीजकसह, 1653 की कृति

जीवन चरित्र व कथानक :—

गीतमस्वामी जीवन प्रसंग (रात्रि भोजन पर) जीवनी	मा.	1	26 × 11 × 16 × 33	संपूर्ण 21 गा.	1875 मथुरा	
जीवन चरित्र	"	7	27 × 12 × 15 × 43	अपूर्णा 9 ढाल + 3 गा.	19वी	
(सत्य पर) जीवनी	"	4	25 × 11 × 17 × 44	सपूर्णा 136 गा.	"	
"	"	25	26 × 11 × 17 × 40	" 4 खंड	1873	
"	"	77	23 × 11 × 11 × 25	" 487 ढाल ग्र 1500	1895 भागचद यति	
श्लोको मे सारांश	"	2	26 × 12 × 16 × 34	" 19 गा. (18 कथाये	19वी	
औपदेशिक कथा	"	3	28 × 12 × 13 × 28	सपूर्णा 30 गा.	"	
"	"	2	25 × 10 × 12 × 42	" 35 गा.	"	

1	2	3	3 A	4	5
9	मुनिसुवत 4 अ 126	प्रनाथीमुनि सधि	Anāthi Muni Sandhī	सममुनि (बृहद् शिष्य)	प
10	के नाथ 26/91	„ (कुल) सधि	„ (Kulam) „	—	„
11	के नाथ 15/54	„ „	„ „ „	—	„
12	के नाथ 19/12	प्रनाथी साधु सधि	„ Sādhu „	विमलविनय	„
13	के नाथ 14/98	„ ऋषि सज्जाय	„ Rṣi Sajjhāya	मधुकर मुनिराम	„
14	कुथुनाथ 13/37	„ मुनि „	„ Muni „	—	„
15	महावीर 4 अ 18	प्रभयकुमार-चरित्र	Abhayakumāra Caritra	चंद्रतिलक (जिनश्वर शिष्य)	„
16	महावीर 4 अ 59	„ „	„ „	„	„
17	के नाथ 14/109	प्रभयकुमारादि 5 साधु चौपई	Abhayakumārādi 5 Sādhu Caupai	साधुकीर्ति + साधुसुंदर	„
18	कुथुनाथ 15/5	प्रभयकुमार-चरित्र	Amarakumāra Caritra	नक्षत्रीवल्लभ	„
19	मुनिसुवत 4 अ 133	प्रभयदत्त मित्रानंद कथा	Amaradatta Mitrānanda Kathā	—	प
20	के नाथ 10/6	प्रभयसेन जयसेन चौपई	Amarasena Jayasena Caupai	सुमतिहंस	प
21-2	के नाथ 14/49, 5/111	„ रास 2 प्रतियां	„ Rāsa 2 copies	„	„
23	मुनिसुवत 4 अ 114	प्रभयसेन वयरसेन चौपई	„ Vayarasena Caupai	पुण्यकीर्ति	„
24	के नाथ 19/88	„ „	„ „	पा पुण्य (कलश) कीर्ति	„
25	कुथुनाथ 13/219	प्ररणिज-सज्जाय	Aragika Sajjhāya	रूपविजय	„
26	के नाथ 19/67	प्रजूनमाली-चौडालिया	Arjuna Mālī Cauḍhāliyā	प्रशांत	„
27	के नाथ 19/90	„ „	„ „	„	„
28	के नाथ 24/40	प्रहन्नकमुनि-चौपई	Arhannaka Muni Caupai	वा राजहर्ष	„
29	के नाथ 19/77	प्रहन्न-चौपई	Arhanna Caupai	उ सलिलकीर्ति	„
30	मुनिसुवत 4 अ 173	प्रवति सुवमाल चौपई	Avanti Sukamāla Caupai	जिनहृष	„
31	के नाथ 5/79	„ „	„ „	„	„
32	कुथुनाथ 15/22	„ „	„ „	„	„
33	कोलढी 1154	„ „	„ „	„	„
35	कोलढी 951,266	„ „	„ 2 copies	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन प्रसंग	मा	5	25 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण	18वी	उत्तराध्ययने/1745 की कृति
"	अ.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	" 63 गाथा	18वी	"
"	"	3	26 × 10 × 15 × 38	" "	19वी	"
"	मा	5	26 × 11 × 11 × 37	" 70 गा.	"	"
"	मा.	3*	25 × 11 × 15 × 54	" 29 गा.	"	"
"	मा.	1	25 × 12 × 5 × 40	अपूर्ण 4 गा. मात्र	20वी	"
जीवनी	सं.	250	26 × 13 × 15 × 41	संपूर्ण 12 सर्ग ग्रं. 8964	1954 × गोपीनाथ	
"	"	19	27 × 13 × 12 × 36	अपूर्ण (417 श्लोक तक)	20वी	
(अभय, सुव्रत, शिव धन जोनककी जीवनी	मा.	8	27 × 13 × 18 × 54	संपूर्ण 12 ढालें	19वी	अंत में समवसरण व 28 लब्धिवस्तव
औपदेशिक जीवन प्रसंग (कषायपर) जीवनी	मा.	7	26 × 11 × 19 × 54	" 18 ढालें	"	
	सं.	8	26 × 12 × 14 × 38	"	17वी	
औपदेशिक जीवनी	मा.	22	26 × 12 × 12 × 34	अपूर्ण 24वी ढाल अघूरी तक	19वी	
"	"	19,10	24 × 10 व 21 × 10	संपूर्ण 24 ढाल	1824/19वी	
(दानपूजा पर) जीवनी	"	10	26 × 12 × 17 × 44	" 271 गा.	1862 सुभटपुर हरिचंद्र	प्रशस्ति है/1666 की कृति
"	"	10	26 × 11 × 15 × 44	" 285 गा.	19वी	
औपदेशिक जीवन प्रसंग	"	1	26 × 11 × 12 × 36	" 8 गा.	"	
"	"	32*	22 × 11 × 10 × 28	" 6 ढाले	"	सेठ सुदर्शन सबध
"	"	5	23 × 11 × 11 × 25	" "	"	" (पिछली की नकल)
"	"	11	25 × 11 × 13 × 41	"	1781	
"	"	7	25 × 11 × 15 × 41	"	19वी	
"	"	4	23 × 12 × 15 × 43	" 105 छंद = 13 ढाले	1817 नागपुर	
"	"	7	26 × 11 × 11 × 37	" — "	1821	
"	"	6	25 × 11 × 12 × 44	" 102 छंद	1823	
"	"	3	26 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण (पहिला पन्ना कम)	1833	
"	"	4,5	27 × 12 व 23 × 12	संपूर्ण 104 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
36	मुनिसुत्र 4 अ 112	अज्ञानासुदरी-रास	Anjanā Sundarī Rāsa	प्रपात	प
37	के नाय 5/110	" चौपई	" Caupāī	पुण्यसागर	"
38	कोलढी 249	" "	" "	"	"
39	के नाय 5/58	" "	" "	"	"
40	मुनिसुत्र 4 अ 113	" "	" "	"	"
41-2	के नाय 24/31, 10/107	" " 2 प्रतिष्ठा	" " 2 copies	"	"
43	के नाय 11/104	" "	" "	विनयचद	"
44	के नाय 5/104	" "	" "	मात्समुनि	"
45	कुमुनाय 43/3	" "	" "	प्रपात	"
46	के नाय 10/29	" "	" "	"	"
47	के नाय 11/96	" रास	" Rāsa	प्रपात	"
48	के नाय 26/20	" "	" "	प्रपात	"
49	महावीर 4 अ 8	अबद्ध चरित्र	Ambaḍa Caritra	अमरमुद्र	"
50	कोलढी 1081	"	"	"	"
51	महावीर 4 अ 15	"	"	"	"
52	कुमुनाय 55/16	"	"	विनयसमुद्र (पारबचद शिष्य)	"
53	श्रीसियां 4 अ 188	"	"	समारत्त्याण	"
54	कोलढी 148	आठ धमट्टय कथानक	Aṭṭha Dharma Kṛtya	—	ग
55	के नाय 22/48	आठ साधुपान कथानक	" Sādhudāna "	—	"
56	के नाय 11/67	" " व आठ प्रवचन माता कथानक	" " + 8Pravacana Mātā Kathānak	—	"
57-8	के नाय 21/22, 15/170	" " 2 प्रतिष्ठा	" Sādhudāna Kathānaka 2 copies	—	"
59	मुनिसुत्र 4 अ 146	आनंद आचक संधि	Ananda Śrāvaka Sandhī	मुनि श्रीसार (हिम- कीर्ति शिष्य)	प
60	के नाय 26/92	"	"	"	"
61	कोलढी 268	"	"	"	"
62	कोलढी 269	"	"	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा.	14	25 × 11 × 12 × 45	संपूर्ण 160 गा.	1728	कृथु 34 के सदश पाठ
औपदेशिक-जीवन	"	17	25 × 11 × 17 × 43	" 3 खण्ड	1735	1689 की कृत्ति
"	"	24	26 × 11 × 13 × 40	" "	1763	
"	"	23	27 × 12 × 15 × 36	" "	1823	
"	"	35	23 × 10 × 12 × 35	" "	1842 मेड़ता	
"	"	17,31	25 × 11 व 27 × 13	" "	19/20वी	
"	"	9	25 × 11 × 14 × 40	" 11 ढाले	19वी	
"	"	7	27 × 12 × 15 × 42	" ग्र. 200	"	
"	"	18	20 × 13 × 15 × 30	" 156 गा.	1957 गणेश-चद्र	इसका व अनतर का पाठ एक पिछली के सदश
"	"	6	27 × 12 × 19 × 56	अपूर्ण	20वी	
"	"	13	25 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण 142 गा. (ग्र. 500)	19वी	भिन्न पाठ
"	"	8	25 × 15 × 14 × 30	अपूर्ण	"	भिन्न पाठ
धार्मिक जीवन चरित्र	स	20	26 × 12 × 19 × 40	संपूर्ण 7 आदेश ग्र 1300	1806 ×	
"	"	43	25 × 11 × 13 × 38	अपूर्ण (6 आदेश + 186 श्लोक)	19वी	विनयकीर्त्ति
"	"	33	27 × 13 × 13 × 36	संपूर्ण 7 आदेश ग्र 1300	1961	
"	मा.	14	26 × 11 × 17 × 44	" 493 गा (पन्ना 5 व 6 कम है)	16वी तिवरी	ग्रसल प्रति है सभवतः 1592 की कृत्ति है
"	"	49	28 × 12 × 13 × 35	संपूर्ण	20वी	
पूजा, दया, दान, यात्रा जय, तप, ज्ञान व परो.	"	28	26 × 11 × 16 × 42	" 8 दृष्टांत कथानक	19वी	
वस्ती, शयन, आसन, आहार, पान, भेंपज वस्त्र, पात्र दान पर	स.	11	26 × 11 × 16 × 51	" 8 दृष्टांत कथानक	16वी	
8 दान, 5 सर्माति, 3 गुप्तिपरप्रसिद्धदृष्टांत साधु को 8 प्रकार के दानों पर दृष्टान्त	"	25	26 × 11 × 12 × 31	" "	1598	
जीवन चरित्र	"	11,7	26 × 11 व 25 × 10	" 8 दृष्टांत कथाये ग्र 511	19वी	(दूसरी प्रति मे 7 कथाये ही है)
"	मा.	12	26 × 11 × 14 × 36	संपूर्ण 250 गा. 15 ढाले	1744 फलोदी	
"	"	गुटका	20 × 16 × 18 × 20	" 240 गा. "	1767	
"	"	19	26 × 11 × 11 × 34	" 250 गा. "	1764	
"	"	12	25 × 9 × 15 × 32	" 261 गा. "	1770	

1	2	3	3 A	4	5
63	क नाव 14/86	ग्रान द थावन संधि	Ānanda Śravaka Sandhi	मुनि श्रोतार (हेमचरित का सिध्य)	प
64	" 6/73	"	"	" "	"
65	कोलडी 364	"	"	" "	"
66	श्रोतिया 3 अ 186	"	"	" "	"
67	क नाव 26/103गु	ग्रामव्य की श्रीडा	Āmala ki Kriḍā	—	"
68	मुनिमुद्रत 4 अ 160	ग्रार मनदन कवानव	Ārāma Nandana Kathā naka	ग्रगत	"
69	बुधुनाव 21/4	ग्रारामशाना-कथा	Ārāma Śobha Kathā	ग्रगत	"
70	कोलडी 265	ग्रारकुमार धम्मज	Ārdrakumāra Dhammāla	वनकगाम	"
71	कुनुनाव 55/12	"	"	"	"
72 4	के नाव 15/69, 70 88	" 3 प्रतिया	" 3 copies	"	"
75	बुधुनाव 55/14	ग्रयाडभूति रास	Āsāḍhabhūti Rāsa	धमगूरि का सिध्य	"
76	कोलडी 9/9	"	"	"	"
77	267	" चौपई	Caupa	मानसागर (जोवसागर सिध्य)	"
78	श्रोतिया 4 अ 87	"	"	"	"
79 80	के नाव 14/88,99	" , 2 प्रतियां	" 2 copies	"	"
81	" 5/103	" प्रपघ	Prabandha	मानसागर	"
82	" 16/30	" कथा	Kathā	श्रुतिरूप	"
83	मुनिमुद्रत 4/165	धम्माल	Dhammāla	कनकसोम (मुनरुद न सिध्य)	"
84	कोलडी 937	"	"	"	"
85 6	क नाव 23'55 15/225	" " 2 प्रतिया	" " 2 copies	" "	"
87 8	बुधुनाव 14/5, 20/20	" " 2 प्रतियां	" " 2 copies	" "	"
89 90	" 17/10 47/4	" नास 2 प्रतिया	" Bhāsa "	—	"
91	मुनिमुद्रत 3 इ 243	इक्षुकार-मधि	Iksukāra Sandhi	मुनिसेम	"
92	" 3 इ 266	"	"	"	"
93	" 3 इ 278	"	"	श्रुतिराज	"

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा.	8	26 × 11 × 13 × 44	संपूर्ण 261 गा. 15 ढाले	1812	
"	"	17	25 × 11 × 11 × 31	" — "	19वी	
"	"	19	24 × 13 × 9 × 32	" 240 गा. "	19वी	
"	"	22	19 × 11 × 11 × 23	" 15 ढाले	1937 × महा-	
"	प्रा	1	25 × 12 × 20 × 56	" 21 गाथाये	त्मा विद्यालाल	
(सम्यक्त्व शुद्धि पर)	स.	13*	26 × 11 × 18 × 52	" 404 श्लोक	17वी	
जीवन	"	9	26 × 11 × 15 × 48	" 280 श्लोक	1632	
(जिनभक्ति पर)	"			(ग्रथाग्र भी)		
जीवनी	मा.	3	27 × 11 × 12 × 40	मपूर्ण चार ढाले	1644अमरसर	
जीवन-चरित्र	"	3	25 × 11 × 12 × 39	" " 47 गा	17वी	
"	"	3,2,2	25 × 11 × भिन्न 2	" " 48 से 51गा	19वी	
(भावनापर) जीवनी	"	3	25 × 11 × 13 × 32	सपूर्ण 56 गा.	17वी	
"	"	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	" 58 गा.	"	
"	"	4	25 × 11 × 15 × 46	" 7 ढाले	1834	1730 की कृति
"	"	12	15 × 10 × 13 × 20	" "	19वी	
"	"	6,3	26 × 11 व 25 × 11	" "	"	
"	"	6	26 × 12 × 15 × 42	" 16 ढाले	"	
"	"	7	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण गाथा 165 तक	"	
"	"	3	26 × 11 × 15 × 39	सपूर्ण 57 गा.	17वी	
"	"	3	25 × 11 × 14 × 46	" 63 गा.	19वी	
"	"	8*,5	26 × 10 व 25 × 11	" 56/59 गा	"	
"	"	3,3	27 × 11 व 26 × 11	" 55/59 गा.	"	
"	"	3,4	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण गा. 61 व 65	"	
औपदेशिक जीवनी	"	5	25 × 11 × 15 × 43	सपूर्ण 8 ढाले = 145 गा.	1750 अहिपुर	1747 की कृति,
"	"	4	26 × 11 × 16 × 59	" " = 143 गा	रामसिंह	उत्तराध्ययने
"	"	2	24 × 10 × 17 × 54	" 64 गाथा	1769 आनदपुर	
					गगाराम	अत मे 8 गा. की
					19वी	'शील सज्जाय'

1	2	3	3 A	4	5
94	श्रीसिमा 4 अ 190	शुकार-कथा	Ikṣukāra Kathā	—	ग
95	कोलडी 227	दत्ताकुमार-चौपई	Hālumāra Caupai	ज्ञाननागर	प
96	के नाथ 29/43	दत्तायचौकुमार चौपई	Hā,acikumāra Caupai	"	"
97	कुयुनाथ 13/49	" सज्ज्याय	, Sajjhāya	सधियविजय	"
98	के नाथ 29/16	, ,	, ,	भालमुनि	"
99	क नाथ 14/95	" चौडालिय	" Cauḍhāliya	भगवत	,
100	के नाथ 21/29	उत्तमकुमार चरित्र	Uttamakumāra Caritra	गारुचंद्र	"
101	मुनिसुव्रत 4 अ 139		,	"	"
102 3	महावीर 4 अ 6/6	, 2 प्रतिमा	2 copies	"	"
104	कोलडी 225	, चौपई	Caupai	वत्सवृत्त	"
105	" 1326	उद्दयन चंद्रप्रद्योत श्रष्टात	Uddayana Candapadyota Dṛṣṭānta	—	ग
106	कुयुनाथ 33/6	,	,	—	"
107	महावीर 4 अ 27	शुभभदेव चरित्र	Rsabhadeva Caritra	जिनवल्लभ	मू वृ
108	क नाथ 6/29	, +बा	+Bāiā	(कल्पसूत्र-वापार)	मू वा
109	क नाथ 6/17	"	,	(,)	ग
110	महावीर 3 अ 67	"	,	—	"
111	के नाथ 22/30	शुभभ शतर चरित्र	Rṣabha Śataka Caritra	हेमविजय	प
112	के नाथ 10/10	शुभभदेव-चरित्र	Rsabhadeva Caritra	भगवत	"
113	कोलडी 334	, फागु	, Phāgu	गानभूषण	"
114	मुनिसुव्रत 4 अ 118	" धवल प्रबंध	, Dhavala Pra bandha	भगवत	"
115	के नाथ 29/1	" "	" ,	—	"
116	के नाथ गुटका 6	शुभभ-विवाहली	Rsabha Vivahālu	भगवत	"
117	के नाथ 19/41	"	,	शुभभदास	"
118	के नाथ 14/68	"	"	भगवत	"

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रीपदेशिक जीवनी	मा.	5	26 × 12 × 9 × 35	संपूर्ण	1951	सिद्धक्षेत्र हहीसिंह
(भावविषये) जीवनी	„	6	27 × 10 × 14 × 44	„ 267 ग्रं.	1755	
„	„	6	25 × 11 × 17 × 51	„ गा. 187	19वी	
„	„	1	17 × 14 × 13 × 18	संपूर्ण	„	
„	„	1	31 × 34 × 75 × 35	„	20वी	
„	„	3	26 × 13 × 16 × 32	„ 4 ढाले	19वी	साथ में 28 लब्धि चौढलिया
सुपात्रदाने जीवनी	स.	16	26 × 11 × 13 × 41	„ 574 श्लोक, ग्रं. 596	1644	
„	„	20	25 × 11 × 13 × 44	„ „ „	18वी × मतिसोम	
„	„	20,17	27 × 12 × 12/14 × 45	„ „ „	20वी	
„	मा.	36	25 × 11 × 17 × 48	संपूर्ण 51 ढाल	1767	
क्षमापत्र पर प्रसंग	सं.	3	26 × 11 × 17 × 48	संपूर्ण	16वी	
„	मा	5	26 × 12 × 13 × 40	„	19वी	
तीर्थकर जीवन चरित्र	प्रा सं	35*	27 × 11 × 15 × 45	„ 25 गा	1951	अमदावाद (लिपिक ने जिनभद्र धर्मसेन कृत कहा है) चरित्र- पत्रके
„	प्रा मा.	23	26 × 11 × 13 × 45	„	1668	
„	प्रा सं.मा	13	26 × 11 × 15 × 43	„	19वी	
„	स.	8	26 × 11 × 15 × 50	„	17वी	
„	„	7	26 × 11 × 13 × 41	„ 100 श्लोक	19वी	
„	„	20	31 × 12 × 20 × 68	„ 1428 श्लोक	18वी	अत मे धन्नासार्थवाह का दृष्टान्त
„	मा	13	27 × 11 × 13 × 39	„ 250 गाथा	1636	
ऋषभ विवाह जीवन- चरित्र	„	7	25 × 11 × 13 × 44	„ 44 ढाले	17वी	
„	„	7	27 × 10 × 11 × 56	अपूर्ण 22 ढाले	„	
„	„	8	22 × 15 × 19 × 38	संपूर्ण 233 गा.	1738	
„	„	4	26 × 12 × 12 × 41	„ 67 गा.	1758	
„	„	16	26 × 11 × 11 × 32	संपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
119-20	के नाथ 6/129, 15/72	ऋषभभव 13 पूर्वभव 2 प्रतिया	Rsabhadeva 13 Pūrvabhava 2 copies	—	ग
121	क नाथ 19/6	ऋषदत्ता चरित्र	Rsiddhatta Caritra	विजयशेखर	प
122	क नाथ 5/6	कथा-कोश	Kathā Kośa	—	ग
123	प्रोथिया 4 अ 104	"	,	प्रजात	,
124	कोनडी 264	कनकावती चौपई	Kanakāvati Caupai	"	प
125	कोनडी 223	कयवन्ना-चौपई	Kayavannā Caupai	गुणमागर	"
126	कानडी 221	कयवन्नाशाह चौपई	Kayavannā Shāsha Caupai	जयरग (जयतसी)	,
127	कोलडी 222	"	,	"	,
128	क नाथ 19/117 15/50, 29/15	" 3 प्रतिया	, 3 copies	"	"
131	कोनडी 211	करवण्डु चौपई	Karakandu Caupai	समयसुन्दर	प
132	क नाथ 21/95	कलावती कथा	Kalāvati Kathā	—	ग
133	क नाथ 14/101	" चौपई	, Caupai	मानसागर (नीतसागर शिष्य)	प
134	क नाथ 18/26	" चरित्र	" Caritra	कनकसूरि शिष्य ?	"
135	कोनडी 240	काहड कनियारा ना रास	Kānhaḍa Kathiyārā kā Rāsa	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	"
136	लिवरी 4 अ 184	"	"	"	,
137	क नाथ 15/26	"	"	"	"
138	क नाथ 5 106	,	"	"	"
139	धामिया 4 अ 187	,	,	"	"
140	कोलडी 241	" की चौपई	, kī Caupai	प्रजात	"
141	कोनडी 969	कालिकाचाय-कथा	Kālikācārya Kathā	(कल्पसूत्रात्गत)	ग
142	के नाथ 15/15	"	,	"	"
143	क नाथ 11/7(2)	"	"	भावदेवसूरि	प
144	कानडी 10A	"	"	—	"
145	कोलडी 10B	"	,	—	,
146	कोलडी 1219	"	,	—	,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभजिन के पूर्वभव	मा.	2,3	25 × 11 × 15 × 42	संपूर्ण 13 भव	19वी	
औपदेशिक जीवन चरित्र	„	16	27 × 11 × 15 × 44	„ 3 अधिकार 492 गा	„	
दृष्टांत कथानक	स.	124	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण (72 कथानक तक)	16वी	
„	„	94	25 × 13 × 17 × 37	संपूर्ण	1892 साधारण पन्नालाल	
औपदेशिक-जीवन	मा.	6	25 × 12 × 16 × 40	„ 164 गा.	1762	
दानविषये-जीवनी	„	11	26 × 11 × 13 × 45	„ 25 ढाल ग्रं. (गा.) 281	1786	
„	„	23	25 × 12 × 15 × 40	संपूर्ण 31 ढाल	1820	अंतिम पन्ने पर प्र णि आयुष्मान
„	„	17	25 × 11 × 17 × 45	„ „	1834	
„	„	20,27,5	24 से 34 व 10 से 21	„ „	19/20वी	
औपदेशिक-जीवन	„	4	28 × 10 × 17 × 70	„ 10 ढाल	19वी	(प्रत्येक बुद्ध चौपई का प्रथम खंड)
„	स.	5*	26 × 11 × 18 × 51	„	„	
„	मा.	7	21 × 11 × 15 × 40	„ 9 ढाले	„	
„	„	5	26 × 11 × 11 × 43	„ 92 गा.	„	
शीलविषये-जीवनी	„	7	21 × 12 × 16 × 35	„ 9 ढालें	1833	
„	„	9	26 × 11 × 13 × 42	„ „	1841 बडलु, उम्मेदचंद	
„	„	6	26 × 12 × 16 × 33	„ „ 162 गा.	1841	
„	„	8	24 × 11 × 14 × 31	„ „	19वी	
„	„	5	25 × 11 × 14 × 46	अपूर्ण (7वी ढाल तक)	20वी	
„	„	5	25 × 10 × 15 × 40	संपूर्ण 8 ढाल	19वी	
साधुजीवन का एक एतहासक प्रसंग	प्रा.	10	29 × 10 × 7 × 39	त्रुटक (सचित्र)	13/14वी	कुल 4 चित्र/सुन हरी स्याही
„	„	9	26 × 11 × 9 × 30	संपूर्ण (सचित्र) + 1 कल्पसूत्र-पन्ना	15वी	कुल 6 चित्र सुनह
„	„	11	26 × 14 × 6 × 29	संपूर्ण 99 गा.	„	
„	स.	5	27 × 12 × 10 × 35	संपूर्ण 65 श्लोक	16वी	प्रथम पन्ने पर चि
„	„	9	26 × 11 × 7 × 28	„ „	„	कुल 5 चित्र
„	„	8	28 × 11 × 7 × 30	„ „	1684	—

6	7	8	8 A	9	10	11
साधुजीवन का एक ऐतिहासिक प्रसंग	सं.	12	25 × 11 × 14 × 45	संपूर्ण	1764	
"	"	13	26 × 11 × 14 × 45	"	1777	
"	"	13,10,4	25 × 11 × 13/15 × 35	"	19वी	
"	"	17	25 × 12 × 13 × 37	"	1908 हमीरपुर ऋषिसुंदर	
"	मा.	13	16 × 11 × 14 × 42	"	17वी	
"	"	10	28 × 12 × 16 × 47	"	1812	
"	"	16	27 × 12 × 15 × 41	"	19वी	
"	"	19	26 × 12 × 13 × 35	"	1952	
श्रीपदेशिक-जीवनी	प्रा.	4	26 × 8 × 10 × 51	" 107 गा.	1496	
"	मा.	2	21 × 10 × 17 × 38	" 55 गा	19वी	
जीवन चरित्र	सं.	19	26 × 11 × 15 × 45	" 730 श्लो ग्रं 750	16वी	
"	"	70,91	27 × 13 व 28 × 14	संपूर्ण चार उल्लास ग्र. 3105	19वी	प्रशस्ति है
"	मा	68*	26 × 12 × 20 × 50	संपूर्ण	"	
ऐतिहासिक जीवन प्रसंग	सं.	4	27 × 12 × 14 × 42	" 125 गाथा टब्बा-सह	1962 बालोत्रा जुहारमल	
जीवन-प्रसंग	मा.	19	21 × 11 × 16 × 22	" 18 पन्नो मे	19वी	अत मे छोटी सी मेघकुमार सज्जाय
जैन ऐतिहासिक प्रसंग	"	5	26 × 11 × 15 × 50	" 170 गा.	1735	
"	"	5	25 × 11 × 15 × 40	संपूर्ण 147 गा. + 2 तीर्थकर स्तवन	1764 मेडता, भागुजी	
जीवन-प्रसंग इतिहास	"	4	15 × 14 × 28 × 23	" 4 ढालें	19वी	
"	"	6	25 × 11 × 18 × 44	" 13 ढाले	"	
श्रीपदेशिक-जीवनी	"	5	26 × 11 × 15 × 48	" 141 गा.	"	1660 की कृति
"	"	6	25 × 11 × 13 × 37	" 102 गा.	18वी	1600 "
"	"	9	26 × 10 × 12 × 39	" " ग्रं. 225	19वी	
"	"	3	26 × 11 × 12 × 33	" 4 ढाले	"	
"	"	3	26 × 10 × 14 × 32	" "	1931 × कृष्ण-लाल	
श्रीपदेशिक-जीवन चरित्र	"	21	23 × 12 × 16 × 34	अपूर्ण	18वी	

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रीपदेशिक जीवन चरित्र	मा.	5	25 × 11 × 13 × 33	संपूर्ण 17 ढाले	16वी चत्तरान	
"	"	6	24 × 11 × 12 × 40	" 16 ढालें	17वी	
"	"	13	25 × 11 × 11 × 36	" केवल पहिला पन्ना कम	19वी	
"	"	11	26 × 11 × 13 × 44	" 92 गा.	"	
"	"	3	26 × 11 × 13 × 39	" 31 गा.	"	
"	"	1	26 × 12 × 15 × 40	" 36 गा.	20वी	
"	"	11	26 × 11 × 18 × 51	अपूर्णा 19वी ढाल तक	"	बीच के 2 से 12 पन्ने
श्रीपदेशिक दृष्टान्त	प्रा.	14	27 × 11 × 17 × 56	संपूर्ण 5 कथाये	16वी	
(पुण्य पर) जीवन कथा	मा.	4	25 × 11 × 18 × 52	" 180 गा (पहिला पन्ना कम)	1171 कदडा दुदाजी	पाच व्रतो पर
"	"	13	22 × 19 × 27 × 32	" 27 ढालें गा. 603	1814	1757 की कृति
"	"	27	25 × 11 × 14 × 41	" "	1849 मेडता राजेन्द्रसागर	
जीवन-कीर्त्तन	अ.मा.	7	27 × 12 × 9 × 34	संपूर्ण 45 गा.	17वी	वीरजिणोसर चरण कमल वाला
"	"	3	26 × 12 × 16 × 36	" 73 गा	1805 × उद्योनरत्न	"
"	"	4	26 × 12 × 13 × 34	" 60 गा.	1840 सादडी, चतुरविजय	,
"	"	3,5	27 × 13 × 25 × 12	" 45/58 गा.	19वी	"
"	"	4	25 × 11 × 13 × 39	"	"	"
"	"	8	24 × 13 × 12 × 23	"	"	"
"	"	3,5,5, 10,52	22 से 26 × 11 × भिन्न 2	" (गाथाये भिन्न 2/ 47 से 77 तक)	"	अतिम प्रति अपूर्ण 23 गा.
"	"	7,4	25 × 11 × 9/13 × 29/42	" 74/48 गा.	18/20वी जोध-पुर, सीताराम	
"	"	6	25 × 11 × 11 × 26	" 47 गाथा	1920	
"	मा.	2	26 × 12 × 18 × 49	" 16 गा.	19वी	
आचार्यों व राजाओं के चरित्र	सं.	51	25 × 11 × 17 × 67	लगभग पूर्ण (अतिम पन्ने वस्तुपाल चरित्र के कम है)	16वी	(प्रसिद्ध)
"	"	90	27 × 11 × 15 × 51	संपूर्ण	18वी	" / प्रशस्ति है
श्रीपदेशिक-जीवन गाथा	मा.	2	25 × 10 × 16 × 45	संपूर्ण 25 गा.	1721	

1	2	3	3 A	4	5
175	कृमुनाथ 55/25	गजसुकुमान गीत	Gajasukamāla Gīta	चरणाद	प
176	" 53/4	"	"	"	"
177	" 29/16	"	"	"	"
178	क नाथ 19/92	" गजन्धाय	" Sajjhāya	जुमरुंर का विषय	"
179	कृमुनाथ 18/3	"	"	श्रुति व प्रवृत्त	"
180	2/36	"	"	मुनिराज	"
181	42/7	चौरद	Caupal	—	"
182	क नाथ 14/45	गदरुपा गदक	Gadākarthā Padāka	—	"
183	मुनिमुद्रत 4 घ 168	गुणकरुद गुणार ती पीरई	Gūṇakarōḍa Guṇāra Caupal	ज्ञानवद	"
184	क नाथ गुदका 1	"	"	श्रुतिरा (वज्र मान विषय)	"
185	मुनिमुद्रत 4 घ 129	"	"	"	"
186	कृमुनाथ 15/3	गौतम राय	Gautama Rāya	विनयवद	"
187	घोषियां 4 घ 80	"	"	"	"
188	मुनिमुद्रत 3 द 324	"	"	"	"
189	कृमुनाथ 9/121	" 2 प्रतिपा	" 2 copies	"	"
90	10/154	"	"	"	"
191	क नाथ 14/113	"	"	"	"
192	मुनिमुद्रत 3 द 324	"	"	"	"
193	कानकी 254 व 58	" 6 प्रतिपा	" 6 copies	"	"
199	महावीर 4 घ 37	" 2 प्रतिपा	" 2 copies	"	"
200	36	"	"	"	"
201	घोषियां 3 द 181	"	"	"	"
202	क नाथ 26/49	गौतमस्वामी सज्जन्धाय	Gautama Svāmi Sajjhāya	हरलषद	"
203	मुनिमुद्रत 4 घ 138	चतुर्विंशति-प्रब पचोन	Caturvīṅśati Prabandha	रात्रमेपरमूर्ति	प
204	" 4 घ 43	"	"	"	"
205	" 3 द 282	चदनाबाणा-गीत	Candanabāṅā Gīta	घटितदेरमूर्ति	प

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन चरित्र	मा.	5	25 × 11 × 13 × 33	संपूर्ण 17 ढाले	16वी चतरान	
"	"	6	24 × 11 × 12 × 40	" 16 ढालें	17वी	
"	"	13	25 × 11 × 11 × 36	" केवल पहिला पन्ना कम	19वी	
"	"	11	26 × 11 × 13 × 44	" 92 गा.	"	
"	"	3	26 × 11 × 13 × 39	" 31 गा.	"	
"	"	1	26 × 12 × 15 × 40	" 36 गा.	20वी	
"	"	11	26 × 11 × 18 × 51	अपूर्ण 19वी ढाल तक	"	बीच के 2 से 12 पन्ने
औपदेशिक दृष्टान्त	प्रा.	14	27 × 11 × 17 × 56	संपूर्ण 5 कथाये	16वी	
(पुण्य पर) जीवन कथा	मा.	4	25 × 11 × 18 × 52	" 180 गा (पहिला पन्ना कम)	1171 कदडा दुदाजी	पाच व्रतो पर
"	"	13	22 × 19 × 27 × 32	" 27 ढाले गा. 603	1814	1757 की कृति
"	"	27	25 × 11 × 14 × 41	" "	1849 मेडता राजेन्द्रसागर	
जीवन-कीर्तन	अ.मा.	7	27 × 12 × 9 × 34	संपूर्ण 45 गा.	17वी	वीरजिरोसर चरण कमल वाला
"	"	3	26 × 12 × 16 × 36	" 73 गा	1805 × उद्योनरत्न	"
"	"	4	26 × 12 × 13 × 34	" 60 गा.	1840 सादडी, चतुरविजय	"
"	"	3,5	27 × 13 × 25 × 12	" 45/58 गा.	19वी	"
"	"	4	25 × 11 × 13 × 39	"	"	"
"	"	8	24 × 13 × 12 × 23	"	"	"
"	"	3,5,5, 10,52	22 से 26 × 11 × भिन्न 2	" (गाथाये भिन्न 2/ 47 से 77 तक)	"	अतिम प्रति अपूर्ण 23 गा.
"	"	7,4	25 × 11 × 9/13 × 29/42	" 74/48 गा.	18/20वी जोधपुर, सीताराम	
"	"	6	25 × 11 × 11 × 26	" 47 गाथा	1920	
"	मा.	2	26 × 12 × 18 × 49	" 16 गा.	19वी	
आचार्यों व राजाओं के चरित्र	सं.	51	25 × 11 × 17 × 67	लगभग पूर्ण (अतिम पन्ने वस्तुपाल चरित्र के कम है)	16वी	(प्रसिद्ध)
"	"	90	27 × 11 × 15 × 51	संपूर्ण	18वी	" / प्रशस्ति है
औपदेशिक-जीवन गाथा	मा.	2	25 × 10 × 16 × 45	संपूर्ण 25 गा	1721	

1	2	3	3 A	4	5
206	र नाथ 10/42	पदनाम का शिखर	Cardanabalā Caritra	र नाथ	५
207	र नाथ 19/65	षोडशिका	, Caṣṭhāṣṭya	विशेष	
208	र नाथ 15/194	षोडश	Caupal	विशेष	
209	र नाथ 15/160	, शान	, Rāta	—	
210	रुद्रनाथ 35/8	शान	Gāṭhā	रुद्रनाथ	
211 2	भद्रनाथ 3 इ 62 61	सप्तशत 2 प्रतिपा	S jhava 2 copies	भद्रनाथ	
213	मुनिमुखा 4 घ 12	र नवनवविधि शोडश	Candara Malayagita Caupal	मुनिमुखा	
214	राननाथ मुखा 3/2	रानी	Vāta	रानी	
215	रुद्रनाथ 4 4				
216	र नाथ 14 44	षोडश	Caupal	षोडश (कथा- क (१० श्लोक ?))	१०
217	मुनिमुखा 4 घ 12	, रानी	Variā	रानी	१०
218	रुद्रनाथ 14 6			—	१०
219	षोडश 2 2 9	षोडश	Caupal	—	
220	र नाथ 20/36	षोडश का शिखर	Canda Rājā Caritra	षोडश का शिखर	
221	षोडश 4 घ 18	षोडश	, Prabandha	षोडश का शिखर	
222	रुद्रनाथ 45 5	षोडश का शिखर	kā Rāta	विशेष	१०
223	रानी 218				१०
224	मुनिमुखा 4 घ 14			षोडश का शिखर (कथा- विशेष विषय)	१०
225	रानी 2 0				१०
226	षोडश 4 घ 91				१०
227	मुनिमुखा 4 घ 147				१०
228 9	र नाथ 19 118 20/35	2 प्रतिपा	, 2 copies		१०
230 1	रानी 229, 1139	, 2 प्रतिपा	, 2 copies		१०
232	रुद्रनाथ 33/4	षोडश का शिखर (श्लोक)	Canda Rājā kā Śloka	—	१०
233	काली 1336	षोडश मुखावली पत्रांतर	, Guṇāvallī Patrācāra	—	१०

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रीपदेशिक जीवन गाथा	सा.	6	24 × 12 × 14 × 38	सपूर्णा 14 ढाले	19वी	
"	"	18*	24 × 10 × 15 × 32	,, 4 ढाले	1906	
"	"	7	25 × 11 × 13 × 36	,, 137 गा.	19वी	
"	"	4	24 × 11 × 21 × 45	,, 143 गा.	,,	
"	"	3	26 × 11 × 13 × 35	,, 21 गा.	20वी	
"	"	3,5	26 × 13 व 20 × 11	प्रथम पूर्णा 42 गा . द्वितीय 10 से 42	,,	
(शील पर) जीवनी	"	9	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्णा 267 गा.	18वी	
"	"	गुटका	15 × 14 × 16 × 22	,, 5वी कली तक	1784	जैनेत्तर-सस्करण
"	"	,,	17 × 14 × 11 × 18	,, 194 गा	1828	
"	"	4	24 × 11 × 20 × 45	,, छ कलिये 148 गा	19वी	
"	"	5	25 × 11 × 16 × 50	,, 185 गा. 6 कलिये	,,	जैनेत्तर-सस्करण
"	"	1	51 × 11 × 34 × 25	अपूर्णा 68 गा	,,	
"	"	12*	25 × 11 × 12 × 35	सपूर्णा 6 ढाले	20वी	
(शील पर) जीवन चरित्र	"	60	24 × 11 × 14 × 35	,, 1332 गा.	1815	
"	"	281	25 × 13 × 11 × 34	,, 8600 ग्र.	1913	
"	"	119	19 × 13 × 13 × 27	,, 2700 ग्र	1818	
"	"	117	27 × 11 × 12 × 40	सपूर्णा 4 उत्लास 108ढा 2665 गा. ग्र 4000	1828	प्रशस्ति है ।
"	"	169	26 × 12 × 12 × 34	,,	1829	
"	"	92	25 × 11 × 15 × 42	,,	1830	
"	"	58	27 × 11 × 19 × 67	,,	1836 ×	
"	"	90	25 × 12 × 16 × 40	,,	1846, शुद्धदत्ति,	
"	"	138, 140	25 × 12 व 26 × 11	,,	19वी	ऋद्धिसागर
"	"	67,11	27 × 13 व 25 × 14	प्रथम पूर्णा, द्वितीय अपूर्णा 1/11 तक	,,	
"	"	4	25 × 10 × 13 × 42	सपूर्णा 52 गाथा	,,	अत मे पार्श्व-स्तव
"	"	5	25 × 12 × 12 × 27	सपूर्णा प्रति	,,	

1	2	3	3 A	4	5
234	महावीर 3 घ 27	चंद्रप्रभु-चरित्र	Candra Prabhu Caritra	त्रिनक्षत्रमूर्ति	मू ३
235	क नाम 13/21	"	"	दशममूर्ति	पघ
236	, 5/92	चन्द्रिका चौपई	Candralekhā Caupai	मतिपुरस	प
237	श्रीमिया 4 घ 85	,	,	"	"
238	मुनिमुद्रत 4 घ 144	"	"	"	"
239	क नाम 5/109	"	"	"	"
240	कालही 69/4	रघुसद-गोपई	Campaka Seṣha Caupai	सममगुदर	"
241	कुमुनाथ 24/5	चार प्रत्येक बुद्ध गोपई	Cāra Pratyeka Buddha Caupai	,	"
242	क नाम 6/44	"	"	"	"
243 4	क नाम 9 30 10 11	, 2 प्रतिपा	, 2 copies	"	,
245	कुमुनाथ 14/8	" चौपई	, Caupai	"	"
246	सवामदिर 4 घ 193	चित्तमग्नत-गोपई	Citta Sambhūta Caupai	शान्तगुदर	"
247	मुनिमुद्रत 3 द 277	, सग्गमाय	Saṅgāya	—	"
248	" 4 घ 130	त्रिनक्षत्र पद्यावती चरित्र	Citrāsena Padmāvatī Caritra	पाठक राजसूत्रम	मू (५)
249	क नाम 9/40	"	,	"	,
250	" 19/19	"	,	"	मू ट (५५)
251	" 10/35	"	,	"	मू (५)
252	महावीर 4 घ 60	"	"	"	"
253	सवामदिर 4 घ 191	"	,	"	,
254	कोपही 162	"	,	रत्नहृष	मू ट (५५)
255	क नाम 24/78	जेलणा चोडालिया	Celaṇā Cauḍhāliyā	शुधिरायषद	प
256	श्रीमिया 4 घ 84	चौबोलीमती गोपई	Caubolī Satī Caupai	धर्मयोगम (त्रिनक्षत्र सिध्य)	"
257	मुनिमुद्रत 4 घ 172	"	,	त्रिनक्षत्र	"
258	" 4 घ 108	जरासि ध की बात	Jarā Sindha ki Bāta	—	"
259	कोपही 143	नवू चरित्र	Jamboo Caritra	—	मू ट (५)

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थकर-चरित्र	प्रा.स.	35*	27 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण 41 गाथा	1531	अमदाबाद
”	स.	119	26 × 11 × 18 × 48	” ग्रंथाग्र 5325	1731	
(सामायिक पर) जीवनी	मा.	16	25 × 11 × 17 × 54	” ग्रं. 624, 29ढाले	1776	
”	”	15	25 × 11 × 18 × 56	” ”	1802	कर्णपुर, रूपसुंदर
”	”	25	25 × 11 × 12 × 36	” ”	1843	जोधपुर ऋद्धिसागर
”	”	21	26 × 11 × 14 × 28	” ”	1849	
श्रीपदेशिक-चरित्र	”	6	25 × 11 × 13 × 32	अपूर्ण (त्रुटक)	19वी	
स्वयं बुद्धों की जीव-निया	”	36	27 × 11 × 15 × 52	लगभग पूर्ण (बीच में 3 पत्रों कम)	1692	
”	”	24	26 × 11 × 16 × 40	संपूर्ण चार खण्ड	1775	
”	”	21,30	25 × 11 × 17/15 × 42	लगभग पूर्ण 1110 गा	19वी	
”	”	20	26 × 10 × 18 × 65	संपूर्ण चार खण्ड	”	
श्रीपदेशिक-जीवन चरित्र	”	71	25 × 10 × 12 × 38	” 1765 गा.	18वी	1778 की कृति
”	”	2	24 × 10 × 14 × 36	” 25 + 4 गा.	1783	
(शील उपर) जीवनी	सं.	21	26 × 11 × 13 × 25	” 506 श्लोक	1642	लाडाउल
”	”	12	24 × 10 × 14 × 44	” 508 श्लोक	1811	
”	स.मा.	54	22 × 10 × 12 × 33	” 508 श्लोक	1867	
”	स.	22	26 × 11 × 12 × 35	” 508 श्लोक	19वी	
”	”	21	26 × 11 × 12 × 32	” 509 श्लोक	”	
”	”	21	23 × 10 × 10 × 38	अपूर्ण 418 श्लोक	”	
”	स.मा.	64	27 × 12 × 6 × 40	संपूर्ण 800 श्लोक	1880	
जीवन चरित्र श्रीप-देशिक	मा	7*	25 × 12 × 17 × 39	” 4 ढालें	19वी	
ऐतिहासिक जीवन प्रसंग	”	8	26 × 11 × 15 × 56	” 16 ढाले	18वी	(विक्रम प्रबन्धे) 1724 की कृति
”	”	2	25 × 11 × 17 × 48	” 21 गाथा	19वी	
”	”	3	24 × 10 × 13 × 38	संपूर्ण	19वी × देवचंद	
जीवन-चरित्र	प्रा.मा.	28	25 × 11 × 7 × 45	” 21 उद्देशक प्र.750	1833	

1	2	3	3 A	4	5
260	क नाथ 9/16	जू चरित्र	Jamboo Caritra	पद्यप्रथ	पूट (घ)
261	वाचडी 144	,	,	—	पू (घ)
262	क नाथ 6/69	"		मकलहृय	,
263	" 5/19	,		—	"
264	, 11/79	जू धोपई	, Caupai	बुद्धिगार	रघ
265	बुधुनाथ 35/41	जू पाच भव-चरित्र	Jamboo 5 Bhava Caritra	—	"
266	क नाथ 19/2	जूसवामी-चोपई	Jamboo Svā ni Caupai	कमनरिदय	
267	, 26/91			बुद्धिगार	"
268	बुधुनाथ 17/19	, प्रबध	Prabandha	पद्य-पूरि	"
269	नवामदिर 4 घ 194	, चौडानिया	, Cauḍhāliyā	पशाप	"
270	वाचडी 145	जूसवामी कथा	Kathā	—	घ
271	क नाथ 29/44		"	—	"
272	वाचडी 1092	,	"	—	"
273	के नाथ 5/72	,		—	"
274	क नाथ 24/53	"	"	—	,
275	क नाथ 15/58	"	"	—	,
276	क नाथ 6/130	"	,	—	"
277	के नाथ 10/41	जायवती-चोपई	Jāmbavati Caupai	मुरीतार	घ
278	निव,मदिर 4 घ 183	"	"	"	"
279-82	क नाथ 24/45 पु/ 6, 5/13, 19/78	" 4 प्रतियां	, 4 copies	"	"
283	मुनिपुत्र 4 घ 109	जिनवाल जिनरामी की चोपई	Jinapāla Jinarākhī ki Caupai	वरजाग (भायमदर निव्य)	"
284	घागिया 4 घ 88	" -चौडानिया	Cauḍhāliyā	—	"
285	क नाथ 18/91	जिनमुक्ति मूरि बहू-भास	Jinamuktisūri Bḥata Bhāṣā	मुनिमुल	"
286	बुधुनाथ 10/136	जेरगुठ (कीरपारणा) गीत	Jiraṇa Seṭha Gīta	मालमुनि	"

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	प्रा मा.	80	25 × 11 × 6 × 26	संपूर्ण 20 उद्देशक प्र. 300	1836	
„	प्रा.	27	27 × 10 × 13 × 32	„ „	19वी	
„	स.	14	25 × 11 × 15 × 45	„	1785	
„	मा.	27	25 × 11 × 11 × 42	„ 21 उद्देशक प्र. 801	1824	(5 पन्ने तक टब्बार्थ भी है)
„	„	7	26 × 11 × 15 × 43	„ 178 गा.	1616 मुदरडा जीवा	
„	„	4	26 × 11 × 19 × 60	„ „	1642	1522 की कृति
„	„	42	27 × 12 × 14 × 34	„ 1180 गा.	1729	
„	„	14	16 × 13 × 15 × 24	„ 180 गा.	18वी	
(शील विषये) जीवन चरित्र	„	19	27 × 12 × 17 × 54	अपूर्ण 1385 गा	19वी	
„	„	11*	26 × 12 × 13 × 34	„ (41 गा. तक)	20वी	
„	„	4	25 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण 19 कथासह	1793	
„	„	50	14 × 10 × 9 × 16	प्रथम चार पन्ने नहीं है	1830	
„	„	6	24 × 11 × 12 × 32	अपूर्ण	19वी	अत मे 3 पन्ने गुरु गीत के है
„	„	5	26 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण 19 कथासह	„	
„	„	15	26 × 11 × 16 × 37	„	„	
„	„	2	26 × 11 × 13 × 44	„	„ × हरिनाथ	
„	„	15	25 × 12 × 17 × 45	„	20वी	
श्रीकृष्ण जीवन प्रसंग	„	14	25 × 11 × 10 × 32	„ पहिला पन्ना कम	1695	
„	„	16	22 × 11 × 12 × 27	„	1826	
„	„	10,17 8,8	22 से 26 × 11 से 15	„	19वी	
श्रीपदेशिक-कथा	„	5	26 × 11 × 14 × 51	„ 162 छंद	18वी ऋषि- रूपजी	
„	„	30*	15 × 10 × 12 × 20	„	18वी	
गुरु जीवन-गाथा	„	4	21 × 11 × 9 × 25	„	„	
भ. महावीर जीवन प्रसंग	„	2	28 × 12 × 11 × 48	„ 31 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
287	शिवामंदिर 3 इ 345	जीरण सेठ (वीरपारणा) गीत	Jirāṇa Setha Gīta	मालमुनि	प
288	9 कोलडी 323, 926	, 2 प्रतिमा	2 copies	—	
290	महावीर 6 इ 51	जन कुमारमभवमहाकाव्य	Jankumāra Sambhava Mahākāvya	जयशेखरसूरि	"
291	के नाथ 20/49	भाभरिया मुनि सज्जाय	Jhānjhariyā Muni Sajjāy-	भाजरत्न	"
292	क नाथ 5/5	दालसागर	Dhāla Sāgara	गुणसूरि	"
293	बुधनाथ 43/3		"	"	"
294	कानडी 1140			"	"
295	क नाथ 15 213	तपोधनमुनि स्वाध्याय	Tapodhana Muni Svādhya	—	,
296	के नाथ 19 101	ताबलीनापस ढाल	Tāmbali Tāpasā Dhāla	—	"
297	के नाथ 2 /4	त्रिमूवनकुमार चरित्र	Tribhuvana Kumāra Charitra	यतिमुन्दर	ग प
298	क नाथ 6/74	त्रिपट्टी लक्ष्मण महापुराण	Trisasthī Laksana Mahā Purāṇa	जिनसेन	पद्य
299	प्रोसिया 4 अ 90	त्रिपट्टी लक्ष्मण पुण्य चरित्र प्रथम पव	Trisasthī Silālā Puruṣa Charitra 1st Parva	हमनद्राचय	,
300	कोनडी 159	प्रथम पव	, 1st Parva	"	"
301	क नाथ 11/18	, 7 स 9 पव	7th to 9th Parv	"	"
302	महावीर 4 अ 70	, आठवा पव	, 8th Parva	"	,
303	के नाथ 21/44	,	"	"	,
304	के नाथ 1/13	,	"	"	"
305	महावीर 4 अ 28	, दसवा पव	, 10th Parva	"	"
306	महावीर 4 अ 31	" "	"	"	,
307	के नाथ 29/40	, परिशिष्ट पव	, Parīśiṣṭa Parva	"	,
308	महावीर 4 अ 75	,	"	"	,
309	प्रोसिया 4 अ 10	"	"	"	"
310	महावीर 4 अ 12	" "	"	"	"
311	महावीर 4 अ 11	" "	"	"	"
312	महावीर 4 अ 15	" "	" "	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
भ. महावीर जीवन प्रसंग	मा.	3	20 × 12 × 9 × 22	संपूर्ण 30 गाथा	19वीं पं. मुकुन्द-चदजी	
"	"	2,3	26 × 10 व 26 × 12	" 31 गाथा	"	
जीवन चरित्र महा-काव्य	म.	33	26 × 12 × 14 × 49	" 11 सर्ग ग्र. 1500	18वीं	ऋषभदेव-चरित्र
जीवन-प्रसंग	मा.	4	21 × 12 × 11 × 26	"	1935	
कृष्णपाण्डव इतिहास	"	13	26 × 11 × 11 × 36	" ग्रथाग्र 5812	1739	
"	"	67	16 × 23 × 25 × 26	अपूर्ण (58 ढाल तक)	19वीं	
"	"	24	25 × 12 × 17 × 45	" (27 ढाल तक)	"	
जीवनो	"	1	26 × 12 × 13 × 50	संपूर्ण	20वीं	
औपदेशिक-जीवन	"	68*	26 × 12 × 20 × 50	"	19वीं	
"	स.	17	26 × 13 × 16 × 42	" ग्र. 800	"	
औपदेशिक ऐति-हासिक	"	54	29 × 13 × 12 × 33	अपूर्ण 21 से 25 पर्व	"	
ऋषभभरतादि-चरित्र	"	132	31 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण 6 सर्ग ग्र. 5000	15वीं (या उससे पुरानी)	प्रति मे विक्रम 114. सबत् लिखा है
"	"	163	26 × 11 × 13 × 46	" " 5017	17वीं	
रावणजन्म से पार्श्वप्रभु	"	119	26 × 11 × 15 × 48	सातवे के सर्ग 1 से नौ वे सर्ग 4 तक	16वीं	
नेमि-चरित्र	"	147	25 × 11 × 14 × 42	संपूर्ण 12 सर्ग	17वीं	
"	"	44	26 × 11 × 17 × 47	अपूर्ण प्रथम से तृतीय सर्ग	"	
"	"	92	25 × 12 × 13 × 28	तीसरा सर्ग	19वीं	
भ. महावीर चरित्र	"	85	27 × 11 × 15 × 48	संपूर्ण 11 सर्ग	1672 जैसलमेर	
श्रेणिक चरित्र भाग	"	46	27 × 12 × 14 × 38	ग्र. 1350	1887 अजीमगज	
स्थविर-चरित्र	"	77	26 × 11 × 17 × 60	संपूर्ण 13 सर्ग ग्र. 3460	1619	कन्याराचद
"	"	107	25 × 11 × 14 × 42	" " "	1753 पद्मविजय	
"	"	72	26 × 12 × 18 × 45	" " 3664	19वीं विक्रमपुर	
"	"	126	28 × 13 × 13 × 35	" " 3895	1913, वालोचर	
"	"	129	26 × 13 × 13 × 36	" " 3560	1959	इद्रचद्र
"	"	124	27 × 13 × 13 × 37	" " "	20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
313	ब नाम 19/24	भारत मधुसूत गोपद	Thāvacā Suta Caupal	मधुसूत	व
314	14/74	दशमोत्तमस्य विवरण	Damayanti (Nalacampu) Vivarana	वदन्ता	व
315	बोरो 149	दशमोत्तमस्य विवरण	Dayādi para Kathāśaka	—	व
316	150			—	
317	क नाम 15/134	दशमोत्तमस्य	Dāśa As arya	(दशमोत्तमस्य)	
318	15/53				
319	बोरो 153	दशमोत्तमस्य	Dasa Dīpā ta	—	
320	मनिमुद्रत 4 प 15			—	
321	के नाम 15/146			—	
322	14/11	दशमोत्तमस्य	Dasāṅgibh dra Saṅgibhāna	—	
323	बुधनाम 15/56	बोधनाम	Caḍḍhābhyā	—	व
324	का रो 1089	दशमोत्तमस्य विवरण	Dā śa Caṅkulaśaka Balavab dha	—	व
325	मनिमुद्रत 4 प 111	दशमोत्तमस्य	Dāmana Seṭha ki Caupal	दशमोत्तमस्य (बोधनाम)	व
326	बोधनाम 2-198	दशमोत्तमस्य	Dīpā: ta Śataka	—	मूट
327	2/301			—	
328	बोधनाम 2/37			दशमोत्तमस्य	व
329	बुधनाम 54/2	बोधनाम	.. Saṅgraha	—	व
330	बोधनाम 4 प 181			—	
331	मनिमुद्रत 4 प 161			—	व
332	बुधनाम 38/4			—	व
333	बोधनाम 4 प 177			—	
334	ब नाम 29/17	दशमोत्तमस्य	Devaki Rāsa	बोधनाम	व
335	, 19/19				
336	.. 19/101	दशमोत्तमस्य	Devadatta Dhāla	—	
337	बोधनाम 4 प 92	बोधनाम	Draupadī Rāsa	बोधनाम (मा सुमुद्रत विवरण)	

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रीपदेशिक-जीवनी	मा.	16	26 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण 447 गा.	1711	
„	स.	64	28 × 9 × 13 × 40	„ 7 उल्लास ग्र 1900	1660	
धर्मफल पर दृष्टांत	मा.	8	26 × 13 × 14 × 34	„	19वी	
„	„	13	24 × 12 × 12 × 32	„	„	
अभूतपूर्व घटनायें	स.	10	26 × 11 × 15 × 32	„	„	
„	मा.	10	24 × 12 × 10 × 18	„	1858	
श्रीपदेशिक-कथानक	स.	22	27 × 10 × 14 × 45	„	1598	
„	„	23	27 × 11 × 15 × 44	„	17वी	
„	„	15	25 × 11 × 19 × 50	अपूर्ण 8 कथाये	19वी	
„ जीवन-प्रसंग	अ	2	26 × 10 × 12 × 51	संपूर्ण	16वी	
„ „	मा.	3	22 × 10 × 9 × 25	„ 4 ढाले	19वी	
शीलविपयक	„	32	25 × 10 × 20 × 60	प्रतिपूर्णा दूसरे कुलक की कथाये	1762	
श्रीपदेशिक-चरित्र	„	15	25 × 11 × 12 × 39	संपूर्ण 17 ढाले	1849	
„ कथानक	प्रा स. + मा.	13	25 × 12 × 6 × 39	„ 140 गा 100 कथा	19वी अजार- नगर	
„ „	स. + मा.	10	43 × 11 × 5 × 51	अपूर्ण 51 कथाये	20वी	
„ „	स.	40	21 × 11 × 4 × 24	संपूर्ण 102 श्लोक की कथाये	1935	
श्रीपदेशिक लघु कथानक	„	20	26 × 11 × 16 × 72	संपूर्ण 100 से उपर कथानक	16वी	
शीलप्रमाद व क्रोध पर	„	8	24 × 10 × 16 × 41	„ 3 कथाये	17वी	
श्रीपदेशिक-कथानक	„	16	26 × 11 × 18 × 61	अपूर्ण	„	
„	„	20	26 × 11 × 18 × 56	„ 49 से 121 कथानक	19वी	
„	मा.	72	20 × 11 × 13 × 34	„ (बीच के पन्ने)	„	
जीवन चरित्र-गज सुकमाल-प्रसंग	„	3	34 × 21 × 65 × 34	संपूर्ण 19 ढाल	„	
„	„	17	24 × 14 × 15 × 28	„ „	1941 शक्तिग्राम लक्ष्मीसागर	पूर्वोक्त का ही पाठ
श्री. जीवन प्रसंग	„	68*	26 × 12 × 20 × 50	„	19वी	
जीवन-प्रसंग	„	66	26 × 11 × 12 × 30	संपूर्ण 48 ढाल/गा. 1185	1940 वीकानेर विनयसुंदर	प्रथकार का अपरना सौजन्यसुंदर

1	2	3	3A	4	5
338	क ना 6/3	धनदय दीवई	Dhanāyaya Caupā	धनदय नाम	प
339	धामिना 3-177	धनानुदि मन्नाय	Dhani ā Rṣi Sajjhāya	धनानुदि	.
340	क ना 26/91	धीन	Caupā	धनानुदि (क ना 26/91)	.
341	6/55			.	.
342	1/5	धना दय	Prabandha	धनानुदि नाम	..
343	मुनिमुद्रत 3 2 52	धनानुदि मन्नाय	Dhani ā Muni Sajjhaya	—	..
344	क ना 26 91 गु	धमि	Sandha	धनानुदि नाम	.
345	19/115	धनानुदि मन्नाय	Dhani ā Sāmbandha Pāsa	धनानुदि नाम	.
346	,			धनानुदि नाम	..
347	19 109			.	..
348	क ना 365	
349	क ना 5 93	
350	क ना 4 701	
351	मुनिमुद्रत 4 140	
352	क ना 214 36	3 प्रतिपा	3 copica	..	1
354	मु 9/12				
355	क ना 24/80
356	क ना 1088	धनानुदि नाम	..
357	क ना 10/183	.. -सम्भय	.. Sajjhāya	धनानुदि नाम	..
358	क ना 14/13	.. -राम	.. Rāsa	धनानुदि नाम	..
359	13/34	.. -मय ध	.. Sambandha	धनानुदि नाम	..
360	, 10/21	.	.	—	..
361	, 11/19	.	.	—	..
362	, 15/232	..	.	—	..
363	.. 21/92	धम्मिल चरित्र	Dhammīla Caritra	—	..
364	मुनिमुद्रत 4 160	..	.	—	.

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रीपदेशिक-जीवनी	मा.	5	26 × 11 × 21 × 53	संपूर्ण	1773	
„ जीवन-प्रसंग	„	2	25 × 11 × 9 × 31	„ 22 पद	19वी	
„ जीवन चरित्र	„	21	16 × 13 × 15 × 24	„ 333 गा.	18वी	
„ „	„	10	25 × 11 × 15 × 50	„ 328 गा.	19वी	
„ „	„	15	26 × 11 × 13 × 42	„ 332 गा	18वी	
श्रीपदेशिक-प्रसंग	प्रा.	1	25 × 11 × 15 × 52	अपूर्ण 10 गा.	„	माथ मे 'गौतम कुलक'
„	मा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	संपूर्ण 63 गा.	„	
„ जीवनी	„	37*	26 × 11 × 13 × 43	„ 218 गा	1723	(दान ऊपर)
„ „	„	37*	26 × 11 × 13 × 43	„ 29 ढाले	„	1668 की कृति
„ „	„	15	25 × 11 × 15 × 42	„ „	1778	
„ „	„	24	26 × 11 × 14 × 39	„ „	1817	
„ „	„	39	23 × 12 × 10 × 25	„ „ गा 501	1832	
„ „	„	29	23 × 11 × 13 × 33	„ „ सचित्र	1834	कुल 31 चित्र
„ „	„	31	22 × 11 × 12 × 26	„	1841	नागपुर
„ „	„	15,16गु	15 से 27 × 10 से 11	„ ग्रंथाम्र 600	19वी	
„ „	„	19	25 × 11 × 15 × 41	„	„	
„ „	„	24	27 × 11 × 14 × 60	अपूर्ण (द्वितीय उल्लास की 337 गाथा तक)	„	
„ „	„	1	25 × 12 × 14 × 40	संपूर्ण 7 गाथा	„	
„ „	„	25	25 × 11 × 13 × 31	„ 29 ढाल (पहिला पन्ना कम)	1720	
„ „	„	19	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण ढाल 36वी तक गा 682	19वी	
„ „	„	17	27 × 12 × 13 × 44	अपूर्ण	„	
„ „	„	11	27 × 13 × 15 × 40	„ 98 से 327 गा तक	„	
„ „	„	4	27 × 13 × 15 × 33	„ ढाल 6 तक	„	
„ „	सं	19	26 × 11 × 17 × 53	संपूर्ण 478 श्लोक	1690	
„ „	„	13	26 × 11 × 18 × 52	अपूर्ण 300 श्लोक	18वी	